वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT

2014-15

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN AYURVEDIC SCIENCES

Ministry of AYUSH, Government of India

New Delhi

वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2014-15

CCRAS

okf"kd çfronu

2014-15

dUæh; vk;qosnh; foKku vuqla/kku ifj"kn
vk;q"k ea=ky;] Hkkjr ljdkj
ubl fnYyh

fo"k; lph

क्र.स.	विवरण	पृष्ठ संख्या
I.	Çlgkoykdu	
	1.1 परिषद् के उद्देश्य	1-2
	1.2 उपलब्धियों पर एक दृष्टि	3-4
II.	icU/ku	
	2.1 शासी निकाय	5-7
	2.2 स्थायी वित्त समिति	8
	2.3 वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति एवं वैज्ञानिक परामर्शदात्री समूह	8-12
	2.4 परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का प्रतिनिधि. त्व एवं अनुसूचित जाति/अनु. जन जाति के लिए कल्याणकारी उपाय	12-13
	2.5 बजट	13
	2.6 राजभाषा कार्यान्वयन समिति	13
	2.7 संगठनात्मक स्वरूप	13-19
III.	rduhdh ifronu	
	1- dæku lkj xfrfof/k;k	20-25
	2- vk"k/kh; ikni vu|l/kku	
	2.1 चिकित्सा–प्रजाति वानसपतिक सर्वेक्षण	25-27
	2.2 कृषिकरण	28-32
	2.3 भेषज अभिज्ञानीय	33
	2.4 अंतःवर्ती औषध पादप अनुसंधान परियोजनाऐं	33-45
	3- vk"k/kh; ekudhdj.k vu|l/kku	
	3.1 औषधीय मानकीकरण	46-49
	3.2 अंतःवर्ती औषधीय मानकीकरण अनुसंधान परियोजनाऐं	49-54
	3.3 अन्य परियोजनाऐं	54
	4- iol vkrjh; vu|l/kku	
	4.1 भेषज गुण वैज्ञानीय गतिविधि	55-56
	4.2 सुरक्षा/विषाक्तता अध्ययन	56-57
	5- आतुरीय अध्ययन	
	5.1 अन्तःवर्ती आतुरीय अनुसंधान कार्यक्रम	58-59
	● संपन्न हुइ परियोजनाएं	59-68
	● चल रही परियोजनाएं	68-89

क्र.स.	विवरण	पृष्ठ संख्या
	5-2 lg;ksfxd vkrqjh; vuqla/kku	
	5.2.1 कोडेड औषध (आयुष मानस) का बच्चों में मानस मदंता पर मल्टी सेंट्रिक डबल ब्लाइण्ड रेण्डमॉइज्ड कण्ट्रोल्ड आतुरीय परीक्षण	89-90
	5.2.2 स्तन कैंसर के रोगियों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए रसायन चिकित्सा/विकीरण चिकित्सा की सहौषध के रूप में कोडेड औषध ''आयुष क्यूओएल–2सी'' का मल्टी सैन्ट्रिक डबल ब्लाइंड रेन्डोमाइज्ड कंट्रोल आतुरीय परीक्षण	90-91
	5.2.3 हस्तनिर्मित तथा स्वचलित यंत्र द्वारा निर्मित क्षारसूत्र का भगंदर रोग में तुलनात्मक आतुरीय मूल्यांकन एक बहुकेन्द्रक डबल ब्लाइंड रेन्डोमा. इज्ड कंट्रोल अध्ययन	92
	6- lkfgfR;d vuqla/kku ,o iy[khdj.k dk;Øe	
	6.1 प्रकाशन एवं प्रलेखीकरण	93-94
	6.2 अन्तःवर्ती साहित्यिक अनुसंधान कार्यक्रम	94-103
	6.3 आयुष अनुसंधान पोर्टल	103-104
	6.4 सीसीआरएएस रिसर्च मैनेजमैंट इनफॉरमेशन सिस्टम (आरएमआईएस)	105
	6.5 लोकदावों का प्रलेखीकरण/एल.एच.टी.	106
	6.6 शोध पत्र	107-129
	7- fofo/k xfrfof/k;k	
	7.1 आदिवासी स्वास्थ्य सुरक्षा अनुसंधान कार्यक्रम	130-142
	7.2 बहिरंग रोगी विभाग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाए	143-145
	7.3 वृद्धावस्था स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु विशेष क्लीनिक	146-147
	7.4 कस्तूरी मृग प्रजनन कार्यक्रम	148
IV.	lkok&fjXik	149-151
V.	lpuk] f'k{kk ,o lpkj dk;Øe ¼vkb-b-lh-½	
	1. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन	152-153
	2. संगोष्ठी, कार्यशाला, सम्मेलन आदि में सहभागिता	154-161
	3. आरोग्य मेला/ प्रदर्शनियों में सहभागिता	162-171
VI.	vkHkkj	172

I. flagkoyksdu

1-1 ifj"kn dk mÌs'';

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त शासी निकाय है, जो भारत में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक विधि से शोध कार्य प्रतिपादित करने, उसमें समन्वय स्थापित करने, सूत्रबद्ध करने, उसका विकास करने एवं समुन्नत करने हेतु शीर्ष राष्ट्रीय निकाय है। सम्पूर्ण भारत में परिषद् अपने कार्यों का निष्पादन अपने 30 संस्थानों/केंद्रों/एककों के माध्यम से तथा सहयोगपूर्ण अध्ययनों को विभिन्न विश्वविद्यालयों, अस्पतालों एवं संस्थानों के माध्यमों से करती है। परिषद् की अनुसंधानात्मक गतिविधियों में औषधीय पादप अनुसंधान (औषध प्रजाति वानस्पतिक सर्वेक्षण भेषजगुण अभिज्ञानीय, पादप ऊतक संजनन) औषध मानकीकरण, भेषजगुण विज्ञानीय अनुसंधान, आतुरीय अनुसंधान, आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान एवं प्रलेखीकरण कार्यक्रम सम्मिलित हैं।

dsUæh; ifj"kn ds LFkkiuk dk mÌs';%

1. आयुर्वेदीय विज्ञान में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान के उद्देश्यों एवं विधियों का निरुपण करना।
2. आयुर्वेदीय विज्ञान में किसी भी अनुसंधान या अन्य कार्यक्रमों को प्रारम्भ करना।
3. अनुसंधान कार्य में सहायता करना एवं उसका निष्पादन करना, रोगों के कारणों एवं उसके रोकथाम हेतु ज्ञान एवं प्रयोगात्मक मानदंडो का प्रचार–प्रसार करना।
4. आयुर्वेदीय विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का मौलिक, व्यावहारिक एवं विभिन्न वैज्ञानिक अनुसंधान प्रारम्भ करना, सहायता देना, विकास एवं समन्वय करना तथा रोगों के कारणों और उनसे बचाव एवं उपचार के अध्ययन के लिए अनुसंधान संस्थाओं को उन्नत करना एवं सहायता प्रदान करना।
5. केन्द्रीय परिषद् के उद्देश्यों के प्रोत्साहन हेतु अनुसंधान को वित्त प्रदान करना।
6. केन्द्रीय परिषद् के समान उद्देश्यों में रूचि रखने वाले संस्थाओं, संघों एवं समितियों के साथ सू.चनाओं का आदान–प्रदान करना और विशेषकर पूर्वी देशों एवं भारत में रोगों के अध्ययनों एवं अवलोकन का आदान–प्रदान करना।
7. केन्द्रीय परिषद् के उद्देश्यों के प्रोत्साहन हेतु प्रपत्रों, पोस्टर्स पुस्तिका सामयिक पत्रिका एवं पुस्तकों को तैयार करना, मुद्रण करना, प्रकाशन एवं प्रदर्शन करना तथा ऐसी साहित्यिक गतिविधियों में योगदान करना।
8. केन्द्रीय परिषद् के उद्देश्यों के प्रोत्साहन में निधि के लिए आवेदन तैयार करना, अपील जारी करना तथा उपर्युक्त उद्देश्यों के लिए उपहार, दान, नकद अंशदान, सुरक्षित राशि एवं चल या अचल संपत्ति को स्वीकार करना।
9. केन्द्रीय परिषद् से संबंधित किसी भी चल या अचल संपत्ति को गिरवी रखकर अथवा जमानत या वचन देकर अथवा अन्य किसी भी प्रकार से सुरक्षित राशि के साथ अथवा सुरक्षित ऋण शुल्क पर ऋण लेना या धन जुटाना।

10. केन्द्रीय परिषद् के धन का निवेश एवं निधि का संचालन अथवा परिषद् को सौंपे गए धन का संचालन इस रीति से तुरन्त आवश्यक नहीं है, क्योंकि ये केंद्रीय परिषद् की शासी निकाय द्वारा समय–समय पर निर्धारण किया जा सकता है।
11. भारत सरकार की ओर से रोकी गई निधि को परिषद् की उपयोग हेतु अनुमति देना।
12. केन्द्रीय परिषद् के उद्देश्यों के लिए किसी चल अथवा अचल संपत्ति को आवश्यक तथा सुविधा के अनुसार अस्थाई या स्थाई रूप से अधिग्रहण करना और रखना।
13. केन्द्रीय परिषद् के चल अचल संपत्तियों को बेचना, किराये पर देना, गिरवी रखना, और बदलना तथा अचल संपत्ति के स्थानान्तरण के संबंध में केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति लेकर स्थानान्तरित करना।
14. केन्द्रीय परिषद् के प्रयोजन एवं आवश्यकता के लिए किसी भवन को खरीदना, निर्माण, रख–रखाव, बदलना जैसा भी परिषद् के लिए सुविधाजनक हो।
15. जहां भी वांछनीय हो, किसी भी स्थायी निधि के दान हेतु या ट्रस्ट निधि के दान के प्रबंधन का कार्य करना और स्वीकार करना।
16. केन्द्रीय परिषद् के उद्देश्यों के प्रोत्साहन हेतु यात्रावृत्ति समेत पुरस्कार एवं छात्रवृति अनुदान देना।
17. संस्था के अंर्तगत प्रशासनिक, तकनीकी, मंत्रालय अनुसचिवीय एवं अन्य पदों का सृजन करना और संख्या के नियमों एवं विनियमों के तहत नियुक्ति करना।
18. परिषद् के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लाभार्थ भविष्य निधि अथवा पेंशन निधि स्थापित करना।
19. इसी प्रकार अन्य वैधानिक कार्यों को अकेले अथवा ऐसे किसी संस्था के संयोजन के साथ करना जिन्हें केंद्रीय परिषद् आवश्यक समझती हो अथवा उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए करना चाहती हो।
20. अनुसंधान एवं विकास परामर्श परियोजनाओं को लेना तथा औषधियों पर पेटेंट को स्थानान्तरित करना एवं उद्योगों को देने की प्रक्रिया करना।
21. सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में उद्योगों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को लेना।
22. अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर संस्थागत सहयोग को लेना ।
23. अनुसंधान के परिणामों का उपयोग करना तथा इन अनुसंधानों में सहयोग देने वाले को रोयल्टी /परामर्श शुल्क के भाग का भुगतान करना।
24. अन्य देशों की वैज्ञानिक संस्थाओं के साथ वैज्ञानिकों के आदान–प्रदान, अध्ययन यात्रा, विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षण संयुक्त परियोजनाओं का संचालन आदि के प्रबंधन में शामिल होना।
25. परिषद् की गतिविधियों को सुसंगत बनाने के संबंध में सरकारी/निजी एजेन्सी को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
26. अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु औषध पादप बोर्ड, भारत सरकार की सहायता करना।
27. अनुसंधान एवं विकास की गतिविधियों के पर्यवेक्षण के लिए स्थानीय क्षेत्रों के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों/चिकित्सकों की प्रबंध लघु समिति गठित करना एवं परिषद् के सभी केन्द्रीय एवं अनुसंधान संस्थानों की गतिविधियों में सुधार लाने के लिए उपचारात्मक मानदंडों हेतु सुझाव देना।

1-2 miyfC/k;ksa ij ,d nf"V

परिषद् ने प्रतिवेदन अवधि के दौरान परिषद् की गतिविधियाँ यथा औषध पादप अनुसंधान चिकित्सा प्रजातीय वानस्पतिक सर्वेक्षण, भेषजअभिज्ञान तथा कृषिकरण औषध मानकीकरण, भेषजगुण विज्ञानीय अनुसंधान, नैदानिक अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान तथा प्रलेख कार्यक्रम को जारी रखा गया। विस्तृत गतिविधियों में आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान कार्यक्रम, बहिरंग एवं अंतरंग विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवा, वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक, एवं कस्तूरी मृग प्रजनन कार्यक्रम इत्यादि शामिल हैं।

आतुरीय अनुसंधान कार्यक्रम

अंतःवर्ती अनुसंधान कार्यक्रम

आईएमआर के 07 परियोजनाओं के अधीन 6 रोग स्थितिओं यथा आमवात, अस्थिक्षय, रसायन, अर्श, पोलिसिसटिक ओवरी सिन्ड्रोम एवं वातरक्त पर अध्ययन पूरा कर लिया गया है। अतुरीय अनुसंधान के अंतर्गत 16 आईएमआर परियोजनाएं 13 रोग/स्थितिओं यथा मानसमंदता, टाइप–II मधुमेह, किटिभ, मनोद्वेग, जीर्णकास, आमवात, अस्तिक्षय, संधिवात, पांडू, तमक श्वास, इरिटेबल बॉउल सिंड्रोम, कोग्निटिव डेफिसिट एवं रसायन पर परिषद् के 18 संस्थानों में अध्ययन चल रहा है।

संयुक्त आतुरीय अनुसंधान

प्रतिवेदन अवधि के दौरान नैदानिक अनुसंधान कार्यक्रम के अन्तर्गत मानस मंदता पर आयुर्वेदिक कोडेड औषधी का सभी केन्द्रों पर अध्ययन कार्य पूर्ण हो चुका है एवं दो अध्ययन – स्तन कैंसर रोगियों (आयुष क्युओएल–2सी) की जीवनशैली की गुणवत्ता में सुधार हेतु तथा हस्तनिर्मित क्षारसूत्र का तुलनात्मक आतुरीय मूल्यांकन एवं भगन्दर में स्वतःचलित मशीन द्वारा एक बहुकेन्द्रिक डबल अंधतारूग्णता नियन्त्रण का परीक्षण चल रहे है।

औषधि अनुसंधान कार्यक्रम

चिकित्सा पादप अनुसंधान

परिषद् द्वारा 5 राज्यों के चयनित क्षेत्रों में औषध प्रजातीय वानस्पतिक सर्वेक्षण के अर्तगत की 20 दौरे किए गए। सर्वेक्षण के दौरान 39 संग्रहालय नमूने, 367.72 कि.ग्रा कच्ची औषधि संग्रहित की गई तथा 263 लोक दावों का प्रलेखीकरण किया गया। कुल 18 औषधि का भेषजगुण विज्ञानीय अध्ययन किए गए। संस्थान के उद्यानों में 48 नए औषध पादप आरोपित किए गए। औषधि मानकीकरण के अंतर्गत 16 अंतःवर्ती औषध पादप अनुसंधान परियोजनाएं चल रही है।

औषधी मानकीकरण

औषधी मानकीकरण के तहत 25 एकल औषधियों का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त 11 अंतःवर्ती औषधी मानकीकरण अनुसंधान परियोजनाओं का कार्य चल रहा है।

Hks"kt xq.k foKkuh; vuqla/kku

इसके अंतर्गत 3 कोडेड औषधियों का भेषजगुण विज्ञानीय/विषाक्तता अध्ययन पूरा कर लिया गया है तथा 3 औषधियों पर अध्ययन प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त 3 औषधियों का जीव विज्ञानीय गतिविधि अध्ययन किया गया जिसमें से एक का कार्य पूर्ण हो चुका है।

vkfnoklh LokLF; j{kk vuqla/kku dk;ZØe

आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद् ने 236 ग्रामों की 78,599 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया। जिसमें से 65670 जनसंख्या आदिवासियों की थी। सर्वेक्षण के दौरान 22,394 रोगियों को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई जिसमें से 18427 रोगी आदिवासी थे, तथा 140 लोकप्रचलित दावा/एलएचटी का प्रलेखीकरण किया गया।

okM-xe; vuqla/kku dk;ZØe

वांड.गमय अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा प्रजाति वानस्पतिक अध्ययन, औषध एवं रोगों से संबंधित संदर्भों का संकलन, शास्त्रीय ग्रंथों, कोषविज्ञान, समसामयिक साहित्य आयुर्वेद तथा आधुनिक चिकित्सा के प्रकाशनों के कार्य को जारी रखा गया। परिषद् ने समसामयिक पत्रिका यथा आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान पत्रिका, आयुर्वेद एवं सिद्ध औषधि अनुसंधान पत्रिका तथा भारतीय आयुर्विज्ञान इतिहास पत्रिका प्रकाशित हुई है। प्रतिवेदन अवधि में 8 पुस्तकों, दो मार्गदर्शिकाओं का प्रकाशन किया गया। इसके साथ–साथ 5 अंतःवर्ती वांगमय अनुसंधान कार्यक्रम जारी है।

vk;q"k vuqla/kku iksVZy & आयुष में अनुसंधान प्रकाशन हेतु वेब आधारित पोर्टल सफलता पूर्वक चल रहा है तथा समसामयिकी सूचनाओं को अद्यतन किया गया। अद्यतन 20190 वैज्ञानिक प्रकाशनों को अपलोड किया गया।

vkbZbZlh xfrfof/k;k¡

प्रतिवेदन अवधि में परिषद् ने आरोग्य मेलों, प्रदर्शिनियों में भाग लिया तथा आयुर्वेदीय ज्ञान एवं जागरूकता के प्रचार–प्रसार हेतु विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण, कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों का भी आयोजन किया गया।

ubZ fnYyh
fnukad % 03 tqykbZ 2015

¼izks- oS| djrkj flag /kheku½
egkfuns'kd

II. izc/ku

2-1 'kklh fudk;

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के नियम XXI के अंतर्गत 29.07.2011 को पंजीकृत एक संस्था है यह (पूर्व में दिनांक 30 मार्च 1978 को केन्द्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद् के रुप में पंजीकृत थी) 31 मार्च 2015 को समाप्त प्रतिवेदन अवधि में परिषद् के शासी निकाय के सदस्य इस प्रकार से हैं। इसका पुनर्गठन 17 मार्च, 2015 को हुआ।

1.	अध्यक्ष	Jh Jhin ;Llk ukbd] राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय (9.11.2014 से) Mk- g"kZo/kZu केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री (26.5.2014 से 9.11.2014 तक) Jh- xqyke uch vktkn (25.5.2014 तक) केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
2.	उपाध्यक्ष	Jh fuykUtu lkU;ky] सचिव
3.	अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकाररू स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	Jh vkj-d- tSu (02.10.2011 से)
4.	संयुक्त सचिव (आयुष)	Jh ckyk izlkn – 14.11.2014 तक Jh ,-d-xqjhoky – 15.11.2014 से

आयुष विभाग को 09.11.2014 से एक स्वतंत्र प्रभार आयुष मंत्रालय के रुप में उन्नत कर दिया गया है।

v'kkldh; lnL; %

vk;qosZn esa i[;kr 'kks/kd@f'k{kd

5. प्रो., एच.एम. चन्दोला — सदस्य
   निदेशक/प्राचार्य चौधरी ब्रह्मप्रकाश
   आयुर्वेदिक चरक संस्थान, रा.राजधानी क्षेत्र दिल्ली, सरकार दिल्ली

fo'ofo|ky;@ik-@'kks/kdrk

6. प्रो.,पी.एम.कृष्णा — सदस्य
   पंचकर्म विभाग
   एस.वी.आयुर्वेदिक एवं पी.जी.अध्ययन, तिरुपति

7. प्रो., धनेश्वर कलिता — सदस्य
प्राचार्य,
शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, गुवाहाटी

8. प्रो. महेश चन्द्र शर्मा — सदस्य
निदेशक,
एस.बी.एल.डी.आयुर्वेद विश्वभारती
सरदार, शहर, राजस्थान

vk;qosZn esa fo'ks"kK ¼fo'ofo|ky; ik-@'kk/kdrk dk vfrfjä½

9. वैद्य राजेश कोटेचा — सदस्य
कुलपति, गुजरातआयु, विश्विद्यालय
जामनगर (गुजरात)

10. वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा — सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन, नई दिल्ली

Hks"kt xq.k foKku fo'ks"kK

11. प्रो.वाई.के.गुप्ता, — सदस्य
प्रो. एवं विभागाध्यक्ष
भेषज गुण विज्ञान
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

jlk;u fo'ks"kK

12. डॉ. एस. के. श्रीवास्तव — सदस्य
मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष औषधि रसायन विभाग
सी.आई.एम.एपी., लखनऊ

ouLifr foKku fo'ks"kK

13. डॉ.एच.वी.सिंह — सदस्य
मुख्य वैज्ञानिक वनस्पति विज्ञान,
एमिल फार्मास्युटिकल्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली

vk/kfud fpfdRlk fo'ks"kK

14, डॉ. गोविन्द मखारिया — सदस्य
प्रो. जठराग्नि विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

inu lnL; %&

15. प्रो.वैद्य करतार सिंह धीमान, महानिदेशक, सीसीआरएएस — सदस्य सचिव

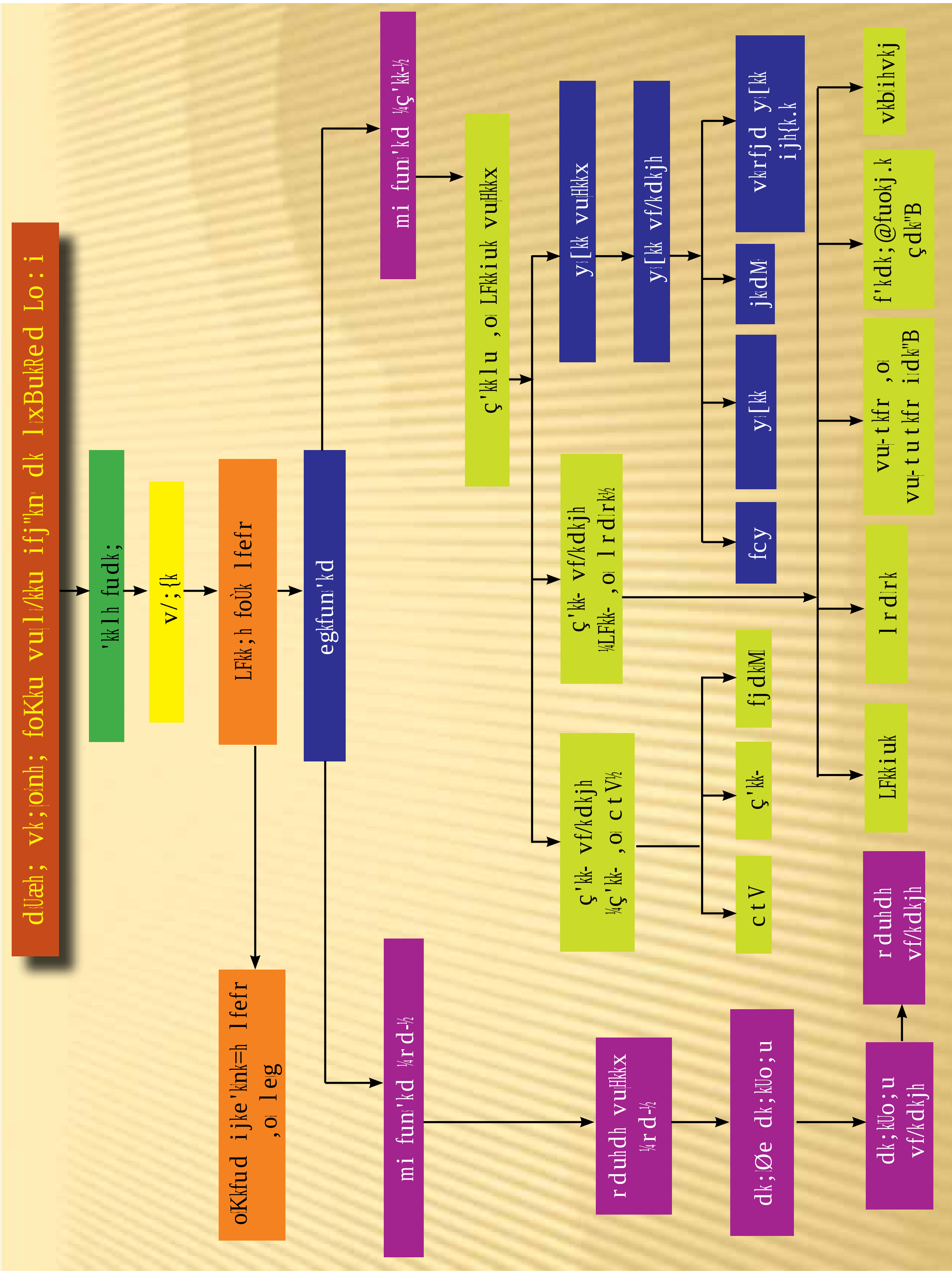

fp= 1 % परिषद् का संगठनात्मक स्वरूप

2-2 LFkk;h foÙk lfefr

स्थायी वित्त समिति निम्न प्रकार से गठित हैः

1.	Jh vfuy dqekj xuqjhoky संयुक्त सचिव आयुष मंत्रालय, भारत सरकार आयुष भवन, आईएनए, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	वित्त सलाहकार या उनके प्रतिनिधि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन,नई दिल्ली	सदस्य
3.	iks- ,p- ,e- pUnksyk निदेशक/प्राचार्य चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान खेरा डाबर, नजफगढ़ रा.राजधानी क्षेत्र दि. सरकार दिल्ली	सदस्य
4.	oS| noUæ f=xq.kk अध्यक्षए अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन, नई दिल्ली	सदस्य
5.	iks- oS| djrkj Çlg /kheku महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली	सदस्य सचिव

प्रतिवेदन अवधि में स्थायी वित्त समिति की 73वीं, एवं 74वीं बैठक क्रमशः 13.06.2014, 15.02.2015, को हुई।

2-3 oSKkfud ijke'kZnk=h lfefr ,oa oSKkfud ijke'kZnk=h lewg

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति (वैज्ञानिक परामर्शदात्री समूह) का गठन 19.3.2015 को हुआ जो निम्न प्रकार से है।

rkfydk 1% वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति

1.	iks-,p-,e-pUnksyk] निदेशक/प्राचार्य चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान रा.राजधानी क्षेत्र दि. सरकार दिल्ली खेरा डाबर, नजफगढ़ नई दिल्ली–110073	अध्यक्ष
2.	iks-ih-ds-iztkifr निदेशक, आयुर्वेद स्नातकोत्तर शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर–361008 (गुजरात)	सदस्य
3.	Mk- ,e-vkj-oh- uEcnjh प्राचार्य अमृता आयुर्वेद विद्यालय,कोल्लम्, केरल तिरूवनन्तपुरम–695018	सदस्य

4.	o| Mh- f=x.kk अध्यक्षए अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन, नई दिल्ली	सदस्य
5.	Mk-oh-d- tk'kh विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग, आयुर्वेद संकाय, आयुर्विज्ञान संस्थान बीएचयू, वाराणसी–221005	सदस्य
6.	ik-, e-lh-'kek] निदेशक, श्री भवॅर लाल डूगर आयुर्वेद विश्वभारती, गॉन्धी विद्या मंदिर, सरदार शहर (राजस्थान) 331402	सदस्य
7.	Mk-lh-d-dfV;kj] सीईओ–स्वास्थ्य रक्षा (तक.) इमामी टॉवर, 5वां तल, 687, आनंदपुर, ई.एम. बाई पास, कोलकाता – 700107	सदस्य
8.	Mk- ykek pk lQy tkVik ¼lkokfjXik½ बी–4,लद्दाख, बुद्विष्ठ विहार, बेला रोड, दिल्ली–110054	सदस्य
9.	Mk- oh-d- dij] 1473, पुष्पक परिसर, सेक्टर–49, बी, चंडीगढ़–160047	सदस्य
10.	Mk- ,l-d- efyd] प्रो. भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, अंसारी नगर, नई दिल्ली–110029	सदस्य
11.	डॉ. एच. वी. सिंह, मुख्य वैज्ञानिक वनस्पति विज्ञान , एमिल फार्मास्युटिकल्स इंडिया लि., नई दिल्ली	सदस्य
12.	Mk- olrk eFkLokeh] पूर्व वरिष्ठ डीडीजी, आईसीएमआर, ए–101, मानचेस्टर रिजेन्ट, अविनाशी रोड, पी.एन. पलयम कोयम्बटूर–37	सदस्य
13.	Mk- vjçon ikM] निदेशक, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, आईसीएमआर, अंसारी नगर, नई दिल्ली–110029	सदस्य
14.	Mk- d- d- fl tkfj;k प्रो.एवं कोआर्डिनेटर, अकेडिमिक व अनुसंधान आयु. एवं यु, तिब्बिया अस्पताल, करोल बाग, नई दिल्ली	सदस्य
15.	ik-o| djrkj çlg /kheku] महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली	सदस्य–सचिव

rkfydk & 2½ सीसीआरएएस के वैज्ञानिक परामर्शदात्री समूह के सदस्य

I.	okxe; vu|l/kku	
1.	Mk- d- Mh- 'kek] डी–16,संजय इन्कलेव, राजापुरी रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली–59	अध्यक्ष
2.	Mk- ch- jkekjko भूतपूर्व निदेशक, मकान नं., 23–49/3, नेताजी नगर, दिलसुखनगर, हैदराबाद–500 060	सदस्य
3.	Mk- deyš'k 'kek] राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, माधव विलास पैलेस, आमेर रोड, जयपुर–302002 (राज.)	सदस्य
4.	Mk- eg'k d|ekj 0;kl] एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्ट. ऑफ बेसिक प्रिंसिपल, आई.पी.जी.टी. एंड आर.ए., गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर–361008	सदस्य
5.	o| rkjkpn 'kek] आयुर्वेद परामर्शक, बी–4,गेट नं. 3, सेक्टर 7, श्री साईं आरोग्य निकेतन, रोहिणी, दिल्ली–110085	सदस्य
6.	ik- o| d- ,l- /kheku] महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली	सदस्य–सचिव
II.	eyHkr foKku ,o ekfyd vu|l/kku	
1.	ik- Jh jke 'k'kfxj lkofjdj] प्रो. रसशास्त्र, सरकारी आयुर्वेद कालेज तुलजापुर रोड,ओस्मानाबाद–413501 (महाराष्ट्र)	अध्यक्ष
2.	ik- ih- d- itkifr] fun'kd] आयुर्वेद में स्नातकोत्तर (शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान), गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर–361008	सदस्य
3.	ik-ru|tk ulljh] अतिरिक्त निदेशक अकादमी, श्री ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान रा.राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार खेरा डाबर, नजफगढ़, नई दिल्ली–110073	सदस्य
4.	Mk- iou xkMkroj] एसोसिएट प्रो.रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), आमेर रोड, जयपुर-02	सदस्य

5.	Mk- th-xhrk —".ku] विभागाध्यक्ष एकीकृत चिकित्सा एवं समग्र उपचार विभाग मेदान्ता— द मेडीसिटी, राजीव चौक, सेक्टर 38, गुड़गांव—122001	सदस्य
6.	Mk- ,l- d- feJk] पूर्व सलाहकार, आयुर्वेद, ए—604, टावर अपार्टमेंट, स्वास्थ्य विहार, दिल्ली— 110092	सदस्य
7.	ik- oS| d- ,l- /kheku] महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली	सदस्य—सचिव
III.	vk"kf/k fodkl	
1.	Mk- d- d- JhokLro] भूतपूर्व निदेशक, डीआरडीओ, 8 I, रेलवे बोर्ड ऑफिसर फ्लैट, सरोजिनी नगर, सरोजिनी नगर रेलवे स्टेशन के पास, नई दिल्ली—110023	अध्यक्ष
2.	Mk- jfo'kadj ch-] निदेशक, एस.डी.एम. सेंटर फॉर रीसर्च इन आयुर्वेद एवं एलाईड साइंसेज एस.डी.एम., कालेज ऑफ आयुर्वेद साइंसेज कैम्पस कुथपेडी उडुप्पी—574118, कर्नाटक	सदस्य
3.	çk- oh- d- tk'kh] द्रव्यगुण विज्ञान विभाग, आयुर्वेद संकाय, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) पीओ लंका, वाराणसी—221 005	सदस्य
4.	ik- vkuUn pk/kjh] रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान संकाय संस्थान, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) पीओ लंका, वाराण ासी—221 005	सदस्य
5.	Mk- ,l- lh- tSu] विभागाध्यक्ष केमिस्ट्री, दिल्ली विश्वविद्यालय, ए—2/299, पश्चिम विहार नई दिल्ली—110063	सदस्य
6.	ik- oS| djrkj çlg /kheku] महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली	सदस्य—सचिव
IV.	Dyhfudy fjlpZ	
1.	Mk- uUnuh d- dqekj] पूर्व उप महानिदेशक, सीनियर ग्रेड (आईसीएमआर) अन्वेषक एनआईएच परियोजना डॉ.टी.एम.ए. ईन्डोमेंट चेयर, मणिपाल विश्वविद्यालय, एजक्ट प्रो.कस्तुरबा मेडिकल कालेज, मणिपाल, कर्नाटक	अध्यक्ष

2.	ik- ih- d- itkifr] निदेशक, आयुर्वेद में स्नातकोत्तर शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर–361008 (गुजरात)	सदस्य
3.	Mk- m/key FkÙk] प्रोफेसर विभगाअध्यक्ष नैदानिक भेषजगुण विज्ञान, सेंट जीएस मेडिकल कॉलेज एवं केई हॉस्पिटल, मुम्बई 400 012	सदस्य
4.	Mk- jke eukgj] डायरेक्टर, एवं मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, एवीपी अनुसंधान फाउन्डेशन 136–137, ट्रिची रोड रामनाथ् पुरम्, पोस्ट– कोयमबटूर 641045 तमिलनाडु	सदस्य
5.	Mk- vrqy tqutk] वैज्ञानिक– सी, राष्ट्रीय सांख्यिकी चिकित्सा संस्थान, आईसीएमआर मुख्य कार्यालय परिसर, अंसारी नगर, नई दिल्ली– 110 029	सदस्य
6.	ik-ijs'k pUn f=ikBh] 532, एस.के.बी. सरानी, कोलकाता–700030	सदस्य
7.	ik- vk-ih-xqIrk शिवम कॉम्पलेक्स, अपोजिट एसबीआई, भरालूमुख एटी रोड, गुवाहाटी–9, असम	सदस्य
8.	ik- oS| djrkj çlg /kheku] महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली	सदस्य–सचिव

2-4 ifj"kn dh lsokvksa esa vuqlwfpr tkfr@vuqlwfpr tutkfr dk ifrfuf/kRo ,oa vuqlwfpr tkfr@vuqlwfpr tutkfr ds fy, dY;k.kdkjh mik;

परिषद् की योजनाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधित्व के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए गए आदेशों और दिशा निर्देशों का पालन किया जा रहा है। भर्ती/पदोन्नति अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण रोस्टर के अनुसार की जा रही है। परिषद् में विभिन्न समूहों में 31.3.2015 के अनुसार कर्मचारियों की कुल संख्या इस प्रकार है (तालिका 3):

rkfydk 3% प्रत्येक श्रेणी में परिषद् के कर्मचारियों की संख्या

lewg	deZpkfj;ksa dh la[;k	vuqlwfpr tkfr ds deZpkjh	deZpkfj;ksa dh dqy ifr'kr	vuqlwfpr tutkfr ds deZpkjh	dqy deZpkfj;ksa dk %	fVIi.kh
d	197	30	15.22	16	8.12	
[k	23	6	26.08	2	8.7	
ग एवं समूह 'घ' श्रेणी सहित	597	174	29.14	63	10.55	6वें वेतन आयोग के कार्यान्वयन के पश्चात् समूह 'घ' का परिवर्तन
;ksx	**817**	**210**	**-**	**81**	**-**	

परिषद् आयुर्वेद में आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा पर अण्डमान निकोबार सहित 14 संस्थानों में अनुसंधान परियोजना भी चला रही है। इस परियोजना में न केवल स्थानीय स्वास्थ्य समस्याओं तथा अन्योन्याश्रित समस्याओं को समझाने हेतु विचार विमर्श किया जाता है अपितु उन समस्याओं से निजात पाने के लिए उन्हें चिन्हित कर उचित साधन तथा विधियों को प्रयोग में लिया जाता है/तथा परामर्श दिया जाता है। इसके अतिरिक्त कुछ अनुसंधान संस्थान/केंद्र/एकक भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित है। इन संस्थान/केंद्र/एकक में बहिरंग विभाग/अंतरंग विभाग के माध्यम से तथा आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के एक बड़े भाग को चिकित्सा राहत एवं स्वास्थ्य लाभ की सुविधा प्रदान की जाती है। परिषद् की योजनाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति कल्याण के लिए विशेष बजट आवंटित है।

2-5 ctV

rkfydk 4 %

¼:- yk[kk e½

;ktuk	ctV iko/kku 2014-15	vfre iko/kku 2014-15	tkjh fuf/k 2014-15	व्यय रहित शेष 2013-14	औपचारिक व्यय 2014-15
;ktuk	6800.00	5706.00	5706.000	1871.89	7577.89
गैर–योजना	6107.00	7750.00	7750.00	253.80	8003.80

2-6 jktHkk"kk dk;kUo;u lfefr

परिषद् के महानिदेशक की अध्यक्षता में परिषद् की राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है जो राजभाषा अधिनियम/नीति/नियमों/आदेशों, कार्यक्रमों आदि के कार्यान्वयन तथा परिषद् में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए परामर्श देती है। प्रतिवेदन अवधि में दिनांक 02.06.2014 एवं, 08.12.2014 को समिति की बैठकें हुई।

2-7 lxBukRed Lo#i

rkfydk 5% विभिन्न श्रेणियों में सीसीआरएएस संस्थानों की संख्या

J.kh	lLFkkuk dh l[;k
''क''	8
''ख''	6
''ग''	6
''घ''	10

rkfydk 6% आयुर्वेद संस्थानों/केन्द्रों/एककों के लिए प्रयुक्त संकेताक्षर

Ø-la-	laLFkku@dUæ@,dd	ladrk{kj
Js.kh ^d**		
1.	राष्ट्रीय आयुर्वेद सिद्ध मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान ग्वालियर	रा.आ.सि.मा.सं.वि.अ.सं. ग्वा.
2.	राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी	रा.पं.अ.स.चेरु.
3.	राष्ट्रीय आयुर्वेद औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	रा.आ.औ.वि.अ.सं.को.
4.	कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, चेन्नई	कै.श्रीनि.मू.आ.औ.वि.अ.सं.चे.
5.	राष्ट्रीय आयुर्वेद औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर	रा.आ.औ.वि.अनु.सं.भुव.
6.	राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद	रा.भा.चि.सं.सं.हैद.
7.	राष्ट्रीय मौलिक आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, पुणे	रा.मौ.आ.वि.अ.सं.पु.
8.	राष्ट्रीय आयुर्वेदिक भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला	रा.आ.भे.अनु.सं.प.
Js.kh ^[k**		
9.	उत्तर पूर्व भारतीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	उ.पू.भा.आ.अ.सं.गुवा.
10.	राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी	रा.वृ.आ.अ.सं.झाँ.
11.	राष्ट्रीय पशु आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान एवं अस्पताल, लखनऊ	रा.प.आ.अ.सं.अ.लख.
12.	राष्ट्रीय आयुर्वेद आहारीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	रा.आ.आ.वि.अ.सं.बं
13.	राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा	रा.आ.रो.ज.रो.अ.सं.वि.
14.	राष्ट्रीय सोवा रिग्पा अनुसंधान संस्थान, लेह	रा.सो.रि.अनु.सं.ले.
Js.kh ^x**		
15.	आयुर्वेद केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, दिल्ली	आ.के.अनु सं.दि.
16.	आयुर्वेद गर्भनिरोधक औषधि अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	आ.ग.औ.अनु.सं.अह.
17.	आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम	आ.मा.शि.स्वा.र.अनु.सं.त्रि.
18.	आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान उन्नति केन्द्र, बैंगलोर	आ.मा.स्वा.स्ना.वि.उ.के.बं.
19.	आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	आ.कै.अनु.सं.मु.
20.	आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, नागपुर	आ.मा.स्वा.अनु.सं.ना.

Ø-l-	lLFkku@dUæ@,dd	ldrk{kj
	Js.kh ^?k**	
21.	हिमालयन लोकप्रचलित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ताड़ीखेत, रानीखेत	हि.लो.क्षे.अनु.सं.ता.रा.
22.	डा. अचन्ता लक्ष्मीपति आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, चेन्नई	अ.ल.आ.अ.के.चे.
23.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक	आ.क्षे.अनु.सं.गं.
24.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मण्डी	आ.क्षे.अनु.सं.म.
25.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, जम्मू	आ.क्ष.अनु.सं.ज.
26.	आयुर्वेद आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना, पोर्टब्लेयर	आ.आस्व.र.अ.परि.पो.
27.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, पटना	आ.क्षे.अ.सं.प.
28.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ईटानगर	आ.क्षे.अ.सं.ई.
29.	आयुर्वेद केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, जयपुर	आ.के.अ.सं.ज.
30.	हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, नागालैंड	ह.आ.अ.के.ना.

fofHkUUk jkT;k e fLFkr {k=h; lLFkku@dæ@,dd

v.Meku ,o fudkckj

1. आयुर्वेद आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना, पोर्टब्लेयर

vkU/k in'k

2. राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा

rykxuk

3. राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

v#.kkpy in'k

4. आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ईटानगर

vle

5. उत्तर पूर्व भारत आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी

fcgkj

6. आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, पटना

fnYyh

7. आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान,दिल्ली

xqtjkr

8. आयुर्वेद गर्भनिरोधक औषधि अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद

fgekpy in'k

9. आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मण्डी

tEe ,o d'ehj

10. आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, जम्मू

11. राष्ट्रीय सोवा – रिग्पा अनुसंधान संस्थान, लेह

dukVd

12. आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान उन्नति केंद्र, बैंगलोर

13. राष्ट्रीय आयुर्वेद आहारीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर

djy

14. आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम

15. राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी

e/; in'k

16. राष्ट्रीय आयुर्वेद सिद्ध मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान,ग्वालियर

egkjk"V

17. आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुम्बई

18. आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, नागपुर

19. राष्ट्रीय मौलिक आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, पुणे

ukxkyS.M

20. हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, नागालैंड

vksfM+lk

21. राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर

iatkc

22. राष्ट्रीय आयुर्वेदिक भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला

jktLFkku

23. आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, जयपुर

fLkfDde

24. आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक

rfeyukMq

25. कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, चेन्नई

26. डॉ. अचन्ता लक्ष्मीपति आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, चेन्नई

mÙkj izns'k

27. राष्ट्रीय पशु आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान एवं अस्पताल, लखनऊ

28. राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी

mÙkjk[k.M

29. हिमालयी वनस्पति क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ताड़ीखेत, रानीखेत

if'pe caxky

30. राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषधि विकास अनुसधान संस्थान, कोलकाता

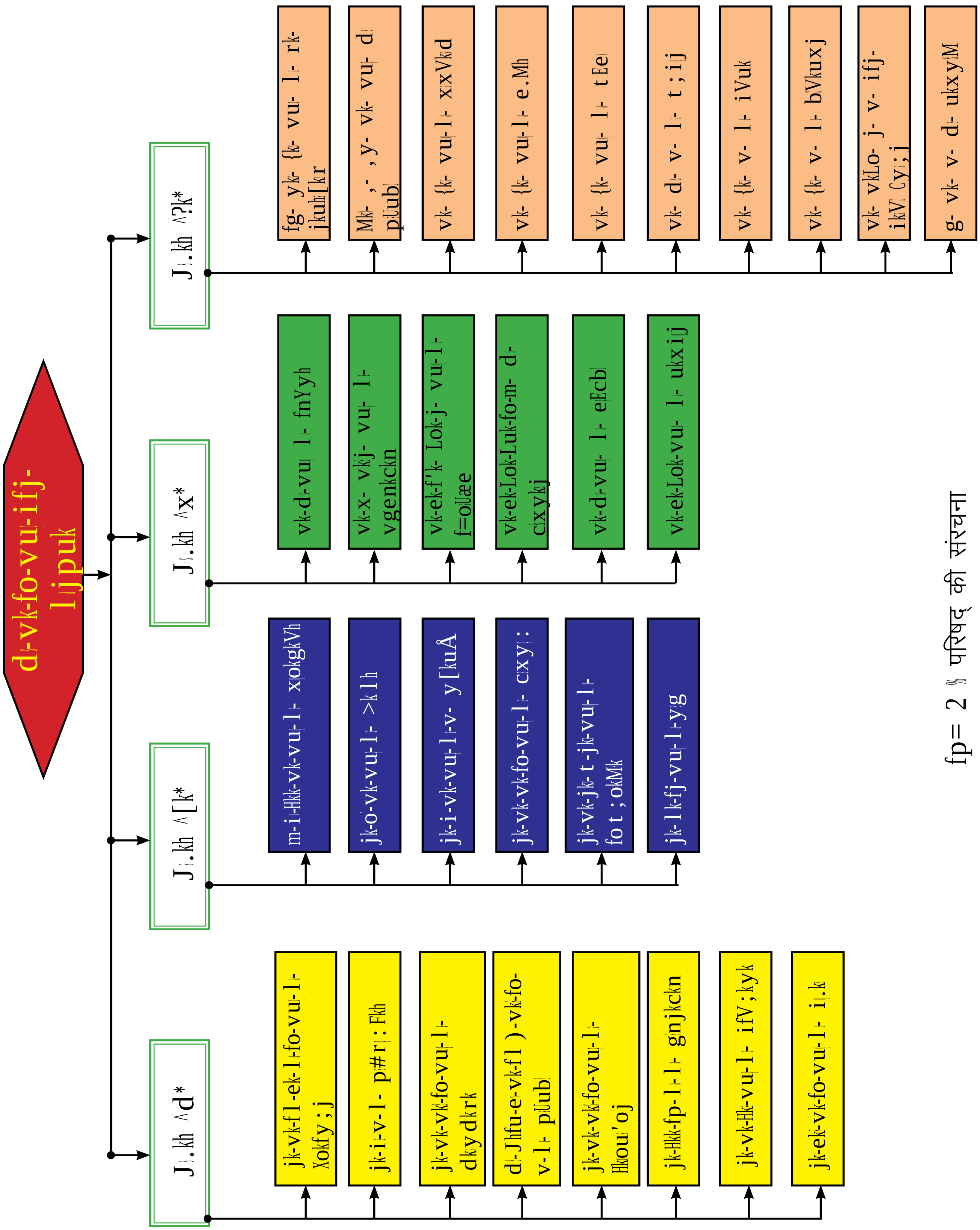

fp= 2 % परिषद् की संरचना

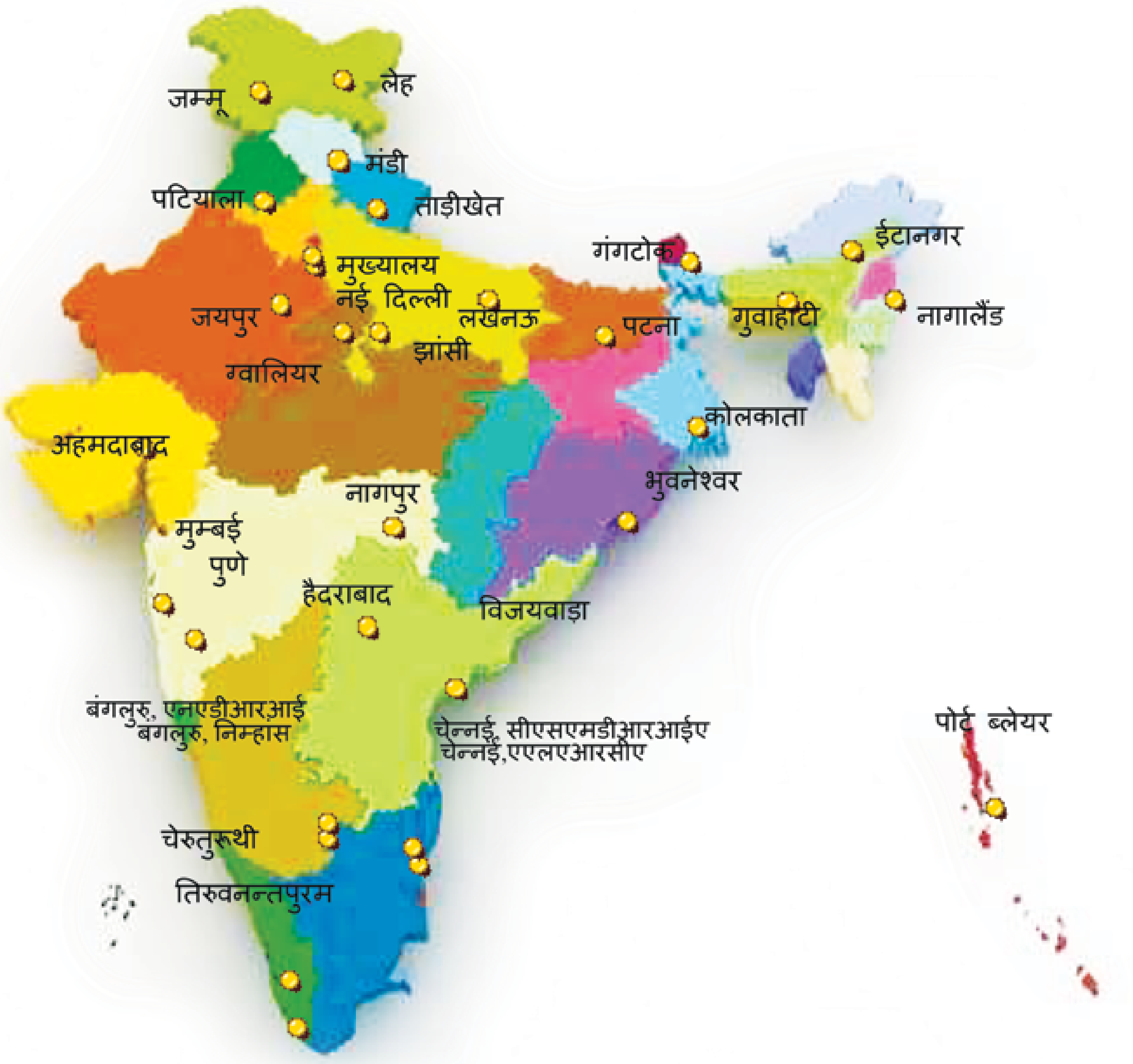

fp= 3 % परिषद् का संस्थागत संरचना

III. rduhdh ifrosnu

3-1 laLFkku vuqlkj xfrfof/k;k¡

निम्नलिखित तालिका में परिषद् के अधीनस्थ संस्थानों/केंद्रों की अनुसंधान गतिविधियों यथा आतुरीय अनुसंधान, आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान, भेषज अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान, इत्यादि का चित्रण किया गया है।

rkfydk & 7 % संस्थान अनुसार मुख्य/गतिविधियाँ/सेवायें

Ø-la-	laLFkku dk uke	eq[; xfrfof/k;k@lsok;s
1.	राष्ट्रीय आयुर्वेद–सिद्ध मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर	• आतुरीय अनुसंधान • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • चिकित्सा प्रजातीय – वानस्पतिक सर्वेक्षण • औषध मानकीकरण अनुसंधान • भेषजगुण विज्ञानीय अनुसंधान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
2.	राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • भेषज गुण विज्ञानीय अनुसंधान • गुणवत्ता नियंत्रण एवं औषध मानकीकरण • पंचकर्म की विशेष सुविधायें • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • पंचकर्म प्रशिक्षण
3.	राष्ट्रीय आयुर्वेद औषध विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	• आतुरीय अनुसंधान • भेषज अभिज्ञानीय अनुसंधान • औषध मानकीकरण अनुसंधान • भेषज गुण विज्ञानीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • पंचकर्म एवं क्षारसूत्र पद्धति के लिए विशेष सुविधा • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक

Ø-l-	laLFkku dk uke	eq[; xfrfof/k;k@lsok;sa
4.	कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषध विकास अनुसंधान संस्थान, चेन्नई	• औषध मानकीकरण अनुसंधान • भेषज गुण विज्ञानीय अनुसंधान
5.	राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषध विकास अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं रा.आ.भे.अनु.सं.पटियाला • रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षासेवा • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • पंचकर्म की विशेष सुविधा
6.	राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद	• साहित्यिक अनुसंधान एवं प्रलेखीकरण • प्राचीन पाण्डुलिपियाँ दुर्लभ पुस्तकों से पुनर्विन्यास • सूचना की खोज एवं संग्रहण,वर्णनात्मक टिप्पणी एवं आयुष पर आधारित चिकित्सा पाण्डुलिपियों/दुर्लभ पुस्तकों का संपादन एवं प्रकशन • प्रलेखीकरण • आयुर्वेद विश्वकोश • चिकित्सा के इतिहास का संग्रहालय • आयुष प्रणाली की चिकित्सा एवं आधुनिक चिकित्सा के संदर्भ पुस्तकालय • आयुष रिसर्च पोर्टल
7.	राष्ट्रीय मौलिक आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, पुणे	• औषधीय पादप उद्यान का प्रदर्शन • भेषज गुण अभिज्ञानीय अनुसंधान • पादप ऊतक संजनन • मोलिकुलर वानस्पतिक अनुसंधान
8.	राष्ट्रीय आयुर्वेदिक भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला	• फार्मेसी • औषध मानकीकरण अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • आतुरीय अनुसंधान

Ø-l-	lLFkku dk uke	eq[; xfrfof/k;k@lsok;s
9.	उत्तर पूर्व भारत आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासीस्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्ष
10.	राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी	• चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण • औषधीय पादप प्रदर्शन उद्यान • अपरिष्कृत औषधियों का संग्रहालय एवं प्रदर्शन • पादप प्रजातियों का प्रमाणीकारण
11.	राष्ट्रीय पशु आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान एवं चिकित्सालय, लखनऊ	• पशु आयुर्वेद पर अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
12.	राष्ट्रीय आयुर्वेद आहारीय अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	• आतुरीय अनुसंधान • आयुर्वेद आहारीय पर अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण • भेषज गुण अभिज्ञानीय अनुसंधान
13.	राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा	• आतुरीय अनुसंधान • रोगवाहक जनित रोग पर अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
14.	आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • क्षारसूत्र एवं पंचकर्म के लिए विशेष सुविधा • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक

क्र.सं.	संस्थान का नाम	मुख्य गतिविधियां/सेवायें
15.	आयुर्वेद गर्भ निरोधक औषध अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	• आतुरीय अनुसंधान • गर्भनिरोधक औषधियों पर अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
16.	आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
17.	आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान उन्नति केंद्र, बैंगलोर	• मानस विकार/रोग • आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
18.	आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक क्षारसूत्र के लिए विशेष सुविधा • पंचकर्म एवं फिजियोथैरेपी के लिए विशेष सुविधा
19.	आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, नागपुर	• आतुरीय अनुसंधान • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • पंचकर्म के लिए विशेष सुविधा • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
20.	हिमालयी वनस्पति क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ताड़ीखेत, रानीखेत	• हिमालयी क्षेत्र का चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण चिकित्सा प्रजातीय अभ्यास का प्रलेखीकरण एवं उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र के आदिवासी द्वारा विभिन्न पादप सम्पदा के उपचार हेतु प्रयोग • औषधीय पादप प्रदर्शन उद्यान • कस्तूरी मृग प्रजनन

Ø-la-	laLFkku dk uke	eq[; xfrfof/k;k@lsok;s
21.	अचंता लक्ष्मीपति आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, चेन्नई	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
22.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक	• बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
23.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मंडी	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
24.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, जम्मू	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • पंचकर्म के लिए विशेष सुविधा • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • क्षारसूत्र की सुविधा, पंचकर्म प्रक्रिया के लिए सुविधा
25.	आयुर्वेद आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना, पोर्टब्लेयर	• आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • अण्डमान निकोबार द्वीप के चयनित क्षेत्रों में चिकित्सा प्रजाति वानस्पतिक सर्वेक्षण
26.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, पटना	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान

क्र.सं.	संस्थान का नाम	मुख्य गतिविधियाँ/सेवाये
27.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ईटानगर	• आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण • बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक • चिकित्सा पादप उद्यान प्रदर्शन
28.	आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, जयपुर	• आतुरीय अनुसंधान • बहिरंग एवं अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा के लिए विशेष क्लिनिक
29.	हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, नागालैंड	• बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं
30.	राष्ट्रीय सोवा–रिग्पा अनुसंधान संस्थान, लेह	• बहिरंग रोगी विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं • आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान • चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण • औषधीय पादपों का कृषिकरण • साहित्यिक अनुसंधान एवं प्रलेखीकरण

*कुछ कार्यक्रम/परियोजनायें परिवर्तन के योग्य है जो कि समय–समय पर प्रतिवेदित है।

2. चिकित्सा पादप अनुसंधान

2.1 चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण

चिकित्सा – प्रजाति वानस्पतिक सर्वेक्षण, औषध अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो कि आवंटित क्षेत्र में औषधीय पादपों के वितरण एवं उपलब्धता पर सूचना प्रदान करता है। सर्वेक्षण के दौरान संग्रहित पादप नमूने अपरिष्कृत औषधियों के चरित्र–चित्रण एवं विशेषताओं के लिए सन्दर्भ सामग्री का निर्माण करते है एवं अपमिश्रण तथा प्रतिस्थापन को टालने के लिए उनके वानस्पतिक स्रोत की सूचना देते है। इस प्रकार के संग्रहित नमूनों से विकसित उदभिदालय एवं संग्रहालय, स्नातक/स्नाकोत्तर/एम.फिल /पी.एच.डी. के लिए उनके पादप नमूने एवं अपरिष्कृत औषध सामग्री की सही पहचान/प्रमाणिकता सिद्ध करने हेतु सन्दर्भ केंद्रों के रूप में कार्य करते है। इसके अतिरिक्त सर्वेक्षण के दौरान संग्रहित लोक दावे, पारम्परिक ज्ञान पर आधरित औषधियों की वैधीकरण एवं प्रभावी विकास हेतु संचालन करते हैं तथा चिकित्सा की किसी सहिंताबद्द पद्धति से नहीं लिए गये होते हैं।

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली में प्रयुक्त भारतीय औषधीय पादपों के सर्वेक्षण एवं प्रलेखन में कार्यरत है। अपने अधीनस्थ संस्थानों द्वारा परिषद् ने अण्डमान निकोबार द्वीप समूह एवं लक्षद्वीप सहित पूरे देश के प्रत्येक पादप क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया है तथा 2,00,000 पादप प्रजातियों से सम्बधित 5,000 उदभिदालय नमूने तथा कुल 3,748 अपरिष्कृत नमूने संग्रहालय में संग्रहित कियें। (सर्वेक्षण के दौरान लगभग 2,429 लोक दावें संग्रहित किये तथा 15 पुस्तकें प्रकाशित की गई)। उदभिदालय नमूनों के संग्रहण के अतिरिक्त सर्वेक्षण दल, प्रमाणिक अपरिष्कृत औषध नमूनों को संग्रहित कर उनके आयुर्वेदिक भेषजसंहिता समिति, केंद्रीय योजना के अंर्तगत चल रही परियोजनाओं सहित परिषद् की विभिन्न अन्तःवर्ती एवं बर्हिवर्ती परियोजनाओं के लिए आपूर्ति करती है। परिषद् अपरिष्कृत औषधियों के व्यापार एवं उनसे संबंधित अपमिश्रण/प्रतिस्थापन से सम्बंधित अध्ययन हेतु पूरे देश में अपरिष्कृत औषधीय बाजार का सर्वेक्षण भी कर रही है।

परिषद् के अधीनस्थ 4 संस्थानों के उदभिदालय को अर्न्तराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है क्योंकि ये उदभिदालय न्यूयार्क वानस्पतिक उद्यान के सक्षम अधिकारी द्वारा परिवर्णी शब्दों के साथ प्रत्यायित है तथा उदभिदालय सूची में संलिखित है

rkfydk&8½ संस्थानों के नाम एवं हर्बेरियम परिवर्णी

Ø-la-	laLFkku dk uke	gcsfj;e dk ifjo.khZ 'kCn
1.	हिमालयी वनस्पति क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ताड़ीखेत	आर.के.टी.
2.	राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी	जे.एच.एस.
3.	राष्ट्रीय आयुर्वेद आहार अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	आर.आर.सी.बी.आई.
4.	आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ईटानगर	ए.आर.आर.आई.

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान में परिषद् ने कर्नाटक के वागलाकोट एवं रेचूर जिलों में, असम नागालैंड का निचला भाग एवं तवांग, अरूणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में चिकित्सा प्रजाति–वानस्पतिक सर्वेक्षण यात्राएं आयोजित की गई (तालिका 9 में विस्तृत विवरण) कुल 2124 पादप नमूनों को संग्रहित किया गया तथा 2723 हर्बेरियम सीट (पिछला बकाया सहित) तैयार की गई। इसके अतिरिक्त सर्वेक्षण यात्रा के दौरान परंपरागत ज्ञान से संबंधित स्थानीय लोगों से विचार विमर्श करके 263 लोक दावों को एकत्रित किया गया। इसके अतिरिक्ति 20 स्थानीय यात्राओं से 367.72 किलोग्राम (ताजा भार) प्रमाणिक अपरिष्कृत औषधियां एकत्रित की गई जिनमें से 20.9 किलोग्रम (शुष्क भार) विभिन्न संस्थानों को अनुसंधान एवं विकास कार्य हेतु आपूर्ति की गई। उपर्युक्त सर्वेक्षण यात्राओं में 39 संग्रहालय नमूने भी एकत्रित किए गए। इसी दौरान 1113 औषधीय पादपों के फोटोग्राफ्स भी लिए गए जो संबंधित क्षेत्र की चिकित्सा पादप संपदा के अंतिम प्रलेखन में आलेखित किए जायेंगे।

rkfydk & 9% वर्ष 2014–15 में सर्वेक्षण किए गए क्षेत्रों एवं संग्रहित नमूनों का विस्तृत वर्णन

v/khuLFk lLFkkuksa dk uke	lapkfyr losZ{k.k nkSjs ,oa losZ{kr {ks=	vYi vof/k dh lwph ,oa vkoÙk {ks=	laxfgr ikni tkfr;ksa dh la[;k	mfÙkjnk;h dk fy, rS;kj fd, x, uewuksa dh la[;k ¼fiNys o"kZ cdk;k dk lfgr½	laxgky; dk fy, laxfgr uewuksa dh la[;k	laxfgr dPph vkS"kf/k;ksa dh ek=k ¼rktk otu fd-xzk-½	vkiwfrZ dh xbZ dPph vkS"kf/k;ksa dh ek=k ¼'kq"d otu fd-xzk-½	QksVksxzkQ	laxghr ykssd ipfyr nkos
1. रा.आ.आ.अ. सं. बैंगलोर	4 सर्वेक्षण दौरे बागलाकोट एवं रेचूर जिला (कर्नाटक)	0	921	921	17	4.250	1.2	230	81
2. उ.पू.भा.आ.अ. सं. गुवाहटी	4 सर्वेक्षण दौरे निचले असम के पश्चिमी क्षेत्र कामरुप	9	125	112	7	294	4.7	25	41
3. आ.क्षे.अ.सं. ईटानगर	4 सर्वेक्षण दौरे कोहिमा जूहेबोटो, तवंग, थनसांग दीमापुर	4	215	341	9	28.07	0	142	11
4. रा.वृ.आ.अ.स. झांसी	4 सर्वेक्षण दौरे धर्म जय गढ़,रायगढ़, रायपुर	0	357	885	1	0	0	597	114
5. हि.व.क्षे.अ.सं. ताड़ीखेत	4 सर्वेक्षण दौरे बागेश्वर, कुल्लू ईस्ट एण्ड तरायी	7	506	464	5	41.4	15	119	16
;ksx	**20**	**20**	**2124**	**2723**	**39**	**367.72**	**20.9**	**1113**	**263**

2-2 ouLifr m|ku esa vkS"k/kh; ikniksa dk —f"kdj.k

विभिन्न कृषि वातावरणीय क्षेत्रों में औषधीय पादपों के प्रदर्शनार्थ संवर्धन के लिए परिषद् पुणे (राष्ट्रीय मौलिक आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान), झांसी (राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान), ताड़ीखेत (हिमालयी लोकप्रचलित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान) तथा ईटानगर (आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान) में स्थित 4 प्रदर्शनात्मक उद्यानों का रख–रखाव कर रही है। ये उद्यान औषधीय पादपों तथा विभिन्न दुर्लभ, संकटापन्न एवं लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए जनन द्रव्य संकलन तथा दूरस्थ संरक्षण केन्द्रों के रूप में कार्य करते हैं। विभिन्न अध्ययन कार्यक्रम यथा अनुकूलनीयता,विकास विधि, पुष्पोद्भव, फलोद्भव तथा परिपक्वता काल,औषध के प्रयोजांग का अध्ययन इत्यादि तथा विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों हेतु प्रमाणिक औषध सामग्री की आपूर्ति करती है। यह अध्ययन उपर्युक्त उत्पन्न मूल्यवान औषधीय पादपों के दीर्घकालीन उपयोग तथा संरक्षण की नीति–निर्माण करने के लिए प्रारूप प्रदान करते हैं। जीवित पादप औषधीय पादपों की उचित पहचान हेतु सन्दर्भ के रूप में कार्य करते हैं। सीसीआरएएस के सभी उद्यानों में प्रदर्शनीय उद्देश्य से औषधि पादपों के परखनलीय अध्ययन के साथ कृषिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों का विवरण निम्नलिखित तालिका में इस प्रकार से है।

rkfydk&10% क्षेत्र का विवरण प्रजाति कृषिकरण/रखरखाव एवं कच्ची औषधि संग्रहण/सीसीआरएएस के उद्यानों से आपूर्ति।

Ø-l-	fooj.k	jk-ek-vk-fo-v-l-] iq.k	jk-o-vk-v-l- Ökkalh	vk-{k-v-l- bVkuxj	fg-yk-{k-v-l- rkM+h[ksr] jkuh[ksr		lefdr ifronu
1	भूमि का कुल क्षेत्र कृषिकरण के अधीन	15 एकड़	10 एकड़	12.5 एकड़	ताड़ीखेत 2.5 एकड़	चम्बा में 1 एकड़	41 एकड़
2	उद्यान में प्रजातियों की संख्या का रख–रखाव	371	314	220	149	41	1095 प्रजाति
3	उद्यान में नई पहचान की गई प्रजातियों की संख्या	18	10	7	13		48 प्रजातीय आरोपित किए गए (संद्रभ तालिका–11)
4	उद्यान से एकत्रित की गई कच्ची औषधि	5.858 Kg.	30.50 Kg	136.5 किग्रा	-		172.85 Kg.
5	कच्ची औषधियों की आपूर्ति	शून्य	शून्य	96.5 किग्रा	-		96.5 किग्रा औषधी की फार्मेसी एवं नर्सरी को आपूर्ति की गई

Ø- l-	fooj.k	jk-ek-vk- fo-v-l-] i.k	jk-o-vk- v-l- Ökkl h	vk-{k-v-l- bVkuxj	fg-yk-{k-v- l- rkMh[kr] jkuh[kr	lefdr ifronu
6	कृषि प्रीक्षण अथवा तकनिक का प्रचार	7 आयुर्वेदिक में प्रपत्रों में परखनलीय प्रसारण अध्ययन प्रगति में अधीन है	-	सीड जर्मिनेशन स्टडी इन अधोराटा आग्युवेस्टा एल.	-	स्टडी ऑन 8 जर्मिनेशन ऑफ गाइनीक्रोडिया अड्रोटा (चालुमोगरा हाइडोक्रापस लिरुफालिया एण्ड एसीला मैटिजेशप ऑफ हेमिल डिस्मस इंडिजक्युज इन लोकल क्लाइमेटिक कंडिटेशन

rkfydk 11% नवीन आरोपित प्रजाति

Ø-l-	lL—r @fgUnh uke	okuLifrd uke	lLFkku@,ddk d uke
1	शकरकंद	इपोमिया बटाटा (एल.) लाम	एनआरआईबीएएस पुणे
2	निशपवा	लिचोज लबलब एल	एनआरआईबीएएस पुणे
3	हम्सपदी	एडीयान्टम रेडियोनम सी प्रेसल	एनआरआईबीएएस पुणे
4	हनुमान बटाटा	सिरोपिजिया स्पेसिज	एनआरआईबीएएस पुणे
5	धातकी	उडफोड्रियफ्रोटीकोसा कुर्जी	एनआरआईबीएएस पुणे
6	लांगली	ग्लोरिसा सुप्रिबा एल	एनआरआईबीएएस पुणे
7	विभितक	टर्मिनेलिया ब्लेरिका (ग्रेन्ट)	एनआरआईबीएएस पुणे
8	चक्रमर्द	कैसिया तोरा एल	एनआरआईबीएएस पुणे
9	हनुमान वटाटा	चेरोगिया बलवोसा राक्व	एनआरआईबीएएस पुणे
10	हनुमान वटाटा	क्रोपेगिया स्पेसिज	एनआरआईबीएएस पुणे
11	मूंगफली	आर चिज हाइपोगिया एल.	एनआरआईबीएएस पुणे
12	सोयाबिन	ग्लाइसिन मैक्स एल. मीर	एनआरआईबीएएस पुणे
13	अरणी	क्लेरोडेड्रमम (वेन्ट) 2 फ्रेगान्स फ्रेगान्स	एनआरआईबीएएस पुणे
14	द्रोण पुष्पी	लियोनोटिस नेफटाफोलिया आर. बीआर	एनआरआईबीएएस पुणे
15	पाटला	स्टीरियोपरमम स्वालेन्सी डीसी	एनआरआईबीएएस पुणे
16	तुत	मोरस अल्बा एल	एनआरआईबीएएस पुणे

Ø-l-	lL—r @fgUnh uke	okuLifrd uke	lLFkku@,ddk d uke
17	वन तम्बाकू	निकोटेना प्लम्वाजिनीफोलिया एल.	एनआरआईबीएएस पुणे
18	पर्ण वीज	क्लैनचो पिनाटा एल.	एनआरआईबीएएस पुणे
19	जीवन्ती	लेप्टाडेनिया रेटिकुलाटा डब्ल्यू एंड	एनवीएआरआई झांसी
20	मांसरोहिणी	सोयमिडा फैब्रिफ्युजाए.जस	एनवीएआरआई झांसी
21	लकुच	आर्टोकार्पस लकुचा रॉक्ब	एनवीएआरआई झांसी
22	मसूर	लेन्स क्लीनेटियस मेडिक	एनवीएआरआई झांसी
23	अत्सी	लिनम् यूसीटाटिसम एल.	एनवीएआरआई झांसी
24	सेवान्ती	क्राईसेंथियम इंडिकम लिन.	एनवीएआरआई झांसी
25	रतमाल	सिन्नामोमम मालानीस एण्ड इब्रम	एनवीएआरआई झांसी
26	तमाल पत्र	चंनीमोनियम जेलिनिकम ब्रेन (ब्लुम)	एनवीएआरआई झांसी
27	नारंग	साइट्रस ओरेनटियम लिन.	एनवीएआरआई झांसी
28	अरनयाकरपासी बैंक्पस	थेसपेसिया लेम्पस (केव) डेल्ज जिब्स	एनवीएआरआई झांसी
29	मंजीष्ठ	रुविया मंजीष्ठ	एआरआई ईटानगर
30	दारु हरिद्रा	बेरबारिस अरिष्टटा बर्बोरिस अरिस्टाटा	एआरआई ईटानगर
31	वाय विडंग	इम्बेलिया रिब्स	एआरआई ईटानगर
32	काली मूसली	कुरक्युलियो आर्किओईडिज	एआरआई ईटानगर
33	तालिस	टेक्सस बालिचियाना	एआरआई ईटानगर
34	पाषाण भेद	ब्रिगेनिया केलिटा बर्जिनिया सिलियेटा	एआरआई ईटानगर
35	तगर	वेलेरियाना जटामांसी	एआरआई ईटानगर
36	अज्ञात	स्वरचिया पेटियोलाटा	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
37	चिरायता निनी अनार्यातिक्त	स्वरचिया,चिरायता (रॉक्स एक्सीफिलिमिग) क्रष्ट्रीन	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
38	अज्ञात	केलेन्थी स्पिसिज	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
39	जीवन्ती आकश्रेष्ठ	डेनीट्रोब्युम स्पमम	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
40	बालम खीरा	किगलिया पीनाटा डीसी	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
41	उदसलीब	प्योनिया इमोडी वाल	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
42	कृष्ण जीरक	केरम कारवी लिन.	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
43	ग्रन्थीपर्ण	एगेलिका ग्लूका इंडग्रीव	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
44	कुटकी	पिक्रोराईजा कुरो रॉयल	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत

Ø-l-	lL—r @fgUnh uke	okuLifrd uke	lLFkku@,ddk dk uke
45	रेवन्द चीनी	रियुम् इमोडी वॉल इक्स मिसिन	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
46	अतिविषा	एकोनाईटम् हेट्रोकाइलम वाल्व एक्स रॉयल	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
47	गिरिपर्पट	पोडोफाइलम् हेक्सेन्ड्रूम वाल्व	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत
48	काकमाची	सोनेनम इंडिकम	आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत

परखनली प्रसारण अध्ययन

➢ xkEHkjh ¼thefyuk vjcksfjvk jkDl½

प्रयोग के दौरान 0.5 मि.ग्रा./एल.बीएपी (जहॉ 200 से अधिक संजनन प्रयोग किए जाते है) नोडस के लिए अंकुरण देखा गया तथा परखनली में नोडस की वृद्धि हुई है पत्ते में केवल कालस देखा गया। अक्सर ही एएम/टीबी के प्रयोग द्वारा संदूषण से सामना किया जाता है।

➢ ikVyk ¼LVfj;kLieZe lkfovksyl½

यह पादप परखनलीय तकनीकी हेतु बहुत ही बोझिल क्षमता युक्त है। अतः काष्टीय पादप मीडियम का सघन प्रयोग किया गया तथा हार्मोन्स के पूर्व के परीक्षण का परिहार किया गया। 0.5 मि.ग्रा./एलबीएपी पर संजनन संचारित करने पर अंकुरण देखा गया।यह देखने में आया है कि यह उप संजनन के कारण हुआ है। तदन्तर में उसी मिडिया पर प्रबल क्षति का उत्तर प्राप्त हुआ। अधिकत्म साकारात्मक उत्तर प्राप्त करने हेतु अन्य अवयवों जैसे पत्ते एवं शीर्ष पौधे का भी परीक्षण किया गया।

➢ fcYo ¼,fty ekjesyl dksj½

इस पादप का कुछ उत्साहवर्धक परणिाम देखने में आया है। जिसमें परखनली में नोडस (कुल 282 संजनन) के 4 पौधे में (2–3 सें.मी.ऊँचा) अंकुरण देखा गया। जैविक सांख्यिकी महत्व के मिडिया ने एम एस +0.5 मि.ग्रा./एलबीएपी के रुप में सूचित किया।

➢ ';kukd ¼vjksDlhye bfMde ,y-½ oV½

पूर्व कार्यकर्ता द्वारा प्रतिवेदित परखनलीय वृद्धि उतर का क्रास सत्यापन करने का प्रयास किया गया। परखनलीय में सूक्ष्म प्रसारण का परीक्षण किया गया। यह अधिकतम एक्सप्लांट संख्या को प्राप्त करने के लिए किया गया जैसे की पत्ते का गिरना। आईबीए जैसे पादपों के हार्मोस (500 से 3000पीपीएम के संकेन्द्रण सत्यापन में) का प्रयोग किया गया।

➢ b’ojh&¼,fjLVkykfp;k bfMdk fyUUk½

विभिनन मिडिया जैसे डब्लू पी.एम. डब्लू आर सी पत्ते पौधे एवं नोडस का परखनलीय वृद्धि। एमएस +3मि. ग्रा./एलबीएपी +0.1 पर कैल्लस के बिना विभिन्न पौधे प्राप्त किए गए।

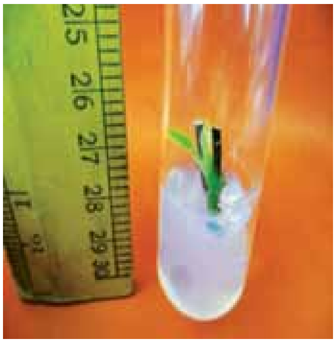	
fp=% 1 जिमेलिना अरबोरिया राक्स के नोडल संजनन में अंकुरण	
fp= 2 स्टीरियोस्पर्मम सौविओलेंसडीसी केनोडकेलस एव पौधे दीर्घरुपता	
fp= 3 एजिलमारमेलस कोर्र के नोडकेलस, पौधे एवं बहुपौधे की दीर्घरुपता	
fp= 4 ओक्सीलम इंडिकम (एल.) वेंट तना कटाव के माध्यम से पत्ते केल्लस संजनन एवं वेजिटेटिव प्रसारण।	

2-3 Hk"k t vfHkKkuh;

परिषद् अपरिष्कृत औषधियों तथा उनके व्यवहार तथा संरचनात्मक लक्ष्यों की विस्तृत सूचना के आधार पर मैक्रोस्कोपिक मानक विकसित करने के लिए व्यस्त है। औषधि के वानस्पतिक पहचान के साथ उनके प्रतिनिधि द्रव्य और अपमिश्रण के लिए परिषद् के परिधीय एककों द्वारा आयुर्वेद में प्रयुक्त 18 औषधियों का विस्तृत भेषज अभिज्ञानीय जॉच किया गया। औषधि मानकीकरण के क्षेत्र में विशेष सन्दर्भ में किए गए कार्यों का भेषजअभिज्ञानीय अध्ययन का सन्दर्भ तालिका 12 में उललेखित है।

rkfydk12 राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषध विकास अनुसंधान संस्थान,
कोलकाता में आयुष रसायन संघटकों का भेषज गुण अभिज्ञानीय अध्ययन

Ø-l-	Hk"k t x|.k vfHkKkuh;	Ø-l-	Hk"k t x|.k vfHkKkuh;
1.	टर्मेनेलिया चेबुला रिटज (हरीतकी)	10.	ट्रेक्वीस्पर्मम अम्मी (एल.) स्प्राग्वे एक्सतुरिल (यावनी)
2.	एम्बेलिका ओफिसिनेलिस ग्रेटं. (आमलकी)	11.	अपियम लेफ्टोफेलियम (प्रेस) एफ मूल एक्स बेंन्थ (अजमोदा/बनियामनी)
3.	टर्मेनेलिया बेलेरिका रोक्स्ब (बहेरा)	12.	केसियाअगस्टिफोलिया वहल– (सेन्ना)
4.	सोरेलिया कौरिलीफोलिया लिन– (बाकुची)	13.	टर्मेनेलिया चेबुला रिटज (जाम्वी हरीतकी)
5.	टर्मेनेलिया अर्जुना (रोक्स्ब) (अर्जुन)	14.	ईगल मारमेलस कोर– (बिल्व)
6.	ग्लिसिराइजा ग्लैब्रा लिन– (यष्टीमधु)	15.	सीनोमम जेलनिकम ब्लूम (दारुचीनी)
7.	होलारहीना एण्टीडाइसेंटेरिका (राक्स), एडीसी (इंद्रयवा)	16.	विथनिया सोमनीफेरा डोनल (अश्वगन्धा)
8.	होलारहीना एण्टीडाइसेंटिका (राक्स) एडीसी (कुटज)	17.	फोनीकुलम वुलगौर मील– (मिश्रेया)
9.	जिन्जिबेर ऑफिसिनेल रोस– (शुंष्ठी)	18.	कॉमीफोरा मुकुल ईगल– (गुग्गुलू)

2-4- bUVk E;|jy vk"k/kh; ikni vu|l/kku ifj;kstuk

आयुर्वेदिक सूत्रीकरण में स्वीकार्य वैज्ञानिक साक्ष्य बनाने के क्रम में, औषधीय पौधो के अनुसंधान के क्षेत्र में इन्ट्रा म्यूरल परियोजना प्रारम्भ की गई। प्रतिवेदन अवधि के दौरान 16 आईएमआर परियोजनाओं में किए गए कार्यों का विवरण इस प्रकार हैः–

2-4-1 vMeku ,o fudkckj¼p;fur {k=½ fpfdRldh; okuLifrd lo{k.k

mÌs';%

➢ अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के औषधीय (निर्धारित क्षेत्र) पौधों में विस्तृत जानकारी संग्रह करना।

- अध्ययन क्षेत्र के अधीन वनस्पति संग्रहालय की तैयारी, लोक दावों का संग्रह, औषधीय पौधों की दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों को प्राप्त करना।
- इस क्षेत्र के सामान्य आयुर्वेदिक अभ्यास/शोध के लिए इस पोधों पर पुस्तकों को प्रकाशित करना।

v/;;u izkjEHk dh frfFk % 19.07.2012
v/;;u dh vof/k % 3 o"kZ
ihvkbZ ,oa lgHkkxh dUæ % डॉ.सन्तोष माने., एटीएचसीआरपी, पोर्ट ब्लेयर

वर्तमान स्थितिः प्रतिवेदन अवधि के दौरान, रंगत, डिगलीपुर, दक्षिण अंडमान, मायाबुंदर 7 सर्वेक्षण दौरे का संचालन किया गया। लगभग 247 पौधों की प्रजातियाँ संग्रहित की गई, 45 उदभिदालय में नमूने जोड़े गए, 20 लोक दावें प्रलेखित किए गए तथा संग्रहालय में 30 नमूने दर्ज किए गए।

2-4-2 fpfdRlk iztkfr i)fr;ksa dk iyk;[ku rFkk mŸkjk[k.M ds dqekÅa {ks= dh tutkfr;ksa }kjk iz;ksx gsrq fofHkUUk ikS/kksa dh mipkjkRed laifŸk

mÌs';%

- विभिन्न जनजातीयों द्वारा प्रायोज्य औषधी पौधों का प्रयोग मूल्यांकन एवं आंकलन करना।
- लोक चिकित्सकों एवं स्थानीय चिकित्सकों का आकड़ा इकट्ठा करना।
- किसी नवीन /अप्रलेखित औषधि पादपों का अनवेष्नात्मक का पहचान करना।
- दुलर्भ औषधि पादपों की स्थिति का प्रलेखीकरण।
- पारंपरिक औषधि पद्धति के लिए जागरूकता का विकास करना।

v/;;u izkjEHk dh frfFk % 10.10.2012
v/;;u dh vof/k % 3 o"kZ
ihvkbZ ,oa lgHkkxh dUæ % डॉ. जोशी जी.सी., आरआरआईएचएफ, ताड़ीखेत

वर्तमान स्थितिः समीक्षा अवधि के दौरान कुमाऊ जिले में भोटिया, राजी, थारू, बक्सा आदि जनजातीयों को शामिल करते हुए दौरे आयोजित किये गए एवं 22 लोक दावों का प्रेलेखीकरण किया गया।

2-4-3 Hkkjrh; dPps vk"kf/k;ksa dk muds okf.kfT;d miyC/krk ,oa iekf.kdj.k ds fy, cktkj dk losZ{k.k%

mÌs'; %

- कच्ची औषधि के बाजारों से कच्ची औषधियों की उपलब्धता एवं प्रलेखन का आंकलन।
- कच्ची औषधियों का डाटा उत्पन्न करना।
- कच्ची औषधियों की खोज एवं उनका चिन्हीकरण।

- प्रतिनिधि द्रव्यों का विशुद्ध द्रव्यों में मिलावट का आंकलन।
- कच्ची औषधि बाजारों में कच्ची औषधियों की उपलब्धता व्यापार/ बाजारीकरण के संदर्भ में सूचना।
- पुस्तकों का प्रकाशन।

v/;;u izkjEHk dh frfFk % 28.10.2013

v/;;u vof/k % 2 o"kZ

ih-vkbZ- ,oa lEHkkxh dUæ % डॉ. जी.वी.आर.जोसेफ, नई दिल्ली।

orZeku fLFkfr % प्रतिवेदन औषधि के दौरान तीन बाजारों का सर्वेक्षण यात्रा किया गया यथा दिल्ली (खारीबावली), कोलकाता और कटक 771 कच्ची औषधियों का नमूना इकठ्ठा किया गया। 612 कच्ची औषधियों के नमूनों का चरितचित्रण का अध्ययन किया जा चुका है। 532 कच्ची औषधियॉ अन्य बाजारों यथा गुवाहाटी,पुणे और जयपुर से नमूने इकठ्ठा किए गए। 252 कच्ची औषधियों के नमूनों का अध्ययन किया जा चुका है।

2-4-4- vk;qosZfnd vk"kf/k;ksa esa iz;qä gksus okys izfrfuf/k æO; ,oa feykoVh æO;ksa ds Å;fte dk fodklA

mís';%

- आयुर्वेद में प्रयुक्त प्रतिनिधि द्रव्यों के उपर कच्ची औषधि म्युजियम का विकास ।
- आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधि के प्रतिनिधि द्रव्यों का चिन्हीकरण एवं गणना।
- उत्तर पूर्व भरत में प्रयुक्त सर्वेक्षण के आधार पर प्रतिनिधि द्रव्य एवं उसके मिलावट का अध्ययन।
- संकलित द्रव्यों का संरक्षण एवं अंकरुपण तथा उनकी सूची बनाना एवं उसका प्रकाशन।

v/;;u izkjEHk dh frfFk % 10.03.2014

v/;;u vof/k % 03 o"kZ

ihvkbZ ,oa lEHkkxh dUæ % डॉ. देवान्जल बोरा, एन.ई.आई.ए.आर.आई. गुवाहाटी ।

orZeku fLFkfr& प्रतिवेदन अवधि के दौरान तीन संकलन यात्रा किया गया है। 53 कच्ची औषधि नमूने इकठ्ठे किए गए है।

2-4-5- FkuMjkbZ pssuxyikV dkaphiqje ftyk rfeyukMq ds tutkfr;ksa }kjk fofHkUUk jksxksa esa iz;qä gksus okys ikS/kksa dk tkrh; vk"kS/kh; losZ{k.kA

mís';%

- थनडराई,चेनगलापाट, कांचीपुरम जिला तमिलनाडु जनजातियों पर जातीय औषधि सर्वेक्षण करना तथा विभिन्न व्याधियों में उपयोगी औषधीय पौधों के सन्दर्भ में सूचना एकत्र करना।

- विभिन्न जनजातियों द्वारा बताए गए औषधीय पौधों को एकत्र करना एवं उनका चिन्हीकरण करना।
- सर्वेक्षण के दौरान इकठ्ठा किए गए औषधि नमूनों का हार्बेरियम तैयार करना और उन्हें सीएसएमडीआरआईए के भण्डार में जमा कराना।
- सर्वेक्षण के दौरान इकठ्ठा किए गए औषधीय पौधों के फोटोगैलरी का अनुरक्षण करना।
- सीएसएमडीआरआइ संस्थान के म्यूजिम में सन्दर्भ मानक के रुप में प्रयुक्त औषधीय पौधों के शुष्क भाग का संरक्षण।
- विभिन्न रोगों में प्रयुक्त होने वाले औषधीय पौधों के बारे में देशीय स्थानिक ज्ञान का प्रलेखिकरण।
- उपलब्ध वैज्ञानिक वांगमय द्वारा संदर्भो को जॉचना एवं स्थानिक ज्ञान का पुष्टिकरण।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 31.03.2014

v/;;u vof/k % 02 o"k

ihvkbl ,o lEHkkxh dUæ % डॉ.जी.कुसुमा, सीएसएमडीआरआईए चेन्नई।

orleku fLFkfr% वर्तमान प्रतिवेदन के दौरान 7 सर्वेक्षण किया गया और कांचीपुरम जिले के विभिन्न गांवों यथा मालकाल्वाय, वारगाश, अनुपुरम, अंनन्तपुतेरी, पुडुपक्कम और मामलापुरम का निरीक्षण किया गया। 29 स्थानिक दावों का प्रलेखीकरण किया गया। 135 औषधीय पौधों के विषय में सूचना एकत्र की गई।

2-4-6- lkok&fjXik vkj vk;|oin e i|;ä gku oky lkekU; vk"k/kh; ik/kk dk lfp= lnHkdk%

mÌ’;%

- सोवा–रिग्पा और आयुर्वेद में प्रयुक्त होने वाले सामान्य कच्ची औषधियों का फोटो एकत्र करना।
- अध्ययन किए गए औषधीय पौधों का डाटा इकठ्ठा करना।
- दो खण्डो में पुस्तक प्रकाशित करना।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 07.03.2014

v/;;u vof/k % 02 o"k

ihvkbl ,o lEHkkxh dUæ % पदमा गुरमीत, एनआरआईएस, लेह

वर्तमान स्थिति :प्रतिवेदन अवधि के दौरान दो सर्वेक्षण यात्रा किया गया।

400 पौधे इकठ्ठे किए गए। 150 हर्बेरियम नमूने तैयार किए गए।

2-4-7- lhlhvkj,,l e miyC/k gcfj;e dk vid #i.k%

mÌ’;%

- 2007 से सीसीआरएएस के औषधिय पौधों के सर्वेक्षण एकक द्वारा उपलब्ध कराए गए हर्बेरियम का अंकरुपण करना।

- हर्बेरियम डाटावेस के विकास के लिए उचित साफ्टवेयर का विकास करना।
- पुस्तक प्रकाशन।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 10.03.2014

v/;;u vof/k % 02 वर्ष

ih-vkbl-d lkFk Hkkx yu okyk dUæ% डॉ. जे.वी.आर.जासेफ, सीसीआरएएस,नई दिल्ली ।

orleku fLFkfr% प्रतिवेदन अवधि के दौरान हर्बेरियम के अंकरुपण के लिए डाटावेस वेबसाईट का डिजाईन और उसका विकास किया जा चुका है। 6368 हार्बेरियम पत्रक डाटावेस में जोड़े जा चुके है।

2-4-8- vle jkT; d ijEijkxr vkjkX; lk/kd ,o ijEijkxr nkok dk iy[khdj.k vkj MkVkcl dk fodkl%

mÌs’; %

- असम के विभिन्न जनजातियों द्वारा विभिन्न रोगों में प्रयुक्त जातीय औषधीय वनस्पतिक दावों का प्रलेखीकरण एवं सूचीकरण।
- असम के लोग आरोग्य साधकों द्वारा अभ्यास में लिए गए औषधि पौधों का लोक सर्वेक्षण चिन्हीकरण और गणना तथा वांगमय और सर्वेक्षण का पुनरावलोकन।
- आधुनिक जी.पी.एस. तकनीकी के द्वारा समान्यता प्रयुक्त औषधीय पौधों के डाटावेस का विकास।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 30 अक्टूबर, 2013

v/;;u vof/k % 03 o"kl

ih-vkbl- ,o lEHkkxh dUæ % डॉ. देवान्जल बोरा, अनुसंधान अधिकारी, (वन.) उत्तर पूर्व भारत आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी

orleku fLFkfr %

- मार्च 2015 तक आठ जिलों में 11 यात्रायें संचालित किया गया।
- मार्च 2015 तक 180 लोक आरोग्य साधकों का साक्षात्कार किया गया।
- सर्वेक्षण के दौरान 448 लोक औषधि दावों का प्रलेखीकरण किया गया।
- हर्बेरियम और म्युजियम नमूनों के इकठ्ठा करने के दौरान 92 फील्ड बुक का प्रयोग किया गया।
- 41 औषधि पौधों की जातियों का फोटोग्राफ्स इकठ्ठा किये गये।
- 66 प्रकाशित लेख पत्रों से विभिन्न रोगों में प्रयुक्त लोक औषधि दावों का प्रलेखीकरण किया गया।
- 6 लाइब्रेरी का निरीक्षण किया गया।

- 66 प्रकाशित लेखों को इकठ्ठा किया गया और उनका कैटलॉग बनाया गया।
- 630 जातियों के पौधों को एक्सल सीट पर इकठ्ठा किया गया जो 46 प्रकाशित प्रलेख में थे।
- पौधों के जातियों का पादप रसायन एवं औषधि गुण विज्ञानीय पुर्नविश्लेषण का कार्य किया गया।

2-4-9- pfuUnk e/kqeg jk/kh vk"kf/k æ0;ka dk Hk"kt vfHkKkuh; o ikFkfed ikni jlk;u eY;kdu dk egRoi.k [kku&iku lc/kh fuek.k ik"k.k lc/kh eY;kdu ,o ijEijkxr i;kx dk lUnHk eA

mÌs’;%

- पादप औषधि चूर्ण का वृहत्त सुक्ष्मदर्शी तथा मैक्रो अध्ययन तथा पहचान करना।
- औषधीय पौधों के पोषण संबंधी मूल्यांकन का आंकलन करना।
- परम्परागत महत्वपूर्ण आहार संबंधी सामग्री औषधीय मिश्रण को इकठ्ठा करना।
- सर्वेक्षित विभिन्न औषधि द्रव्यों के रासायनिक तत्वों का संकलन।

v/;;u iksjEHk dh frfFk % 4 अक्टूबर, 2013

v/;;u vof/k % 12 eghus

ih-vkb-,o lEHkkxh dUæ % डॉ. (श्रीमती) टी.आर.शान्ता (अनुसंधान अधिकारी) (वान.) राष्ट्रीय आयुर्वेद आहार विज्ञान अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु (कर्नाटक)।

orZeku fLFkfr % परियोजना के उपर्युक्त उद्देश्यों के 7 पादपों यथा उपोदिका वसेला–एल्बा,एल., तंत्र और तना, कदंली– मूसा पराडिसियाका एल. – अपक्वदलि और पुष्पवृन्त, मूसा, पराडिसियाका एल. –3 विभिन्न प्रकार के अपकदलि यथा करपूरबली, कल्याणबल और नेन्द्रबल; गोरक्ष–सायमोपासिस, टेटारागोलालोबा (एल. तब C=C) सोरोलियडस एल.)– फली, पर्पटकभेद– मूलोगो ओपोसिटीफोलिया एल. सम्पूर्ण पौधा में सफलता पूर्वक पूरा किया गया।

- अध्ययन के विभिन्न पक्ष यथा औषधि संकलन,चिन्हीकरण, सूक्ष्मदर्शी चरित्रण, वृहत् चरित्रण, चूर्ण का सूक्ष्मदर्शी अध्ययन, निर्बलीकरण अध्ययन, नैदानिक चरित्रण, औषधि प्रयोगों का अध्ययन किया गया।
- कोशिकाओं के तत्वों का ऊतकविज्ञानी/सूक्ष्मदर्शी चित्रण /फोटोमाइक्रोग्राफ एवं उसके ऊतकीय नाम का अध्ययन किया गया है।
- सी.एफ.टी.आर.आई. मैसूर के सहयोग से 7 प्रस्तावित द्रव्यों का आहार संबंधी मूल्यों का आंकलन।
- आयुर्वेदिय शास्त्रों में वर्णित विभिन्न औषधियों का प्राचीन लोक दावों का औषधीय मूल्यांकन एवं संकलन किया गया।
- आहार संबंधी सामग्री /औषधि मिश्रण का पारम्परिक प्रयोग /लोक दावों का संकलन किया गया।

- वांगमय सर्वेक्षण और प्रायोगिक कार्यों के संकलन के बाद परियोजना रिपोर्ट इकठ्ठा किया गया।

fu"d"k % प्रस्तुत अध्ययन विभिन्न आहार सामग्री/औषध मिश्रण के विषय में विशेष जानकारी उपलब्ध कराता है। जिनका कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में महत्वपूर्ण मधुमेह रोधी औषधियों का प्रयोग हो रहा है। यह अध्ययन विभिन्न महत्वपूर्ण भेषज अभिज्ञानिय मानदंड का खुलासा करता है जो कि पौधें के चिन्हिकरण और मानकीकरण के लिए लाभदायक है। आहार संबंधी विश्लेषण इस बात का खुलासा करता है कि इन आहारों में खनिज पदार्थो की मात्रा व अन्य वृहत एवं सूक्ष्म तत्वों की उपस्थिति कितनी है।

2-4-10- /kkU; ,o nkyk d lUnHk e vk;|on vkgkj lc/kh lpukvk dk foLr'r lxgA

mÌs';%

- औषधीय और कास्मेस्टिक एक्ट (अधिनीयम), भारत सरकार के ग्रन्थ में उल्लेखित आयुर्वेदिक आहार संबंधी वानस्पतिक प्रयोग और इसके आयुर्वेदिक गुणों का डाटा संकलित करना है।
- मानक उपलब्ध सन्दर्भो से विभिनन विषयों पर प्राचीन व्याख्या और उसका वर्तमान डाटा का सं. कलन करना।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 23 सितम्बर 2013

v/;;u vof/k % 3 o"k

ih-vkb- ,o lEHkkxh dUæ % डॉ. वी.रामा राव, अनुसंधानअधिकारी (वन.) राष्ट्रीय आयुर्वद आहार संबंधित अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु (कर्नाटक)।

orleku frfFk % परियोजना का प्रारम्भ औषधि और कारिस्मेटिक एक्ट भारत सरकार में सूचीबद्ध आयुर्वेदिक वांगमय में उल्लेखित जड़ी बुटियों का प्रयोग और उनका आहार संबंधी आयुर्वेदिक गुणों का संकलन 6 आहारीय यथा विग्न रेडियेटा (एल.) आर. (विलकजेक) मुद्ग विजन मुगों (एल.) हैपर, (माष) सिसर एरिएटिनम एल. (चणक) मैक्येदिलोमा यूनिफ्लोरम (लिन.)—वरदे (कुलत्थ), कैजनस कजान (एल.) मिलसप, आढ़की, ओरयजा सेटिवा एल.(शाली)।

2-4-11 y?kqipey d nk egRoi.k vk"kf/k iknik dk —f"k rduhd fodkl dk v/;;u%

mÌs';%

- नर्सरी तकनीक के विकास के लिए बीज और कलम के द्वारा पौधों को तैयार करना।
- चुनिंदा पौधों के उन्नति और कार्य क्षमता का विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रभाव का आंकलन।
- चुनिंदा पौधों के उन्नति और कार्य क्षमता का विभिन्न जैविक खाद्यों के प्रभाव का आंकलन।
- चुनिंदा पौधों के उन्नति और पैदावार में छाया और सूर्य के प्रकाश के प्रभाव का आंकलन।
- चुनिंदा पौधों के रोपड़ एवं कटाई के लिए आदर्श दशा को खोजना।

- भौतिक रसायनिक मानदंडों के लिए मिट्टी के प्रकार खाद्य और जलवायु दशा का निर्धारण।
- चुनिन्दा औषधीय पौधों के लिए पूर्ण कृषि तकनीक का विकास और पौधों के दीर्घ कालिक कटाई और उसके जीविति रहने का अनुपात का अध्ययन।

v/;;u izkjEHk dh frfFk % 4 अक्टूबर, 2013

v/;;u frfFk % 3 o"kZ

ih-vkbZ- ,oa lEHkkxh dsUæ % राष्ट्रीय मौलिक आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान संस्थान, पूणे।

ih-vkbZ % डॉ.ए.एम.गुराव अनुसंधान अधिकारी (वन.) एन.आर.आई.बी.ए.एस. पूणे।

orZeku fLFkfr%

- स्थानिक सर्वेक्षण/संकलन यात्रा जो प्लांटलेट संकलन के लिए 6 महीने का समय निर्धारित किया गया के अंर्तगत पूना और उसके आस–पास से आरोपण मेटिरिल इकठ्ठा किया गया।
- बीज के जमाव के लिए इनवीटरो और इनवाइवो जॉच किया गया। और कंटकारी बीज का जी ए 3 (1000 पी पी एम) के साथ उपचारित कर मातृ भंडारण प्राप्ति करने हेतु बगीचे की क्यारियों में आरोपित किया गया।
- तना कटिंग प्रयोग को प्रारम्भ किया गया।

2-4-12 ik;ä gkuu oky vk"k/kh; æ0; vfXueFk dk vUos"k.k vuqdwy vkj buchVjks iz pkj.k%&

mÌs';

- औषधीयों के अन्वेषणात्मक खोज, मान्यता प्राप्त संस्थानों वन्य स्रोतो द्वारा औषधियों का वानस्पतिक पहचान करना।
- सामूहिक इन विटरो उगाए गए पौधे जो दुर्लभ और लुप्त प्राय के हैं प्रचार और प्रारम्भिक पादप रसायनों का परीक्षण करना।

v/;;u izkjEHk dh frfFk % 15, अप्रैल 2014

v/;;u frfFk % 3 o"kZ

ihvkbZ ,oa lEHkkxh dsUæ % एनआरआईबीएस, पूणे।

ihvkbl uke % डॉ. गजेन्द्र राव, अनुसंधान अधिकारी (एस–3)(वान.) एनआरआईबीएएस, पूणे।

orleku fLFkfr%

- माइक्रो प्रोपेगेशन उद्देश्य के लिए ग्रथिं संर्वधन का शुरुआत किया गया।
- .5 सुक्रोज के साथ परखनली उद्भव के लिए उपसंर्वद्धन किया गया।

ipeuk ,eihih dk thfor jgu d fy, dkVuk

- तीन चार महिने के उपयोग के बाद प्रेमना एस पी में महत्वपूर्ण उच्च प्रतिशत का उतफूटन देखा गया। 4–5 की संख्या में प्रति कटिंग शाखा (3 से 5 से.मी.) देखा गया।
- प्रारम्भिक प्रयोग कंट्रोल वर्ग (बिना किसी हरमोनल चिकित्सा के) में किया गया। मूल कटिंग में 75 दिन के बाद औसतन 5–6 की संख्या में प्रारम्भिक मूल देखे गए। 40 कटिंग को आरोपित किया गया और वे सभी जीवित पाए गए।

2-4-13- pfuUnk vk"k/kh ik/kk dk vuqokf'kd fofHkUUkrk vkj ikni jlk;u fo'y"k.k dh leÖk dk fy, vkj,ihMh vk/kkfjr Mh,u, Qhxj fiçVxA

mÌ';

- पौधों के प्रमाणीकरण के लिए आर.ए.पी.डी.आधारित फिंगर प्रिंटिंग तकनीक का प्रयोग।
- औषधीय पौधों के पादप रासायनिक मानदंड का विश्लेषण।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 10 मार्च , 2014

v/;;u vof/k % 3 o"k

ih vkbl ,o lEHkkxh dUæ % डॉ. एस.डी.पवार, राष्ट्रीय मौलिक आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, पुणे।

orleku fLFkfr % सिरोपेजिया के पौधों का भण्डार द्वारा अहमद नगर महाराष्ट्र से इकठ्ठा किया गया। और उनको पुनः संस्थान के बगीचे में आरोपित किया गया।

xfovk gYnh dk thukfed Mh,u, dk rtth l fo'y"k.k

- मानक प्रोटोकाल के अनुसार ताजा पत्रों से डीएनए को अलग किया गया।
- डीएनए का अंतिम क्षालन किया गया तथा पौधे का 1 प्रतिशत एगोरोजैल द्वारा जिनोमेक डीएनए को निश्चित किया गया।
- डीएनए की योग्यता निर्धारण ईपोक–बायोटेक एलीसा प्लेट रीडर के द्वारा नैनोड्राप तकनीक को आधारभूत प्रयोग में लिया गया विभिन्न वाणिज्यकीय उपलब्ध मरवैन्डम परिमियर का आरएपीडीपीसीआर विशलेषण के लिए प्रयोग किया गया।

2-4-14 i".ki.kh ;jfj;k foDVk ¼tkd½ Msalo vkj 'kkyi.kh ¼MsaLkekfl;e½ xkxfVde ¼,y-½ Mh- lh-ds mrdk esa ued lgu'khyrk vkSj mlds ikS/kksa ds iquthou ij ued lgu'khyrk ds fy, pqukoA

mís';%

- घट्टा सम्वर्धन और दैहिक अपरिपक्वता का प्रोटोकाल विकसित करना।
- कैली के नमक सहनशीलता का उपसंर्वधन के दोहराव का चयन और चयनित सूक्ष्म पौधों के नमक सहनशीलता का चुनाव।
- विभिन्न नमक घोलों एवं नमक के विभिन्न सान्द्रता का बीजों के जमाव हेतु जॉच संचालित करना।
- क्षेत्र में सूक्ष्म पौधों के एवं उनकी नमक सहनशीलता की सीमा और क्षमता का तथा उनकी कठोरता की जॉच करना।
- परखनली में उगाए गए चयनित पौधों के संरचना और पादप रासायनिक मानदंड तथा नमक सहनशीलता और नमक असहनशीलता की तुलना।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 21, अप्रैल, 2014

v/;;u vof/k % 03 o"kZ

ihvkbZ ,oa lEHkkxh dUæ % डॉ.ए.एम. गुराव आरओ एस–2 बोटनी, एनआरआईबीएस, पुणे

orZeku fLFkfr

यूरेरिया पिक्टा के बीज को एम.एस. मीडिया से उपचरित किया गया। जिस ट्यूब में एम.एस. मीडिया और बीज डाले गए थे उसको अपारदर्शीय भूरे कागज से लपेट दिया गया था जो वहां जमाव के लिए आवश्यक था। परखनली बीज जमाव में प्रगति देखी गयी पूर्व में आवश्यक संबंधित यूरेरिया संर्वधन परखनली में एक और बीज का जमाव देखा गया तथा चार और बीज जमे हुए थे।

,e,l ek/;e e mj;k dk Vhdk cht ;ä vk—fr in’kuh; V,kc

संस्थान के बगीचे में शालपर्णी और पृष्नपर्णी के पौधों को अनुरक्षित किया जा चुका है और वांगमय अनुसंधान शुरु किया जा चुका है। शालपर्णी और पृष्नपर्णी के नमक सहनशील शूक्ष्म पौधों को बड़े स्तर पर पैदा करने का इस परियोजना का उद्देश्य है।

,e,l ek/;e e mj;k d cht dk vdfjr ;ä inÆ’kuh; V,kc

2-4-15 fofHkUUk idkf’kr lalk/kuk e mYyf[kr vk"k/kh; ik/kk dk idk’ku] leykpukred fo’ys"k.k vkj Hk"kt vfHkKkuh; MkVk vkj ekunM foopuA

mÌs’;%

- इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जो विभिन्न प्रकाशित संसाधनों यथा अनुसंधान लेखों, मोनोग्राफ रिपोर्ट और डाटावेस का भेषज अभिज्ञानीय डाटा को सुसंगत बनाना है।

➢ यह परियोजना सही कच्ची औषधीयों के उचित चिन्हिकरण और उसके समालोचनात्मक विशलेषण का नतीजा निकालने में सहायता करेगा।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 9 जुलाई, 2014

v/;;u frfFk % 01 o"k

lEHkkxh dUæ & 6 % सी.एस.एम.डी.आर.आई.ए.डी.डी.,चेन्नई; एनवीआरआई और एच, लखनऊ; एनआरआईएडीडी, कोलकाता; एनआरआईबीएएस, पुणे; एनआईएपीआर, पटियाला और एनएडीडीआरआई बंगलुरु

वर्तमान स्थिति : यह परियोजना सीसीआरएएस के 6 संस्थानों में अभी चल रहा है।

2-4-16 vk;|ofnd Qkekdkfi;k vkQ bfM;k e mYyf[kr vk"k/kh; ik/kk dk NkMdj vk;|ofnd Qkeyjh vkQ bfM;k e fufn"V vk"k/kh; ik/kk dk Hk"kt x|.k vfHkKkuh; eY;kduA

mÌ’;%

➢ अनेक ऐसे औषधीय पौधे है जिनका उल्लेख आयुर्वेदिक फार्मूलरी ऑफ इंडिया में है लेकिन इसका मोनोग्राफ आयुर्वेदिक फार्माकोपिया ऑफ इंडिया के किसी भी खंड में आच्छादित/वर्णित नहीं है। इस विसंगति को पूरा करने के लिए इस परियोजना का प्रारम्भ विशेष प्राथमिकता के अंर्तगत भेषजगुण विज्ञानीय मूल्यांकन हेतु सीसीआरएएस के 6 संस्थानों को दिया गया है।

v/;;u ikjEHk dh frfFk % 18 मार्च, 2015

v/;;u frfFk % 1 o"k

lEHkkxh dUæ & 6 % एनआरआईएडीडी, कोलकाता; सीएसएमडीआरआईएडीडी, चेन्नई; एनवीएआरआई और एच, लखनऊ; एनआरआईबीएएस, पुणे; एनआईएपीआर, पटियाला और एनएडीआरआई,बंगलुरु।

or|eku fLFkfr % उपर्युक्त औषधीय पौधों पर यह परियोजना सीसीआरएएस के 6 संस्थानों में चल रहा है।

3-3 vk"k/k ekudhdj.k vuql/kku

3-1 vk"k/k ekudhdj.k

पहचान, गुणधर्म, शुद्धता की पुष्टि तथा मिलावट का पता लगाना ही मानकीकरण का मुख्य उद्देश्य है। परिषद् की मुख्य गतिविधियों में एकल औषधि एवं मिश्रित औषधियों तथा उनके निर्माण की विधि (मानक निर्माण विधि) का अपने औषध मानकीकरण एककों यथा सीएसएमआरआईए एण्ड एसडीडी चैन्नई, (एनएबीएल प्रमाणित प्रयोगशाला), राष्ट्रीय आयुर्वेद औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता,(एनआरआईएडीडी, को.), राष्ट्रीय आयुर्वेद भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला (एनआईएपीआरपी) राष्ट्रीय आयुर्वेद सिद्ध मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर (एनआरआईएएसएचआरडीजी) एवं राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी (एनआरआईपीसी) के माध्यम से गुणवत्ता का आकलन करना है। विभिन्न परियोजनाओं (आईएमआर,ईएमआर, दावे इत्यादि) के अंतर्गत आवश्यक औषधियों एवं यौगिकों के लिए आतुरीय परीक्षण, भेषज अभिज्ञानीय अध्ययन इत्यादि के लिए औषधियों की पहचान और गुणवत्ता पुष्टि भेषज संहिता मानकों/विकसित मानकों के अनुसार विश्लेषण किया गया है।

प्रतिवेदन अवधि में 25 मिश्रित योगों (चूर्ण/क्वाथ–चूर्ण/तैल/अवलेह/अरिष्ट/आसव/ कोडेड/दावा औषधि आदि) का आतुरीय परीक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए मानकीकरण गुणवत्ता पैरामीटर का विश्लेषण किया गया। 36 औषधियों का गुणवत्ता विश्लेषण प्रथम आईएमआर 13 आतुरीय परीक्षण परियोजनाओं में प्रवेश कर चुका है। वार्षिक कार्य योजना 2012–13 एवं 2013–14 के अंतर्गत 10 एवं 6 योगों का गुणवत्ता निर्धारण हेतु आतुरीय परीक्षण किया गया है। वर्तमान वर्ष में 11 आईएमआर परियोजनाऐं (दूसरी एवं तृतीय आईएमआर–पीईएमसी) चल रही हैं।

वर्तमान वर्ष में 5 नमूनों /बैच की जीवनावधि का अध्ययन निरन्तर/प्रारम्भ किया गया है तथा एक यौगिक आयुष क्यू ओ एल–2सी की जीवनावधि का अध्ययन पूर्ण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त चयनित विश्लेषणात्मक मापदंडों का (इंट्रा) एवं अंतर प्रयोगशाला के एनएबीएल प्रमाणन अन्तः तुलना हेतु जारी रखा गया है। सम्पन्न किए गए कार्य का विवरण निम्नलिखित है।

v½ fefJr ;kx

lkjka’k& 21 (बैच/नमूने) शास्त्रीय आयुर्वेदिक योगों पर अध्ययन के साथ ही संघटकों एवं चार दावा/कोडेड योगों का गुणवत्ता निर्धारण हेतु विश्लेषण एनआरआईएडीडीके, एनआरआईपीसी, एनआईएपीआरपी एवं सीएसएमआरआईए एवं एसडीडीसी में किया गया।

rkfydk&13% एकल औषधियों के मानकीकरण का विवरण

Ø-la-	lL—r@fgUnh uke	lLFkku
	शास्त्रीय आयुर्वेदिक योग घटकों के साथ	
1.	अश्वगंधा चूर्ण (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडी.के
2.	अविपत्तिकर चूर्ण (क्यू.सी.)	एनआरआइपी.चे.
3.	वृहद सैंधवाद्य तैल (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडी.के.
4.	चर्तुभद्र क्वाथ चूर्ण (क्यू.सी.)	एनआरआइपी.पी
5.	च्यवनप्राश (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
6.	धान्वन्तर तैल (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडीके
7.	गंधर्वहस्त तैल (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडीके
8.	ज्वरहर क्वाथ चूर्ण (क्यू.सी.)	एनआरआइपीसी
9.	कनकासव (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
10.	कुष्माण्डक रसायन (चूर्ण) (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
11.	कुटजारिष्ट (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
12.	नवायस चूर्ण कैप्सूल (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडीके
13.	प्रवाल पिष्टी कैप्सूल (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडीके
14.	रास्नासप्तकम क्वाथ चूर्ण (क्यू.सी.)	एनआरआईपीसी
15.	सारस्वत घृत (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
16.	तालीसपत्रादि चूर्ण (क्यू.सी.)	एनआरआईपीसी
17.	त्रिकटु चूर्ण (क्यू.सी.)	एनआरआईपीसी
18.	त्रिवृत चूर्ण (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
19.	वासावलेह (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडीके
20.	वातारि गुग्गुलू टैबलेट (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	एनआरआइएडीडीके
21.	योगराज गुग्गुलू (टीएलसी / एचपीटीएलसी)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी एनआरआइएडीडीके
	nkok@dkMM vk"kf/k;k	
22.	आयुष ए बैच II और III (पूर्ण हो चुका)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
	,uvkjvkb,MhMhd	
23.	आयुष डी बैच II और III (प्रगति पर है)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
24.	आयुष रसायन–बी (प्रगति पर है)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी
25.	के–1 पर्ण सत्व बैच –I और II (प्रगति पर है)	सीएसएमआरआइए एवं एसडीडीसी

c½ ;kxk rFkk r|;kj mRiknk dh thoukof/k

निम्नलिखित छः औषधियों के बैच/नमूने का जीवनावधि भौतिक रासायनिक मापदंड/टीएलसी आदि के लिए अध्ययन किया गया

rkfydk % 14 & यौगिकों की जीवनावधि अध्ययन का विवरण

Ø-l-	;kx@r|;kj mRikn	lLFkku
1.	आयुष क्युओएल–2सी, (पूर्ण हो चुका)	
2.	आयुष मानस बैच III (5वीं, 6वीं, 7वीं एवं 8वीं, तिमाही)	
3.	आयुष रसायन बी– (4, 5, 6 एवं 7वीं तिमाही)	
4.	आयुष रसायन ए– (0 एवं प्रथम तिमाही)	सीएसएमआरआईए एवं डीडी चेन्नई
5.	आयुष सी 1– तैल (बैच II – 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 10वीं तिमाही)	
6.	के–1 सत्व (बैच – II – 8वीं तिमाही)	

l½ Qkekdkfi;y vk'k/kh d fy, uohu ØkekVksxzkfQd ,o LiDVªkLdkfid i)fr dk fodkl&okf"kZd dk;Z ;kstuk 2013&14% ,uvkjvkbZ,MhMh] dkydrk e çgXok"Vd p.k ij dk;Z py jgk gSA

n½ vU; dk;Z

1- ,u,ch,y] lh,l,evkjvkbZ, ,o MhMh] pUUkbZ (कैडमियम आकलन), भास्कर लवण (पोटैशियम आकलन), निम्बादि क्वाथ चूर्णम् (कणों की शुद्धता), भस्म गुणवत्ता एवं एल्कोहल में घुलनशील सत्व, नीलीभृगांदि तैलम् (अपवर्तक सूचकांक, आयोडीन गुणवत्ता), एलादि चूर्णम वटी (विघटन समय, वटी में एकरूपता) कासीस भस्म (लौह तत्व आकलन) त्रिकटु चूर्ण (टीएलसए और एचपीटीएलसी) अशोकारिष्ट (विशिष्ट गुरुत्व), अजमोद (वाष्पी तेल की मात्रा) द्राक्षादि लेहम् (कुल), ताम्र भस्म (कॉपर आकलन), मुथू चिप्पी परपम् तथा रिड्यूसिंग शर्करा कैल्शियम (आकलन)।

d½ vUr% i|;kx'kkyk r|yuk%

आयोडीन गुणवत्ता, कुल भस्म घटक, कैडमियम का आंकलन, अपवर्तक सूचकांक, विघटन समय, टीएलसीएएचपीटीएलसी, आयरन एवं पोटेशियम का आंकलनएविशिष्ट गुरुत्व, रिड्यूसिंग शर्करा

तथा कुल शर्करा। ईडीटीए का मानकीकरण आईपी की नवीन पद्धति 2014 के अनुसार जेडएन (एनआईएसटी पहचान के साथ) को विकसित किया जा चुका है।

2- vkbZ lh ,evkj ifj;kstuk%

भारतीय औषधि पादपों एवं उनके भेषजसंहितीय मानकों के गुणवत्ता मानक पर परियोजना का कार्य चल रहा है।

3- MhVh,y% ¼vkS"k/k ijh{k.k iz;ksx'kkyk½

tkp fd, x, ueus& फाईटोकेमिकल, फिजियोकेमिकल मापदंड, सोडियम, पोटेशियम आकलन एवं टीएलसी, एचपीटीएलसी प्रोफाईल– 43 नमूने।

3-2 vUr%ofrZ vkS"k/k ekudhdj.k vuqla/kku ifj;kstuk;sa

3.2.1 कुछ चयनित (4) औषधीय पादपों के मार्कर यौगिकों का पृथक्कीकरण।

1. mÌs';% अपरिष्कृत औषधियों की पहचान करना एवं उन्हें एकत्रित करना। निष्कर्षण, क्रोमैटोग्राफिक पृथकीकरण, मार्कर यौगिकों का पृथकीकरण एवं शुद्धीकरण करना। वर्णक्रमीय डाटा जैसे यू.वी., आई.आर., एनएमआर इत्यादि का अभिलेख रखना तथा मार्कर यौगिकों का चरित्रिकरण करना।

2. v/;;u dh vof/k% 2 वर्ष

3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx ysus okyk dsUæ% एनआरआईपी, चेरूतुरूथी

   ih vkbZ % श्री वसंत कुमार के. जी.

4. ikjEHk gksus dh frfFk% 10/02/2014

5. orZeku fLFkfr% चल रही है

6. ifj;kstuk dk lkjka'k% करक्यूमा लौंगा से कर्क्यूमिनॉयड्स का निष्कर्षण एवं पृथकीकरण तथा अलग किए गए कर्क्यूमिनॉयड्स के टीएलसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। विडंग (एमब्लिका राइब्स) से एमब्लिक सत्वों के पृथकीकरण एवं शुद्धीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। एमब्लिन का टीएलसी अध्ययन जारी है। टर्मिनेलिया अर्जुना का इथाइल एसीटेड के साथ निष्कर्षण का कार्य चल रहा है।

3-2-2 rhu vk;qosZfnd iknikas ds tSfod lfØ; ekdZj ;kSfxd igyqvksa dk ekudhdj.k ,oa isVs.khdj.k

1. mÌs';% पादपों के सक्रिय मार्कर योगों के पृथककरण की प्रक्रिया का मानकीकरण किया जाएगा जो कि पेटेंट किया जा सकता है। एचपीटीएलसी/एचपीएलसी सत्वों के फिंगरप्रिंट सक्रिय मार्कर योगिक के साथ बनाए जाएगें। ये फिंगरप्रिंट प्रकाशित किए जा सकते हैं। इस फिंगरप्रिंट की तुलना में फार्मा कंम्पनियां सामग्री का बैच के अनुसार सक्रिय मार्कर में अनिवार्य आश्यकताओं (डोज डिपेंडेंट) का प्रबंध कर सकती हैं।

2. v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष

3. ih vkbl dk lkFk Hkkx yus okyk dUæ % एनआरआईएडीडी, कोलकाता श्री डी.एन.मडल

4. ikjEHk gksus dh frfFk % 13/02/2014

5. orZeku fLFkfr% चल रही है

6. ifj;kstuk dk lkjka'k% औषधि का एन–हैग्जेन, इथाईल एसिटेट एवं मेथनॉल के साथ क्रमिक सत्वीकरण का कार्य किया जा चुका है। हैग्जेन सत्वों का छोर बढ़ाने वाले विलायक के साथ का. ॅलम क्रोमैटोग्राफी का कार्य किया गया। हैग्जेन इथाईल एसिटेट (7:3) में ठोस चिन्ह मामूली अशुद्ध ता के साथ देखे गए। ठोस का शुद्धीकरण कॉलम क्रीमेटोग्राफी के साथ किया गया तथा अंत में इसे एसीटोन, हैग्जेन एवं ईथर साल्वेंट के साथ शुद्ध किया गया। यौगिक की पहचान पाईपरीन के रुप में की गई तथा अन्य शुद्ध घटकों की पहचान हैग्जेन मिश्रण के साथ इथाइल एक्टेट एवं मेथेनॉल के रुप में की गई। यौगिक की पहचान एंड्रोग्रेफोलाइड के रुप में की गई।

3-2-3 ,,Qvkbl eas fn, x, 12 vk"k/kh; ikniksa ds fy, ekdZj ;kfxdksa dk fodkl%

1. mÌs';% पादप सामग्री एकत्र करना। सभी पादप सामग्री के लिए रसायनिक व्यूह रचना एचपीटीएलसी एवं मार्कर पृथककीकरण द्वारा की गई। क्रमिक सत्वीकरण, अलग किए गए मार्करों का चरित्रीकरण तथा मार्करों की शुद्धता का परीक्षण एचपीएलसी द्वारा किया गया।

2. v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष

3. ih vkbl dk lkFk Hkkx yus okyk dUæ % सीएसएमआरआई एंव एसडीडी, चेन्नई

ih vkbl % डॉ. च.वेंकट नरसिंम्हाजी

4. ikjEHk gksus dh frfFk % 28/01/2014

5. orZeku fLFkfr % चल रही है

6. ifj;kstuk dk lkjka'k% 6 पादप सामग्री एकत्र कर ली गई है। बैकोपा मोनियरी तथा टर्मिनेलिया चेबुला के अलावा सभी पादप सामग्रियों की रसायनिक व्यूह रचना एचपीटीएलसी द्वारा पूर्ण की गई है। 5 पृथक किए गए मार्करों का चरित्रीकरण किया गया। विथेनोलाइड–ए का शुद्धता परीक्षण एचपीएलसी द्वारा पूर्ण किया जा चुका है। ग्लाईसिराईजा ग्लेब्रा का क्रमिक सत्वीकरण कोल्ड परकोलेशन विधि द्वारा तथा लघु स्तर पर ग्लाइर्सिहिजिन का पृथकीकरण पूर्ण हो चुका है एवं चरित्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। एथाटोडा वैसीका, पाईपर लौंगम् तथा एसपैरागस रेसीमोसस, का कोल्ड परकोरेशन विधि द्वारा क्रमिक सत्वीकरण का कार्य चल रहा है। पौधों से वेसिसाईन, पिपरलौंगमिन तथा शतावराईन–IV के पृथककरण का कार्य चल रहा है।

3-2-4 मार्कर यौगिकों की पहचान एवं परिमाणन का आंकलन/सीसीआरएएस द्वारा विकसित विभिन्न चयनित कोडेड औषधियों में प्रयुक्त सामग्री एवं निर्मित औषधी की गुणवत्ता का निर्धारण करने के लिए पीआरएस/फाईटो केमिकल मूल्यांकन।

1 mÌ’;% प्रत्येक पीआरएस का मानक अधिकारिक अध्ययन करने के लिए पद्धति (एपीआई,आईपी, डब्ल्यु एचओ,एओ एसी इत्यादि) एवं वैज्ञानिक जरनल (पीयर रिव्यु अनुसंधान पत्र) द्वारा प्रयुक्त मानक मेथेडोलॉजी की समीक्षा, कर्मचारियों का चयन, उपस्कर का क्रय, रासायनिक एवं पीआरएस/मार्कर यौगिकों का क्रय। विभिन्न बैंचों एवं कोडेड औषधियों –1 के प्रत्येक घटक (सत्व) में एचपीटीएलसी द्वारा क्रमशः पीआरएस की पहचान। संबंधित बैंचों एवं कोडेड औषधियों –1 के प्रत्येक घटक (सत्व) में एचपीटीएलसी द्वारा क्रमशः पीआरएस के परिमाणन का आंकलन।

2. v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष

3. ih vkbl d lkFk Hkkx yu okyk dUæ % सीसीआरएएस,मुख्यालय, नई दिल्ली

ih vkbl % डॉ. अर्जुन सिंह

4. ikjHk gku dh frfFk % 06/01/2014

5. orleku fLFkfr % चल रही है

6. ifj;ktuk dk lkjk’k % टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया की कॉलम क्रोमैटोग्राफी प्रारम्भ कर दी गई है। टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया का कॉलम क्रोमैटोग्राफी पर ट्रायल पूरा कर लिया और कोडेड यौगिक–1 बैंच 1) और इसकी सामग्री के सत्व तैयार कर लिए गए हैं। आईपी, आईसीएमआर एवं एपीआई के अनुसार आमलकी, पुर्ननवा, गुड्ची और अश्वगन्धा के लिए टीएलसी की गई। कोडेड यौगिक–1 के लिए टीएलसी अध्ययन पूर्ण किया जा चुका है। कोडेड औषधी 1 (बैंच–1–2008) एवं इसके घटकों के गर्म एवं ठंडे सत्व प्राप्त कर लिए गए हैं। गैलिक एसिड एवं विथेनोलाईड ए का कोडेड औषधियों–1 बैच–2011, बैच–2008) के परिणामों का आंकलन एचपीटीएलसी एवं एचपीएलसी द्व ारा किया गया है।

3-2-5 ey@ey Nky@Nky@gkVoM fo#) vk;qofnd vk"kf/k;k d ,fj;y Hkkxk dk rqyukRed QkbVk dfedy v/;;u%

1. mÌ’;% साहित्य की समीक्षा,पादप सामग्री का क्रय, कर्मचारियों का चयन, पादप भागों की पहचान एवं प्रमाणीकरण, टीएलसी फिंगर प्रिंट का विकास, मूल/मूल छाल/छाल विरुद्ध एरियल भाग इत्यादि के फिंगर प्रिंट की तुलना, परिणामों का संकलन,प्रतिवेदन एवं अनुसंधान प्रकाशन इत्यादि प्रस्तुत करना।

2. v/;;u dh vof/k % 1 वर्ष आगे 18 माह तक बढ़ाई गई है।

3. ih vkbl d lkFk Hkkx yu okyk dUæ % सीसीआरएएस, मुख्यालय, नई दिल्ली

ih vkbl % डॉ. एस.सी.वर्मा

4. ikjHk gku dh frfFk % 01/01/2014

5. orZeku fLFkfr % चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka'k % 10 पादपों पर कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

3-2-6 fuEcfrä e dk 200 ,eth dSIlwy dk fuekZ.k

1. mÌs';% प्रतिमाह के आधार पर निम्बतिक्तम् 200 एमजी कैप्सूल का निर्माण करना। 3000 से 4000 कैप्सूल प्रतिमाह।
2. v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष
3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx ysus okys dUæ % एनआरआईपी,चेरुतुरुथी
   ih vkbZ % श्री वसन्तकुमार के.जी.
4. ikjEHk gksus dh frfFk % अप्रैल,2014
5. orZeku fLFkfr % चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka'k % 26750 कैप्सूल का निर्माण किया जा चुका है।

3-2-7 eqy@eqy Nky@ruk Nky fo#) vk;qosZfnd vkS"kf/k;ksa dk ,fj;y Hkkxksa dk rqyukRed QkbVks dSfedy v/;;u%

1. mÌs';% पादप सामग्री का क्रय, कर्मचारियों का चयन, पादप भागों की पहचान एवं प्रमाणीकरण, टीएलसी फिंगर प्रिंट का विकास, जड़/तना छाल विरुद्ध एरियल भाग इत्यादि के फिंगर प्रिंट की तुलना, परिणामों का संकलन,प्रतिवेदन एवं अनुसंधान प्रकाशन इत्यादि प्रस्तुत करना।
2. v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष
3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx ysus okys dUæ % एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर
   ih vkbZ % डॉ. भावना श्रीवास्तव
4. ikjEHk gksus dh frfFk % मई, 2014
5. orZeku fLFkfr % चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka'k % 14 अपरिष्कृत औषधियां एकत्रित की गई हैं तथा घटकों का प्रमाणीकरण किया गया है। सभी एकत्रित औषधियों के सक्रिय घटकों एवं थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी के लिए साहित्यिक सर्वेक्षण किया गया है। एक पादप के तना छाल एवं छोटी शाखाओं के तुलनात्मक थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी का कार्य पूरा किया जा चुका है एवं पॉच का कार्य चल रहा है।

3-2-8 pw.kksZ dh thoukof/k%

1. mÌs';% अपरिष्कृत औषधि एवं वैज्ञानिक उपकरणों का क्रय, यौगिकों का निर्माण, यौगिकों का विश्लेषण।

2. v/;;u dh vof/k % 3 वर्ष
3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx ysus okyk dUæ % एनआईएपीआर, पटियाला
   ih vkbZ % डॉ. बिरेश कुमार सरकार
4. ikjEHk gksus dh frfFk% मई, 2014
5. orZeku fLFkfr% चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka'k% परियोजना के लिए आवश्यक अपरिष्कृत औषधि एवं वैज्ञानिक उपकरणों के क्रय का कार्य किया जा रहा है। डीप फ्रीजर क्रय करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है।

3-2-9 oVh dh thoukof/k%

1. mÌs';% अपरिष्कृत औषधियों का क्रय एवं उनका आंकलन। सूत्रों का निर्माण एवं उनका विश्लेषण। स्थिरता का अध्ययन (परियोजना अवधि के अलावा वास्तविक समय का अध्ययन करने का उद्देश्य है, संस्थान में यह निरन्तर 4 वर्षो से किया जा रहा है) प्रतिवेदन का संकलन एवं प्रस्तुतिकरण
2. v/;;u dh vof/k% 4 वर्ष
3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx ysus okyk dUæ% एनआईएपीआर, पटियाला
   ih vkbZ % डॉ. बिरेश कुमार सरकार
4. ikjEHk gksus dh frfFk % मई, 2014
5. orZeku fLFkfr % चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka'k % परियोजना के लिए आवश्यक अपरिष्कृत औषधि एवं वैज्ञानिक उपकरणों के क्रय का कार्य किया जा रहा है।

3-2-10 ?kr dh thoukof/k dk v/;;u%

1. mÌs';% अपरिष्कृत औषधि एवं वैज्ञानिक उपकरणों का क्रय, यौगिकों का निर्माण, यौगिकों का विश्लेषण।
2. v/;;u dh vof/k% 3 वर्ष
3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx ysus okyk dUæ% एनआईएपीआर, पटियाला
   ih vkbZ % डॉ. बिरेश कुमार सरकार
4. ikjEHk gksus dh frfFk % मई, 2014
5. orZeku fLFkfr % चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka'k% परियोजना के लिए आवश्यक अपरिष्कृत औषधि एवं वैज्ञानिक उपकरणों के क्रय का कार्य किया जा रहा है। स्टेबिलिटी चेम्बर क्रय करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है।

3-2-11 rqy dh thoukof/k dk v/;;u%

1. mÌs’;% अपरिष्कृत औषधियों का क्रय एवं उनका आंकलन। यौगिको का निर्माण एवं उनका विश्लेषण। स्थिरता का अध्ययन (परियोजना अवधि के अलावा वास्तविक समय का अध्ययन करने का उद्देश्य है, संस्थान में यह निरन्तर 4 वर्षो से किया जा रहा है) प्रतिवेदन का संकलन एवं प्रस्तुतिकरण।
2. v/;;u dh vof/k% 4 वर्ष
3. ih vkbZ dk lkFk Hkkx yus okyk dUæ% एनआईएपीआर, पटियाला

   ih vkbZ % डॉ. बिरेश कुमार सरकार
4. ikjEHk gksus dh frfFk% मई, 2014
5. orZeku fLFkfr % चल रही है
6. ifj;kstuk dk lkjka’k% परियोजना के लिए आवश्यक अपरिष्कृत औषधि एवं वैज्ञानिक उपकरणों के क्रय का कार्य किया जा रहा है। स्टेबिलिटी चेम्बर क्रय करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है।

3-3 vU; ifj;kstuk,%

rkfydk & 15 % अन्य परियोजनाओं की स्थिति

Ø- l-	ifj;kstuk dk uke@dk;Z	LFkku	fLFkfr
1.	क्षारसूत्र निर्माण (आईएमआर) का विकास/स्वचालन	एसीआरआई, नई दिल्ली एनआरआईएएसएचआरडी ग्वालियर	बाह्यस्रोत एजेंसी द्वारा क्षारसूत्र गुग्गुलू आवरण सहित, क्षारसूत्र अपमार्ग क्षार आवरण सहित एवं उसके घटकों जैसे हरिद्रा, अपमार्ग क्षार, शुद्ध गुग्गुलू के सुरक्षा मापदंडों का आकलन किया गया
2.	डेरी की स्वस्थ गायों में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए एक पॉली हर्बल औषधि का विकास	एनवीएआरआई एवं एच, लखनऊ/ एनआरआईएएसएचआरडी ग्वालियर	विकसित की गई हर्बल औषधि बैच 1 एवं एनवीएआरआई एवं एच, लखनऊ से प्राप्त इसके घटकों का फिजिकोकेमिकल, फाईटोकेमिकल एवं सुरक्षा मापदंडों के ऑकलन का कार्य पूर्ण किसा जा चुका है। पॉलीहर्बल औषधि बैच–1 का प्राथमिक टीएलसी अध्ययन किया जा रहा है
3.	मात्रात्मक एचपीएलसी के साथ बायोएक्टिव माध्यमिक मेटाबोलाइट में मौसमी भिन्नता का विश्लेषण करके कुछ जड़ी बूटियों के लिए सबसे अच्छा खरीद समय की स्थापना करना	एनवीआरआईए झांसी/ सीएसएमआरआईए एवं एसडीडीए चेन्नई	शरद ऋतु के 10 पादपों के सत्वीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं हेमन्त ऋतु पादपों का कार्य प्रक्रियाधीन है। विथेनो लाईट–ए, वेडलोलेक्टोन एवं फाइलैन्थिन नामक तीन मार्करों के लिए पद्धति का विकास किया गया है। विथेनो लाईट–ए, वेडलोलेक्टोन एवं फाइलैन्थिन नामक तीन मार्करों के मात्रात्मक विश्लेषण के लिए अंशांकन वक्रध्रैखिकता का कार्य पूर्ण किया गया है। (शरद ऋतु) के प्रथम सीजन की पादप सामग्री (एक्लिप्टा एल्वा एवं विथानिया सोमनीफेरा के विथेनो लाईड़–ए एवं वेडलोलेक्टोन के परिमाणन का कार्य पूर्ण किया गया है।

4- io& unkfud v/;;u

औषध अनुसंधान कार्यक्रम में भेषजगुण विज्ञान तथा विषाक्तता अध्ययन की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। औषधियों की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा रुपरेखा को स्थापित करने के लिए आयुर्वेदिक औषधियों का विभिन्न प्रजातियों के जीवों पर अध्ययन किया गया। यह अध्ययन परिषद् के सीएसएमडीआरआइ, चेन्नई, एनआरआईपी,चेरुतुरुथी, एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर और एनआरआईएडीडी,कोलकाता केन्द्रो पर किए जा रहे हैं। प्रतिवेदन अवधि में 4 औषधियों का भेषज गुण विज्ञानीय अध्ययन तथा 2 कोडेड औषधियों एवं 4 पादप सत्वों की सुरक्षा/विषाक्तता का अध्ययन किया गया। मवेशियों में होने वाले रोगों के उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य परम्पराओं के प्रलेखीकरण का कार्य किया जा चुका है।

4-1 tho foKkuh; xfrfof/k v/;;u

1- vk;q"k Mh ,uvkjvkbl,,l,pvkjMh]Xokfy;j

मधुमेह टाईप–2 के उपचार हेतु आयुष डी के प्रभाव का अध्ययन किया गया जो कि एसटीजेड (60 एमजी/केजी,आई.पी.) द्वारा एवं 15 मिनट बाद निकोटिनमेड (230 एमजी/केजी,आई.पी.)से अभिप्रेरित था। तीसरे एवं सातवें दिन तथा उसके बाद 4 सप्ताह तक प्रति सप्ताह रक्त शर्करा के माप के बाद मधुमेह की पुष्टी की गई। यह पाया गया कि आयुष डी टाईप–2 मधुमेही चूहों में हाईपरग्लाईसेमिया को कम करता है। अंतिम तकनीकी प्रतिवेदन का प्रारूप तैयार हो चुका है।

2- ikWyh gcy vkS"kf/k ,uvkjvkbZ,o ,p y[kuÅ

पादप सत्वों एवं पॉली हर्बल यौगिकों के निर्माण एवं मानकीकरण का कार्य प्रगति पर है।

3- vk;qosfnd iknikssa dh dSalj jks/kh dk;Z {kerk ,uvkjvkbZch,,l]iq.ks

कोशिका संवर्धन तकनीक के लिए मानकीकरण किया गया है, एसे एवं प्रोटियोमिक्स तकनीक। इनविट्रो कोशिका परख का प्रयोग करते हुए कैंसर रोधी औषधियों की छानबीन एवं मानकीकरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

4- e/kqesg jks/kh vk;qosfnd vkS"kf/k;ksa dk bufoVªks vkdyu ,uvkjvkbZch,,l] iq.ks

कोशिका लाइन के रखरखाव के लिए प्रोटोकॉल का मानकीकरण किया जा चुका है। नोथापोडाईट्स निमोनीआना (जे ग्राहम) के जैव सक्रिय घटकों का फाइटोकेमिकल चरित्रीकरण एवं कोशिका आधरित आंकलन किया गया। कैम्प्टोथेसिन का मानकीकरण एवं परिमाणन, नोथापोडाईट्स फोटिडा (डब्ल्यु टी.) के एलसीएमएस में शामिल विभिन्न घटकों पर एक विख्यात कैंसर रोधी मेटाबोलाइट किया गया। मैलोनलडिहाइड,टैस्टोस्टोरोन, एल–डोपामाइन मेटाबोलाइड मार्कर का एलसी–एमएस पर मानकीकरण एवं परिमाणन किया गया। डेसमोडियम डीसी की चार प्रजातियों (डेसमोडियम

डिखोटोमम (विल्ड) डीसी, डेसमोडियम लेक्सीफ्लोरम डीसी, डेसमोडियम स्कोर्रपिरस डेस–, एण्ड डेसमोडियम ट्राईफ्लोरम (एल.) डीसी.) के बीच अनुमासिक संबंधो का विश्लेषण आरएपीडी–पीसीआर द्वारा किया गया। म्युक्युना प्रुरियन्स (एल.) डीसी एवं म्युक्युना कोचिनचिनेन्सिस (लोर) ए.चेव. का आरएपीडी मार्कर की सहायता से मौलिक्युलर विश्लेषण अनुवांशिक भिन्नताओं को समझने के लिए इनविट्रो कोशिका परख द्वारा मधुमेह रोधी औषधियों की छानबीन एवं मानकीकरण किया गया।

5- lhrkiqj vkSj bykgkckn esa eos'kh;ksa esa gksus okys jksxksa ds mipkj ds fy, LFkkuh; LokF; ijEijkvksa dk iys[khdj.k ,uoh,vkjvkbZ ,oa ,p y[kuÅ

पशुओं में होने वाले रोगों के उपचार हेतु ग्रामीण किसानों/समुदायों द्वारा प्रयोग की जाने वाली स्थानीय स्वास्थ्य परम्पराओं का प्रलेखीकरण करने के लिए सीतापुर जिले के मिश्रिक एवं सिधौली तहसीलों तथा इलाहाबाद जिले की मेजा एवं कुरॉव तहसीलों में सर्वेक्षण कार्य करने के लिए विभिन्न दौरे किए गये। मवेशी पालने वालों,पारम्परिक उपचारकर्ताओं तथा किसानों से जातीय पशु चिकित्सा संबंधी जानकारी एकत्रित की गई। जातीय पशु चिकित्सा हेतु महत्वपूर्ण औषधि पादपों जैसे बंसा एकीथीस एस्पेरा, बंबूसा बंबोस, सोलेनम सरेटेंस, नेरियम ओलेड्रम, एजादीरेक्टा इंडिका की पत्तियों, ट्रिकोसेंथीस ट्राईकसपिडाटा, एक्लीप्टा अल्बा, ब्लुमिआ लसेरा, टिनोसपोरा कार्डिफोलिया इत्यादि वनस्पति संग्रहालय नमूनों के निर्माण हेतु एकत्र की गई।

6- jk;cjsyh vkSj mUuko esa eos'kh;ksa esa gksus okys jksxksa ds mipkj ds fy, LFkkuh; LokLF; ijEijkvksa dk iys[khdj.k ,uoh,vkjvkbZ ,oa ,p y[kuÅ

पशुओं में होने वाले रोगों के उपचार हेतु ग्रामीण किसानों/समुदायों द्वारा प्रयोग की जाने वाली स्थानीय स्वास्थ्य परम्पराओं का प्रलेखीकरण करने के लिए रायबरेली जिले के (लालगंज, महराजगंज और सोलन तहसील) तथा उन्नाव जिले की (पूर्वा और विघापुर तहसील) में सर्वेक्षण कार्य करने के लिए विभिन्न दौरे किए गये। मवेशी पालने वालों,पारम्परिक उपचारकर्ताओं तथा किसानों से जातीय पशु चिकित्सा संबंधी जानकारी एकत्रित की गई। जातीय पशु चिकित्सा हेतु महत्वपूर्ण औषधि पादपों जैसे बंबूसा अरुन्डीनेसिया बोहिनिया वेरिगेटए बेनिनकासा हिस्पीडाए फाईकस ग्लोमेराटा, पांगेमिया पिनाटा, एजादीरेक्टा इंडिका की पत्तियों, एलीप्टा अल्बा, विथानिया सोमनीफेरा ब्लुमिआ लसेरा, इत्यादि वनस्पति संग्रहालय नमूनों के निर्माण हेतु एकत्र की गई।

4-2 lqj{kk@fo"kkDrrk v/;;u

1- dkMZ vk"kf/k ^, ts* ,uvkjvkbZ,,l ,pvkjMh] Xokfy;j

चूहों में एजे के 28 एवं 90 दिनो तक विषाक्तता अध्ययन के दौरान लिए गए आंकड़ो का तालिका वार निर्माण तथा सांख्यिकी विश्लेषण किया गया। इसका तकनीकी प्रतिवेदन बनाकर सीसीआरएएस, मुख्यालय नई दिल्ली को भेजा जा चुका है।

2- dkMM vk"kf/k ^thtr* ,uvkjvkbl,MhMh]dkydkrk

90 दिनों के लिए मुख मार्ग से 27 मिलीग्राम/किग्रा प्रतिदिन की खुराक के स्तर पर जीजे भस्म के साथ इलाज किया तथा विस्तार चूहों में इलाज के दौरान कोई चिकित्सा संबंधित परिवर्तन नहीं देखा गया। 39 मिलीग्राम/किग्रा प्रतिदिन के खुराक स्तर जीजे भस्म के विस्तार नोएल (कोई प्रभाव लेवल) के रूप में पाया गया था। उसी पर तकनीकी रिपोर्ट तैयार की गई है।

3- fuDVkuFkl vjckj fVfLVl fyu- ,uvkjvkbl,MhMh] dkydkrk

परीक्षीत दवा की तीव्र और उप तीव्र विषाक्तता अध्ययन चल रहा है।

4- lthouh oVh lh,l,evkjvkbl,MhMh] pUUkbl

तीव्र मौखिक विषाक्तता अध्ययन और 90 दिनों के बाद दुवारा विषाक्तता अध्ययन पूरा किया गया। दवा का प्रभाव दृश्यमान तौर पर गैर विषाक्त पाया गया।

5- Qkbdl xhckl k Cye ,uvkjvkbih] p#r#Fkh

कच्चे दवा का संकलन प्रमाणीकरण और अर्क तैयार किया गया है। पादप रसायन के विश्लेषण से फ्लेविनोयड, ग्लाइकोसाइड, स्पोनिन्स, टैनिन और टेरपोनोयडस की उपस्थिति का पता चला। तीव्र विषाक्तता अध्ययन शुरू किया गया है।

6- dky;kLiee gkfydkdkce ,uvkjvkbih] p#r#Fkh

कच्चे दवा एकत्र का संकलन प्रमाणीकरण और अर्क तैयार किया गया है। पादप रसायन विश्लेषण से स्पोनिन्स फिनोल और टैनिन की उपस्थिति का पता चला। तीव्र विषाक्तता अध्ययन शुरू किया गया है।

5- vkrqjh; vuqla/kku

5-1 varoZrhZ vkrqjh; vuqla/kku dk;ZØe

अंतःवर्ती आतुरीय अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवेदन वर्ष में परिषद् ने 7 आतुरीय अनुसंधान कार्यक्रम पूर्ण किए जिनमे 6 व्याधियों यथा आमवात, संधिवात, रसायन, अर्श, पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम और वातरक्त शामिल है। 13 रोग/आतुर अवस्था यथा मानस मंदता (मेंटल रिटार्डेशन), मधुमेह (टाइप–।। डाइबेटिज मेलिटस), किटिभ (सोरिएसिस), मनोद्वेग (जर्नलाइस्ड एन्जाइटी डिसोर्डर), जीर्णकास (क्रोनिक ब्रोंकाइटिस), अस्थिक्षय (ऑस्टियोपीनिया /ऑस्टियोपोरोसिस), पाण्डू (एनिमिया), तमक श्वास (ब्रोन्कियल अस्थमा), इरिटेबल बोवेल सिंड्रोम, संधिवात (ओस्टियोआर्थराइटिस), आमवात (रूमाटोइड अर्थराइटिस), को. ग्निटिव डेफिसिट, रसायन इन ऐपेरेन्टली हेल्थी एल्डर्ली पर्सन्स पर 16 परियोजनाएं 18 परिधीय संस्थानों में चल रही हैं।

rkfydk &16 आईएमआर परियोजना की सूची

lEiUu gqbZ ifj;kstuk,a	
1.	वातारि गुग्गुलु, रास्नासप्तक कषाय एवं बृहत् सैधंवादि तैल का आमवात (रियूमेंटोइडअर्थराइटिस) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
2.	वातारि गुग्गुलु, महारास्नादि क्वाथ एवं नारायण तैल का जानुगत संधिवात की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
3.	क्षीरबला तैल मात्रा वस्ति एवं वातारि गुग्गुलु, महारास्नादि क्वाथ एवं नारायण तैल का जानुगत संधिवात की चिकित्सा में चिकित्सकीय संयोजन का आतुरीय मूल्यांकन करना।
4.	शास्त्रीय आयुर्वेदिक हर्बोमिनिरल औषध योग का अर्श की चिकित्सा में प्रभावात्मक आतुरीय मूल्यांकन करना।
5.	ब्रह्म रसायन की आतुरीय प्रभाव एवं सुरक्षात्मक का स्पष्ट रूप से स्वस्थ बुजुर्ग व्यक्तियों में आतुरीय परीक्षण करना।
6.	रजःप्रवर्तनी वटी, कांचनार गुग्गुलु एवं वरूणादि कषाय का पोलीसिस्टिक ओवरी सिन्ड्रोम (पीसीओएस) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन– एक प्रारंभिक अध्ययन करना।
7.	अमृता गुग्गुलु एवं पिण्ड तैल का हाइपरयूरिसिमिया इन गाउट (वातरक्त) रोगियों में एक ओपन लेवल की प्रभावकारिता का आतुरीय मूल्यांकन करना।
py jgh ifj;kstuk,a	
8.	निशा आमलकी एवं चंद्रप्रभा वटी का मधुमेह (टाइप–II डाइबेटिज मेलिटस) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
9.	वज्रक घृत, आरोग्यवर्धनी वटी एवं दिनेशवल्यादि तैल का किटिभ (सोरिएसिस) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
10.	ब्रह्म रसायन का मानस मंदता (मेंटलरिटार्डेशन) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन– एक ओपन आतुरीय परीक्षण करना।

11.	मनोद्वेग (जर्नलाइज्डय एन्जाइटीडिसोर्डर) की चिकित्सा में व्यापक आयुर्वेदिक औषधि का आतुरीय मूल्यांकन करना।
12.	वमन कर्म के पश्चात तक्रधारा एवं रसौषधि रसायन चिकित्सा से किटिभ (सोरिएसिस)में आतुरीय प्रभावकारिता और सुरक्षात्मक मूल्यांकन करना।
13.	निशा कतकादि कषाय एवं यशद भस्म का मधुमेह (टाइप।।। डाइबिटिज मेलिटस) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
14.	वासावलेह को स्थिर जीर्ण ब्रोंकाइटिस की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
15.	वातारि गुग्गुलु, हिंग्वष्टक चूर्ण एवं बृहत सैंधवादि तैल का आमवात (रियूमेंटोइडअर्थराइटिस) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
16.	अश्वगंधा चूर्ण एवं प्रवाल पिष्टी का ऑस्टियोपीनिया/ऑस्टीपोरोसिस की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
17.	योगराज गुग्गुलु, गंधर्वहस्त तैल एवं धान्वन्तर तैल का जानुगत संधिवात की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
18.	नवायस चूर्ण का लौहजन्य रक्ताल्पता (एनिमिया) की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
19.	कनकासव एवं त्रिवृत चूर्ण का ब्रोन्कियल अस्थमा (श्वास) रोग की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
20.	कुटजारिष्ट का इर्रिटेबल बोवेल सिंड्रोम (आईबीएस) चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
21.	सारस्वत घृत का कोग्निटिव डेफिसिट की चिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।
22..	च्यवनप्राश के प्रभाव का स्पष्ट रूप से स्वस्थ बुजुर्ग व्यक्तियों में नैदानिक परीक्षण।
23.	कुष्माण्ड रसायन का क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस (जीर्णकास) कीचिकित्सा में आतुरीय मूल्यांकन करना।

lEiUu ifj;kstukvksa dh laf{kIr fjiksVZ

5-1-1 okrkfj xqXxqyq] jkLukLIrd d"kk;] ,oa c`gr~ lSa/kokfn rSy dk vkeokr ¼fj;qeSVkbM vFkZjkbfVl½ dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu

1- mís'; %

- प्राथमिक उद्देश्यः रूमाटोइड अर्थराइटिस की चिकित्सा में वातारि गुग्गुलु, रास्नासप्तक कषाय तथा बृहत् सैंधवादि तैल की आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना ।
- द्वितीय उद्देश्यः रूमाटोइड अर्थराइटिस की चिकित्सा में वातारि गुग्गुलु, रास्नासप्तक कषाय तथा बृहत् सैंधवादि तैल की आतुरीय सुरक्षात्मक मूल्यांकन करना ।

2- v/;;u izk:i % मध्यावर्तन

3- uewuk vkdkj % प्रत्येक केन्द्र में 60 रोगी (प्रत्येक ग्रुप में 30 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष

5- e/;korZu %

lewg & I % वातारि गुग्गुलु एवं रास्नासप्तक कषाय

lewg & II % वातारि गुग्गुलु ,रास्नासप्तक कषाय एवं बृहत् सैंधवादि तैल

6- ihvkbZ d s lkFk ifrHkkxh dUæ %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	डॉ. शशी घोष
2.	एएलआरसीए, चैन्नई	डॉ. ए.जे.वी. साई प्रसाद
3.	एसीआरआई, जयपुर	डॉ. ए.के.जैन
4.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	डॉ. टी. महेश्वर

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	16.10.2012
2.	एएलआरसीए, चैन्नई	11.12.2012
3.	एसीआरआई, जयपुर	06.11.2012
4.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	30.10.2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k d s fy,½ % CTRI/2014/05/004629

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk*
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	28.10.2013
2.	एएलआरसीए, चैन्नई	23.10.2013
3.	एसीआरआई, जयपुर	21.09.2013
4.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	19.09.2013

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&17% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	leg	iath—r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	I	30	26	4
2.		II	30	29	1
3.	एएलआरसीए, चैन्नई	I	25	19	6
4.		II	25	20	5
5.	एसीआरआई, जयपुर	I	30	27	3
6.		II	30	26	4
7.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	I	30	27	3
8.		II	30	27	3
dqy ;ksx			**230**	**201**	**29**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

5-1-2 okrkfj xXxqyq] egkjkLukfn DokFk ,oa ukjk;.k rsy dk tkuqxr lfU/kokr dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kdu djukA

1- mÌs’; %

- संधिवात (जानु)की चिकित्सा में वातारि गुग्गुलु, महारास्नादि क्वाथ एवं नारायण तैल के आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन।

2- v/;;u ik:i % ओपन प्रोस्पेक्टिव सिंगल आर्म मल्टीसेंटर ट्राईल।

3- ueuk vkdkj % 180 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में60 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k % 1 वर्ष

5- e/;korZu % वातारि गुग्गुलु, महारास्नादि क्वाथ एवं नारायण तैल

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	डॉ. अनिल मंगल
2.	एएलआरसीए,चेन्नई	डॉ. के प्रमिला देवी
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	डॉ. सुभाश्री एम.एन.

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	25 अक्टूवर, 2012
2.	एएलआरसीए, चेन्नई	11 दिसम्बर, 2012
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	5 नवम्बर, 2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½ % CTRI/2014/02/004388

9- ikjEHk gksus dh frfFk

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk*
1.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	29 सितम्बर, 2013
2.	एएलआरसीए, चेन्नई	18 अक्टूवर, 2013
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	21 अक्टूवर, 2013

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&18 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	izfrHkkxh dUæ	iath—r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k
1.	,uvkjvkbZ,, l ,pvkjMh] Xokfy;j	60	60	0
2.	,,yvkjlh,] pUUkbZ	22	08	14
3.	,u,Mhvkjvkb] cxyq:	60	58	02
	dqy ;ksx	**142**	**126**	**16**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k % अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

5-1-3 {khjcyk rSy ek=k ofLr ,oa okrkfj xqXxqyq] egkjkLukfn DokFk ,oa ukjk;.k rSy dk tkuqxr lfU/kokr dh fpfdRlk esa fpfdRlh; l;kstu dk vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs';

• izkFkfed mÌs';% ऑस्टियो अर्थराइटिस की चिकित्सा में क्षीरबला तैल से मात्रा बस्ति चिकित्सा तथा वातारि गुग्गुलु, महारास्नादि क्वाथ व नारायण तैल के चिकित्सकीय संयोजन के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

• f}rh; mÌs';% ऑस्टियो अर्थराइटिस की चिकित्सा में क्षीरबला तैल से मात्रा बस्ति तथा वातारि गुग्गुलु महारास्नादि क्वाथ व नारायण तैल के चिकित्सकीय संयोजन की सुरक्षा का मूल्यांकन करना ।

2. v/;;u ik:i% ओपन क्लिनिकल ट्राइल

3. uequk vkdkj% 60 रोगी

4. v/;;u dh vof/k% 2 वर्ष

5. e/;korZu% वातारि गुग्गुलु, महारास्नादि क्वाथ, नारायण तैल एवं मात्रा बस्ति के लिए क्षीरबला तैल

6. lhvkbZ ds lkFk izfrHkkxh dUæ%

1.	एएमएचआरआई, नागपुर	डॉ. सविता शर्मा

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk %

1.	एएमएचआरआई, नागपुर	25.10.2012

8. सीटीआरआई पंजीकरण (आतुरीय परीक्षण के लिए) : CTRI/2013/12/004241

9- ikjEHk gksus dh frfFk %

1. एएमएचआरआई, नागपुर 19.11.13

10- orZeku fLFkfr

तालिका–19 : प्रतिभागी केन्द्र के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	iath—r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	60	52	08

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

5-1-4 'kkóh; vk;qosZfnd gcksZfefujy vkS"k/k ;ksx dk v'kZ ¼gseksjkbZM~l½dh fpfdRlk esa iHkk-kodkfjrk dk vkrqjh; eY;kadu djukA

1. उद्देश्य :

- ikFkfed mís';% अर्श (हेमोरोइड्स)में प्राणदा गुटिका और अभयारिष्ट के आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mís';% अर्श (हेमोरोइड्स)में प्राणदा गुटिका और अभयारिष्ट की सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2. अध्ययन प्रारूप : इण्टर्वेंशनल एवं ओपन लेबल

3. नमूना आकारः 120 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 60 रोगी)

4. अध्ययन की अवधिः 2 वर्ष

5- e/;korZu% प्राणदा गुटिका और अभयारिष्ट

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dsUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एसीआरआई, मुंबई	डॉ. आर.गोविंद रेड्डी
2.	एसीआरआई, नई दिल्ली	डॉ. एम.एम.राव

7- vkbbZlh dh vuqeksnu frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एसीआरआई, मुंबई	16 अक्टूबर, 2012
2.	एसीआरआई, नई दिल्ली	1 अक्टूबर, 2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrjh; ijh{k.k dk fy,½% CTRI/2015/12/005293

9- ifjHkk gksus dh frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ifjHkkd frfFk*
1.	एसीआरआई, मुंबई	2 मार्च, 2013
2.	एसीआरआई, नई दिल्ली	5 अप्रैल, 2013

10- orZeku fLFkfr% अध्ययन प्रगति पर है और इसका विवरण इस प्रकार है–

rkfydk&20 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+ gq, jksxh dh la[;k
1.	एसीआरआई, मुंबई	63	58	5
2.	एसीआरआई, नई दिल्ली	61	58	3
dqy ;ksx		124	116	8

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

5-1-5 cã jlk;u dh vkrqjh; iHkkodkfjrk ,oa fpfdRldh; lqj{kk dk Li"V :i ls LoLFk cqtqxZ O;fä;ksa esa uSnkfud ijh{k.k djukA

1- mÌs'; %

- ikFkfed mÌs';% स्पष्ट रूप से स्वस्थ वयस्क में ब्रह्म रसायन के आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌs';% स्पष्ट रूप से स्वस्थ वयस्क में ब्रह्म रसायन के आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% ओपन, मध्यावर्त्तन सिंगल आर्म आतुरीय परीक्षण

3- ueuk vkdkj% 180 रोगी (प्रत्येक प्रतिभागी केन्द्र में 60)

4- v/;;u dh vof/k% 1 वर्ष

5- e/;korqu% ब्रह्म रसायन

6- ihvkbl dk lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbl dk uke
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	डॉ. बनमाली दास
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	डॉ. रोहित कुमार रावते
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	डॉ. जी.वेंकटेश्वरलु

7- vkbbZlh dh vuqeksnu frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	11 दिसम्बर, 2012
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	8 नवम्बर, 2012
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	5 नवम्बर, 2012

8- lhVhvkjvkbl iathdj.k@lanHk la- ¼vkrjh; ijh{k.k ds fy,½% CTRI/2015/03/005659

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk*
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	25 मार्च, 2013
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	22 अप्रैल, 2013
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	1 मार्च, 2013

10- orZeku fLFkfr% अध्ययन प्रगति पर है और इसका विवरण इस प्रकार है–

rkfydk&21% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	iathÑr jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	60	53	07
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	60	56	04
3.	एनएडीआरआई, बेंगलुरू	60	58	02
Total		**180**	**167**	**13**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

5-1-6 jt%iorluh oVh] dkpukj xXxqy| ,o| o:.kkfn d"kk; dk ikyhflfLVd vkojh flUMªke ¼ihlhvks,l½dh fpfdRlk e| vkrqjh; eY;kdu& ,d ikjfHkd v/;;u djukA

1- mÌs’; %

- ikFkfed mÌs’;% पीसीओएस के आतुरीय लक्षणों जैसे अनियमित मासिक धर्म चक्र, स्थूलता एवं ओवेरियन सिस्ट का प्रतिगमन में रजप्रवर्तनी वटी, कांचनार गुग्गुलु व वरूणादि कषाय के प्रभाव का मूल्यांकन तथा अनुसंधान औषधियों का जैवरासायनिक एवं हार्मोनल मापदण्डों पर होने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करना ।
- f}rh; mÌs’;% अनुसंधानात्मक औषधियों का अतिरोमता व युवानपिडिका पर होने वाले प्रभाव को देखना। अध्ययन के प्रतिभागियों में क्यूओएल प्रश्नावली द्वारा जीवन की गुणवत्ता में आए सुधार को देखना तथा आतुरीय सुरक्षा अध्ययन करना ।

2- v/;;u ik:i% ओपन प्रोस्पेक्टिव मल्टीसेंटर ट्रायल

3- ueuk vkdkj% 60 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में30 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 2 वर्ष

5- e/;korlu % रजप्रवर्तनी वटी, कांचनार गुग्गुलु व वरूणादि कषाय

6- ihvkbl d| lkFk ifrHkkxh dUæ %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbl dk uke
1.	एनआईएपीआर, पटियाला	डॉ. रिंकु तोमर
2.	एआरआईएमसीएचसी, त्रिवेन्द्रम	डॉ. सुष्मिता पी. ओटा

7- vkbbllh dh vuqeknu frfFk %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbbllh dh vuqeknu frfFk
1.	एनआईएपीआर, पटियाला	22 अक्टूबर, 2012
2.	एआरआईएमसीएचसी, त्रिवेन्द्रम	14 नवम्बर, 2012

8- lhVhvkjvkbl i|thdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k d| fy,½% CTRI/2015/03/005649

9- ikjEHk gkus dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk*
1.	एनआईएपीआर, पटियाला	4 अक्टूबर, 2013
2.	एआरआईएमसीएचसी, त्रिवेन्द्रम	20 सितम्बर, 2013

10. वर्तमान स्थिति

rkfydk&22 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	iathd`r jksxh dh la[;k	iw.kZ g, jksxh dh la[;k	NksM+s g, jksxh dh la[;k
1.	एनआईएपीआर, पटियाला	30	28	02
2.	एआरआईएमसीएचसी, त्रिवेन्द्रम	30	25	05
dqy ;ksx		**60**	**53**	**07**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

5-1-7 ve`rk xqXxqyq ,oa fi.M rSy dk gkbij;wfjflfe;k bu xkmV ¼okrjä½ jksfx;ksa dh fpfdRlk esa ,d vkiu yscy dh iHkkodkfjrk dk vkrqjh; eY;kadu djuk

1- mís';%

- ikFkfed mís';% गाउट (वातरक्त) के रोगियों में हाइपरयूरिसीमिया की चिकित्सा में अमृता गुग्गुलु एवं पिण्ड तैल के चिकित्सीय प्रभाव का अध्ययन करना।
- f}rh; mís';% अमृता गुग्गुलु व पिण्ड तैल के प्रतिकूल घटना या औषध प्रतिक्रिया का अवलोकन करते हुए सुरक्षा का अध्ययन करना।

2- v/;;u izk:i% मध्यावर्त्तनीय (सिंगल आर्म ट्राइल)

3- ueuk vkdkj% 100 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 50 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k % 2 वर्ष

5- e/;korZu% अमृता गुग्गुलु एवं पिण्ड तैल

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एआरआरआई, जम्मू	डॉ. लक्ष्मण बुरके
2.	एनआईएपीआर, पटियाला	डॉ. राजेश संड

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एआरआरआई, जम्मू	20 अक्टूबर, 2012
2.	एनआईएपीआर, पटियाला	22 अक्टूबर, 2012

8- lhVhvkjvkbl ithdj.k ¼vkrjh; ijh{k.k d fy,½ % CTRI/2014/08/004929

9- ikjHk gku dh frfFk %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk*
1.	एआरआरआई, जम्मू	29 सितम्बर, 2013
2.	एनआईएपीआर, पटियाला	9 अक्टूबर, 2013

10- orleku fLFkfr % अध्ययन प्रगति पर है और इसका विवरण इस प्रकार है–

rkfydk&23 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ith–r jkxh dh l[;k	i.k g, jkxh dh l[;k	NkM+ g, jkxh dh l[;k
1.	एआरआरआई, जम्मू	50	48	2
2.	एनआईएपीआर, पटियाला	50	46	4
dy ;kx		**100**	**94**	**6**

11- ifj;kstuk dk lkjk'k% अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा आंकड़ो का विश्लेषण प्रगति पर है।

py jgh ifj;kstukvk ij lf{kIr fjikVl

5-1-8 fu'kk vkeydh ,o pæiHkk oVh dk e/kqeg ¼Vkbi&II MkbcfVt efyVl½ dh fpfdRlk e vkrjh; eY;kdu djukA

1- mÌs'; %

- ikFkfed mÌs';% टाइप– II डाइबेटिज मेलिटस की चिकित्सा में निशा आमलकी एवं चन्द्रप्रभावटी के आतुरीय प्रभाव को मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌs';% टाइप– II डाइबेटिज मेलिटस की चिकित्सा में निशा आमलकी एवं चन्द्रप्रभावटी के आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u i:i% ओपन इण्टरवेंशनल, सिंगल आर्म ट्राइल

3- ueuk vkdkj% 200 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में50 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 1 वर्ष

5- e/;korlu% निशा आमलकी वटी एवं चन्द्रप्रभा वटी

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	डॉ. बी.के. भराली
2.	एसीडीआरआई, अहमदाबाद	डॉ. जी.वी. विश्राम
3.	एएमएचआरआई, नागपुर	डॉ. शेखर नम्बूरी
4.	एसीआरआई, नई दिल्ली	डॉ. सीमा जैन

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	19/10/2012
2.	एसीडीआरआई, अहमदाबाद	31/10/2012
3.	एएमएचआरआई, नागपुर	25/10/2012
4.	एसीआरआई, नई दिल्ली	16/10/2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkSrqjh; ijh{k.k dh fy,½ % REF/2013/10/005893

9- ikjEHk gksus dh frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk*
1.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	1 अक्टूबर, 2013
2.	एसीडीआरआई, अहमदाबाद	5 अक्टूबर, 2013
3.	एएमएचआरआई, नागपुर	21 अक्टूबर, 2013
4.	एसीआरआई, नई दिल्ली	3 अक्टूबर, 2013

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&24 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	iathÑr jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k
1.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	41	30	11
2.	एसीडीआरआई, अहमदाबाद	47	46	1
3.	एएमएचआरआई, नागपुर	50	43	7
4.	एसीआरआई, नई दिल्ली	50	47	3
dqy ;ksx		**188**	**166**	**22**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-9 otzd ?k`r] vkjksX;o/kZuh oVh ,oa fnus'koY;kfn rSy dk fdfVHk ¼lksfj,fll½ dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs';%

- ikFkfed mÌs';% किटिभ (सोरिएसिस)की चिकित्सा में वज्रकघृत, आरोग्य–वर्धनी वटी तथा दिनेशवल्यादि तैल के आतुरीय प्रभाव का मूल्याकंन करना।
- f}rh; mÌs';% किटिभ(सोरिएसिस)की चिकित्सा में वज्रकघृत, आरोग्यवर्धनी वटी तथा दिनेशवल्यादि तैल की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u iz:i% ओपन लेबल, इण्टर्वेन्शनल, मल्टी–सेंटरिक ट्रायल

3- ueuk vkdkj% 120 रोगी(प्रत्येश्क केन्द्र में60 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 3 वर्ष

5- e/;korZu% वज्रक घृत, आरोग्यवर्धनी वटी एवं दिनेशवल्यादि तैल

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	डॉ. हेमंत पाणिग्रही
2.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	डॉ. टी. महेश्वर

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	08/10/2012
2.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	30/10/2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½% CTRI/2014/09/005058

9- ikjaHk gksus dh frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ikjafHkd frfFk*
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	9 अक्टूबर, 2013
2.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	26 सितम्बर, 2013

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&25% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jksxh dh la[;k	i.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+ gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	52	45	01	06
2.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाडा	60	56	04	--
dqy ;ksx		**112**	**101**	**05**	**06**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-10 cãã jlk;u dk ekul eanrk ¼eSaVy fjVkMs'ku½ dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu dk unkfud ijh{k.k djukA

1- mÌs'; %

- प्राथमिक उद्देश्य: मानस मन्दता की चिकित्सा में ब्रह्म रसायन के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- द्वितीय उद्देश्य: मानस मन्दता की चिकित्सा में ब्रह्म रसायन की सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u izk:i% इण्टर्वेन्शनल

3- ueuk vkdkj% 90 रोगी

4- v/;;u dh vof/k% 3 वर्ष

5- e/;korZu% ब्रह्म रसायन

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

1. एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर डॉ. श्रीनिवास साहु

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

1. एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर 12.10.2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½ % REF/2014/01/006338

9- ikjfEHkd gksus dh frfFk%

1. एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर 18.02.2013

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&26% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jksxh dh la[;k	i.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+ gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर	90	68	20	02

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-11 euksnox ¼tujykbTM ,UtkbVh fMlkWMj½ dh fpfdRlk esa 0;kid vk;qosZfnd vkS"kf/k dk vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs’; %

- प्राथमिक उद्देश्यः जीएडी की चिकित्सा में अश्वगंधा एवं मण्डूकपर्णी तथा क्षीरबला तैल से शिरोधारा के साथ अथवा बिना का आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- द्वितीय उद्देश्यः जीएडी की चिकित्सा में अश्वगंधा एवं मण्डूकपर्णी के साथ आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u iz:i% रेण्डमाइज्ड, पेरालल ग्रुप ट्राइल

3- uewuk vkdkj% 100 रोगी(प्रत्येक समूह में 50 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 3 वर्ष

5- e/;korZu%

leg I % अश्वगंधा चूर्ण, मण्डूकपर्णी चूर्ण

leg II % अश्वगंधा चूर्ण, मण्डूकपर्णी चूर्ण एवं क्षीरबला तैल

6- ihvkbZ ds lkFk izfrHkkxh dsUæ %

1. एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर — डॉ. जी.वी. रमन

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk %

1. एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर — 12 अक्टूबर, 2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k dk fy,½ % REF/2014/01/006327

9- ifj;kstuk gkus dh frfFk%

1. एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर — 12 सितम्बर, 2013

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&27% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-la-	izfrHkkxh dsUæ	leg	iath—r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एसीएएमएचएनएस बैंगलोर	I	32	25	3	4
		II	36	28	2	6
dqy ;ksx			68	53	05	10

11- ifj;kstuk dk lkjka’k% अध्ययन का कार्य चल रहा है।

5-1-12 oeu deZ ds i’Pkkr rØ/kkjk ,oa jlk"kf/k jlk;u fpfdRlk ls fdfVHk ¼lkfj,fl l½ esa vkrqjh; fpfdRlk esa iHkkodkfjrk ,oa lqj{kk dk eY;kadu djukA

1- mÌs’; %

- ikFkfed mÌs’;% किटिभ (सोरिएसिस) की चिकित्सा में वमन कर्म के बाद यशद भस्म व त्रिफला चूर्ण के अभ्यांतर प्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌs’;% किटिभ (सोरिएसिस) की चिकित्सा में वमन कर्म के बाद यशद भस्म व त्रिफला चूर्ण के अभ्यांतर प्रयोग की सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% ओपन लेबल, इण्टर्वेन्शनल, मल्टी–सेंटरिक ट्रायल

3- ueuk vkdkj% 110 रोगी (प्रत्येश्क केन्द्र में 55 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 3 वर्ष

5- e/;korZu% महातिक्त घृत 30 ग्राम, स्वेदनकर्म, वमनकर्म, संसर्जनक्रम, तक्रधारा एवं रसायन चिकित्सा के साथ पथ्य/अपथ्य आहार नियम।

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	डॉ. पी. राधाकृष्णन
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	डॉ. अचिंत्या मित्रा

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	29/10/2012
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	06/12/2012

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½% REF/2013/12/006051

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk*
1.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	18/10/2013
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	01/01/2013

10- or|eku fLFkfr

rkfydk&28% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jkxh dh l[;k	i.k g, jkxh dh l[;k	NkM+ g, jkxh dh l[;k
1.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	46	38	8
2.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	40	32	8
dqy ;kx		**86**	**70**	**16**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-13 fu'kk drdkfn d"kk; ,oa ;'kn HkLe dk e/kqesg Vkbi II MkbfcfVt efyVl dh fpfdRlk eas vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mís'; %

- प्राथमिक उद्देश्यः मधुमेह की चिकित्सा निशा कतकादि कषाय एवं यशद भस्म के आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- द्वितीय उद्देश्यः मधुमेह की चिकित्सा निशा कतकादि कषाय एवं यशद भस्म की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u izk:i% रेडोमाइज्ड, ओपन प्रोस्पेक्टिव मल्टी सेंट्रिक ट्रायल

3- ueuk vkdkj% 240 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 60 जिसमे तीन समूह के प्रत्येक समूह में 20 रोगी)

समूह–I निशाकतकादि कषाय

समूह–II यशद भस्म

समूह–III निशाकतकादि कषाय एवं यशद भस्म

4- v/;;u dh vof/k% 1 वर्ष

5- e/;korZu% निशाकतकादि कषाय एवं यशद भस्म

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	डॉ.वी.शुभोस
2.	एआरआरआई, मंडी	डॉ.एस.के.शर्मा
3.	एएलआरसीए, चेन्नई	डॉ.पी.श्रीनिवास
4.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	डॉ. वी.सी.दीप

7- vkbbl h dh vu|eknu frfFk%

Ø-l-		ifrHkkxh dUæ	vkbbl h dh vu|eknu frfFk
	1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	30/10/2012
	2.	एआरआरआई, मंडी	19/10/2012
	3.	एएलआरसीए, चेन्नई	11/12/2012
	4.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	29/10/2012

8- lhVhvkjvkb i|thdj.k ¼vkr|jh; ijh{k.k d| fy,½ % CTRI/2014/05/004613

9- ikjHk gkus dh frfFk%

Ø-l-		ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk*
	1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	30/03/2013
	2.	एआरआरआई, मंडी	14/02/2013
	3.	एएलआरसीए, चेन्नई	30/03/2013
	4.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	25/03/2013

10- or|eku fLFkfr

rkfydk&29% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	leg	i|th—r jkxh dh l|[;k	i.k g|, jkxh dh l|[;k	NkM+ g|, jkxh dh l|[;k	tkjh jg| jkxh dh l|[;k
1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	I	20	17	3	-
		II	20	19	1	-
		III	20	20	-	-
2.	एआरआरआई, मंडी	I	20	18	2	-
		II	20	19	1	-
		III	20	19	1	-
3.	एएलआरसीए, चेन्नई	I	12	12	-	-
		II	17	15	1	1
		III	16	11	4	1
4.	एनआरआईपी, चेरुतुरुथी	I	8	8	-	-
		II	5	5	-	-
		III	4	3	1	-
d|y ;kx			**182**	**166**	**14**	**2**

11- ifj;kstuk dk lkjk’k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-14 okloyg dk fLFkj th.k ckdkbfVl dh fpfdRlk e vkrjh; eY;kduA

1- mÌs'; %

क्रॉनिक ब्रोन्काइटिस की चिकित्सा में वासावलेह की आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% मध्यावर्तन

3- ueuk vkdkj% 126 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 42 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 1 वर्ष

5- e/;korlu% वासावलेह

6- ihvkbl d lkFk ifrHkkxh dUæ %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbl dk uke
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	डॉ. एम.एन.सूर्यवंशी
2.	एसीआरआई, जयपुर	डॉ. एच.एम.एल.मीणा
3.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	डॉ. जी.बाबु

7- vkbbllh dh vuekn frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbbllh dh vuekn frfFk
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	26-03-2014
2.	एसीआरआई, जयपुर	30-01-2014
3.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	28-03-2014

8- lhVhvkjvkb ithdj.k ¼vkrjh; ijh{k.k d fy,½% CTRI/2014/06/004704

9- ikjHk gku dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	22-01-2015
2.	एसीआरआई, जयपुर	08-01-2015
3.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	08-12-2014

10- orZeku fLFkfr

rkfydk & 30 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dsUæ	iathÑr jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	19	02	00	17
2.	एसीआरआई, जयपुर	21	02	01	18
3.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	26	07	00	19
dqy ;ksx		**66**	**11**	**01**	**54**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-15 okrkfj xqXxqyq] fgXo"Vd pw.kZ ,oa c`gr lSa/kokfn rSy dk vkeokr ¼fj;qesVkbMvFkZjkbfVl½ dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu djuk

1. उद्देश्य :

- प्राथमिक उद्देश्य– रियूमाटोइड अर्थराइटिस की चिकित्सा में वातारि गुग्गुलु, हिग्वष्टक चूर्ण और बृहत सैंधवादि तैल की आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- द्वितीय उद्देश्य– रियूमाटोइड अर्थराइटिस की चिकित्सा में वातारि गुग्गुलु, हिग्वष्टक चूर्ण और बृहत सैंधवादि तैल की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u izk:i% मध्यावर्तन, ओपन लेबल

3- uewuk vkdkj% 180 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 60 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 1 वर्ष

5- e/;korZu% वातारि गुग्गुलु, हिग्वष्टक चूर्ण और बृहत सैंधवादि तैल

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dsUæ%

Ø-l-	ifrHkkxh dsUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	डॉ. दीप सुंदर साहु
2.	एआरआरआई, पटना	डॉ. आलोक श्रीवास्तव
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	डॉ. तापसी बोराह

7- vkbbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	14 /03/2014
2.	एआरआरआई, पटना	21/03/2014
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	05/04/2014

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrjh; ijh{k.k dk fy,½% CTRI/2014/12/005242

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	15/01/2015
2.	एआरआरआई, पटना	06/02/2015
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	09/01/2015

10- orZeku fLFkfr

rkfydk & 31 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jksxh dh l[;k	i.kZ g,jksxh dh l[;k	NkM+s g, jksxh dh l[;k	tkjh jgs jksxh dh l[;k
1.	एनआरआईएडीडी, भुवनेश्वर	23	0	1	22
2.	एआरआरआई, पटना	11	0	0	11
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	24	0	3	21
dqy ;ksx		**58**	0	**4**	**54**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-16 v'oxa/kk pw.kZ ,oa ioky fi"Vh dk vkfLV;ksihfu;k@vkLVhiksjksfll dh fpfdRlk esa vkrqjh; ewY;kadu djuk

1- mÌs'; %

- प्राथमिक उद्देश्य– ऑस्टियोपीनिया/ऑस्टीपोरोसिस की चिकित्सा में अश्वगंधा चूर्ण एवं प्रवाल पिष्टी का आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- द्वितीय उद्देश्य ऑस्टियोपीनिया/ऑस्टीपोरोसिस की चिकित्सा में अश्वगंधा चूर्ण एवं प्रवाल पिष्टी की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% मध्यावर्तन

3- ueuk vkdkj% 90 रोगी (प्रत्योक केन्द्र में 30 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 1वर्ष

5- e/;korZu% अश्वगंधा चूर्ण एवं प्रवाल पिष्टी

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dsUæ%

Ø-l-	ifrHkkxh dsUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एसीआरआई, मुंबई	डॉ. मनोहर गुन्डेती
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	डॉ. किशोर
3.	एसीआरआई, नई दिल्ली	डॉ. प्रताप मखीजा

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dsUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एसीआरआई, मुंबई	28.6.2014
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	05.7.2014
3.	एसीआरआई, नई दिल्ली	25.4.2014

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½% CTRI/2015/01/005406

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dsUæ	ikjfEHkd frfFk
1.	एसीआरआई, मुंबई	19.12.2014
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	10.12.2014
3.	एसीआरआई, नई दिल्ली	प्रारंभ नहीं हुआ है।

10- orZeku fLFkfr

rkfydk & 32 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dsUæ	iath—r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एसीआरआई, मुंबई	05	0	0	05
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	13	02	0	13
3.	एसीआरआई, नई दिल्ली	-	-	-	-
dqy ;kx		**18**	**02**	**0**	**18**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k % अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-17 ;kxjkt xqXxqyq] xa/koZgLr rsy ,oa /kkUoUrj rsy dk tkuqxr lfU/kokr dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs’; %

ऑस्टियोअर्थराइटिस नी की चिकित्सा में योगराज गुग्गुलु, गंधर्वहस्त तैल एण्ड धान्वन्तर तैल के आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u i{k:i % ओपन प्रोस्पेक्टिव मध्यार्तन (सिंगलआर्म) मल्टीसेंटर ट्रायल।

3- uequk vkdkj% 120 रोगी (प्रत्येगक केन्द्र में 40 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 12 महीने

5- e/;korZu% योगराज गुग्गुलु, गंधर्वहस्त तैल एवं धान्वन्तर तैल।

6- ihvkbZ dk lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	डॉ. दीपा मखीजा
2.	एनआरआईपी, चेरुतुरूथी	डॉ. राधा कृष्णन
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	डॉ. दिनेश बरूआ

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk %

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	27 मार्च, 2015
2.	एनआरआईपी, चेरुतुरूथी	9 मई, 2014
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	5 अप्रैल, 2014

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k dk fy,½% REFI/2014/07/00721

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ikjfEHkd frfFk
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	12/01/2015
2.	एनआरआईपी, चेरुतुरूथी	15/12/2014
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	06/01/2015

10- or|eku fLFkfr %

rkfydk & 33 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	i|th—r jkxh dh l[;k	i.kl g|, jkxh dh l[;k	NkM+ g|, jkxh dh l[;k	tkjh jg| jkxh dh l[;k
1.	एसीआरआई, नई दिल्ली	12	-	-	12
2.	एनआरआईपी, चेरुतुरूथी	21	-	-	21
3.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	17	-	01	16
	d|y ;kx	**50**	**-**	**01**	**49**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-18 uok;l p|.kl dk ykgtU; jäkYirk ¼,fufe;k½ dh fpfdRlk e| vkrjh; eY;kdu djukA

1- mÌ's; %

- ikFkfed mÌ';& लोहजन्य रक्ताल्पता (एनिमिया) की चिकित्सा में नवायस चूर्ण का आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌ';& लोहजन्य रक्ताल्पता (एनिमिया) की चिकित्सा में नवायस चूर्ण की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% मध्यावर्तन

3- ueuk vkdkj% 150 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 50 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 01 वर्ष

5- e/;korhu% नवायस चूर्ण

6- ihvkbl d| lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbl dk uke
1.	एआरआरआई, मण्डी	डॉ. ओमराज शर्मा
2.	एसीआरआई, जयपुर	डॉ. बी.आर.मीणा
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	डॉ. हरबन्स सिंह

7- vkbbllh dh vuqeknu frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbbllh dh vuqeknu frfFk
1.	एआरआरआई, मण्डी	26-04-2013
2.	एसीआरआई, जयपुर	30-01-2014
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	14-07-2014

8- lhVhvkjvkbZ ithdj.k ¼vkrjh; ijh{k.k dk fy,½% REF/2014/11/007900

9- ikjHk gku dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk
1.	एआरआरआई, मण्डी	14-10-2014
2.	एसीआरआई, जयपुर	22-12-2014
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	15-12-2014

10- orleku fLFkfr

rkfydk & 34 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	ith—r jkxh dh l[;k	i.k g, jkxh dh l[;k	NkM+ g, jkxh dh l[;k	tkjh jg jkxh dh l[;k
1.	एआरआरआई, मण्डी	45	11	00	34
2.	एसीआरआई, जयपुर	15	01	00	14
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	36	03	02	31
dy ;kx		**96**	**15**	**02**	**79**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-19 dudklo ,o f=or p.k dk czkfUd;y vLFkek¼red 'okl½ jkx dh fpfdRlk e vkrjh; eY;kdu djukA

1- mÌs';%

- ikFkfed mÌs';& ब्रोन्कियल अस्थमा(तमक श्वास) की चिकित्सा में कनकासव एवं त्रिवृत चूर्ण के आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना ।
- f}rh; mÌs';& ब्रोन्कियल अस्थमा (तमक श्वास) की चिकित्सा में कनकासव एवं त्रिवृत चूर्ण के आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% मध्यावर्तन/ओपन आतुरीय ट्रायल

3- ueuk vkdkj% 210 रोगी (प्रत्येगक केन्द्र में 70 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 02 वर्ष

5- e/;korh u% कनकासव एवं त्रिवृत चूर्ण

6- ihvkbl ds lkFk ifrHkkxh dUæ %

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbl dk uke
1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	डॉ. आर.के.स्वामी
2.	एसीआरआई, जयपुर	डॉ. अनु भटनागर
3.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	डॉ. शशीधर डोडामनी

7- vkbbllh dh vuqeknu frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbbllh dh vuqeknu frfFk
1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	28 मार्च, 2014
2.	एसीआरआई, जयपुर	30 जनवरी, 2014
3.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	21 अप्रैल, 2014

8- lhVhvkjvkbl itthdj.k ¼vkrjjh; ijh{k.k ds fy,½% REF/2014/05/007007

9- ikjHk gkus dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk
1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	6 दिसम्बर, 2014
2.	एसीआरआई, जयपुर	12 जनवरी, 2015
3.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	2 दिसम्बर, 2014

10- orZeku fLFkfr

rkfydk & 35 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	itth—r jkxh dh l[;k	i.kl gq, jkxh dh l[;k	NkMs gq, jkxh dh l[;k	tkjh jgs jkxh dh l[;k
1.	एनएआरआईवीबीडी, विजयवाड़ा	19	6	2	11
2.	एसीआरआई, जयपुर	17	-	-	17
3.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	14	4	-	10
dqy ;kx		**50**	**10**	**2**	**38**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-20 dqVtkfj"V dk bfjVscy ckoy ç1Mªke ¼vkbZch,l½ dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs';%

- ikFkfed mÌs';& आयुर्वेदिक औषध योग देने से आईबीएस के चिन्ह एवं लक्षणों के वैश्विक सुधार का मूल्यांकन करना
- f}rh; mÌs';& आईबीएस के चिकित्सा में कुटजारिष्ट की आतुरीय सुरक्षा अध्ययन करना।

2- v/;;u ik:i% ओपन लेबल, मध्यवर्तन, मल्टी सेंटर ट्रायल

3- ueuk vkdkj% 180 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 60 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k% 01 वर्ष

5- e/;korZu% कुटजारिष्ट

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एआरआरआई, मण्डी	डॉ. एस.के.शर्मा
2.	एआरआरआई, जम्मू	डॉ. कृष्णा कुमारी
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	डॉ. हरबन्स सिंह

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एआरआरआई, मण्डी	07/03/2014
2.	एआरआरआई, जम्मू	18/03/2014
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	14/07/2014

8- lhVhvkjvkbZ iath dj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½% CTRI/2014/09/005066

9- ikjfHkd gksus dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk
1.	एआरआरआई, मण्डी	28 अक्तूबर, 2014
2.	एआरआरआई, जम्मू	28 अक्तूबर, 2014
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	05 दिसम्बर, 2014

10- or̀eku fLFkfr

rkfydk & 36 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- l-	ifrHkkxh dUæ	ist—r jkxh dh l[;k	i.kZ gq, jkxh dh l[;k	NkM+s gq, jkxh dh l[;k	tkjh jgs jkxh dh l[;k
1.	एआरआरआई, मण्डी	46	14	-	32
2.	एआरआरआई, जम्मू	29	16	01	12
3.	एनआईएपीआर, पटियाला	36	08	02	26
dqy ;kx		111	38	3	70

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-21 lkjLor ?k̀r dk dkfXufVo MsfQflV dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs'; %

- ikFkfed mÌs';& कोग्निटिव डेफिसिट की चिकित्सा में सारस्वत घृत का आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌs';& कोग्निटिव डेफिसिट के पीडित बच्चो में सारस्वत घृत की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i% मध्यावर्तन

3- ueuk vkdkj% 45 रोगी

4- v/;;u dh vof/k% 01 वर्ष

5- e/;korhZu% सारस्वत घृत

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

1. एसीएएमएचएण्डएनएस, बैंगलोर — डॉ. बी.सी.राव

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

1. एसीएएमएचएण्डएनएस, बैंगलोर — 13.03.2014

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k dh fy,½% REF/2014/03/006656

9- ikjEHk gksus dh frfFk%

1. एसीएएमएचएण्डएनएस, बैंगलोर — 20.01.2015

10- orZeku fLFkfr

rkfydk & 37 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø- la-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jksxh dh la[;k	i.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एसीएएमएचएण्डएनएस, बैंगलोर	16	01	00	15

11- ifj;kstuk dk lkjka'k % अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-22 P;ouik'k ds iHkko dk Li"V :i ls LoLFk cqtqxksZ 0;fä;ksa esa vkrqjh; ijh{k.k djukA

1. उद्देश्यः

- ikFkfed mÌs';& सामान्य शारिरिक स्वास्थ्य उन्नयन एवं जीवन स्तर सुधार हेतु च्यवनप्राश का स्वस्थ बुजुर्गो में प्रयोग का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌs';& स्वस्थ बुजुर्गो में च्यवनप्राश की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u izk:i% एक प्रॉस्पेक्टीव ओपन लेवल मध्यावर्तन क्लीनिकल अध्ययन

3- ueuk vkdkj% 210 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 70 विषय)

4- v/;;u dh vof/k % 01 वर्ष

5- e/;korZu% च्यवनप्राश

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एसीआरआई, मुंबई	डॉ. स्नेहा एस. मार्लेवर
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	डॉ. एस.के.गिरि
3.	एएलआरसीए, चैन्नई	डॉ. पी. श्रीनिवास

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एसीआरआई, मुंबई	28 जून, 2014
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	5 जुलाई, 2014
3.	एएलआरसीए, चैन्नई	8 जुलाई, 2014

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k dk fy,½ % REF/2014/08/007369

9- ikjHk gksus dh frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	ikjfHkd frfFk
1.	एसीआरआई, मुंबई	27 नवम्बर, 2014
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	27 नवम्बर, 2014
3.	एएलआरसीए, चैन्नई	17 दिसम्बर, 2014

10- orZeku fLFkfr

rkfydk&38% प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	iathd`r jksxh dh la[;k	iw.kZ gq, jksxh dh la[;k	NksM+s gq, jksxh dh la[;k	tkjh jgs jksxh dh la[;k
1.	एसीआरआई, मुंबई	13	5	1	7
2.	एनएडीआरआई, बैंगलोर	14	2	0	12
3.	एएलआरसीए, चैन्नई	15	3	0	12
dqy ;ksx		**42**	**10**	**2**	**32**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-1-23 dq"ek.M jlk;u dk Øksfud czksdkbfVl ¼dQt dkl½ dh fpfdRlk esa vkrqjh; eY;kadu djukA

1- mÌs’;%

- ikFkfed mÌs’;% क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस की चिकित्सा में कुष्माण्ड रसायन का आतुरीय प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- f}rh; mÌs’;% क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस की चिकित्सा में कुष्माण्ड रसायन की आतुरीय सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

2- v/;;u ik:i % मध्यावर्तन

3- ueuk vkdkj % 195 रोगी (प्रत्येक केन्द्र में 65 रोगी)

4- v/;;u dh vof/k % 01 वर्ष

5- e/;korZu % कुष्माण्ड रसायन

6- ihvkbZ ds lkFk ifrHkkxh dsUæ%

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	ihvkbZ dk uke
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	डॉ. किरन काले
2.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	डॉ. पी.एल. भारती
3.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	डॉ. ए.के.पाण्डा

7- vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk%

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ	vkbZbZlh dh vuqeksnu frfFk
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	26-03-2014
2.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	25-02-2014
3.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	19-12-2014

8- lhVhvkjvkbZ iathdj.k ¼vkrqjh; ijh{k.k ds fy,½% CTRI/2015/01/005455

9- ikjHk gku dh frfFk%

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	ikjfHkd frfFk
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	29-01-2015
2.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	13-02-2015
3.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	13-04-2015

10- orZeku fLFkfr

rkfydk & 39 % प्रतिभागी केन्द्रों के साथ परियोजना की स्थिति

Ø-l-	ifrHkkxh dUæ	iath—r jkxh dh l[;k	i.k gq, jkxh dh l[;k	NkM+ gq, jkxh dh l[;k	tkjh jg jkxh dh l[;k
1.	एएमएचआरआई, नागपुर	17	00	01	16
2.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	16	00	02	14
3.	एनआरआईएडीडी, कोलकाता	04	00	00	04
dqy ;kx		**37**	**00**	**03**	**34**

11- ifj;kstuk dk lkjka'k% अध्ययन का कार्य प्रगति पर है।

5-2 lg;kfxd vkrqjh; vuql/kku ifj;kstuk,¡

5-2-1 dkMM vk"k/k ¼vk;q"k ekul½ dk cPpk es ekul enrk ij eYVh lfVªd Mcy Cykbx.M jS.MekbTM d.VªkYM vkrqjh; ijh{k.k

रोगों का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आई.सी.डी.)– 10 मानस मदंता को मन की अवरूद्धता और अपूर्ण विकास की स्थिति के रूप में परिभाषित करता है जो कि विशेष रूप से विकास काल के दौरान बौद्धिक अवरूद्ध ता के द्वारा पहचाना जाता है। यह बुद्धि के सम्पूर्ण स्तर में सहयोग देता है उदाहरणतः संज्ञानात्मक, भाषा, प्रेरक तथा सामाजिक क्षमताऐं। मानस मंदता को अन्य नामों जैसे मानसिक न्यूनता, मानसिक उपसामान्यता, मानसिक अक्षमता तथा बौद्धिक असमर्थता से भी जाना जाता है।

mís';% बौद्धिक लब्धि भागफल (आई क्यू) तथा अवचेतन लब्धि भागफल (एस क्यू) के द्वारा मानस मदंता वाले बच्चों में उनके बौद्धिक कार्यों में सुधार करने के उद्देश्य से आयुष मानस की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

v/;;u vkdkj% प्रोस्पेक्टिव डबल ब्लाइंड रेण्डोमाइज्ड प्लेसिबो कन्टरोल्ड क्लिनिकल ट्रायल

v/;;u vof/k% 3 वर्ष

e/;koÌ/ku

- leg I ¼ijh{k.k leg½ आयुष–मानस 2 वटी (250 मि.ग्रा./वटी) दिन में एक बार जल के साथ 12 माह तक
- leg II ¼fu;a=.k leg½ प्लेसिबो 2 वटी (250 मि.ग्रा./वटी) दिन में एक बार जल के साथ 12 माह तक

mipkj i'Pkkr~ doy tkp gr~ vof/k½ चिकित्सा के 12 महीने पूरे होने के पश्चात् तीन महीने

rkfydk & 40 % प्रतिभागी केन्द्र तथा प्रधान अन्वेषक

Ø-la-	ifrHkkxh dsUæ rFkk iz/kku vUos"kd	fLFkfr
1.	डॉ.सतीश गिरिमजी, मनोरोग चिकित्सा विभाग, निम्हांस बैंगलोर, और ए.सी.ए.एम.एच एण्ड एन.एस., बैंगलोर, (सी.सी.आर.ए.एस.)	120 रोगी पंजीकृत (91 रोगियों का इलाज पूर्ण हो चुका है और 29 चिकित्सा छोड़ चुके हैं)
2.	डॉ.स्मिता एन. देशपाण्डे, मनोरोग चिकित्सा विभाग, डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली और ए.सी.आर.आई.,नई दिल्ली (सी.सी.आर.ए.एस.)	120 रोगी पंजीकृत (109 रोगियों का ईलाज पूर्ण हो चुका है, 10 चिकित्सा छोड़ चुके हैं 1 को वापिस भेज दिया गया)
3.	डॉ. संजय गुप्ता, मनोरोग चिकित्सा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	120 रोगी पंजीकृत (69 रोगियों का ईलाज पूर्ण हो चुका है, 51 रोगी चिकित्सा छोड़ चुके हैं)

वर्तमान स्थितिः उपर्युक्त सभी केन्द्रों पर अध्ययन का समापन हो चुका है एवं आँकड़े परीक्षण के अधीन हैं।

ukV %& दूसरे केंद्र के आँकड़े जाँच के दायरे में हैं।

5-2-2 Lru dSalj dS jksfx;ksa dh thou xq.koÙkk esa lq/kkj ykus ds fy, jlk;u fpfdRlk@fodhj.k fpfdRlk dh lgk;d ds :i esa dkMZM vk"k/k ^vk;q"k D;wvk,y&21h** dk eYVh lsfUVªd Mcy CykbaM jSUMkekbTM dUVªky vkrqjh; ijh{k.k

20 वी शताब्दी में कैंसर एक अतिभयानक रोग के रूप में सामने आया तथा यह निरंतर फैलता जा रहा है और 21 वी शताब्दी में विश्वभर में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है कैंसर की चिकित्सा में रसायन चिकित्सा प्रथम एवं प्रभावकारी चिकित्सा है, जिसमें सामान्यतः साइटोटॉक्सिक औषधि का प्रयोग किया जाता है, जो कैंसर कोशिकाओं के प्रोद्भवन के हस्तक्षेप से अर्बुद की वृद्धि को नियंत्रित करती है। रेडियोथैरेपी में आयनित विकीरण का प्रयोग कैंसर कोशिकाओं को मारने तथा अर्बुद संकुचन के लिए किया जाता है। इन चिकित्साओं के प्रायः स्पष्ट दुष्प्रभाव होते हैं यथा– भूख की कमी, उत्क्लेश, बाल गिरना, दुर्बलता इत्यादि तथा जीवन शैली की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आयुर्वेद में कुछ औषधीय पादप उनकी आक्सीकरणरोधी, प्रतिरक्षा, अनुकूलनता तथा रसायन गुणों के कारण रोगियों की जीवन गुणवत्ता में सुधार की क्षमता रखते हैं। इसलिए यह योग पूर्व–नैदानिक अध्ययनों से सुरक्षित एवं प्रभावकारी स्थापित होने के पश्चात् कीमोथैरेपी तथा/अथवा रेडियोथैरेपी ले रहें स्तन कैंसर के रोगियों में आतुरीय परीक्षण अध्ययन के लिए लिया गया है।

उद्देश्य

ikFkfed mÌs';

1. ‘आयुष क्यूओएल–2सी’ की आतुरीय सुरक्षा का निर्धारण करना।
2. जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए ‘आयुष कयूओएल–2सी’ के आतुरीय प्रभाव का निर्धारण करना।

f}rh; mÌs';

1. संपूर्ण उत्तरजीविता पर ‘क्यूओएल–2सी’’ के प्रभाव का निर्धारण करना।
2. घटना मुक्त उत्तरजीविता पर आयुष क्यूओएल–2सी का प्रभाव का निर्धारण करना।
3. वृद्धि मुक्त उत्तरजीविता पर आयुष क्यूओएल–2सी का प्रभाव का निर्धारण करना।

v/;;u ik:i % प्रोस्पेक्टिव डबल ब्लाइंड रेन्डोमाइज्ड प्लेसिबो नियंत्रण आतुरीय परीक्षण।

ueuk vkdkj% एन = 140

v/;;u vof/k% 3 वर्ष

e/;k;oŸk%

- **leg I ¼ijh{k.k leg½ %** आयुष क्यूओ एल–2 सी (500 मि.ग्रा./कैप्सूल) 2 कैप्सूल दिन में दो बार जल के साथ 6 माह की अवधि तक एवं मानक उपचार।*
- **leg II ¼ijh{k.k leg½%** प्लेसिबो (500 मि.ग्रा./कैप्सूल) 2 कैप्सूल दिन में दो बार, जल के साथ 6 माह की अवधि तक एवं मानक उपचार।*

*मानक उपचार में आवश्यकता अनुसार रोगी की अन्वेषक द्वारा कीमोथैरेपी की औषध मात्रा को बदला जा सकता है।

rkfydk & 41 % प्रतिभागी केन्द्र तथा प्रधान अन्वेषक

Ø-la-	ifrHkkxh dæ rFkk i/kku vUos"kd	fLFkfr
1.	डा.चंदा कुलकर्णी, आतुरीय भेषजगुण विज्ञानीय प्रभाग (दिनांक 16. 10.2013 को रिटायर्ड) एवं डा. सूरज मंजूनाथ, शल्य कैंसर विज्ञान प्रभाग, सेंट जॉन्स मेडिकल कालेज, बैंगलोर और एनएडीआरआई, बैंगलोर, (सी.सीसी.आर.ए.एस.)	80 रोगी पंजीकृत इस केन्द्र पर अध्ययन पूर्ण हो चुका है।
2.	डा.जी.के रथ, विकिरण चिकित्सा तथा कैंसर विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और एसीआरआई, नई दिल्ली (सी.सीसी.आर.ए.एस.)	60 रोगी पंजीकृत यह अध्ययन प्रगति पर है।

orZeku fLFkfr% अभी तक 140 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया जिनमें 7 प्रतिभागियों पर अध्ययन जारी है।

5-2-3 gLrfufeZr rFkk Lopfyr ;a= }kjk fufeZr {kkjlw= dk Hkxanj jksx esa rqyukRed vkrqjh; eY;kadu ,d cgqdsUæd Mcy CykbaM jSUMekbTM dUVªksy v/;;u

iz/kku vUos"kd% डॉ राखी मेहरा, सहायक निदेशक (आयु.)

यह प्रोजेक्ट अधोलिखित निर्धारित समय के तीन चरणों में पूर्ण किया जाएगाः

Qst& I:

1. क्षारसूत्र निर्माण के लिए स्वचलित यंत्र का संवर्धन जिसमें उसका मानकीकरण, अभिप्राय, संरचना तथा क्षारसूत्र निर्माण विकास सम्मिलित है। दो प्रकार के क्षारसूत्र अपामार्ग क्षारसूत्र तथा गुग्गुलु निर्मित क्षारसूत्र तथा दोनों ही दो विधियों अर्थात् हस्तविधि तथा स्वचलित यंत्र विधि से बनाए जाएंगे।

2. अध्ययन मूलरूप से सीसीआरएएस में होगा। मूलरूप में सुधार आईआईटी द्वारा पूर्ण कर उसका वितरण सीसीआरएएस को किया जाएगा।

3. औषधीय अध्ययन– जानवरों पर प्रेरित नाड़ीव्रण की व्रण उपचारात्मक क्रिया का तथा क्षारसूत्रों की सूक्ष्म जीवोरोधी (इन वाइवो तथा इन विट्रो) क्रिया का अध्ययन क्रमानुसार परिषद् के ग्वालियर तथा पूणे इन्स्टीट्यूट पर किया जाएगा।

Qst& II:

1. परिषद् के दो संस्थानों एसीआरआई, मुंबई तथा एसीआरआई, नई दिल्ली पर हस्तनिर्मित एवं स्वचालित यंत्र द्वारा निर्मित क्षारसूत्रों का मनुष्यों के भगंदर में तुलनात्मक आतुरीय चिकित्सा परीक्षण का संचालन किया जायेगा। उक्त परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

6- lkfgfR;d vuqla/kku ,oa iqjys[khdj.k dk;ZØe

परिषद् का आयुर्वेदीय साहित्यिक अनुसंधान एवं प्रलेखीकरण कार्यक्रम मुख्यतया–चिकित्सा ऐतिहासिक अध्ययनों, शास्त्रीय ग्रन्थों, महत्वपूर्ण/दुर्लभ कार्यों, अप्रकाशित पुस्तकों एवं उनकी टीकाओं के लिप्यन्तरण, हिन्दी, अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं में अनुवाद के साथ प्रकाशन से संबंधित है। यह कार्य परिषद् मुख्यालय तथा इसके अधीनस्थ चयनित संस्थानों द्वारा सम्पन्न किया जाता है। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, (एनआईआईएमएच) हैदराबाद उपर्युक्त लक्ष्यों के अतिरिक्त चिकित्सा–ऐतिहासिक सर्वेक्षण, प्रख्यात विद्वानों के जीवन चित्रण एवं शास्त्रीय ग्रन्थों की ई–बुक बनाने का कार्य भी करता है। प्रतिवेदन अवधि में निम्नेलिखित कार्य सम्पादित किये गये।

6-1 izdk'ku vkSj iqjys[ku%

परिषद् पुस्तकों, मोनोग्राफ्स, तकनीकी प्रतिवेदन एवं आंतरिक शोध, प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के परिणामों, अनुसंधान संबंधित आंकड़ों तथा चिकित्सा ऐतिहासिक आंकड़ों का प्रकाशन करती है जो कि शोधकर्ता, शिक्षाविदों तथा छात्रों के साथ–साथ सामान्य जन के लिए भी उपयोगी है। प्रतिवेदन अवधि में निम्नलिखित प्रकाशन किये गये।

iqLrd%

1. ऐवीडेन्स बेस्ड आयुर्वेदा प्रेक्टिसिस (अंग्रेजी)
2. प्रमाण आधारित आयुर्वेदीय चिकित्सा उपक्रम (हिंदी)
3. बैकग्राउण्ड पेपर ऑन नेशनल सेमीनार ऑन पंचगव्य चिकित्सा
4. हर्बल वेल्थ ऑफ उत्तराखंड, वॉल्यूम– 1
5. आयुष फॉर कैंसर केयर
6. आयुर्वेद– द साइंस ऑफ लाइफ (स्पेनिश भाषा में)
7. ऐवीडेन्स बेस्ड सेफ्टी ऑफ आयुर्वेदिक हर्बो– मिनिरल फार्मूलेशन्स
8. रिसर्च पब्लिकेशन्स इन आयुर्वेदिक साइन्सिस

इसके अतिरिक्त प्रतिवेदन अवधि में परिषद् द्वारा अनुसंधान पत्रिका एवं समाचार पत्रिका के निम्नलिखित अंक भी जारी किए गये।

vuqla/kku if=dk%

1. जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एवं सिद्ध, अंक XXXII संख्याा 3-4, जुलाई–दिसंबर 2011 (अप्रैल 2014 में प्रकाशित)
2. जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एवं सिद्ध, अंक XXXIII संख्या् 1-4, जनवरी–दिसंबर 2012 (मार्च 2015 में प्रकाशित)

3. जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एवं सिद्ध, अंक XXXIV संख्या 1-4, जनवरी–दिसंबर 2013 (मार्च 2015 में प्रकाशित)

4. जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेद एवं सिद्ध, अंक XXXIII एवं XXXIV संख्या 1-4, जनवरी 2012 दिसंबर 2013 (अगस्त 2014 में प्रकाशित)

lekpkj if=dk

1. सी.सी.आर.ए.एस. समाचार पत्रिका अंक 27 संख्या, 3, अक्टुबर – दिसंबर 2013

iqfLrdk

1. आयुर्वेद द सांईस एंड आर्ट ऑफ लाइफ– ए फोकस ऑन रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट

6-2 vUr%orhZ lkfgfR;d vuqla/kku ifj;kstuk,a

अंतःवर्ती साहित्यिक अनुसंधान कार्यक्रम के तहत, 5 साहित्यिक अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं जबकि 9 साहित्यिक अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं। इन परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित अनुसार हैः–

rkfydk & 42 % परियोजनाओं की सूची

iw.kZ ifj;kstuk,a

1. आयुर्वेद में पशु चिकित्सा पद्धतियों का अन्वेषण
2. आयुर्वेद द्वारा आँखों की सुरक्षा
3. आयुर्वेद, सिद्ध एवं यूनानी औषध विनियमन का भारत में क्रमिक विकास
4. आयुर्वेदिक उद्देश्य स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्’ का पुनः मूल्यांकन
5. द्रव्यगुण के संदर्भ में आयुर्वेद में रस, गुण, वीर्य, विपाक एवं प्रभाव के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा

tkjh ifj;kstuk,a

1. वैद्यचिन्तामणि का संस्कृत से अंग्रेजी अनुवाद
2. नवनीतकम् का विमर्श सहित हिन्दी एवं अंग्रेजी अनुवाद
3. सहस्र योग– संस्कृत/हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद
4. पूर्वी भारत की डिजिटाइज्ड चिकित्सा पांडुलिपियों की मुद्रित प्रति तैयार करना (उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल एवं बिहार)
5. शास्त्रीय सोवा–रिग्पा औषध योगों का संग्रहण एवं प्रलेखीकरण करना
6. कर्नाटक की आयुर्वेद/चिकित्सा ताड़पत्र पांडुलिपियों एवं दुर्लभ पुस्तकों का लिप्यन्तरण तथा मुद्रित प्रति तैयार करना
7. चक्रदत्त रत्नप्रभा टीका का संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद (अवशिष्ट अंश)
8. द्रव्यगुण शतश्लोकी पाण्डुलिपि का देवनागरी लिप्यन्तरण एवं संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद
9. इंटिग्रेटेड क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (आई सी डी एस एस)

6-2-1 vk;on e i'k fpfdRlk i)fr;k dk vUo"k.k%

mís';%

1. उत्तम पशु चिकित्सा अभ्यास हेतु आयुर्वेद पशु चिकित्सा पांडुलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों को चिन्हित, संकलित, वर्गीकृत तथा अन्वेषित करना।
2. आयुर्वेदीय वैद्यक शास्त्र, में पशु चिकित्सा के विवरण में प्रयुक्त उपभाषा या प्रांतीय भाषा पर आधारित शब्दावली का अनुवाद व मानकीकरण करने के लिए गांव की यात्रा और पारंपरिक चिकित्सकों, गड़रियों, पशु चिकित्सकों आदि से बातचीत करना।
3. वर्गीकरण, आकृति विज्ञान, विभिन्न वनस्पतियों, मटेरिया मेडिका व वनस्पति संग्रहालय के वैज्ञानिक आधार पर पशु चिकित्सा में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न औषधियों को (हर्बल व खनिज) स्थापित करना।

v/;;u vof/k% एक वर्ष

nLrkot@idk'ku dh i—fr ¼iLrd] ikMfyfi] xFk lph vkfn½% पुस्तक

lgHkkxh dUæ.k ,o i/kku vUo"kd%

डा. जी. पी. प्रसाद, अनु.अधि. (आयु.) राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद।

vkjEHk frfFk% 22.10.2012

lEikfnr dk;l dk lkjk'k%

प्रतिवेदन अवधि में यह परियोजना पूर्ण हो चुकी है। तेलगू भाषा में लिखित प्रांतीय ग्रंथों के उद्धरण के आधार पर 322 रोग अवस्था हेतु 1830 उपचारों को प्रलेखित किया गया है। परियोजना की फाइनल रिपोर्ट विशेषज्ञ के पास टिप्पणी/सुझाव हेतु भेज दी गई है।

6-2-2 vk;on }kjk vk[kk dh lj{kk

mís';%

1. नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक एवं समकालीन प्रगतियों के साथ–साथ आयुर्वेद के दृष्टिकोण को समाहित कर एक बृहत् दस्तावेज तैयार करना।
2. नेत्र रोगों के प्रबंधन में आयुर्वेद की क्षमता को खोजना।
3. नेत्र रक्षा अस्पतालों में प्रयोग किए जाने वाले प्रभावी एवं प्रचलित विभिन्न उपचार/नुस्खों का दस्तावेज़ तैयार करना।

v/;;u vof/k% एक वर्ष

nLrkost@izdk'ku dh izd`fr ¼iqLrd½ ikMqfyfi] xzaFk lwph vkfn½ पुस्तक

lgHkkxh dUæj ,oa iz/kku vUos"kd%

डॉ. वी. श्रीदेवी, अनु.अधि. (आयु.) राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद।

vkjEHk frfFk% 01.04.2013

lekfIr dk;Z dk lkjka'k%

प्रतिवेदन अवधि में यह परियोजना पूर्ण हो चुकी है। इस दस्तावेज़ में 66 पुस्तकें/आयुर्वेद से जुड़े कार्य हैं जो कि आँखों के रोगों और उनकी चिकित्सा से संबंधित हैं इसके सहित प्रथम शिड्यूल ड्रग एण्ड कॉसमेटिक एक्ट 1940 के तहत सूचीबद्ध पुस्तकें भी शामिल हैं। इसके अलावा अन्य आयुर्वेदिक कृतियाँ शामिल हैं जो कि आँखों के रोगों और उनकी चिकित्सा पर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराती हैं।

6-2-3 vk;qosZn] fl) ,oa ;wukuh vkS"k/k fofu;eu dk Hkkjr esa Øfed fodkl

mÌs';% भारत में ए.एस.यू. ड्रग्स एवं इवॉल्यूएशन ऑफ ड्रग रेगुलेशन के संदर्भ में एक व्यापक दस्तावेज़ तैयार करना।

v/;;u vof/k% दो वर्ष (प्रारम्भ में यह परियोजना एक वर्ष के लिए स्वी कृत हुई थी। प्रधान अन्वेषक के अनुरोध पर इस परियोजना की अवधि 30 सितम्बर 2014 तक प्रसारित की गई है।)

nLrkost@izdk'ku dh izd`fr ¼iqLrd] ikMqfyfi] xzaFk lwph vkfn½ पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd %

Mk- ch- oSDVs'oj;] vuq-vf/k- ¼vk;q-½] राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद।

vkjEHk frfFk% 01.11.2012

lekfIr dk;Z dk lkjka'k%

इस परियोजना को अवधि के दौरान पूरा कर दिया गया है और अंतिम प्रतिवेदन तैयार कर दिया है एवं विशेषज्ञ द्वारा पुनरीक्षित हो चुका है। विशेषज्ञ द्वारा लक्षित संशोधन अंतिम दस्तावेज में सम्मिलित/दस्तावेज़ समाविष्ट किए जा चुके हैं। यह दस्तावेज़ सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने के बाद प्रकाशित होगा।

6-2-4 vk;qosZfnd mÌs'; LoLF;L; LokLF; j{k.ke dk iqu% eY;kdu

mÌs';% आयुर्वेद के प्रमुख दो उद्देश्यों में से एक स्वा स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम का साक्ष्यों एवं वैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर पुनः निर्धारण करना।

v/;;u vof/k% एक वर्ष

nLrkost@izdk'ku dh izÑfr ¼iqLrd] ik.Mqfyfi] xzUFk lwph vkfn½ मोनोग्राफ

lgHkkxh dUæj ,oa iz/kku vUos"kd %

डॉ. पी.वी.वी. प्रसाद, सहायक निदेशक (आयु), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद.

vkjEHk frfFk % 01.08.2013

lafIr dk;Z dk lkjka'k%

यह परियोजना प्रतिवेदन अवधि में पूर्ण हो चुकी है। परियोजना का अंतिम प्रतिवेदन तैयार हो चुका है और यदि कोई हों तो, सुझावों/संशोधनों के लिए विशेषज्ञ को भेज दिया गया है। यह दस्तावेज़ विशेषज्ञ के सुझावों को निगमित करने के बाद और सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने के उपरान्त् प्रकाशित होगा।

6-2-5 æO;xq.k ds lanHkZ esa vk;qosZn esa jl] xq.k] oh;Z] foikd ,oa izHkko ds fofHkUu igyqvksa dh leh{kk

mís';% आयुर्वेद में रस, गुण, वीर्य, विपाक और प्रभाव के मूलभूत सिद्धांतों के महत्व व तर्कसंगतता की वैज्ञानिक आधार पर समीक्षा करना।

v/;;u vof/k% एक वर्ष

nLrkost@izdk'ku dh izÑfr ¼iqLrd] ik.Mqfyfi] xzUFk lwph vkfn½ मोनोग्राफ

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd %

डॉ. पी.वी.वी. प्रसाद, सहायक निदेशक (आयु), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

vkjEHk frfFk% 01.08.2013

lafIr dk;Z dk lkjka'k%

यह परियोजना प्रतिवेदन अवधि में पूर्ण हो चुकी है। परियोजना का अंतिम प्रतिवेदन तैयार हो चुका है और सुझावों/संशोधनों के लिए विशेषज्ञ को भेज दिया गया है। यह दस्तावेज़ विशेषज्ञ के सुझावों को निगमित करने के बाद और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के उपरान्त प्रकाशित होगा।

6-2-6 oS|fpUrkef.k dk laLÑr ls vaxzsth vuqokn

mís';% इस पुस्तक में उल्लिखित महत्वपूर्ण चिकित्सा उपक्रमों के व्यापक प्रचार के लिए वैद्य चिंतामणि का संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद करना।

v/;;u vof/k% तीन वर्ष (प्रारम्भ में इस परियोजना को दो वर्ष के लिए मंजूरी दी थी, इस बीच प्रधान अन्वेषक के आग्रह पर परियोजना का कार्यकाल 31 अक्टूबर 2015 तक विस्तृत कर दिया गया और लक्ष्यों को तदनुसार समायोजित कर लिया गया है।

nLrkost@izdk'ku dh izÑfr ¼iqLrd] ikMfyfi] xzFk lwph vkfn½ पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd %

डॉ. ए. नारायण, निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

vkjEHk frfFk % 31.10.2012

lEikfnr dk;Z dk lkjka'k%

अ) 73 अध्यायों में से 64 अध्यायों का लिप्यंतरण पूर्ण हो चुका है।

ब) 73 अध्यायों में से 19 अध्यायों का अनुवाद पूर्ण हो चुका है।

;fn dksbZ ikaMqfyfi tkudkjh%

वैद्य चिन्तामणि तेलुगू लिपि में उपलब्ध आन्ध्र प्रदेश का एक प्रसिद्ध आलेख है और यह वल्लभाचार्य द्वारा 15 वीं शती में लिखा गया है।

चिकित्सा का यह आलेख मुख्य रूप से व्याधि निदान, रोगनिर्णय, चिकित्सा एवं औषधीय, प्रयोगों से पहले धातुओं, खनिज पदार्थो, विषैले पौधों के शोधन के बारे में बताता है। इस विशालकाय सार में 73 प्रकरण (अध्याय) निहित हैं, जो कि योजनाबद्ध तरीके से 26 विलास (वर्गों) और लगभग 9400 श्लोकों में समायोजित हैं।

यद्यपि यह पाठ फर्स्ट शिड्यूल ऑफ द ड्रग्स एण्ड कोसमेटिक एक्ट, 1940 में सूचीबद्ध आयुर्वेदिक पुस्तकों में उल्लिखित है, पर अभी तक इसका अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध नहीं है।

6-2-7 uouhrde dk foe'kZ lfgr fgUnh ,oa vaxzsth vuqokn

mÌs';% उपयोक्ताओं के बीच इस ग्रन्थ के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु विमर्श सहित हिन्दी एवं अग्रेंजी अनुवाद तैयार करना।

v/;;u vof/k % दो वर्ष

nLrkost@izdk'ku dh izÑfr ¼iqLrd] ikMfyfi] xzFk lwph vkfn½ पुस्तक

Çgnh vuqokn gsrq lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd%

डॉ. भुवनेश कुमार शर्मा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), एसीआरआई, जयपुर

vxLr; vuqokn gr| lgHkkxh dUæ ,o i/kku vUo"kd%

डॉ. ए. नारायण, निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

vkjEHk frfFk % 01.08.2013

lEikfnr dk;l dk lkjk'k% नवनीतकम् (द बोवर पांडुलिपि) एक महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक दुर्लभ पुस्तक है, जो कि 4 शती में लिखा गया एक अद्वितीय संकलन कार्य है। इसमे कुल 7 प्रकरण (20 अध्यायों में समाविष्ट में समाविष्टप) निहित हैं। इसका अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य दूसरे प्रकरण (15 अध्यायों में समाविष्ट) तक पूर्ण हो चुका है। संपादन व महत्वपूर्ण नोट्स का लेखन प्रगति में है।

6-2-8 lgl;kx ¼lL—r@fgUnh ls vxxth vuqokn½

mís'; % सहस्र योग का अंग्रेजी अनुवाद सहित समीक्षात्मक संस्करण प्रकाशित करना।

v/;;u vof/k % दो वर्ष

nLrkost@idk'ku dh i—fr ¼iLrd] ikMfyfi] xzFklph vkfn½% पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,o i/kku vUo"kd %

डॉ. टी. साकेत राम, अनु.अधि. (आयु.), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

vkjEHk frfFk % 01/01/2014

lEikfnr dk;l dk lkjk'k% 14 अध्यायों का अनुवाद पूर्ण हो चुका है और कार्य प्रगति पर है।

ikl fxd tkudkjh] ;fn dksb% यह पुस्तक परिषद् द्वारा हिन्दी अनुवाद के साथ पहले ही प्रकाशित हो चुकी है और फस्ट शिड्यूल ऑफ द ड्रग्सं एण्ड कोसमेटिक एक्ट, 1940 में सूचीबद्ध आयुर्वेदिक पुस्तकों में शामिल है।

6-2-9 iohZ Hkkjr dh fMftVkbTM fpfdRlk ikMfyfi;ka dh efær ifr r;kj djuk ¼mMhlk] if'Pkeh cxky ,o fcgkj½

mís'; % पूर्वी भारत से प्राप्त (उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और बिहार) डिजिटल चिकित्सीय पाण्डुलिपि के विवरण की रक्षा करना व उसे बचाना।

v/;;u vof/k % दो वर्ष

nLrkost@idk'ku dh i—fr ¼iLrd] ikMfyfi] xzFklph vkfn½% पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd %

डॉ. वी. के. लवानिया, अनु. अधि. (आयु.), सी.सी.आर.ए.एस. मुख्यालय, नई दिल्ली

vkjEHk frfFk% 07.07.2014

lEikfnr dk;Z dk lkjka'k%

25 दुर्लभ पुस्तकों और 155 पाण्डुलिपियों (8127 प्रतिरूपों) का सम्पादन पूर्ण हो चुका है और कार्य चल रहा है।

iwoZ lfEefyr tkudkjh] ;fn dksbZ gks rks% केटालॉगिंग एण्ड डिजिटाइज्ड इनवेन्टरी ऑफ मेडिकल मेन्युस्क्रिप्ट ऑफ ईस्टर्न इण्डिया (उड़ीसा, पश्चिम बंगाल एवं बिहार) नामक परियोजना को सफलतापूर्वक सी.सी.आर.ए.एस. द्वारा निष्पादित किया। यह आयुष विभाग की ए.सी.डी.पी. योजना के अन्तर्गत है जो कि अप्रैल 2011 में पूर्ण हो चुकी है। इस परियोजना के अन्तर्गत परिषद् ने 1697 पाण्डुलिपियों/दुर्लभ पुस्तकों (810 उड़ीसा से, 682 पश्चिम बंगाल से और 187 बिहार से) को डिजिटाइज्ड किया है जो कि सी.सी.आर.ए.एस मुख्यालय द्वारा सी.डी. के रूप में सुरक्षित की गई है। भविष्य में यह सी.डी. भ्रष्ट हो सकती हैं और महत्वपूर्ण डिजिटाइज्ड विवरण लुप्त हो सकता है। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इनको हार्ड प्रतियों में सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। अतः प्रत्येक पाण्डुलिपि/दुर्लभ पुस्तकों की 5 हार्ड प्रतियाँ हार्ड बाउंड पुस्तक आकार में बनाने का उद्देश्य है।

6-2-10 'kkóh; lkok&fjXik vk"k/k ;ksxksa dk laxzg.k ,oa izys[khdj.k djuk

mÌs';%

- शास्त्रीय ग्रन्थों से सोवा रिग्पा के विविध योगों को संकलन करना।
- शास्त्रीय ग्रन्थों के अनुसार सोवा रिग्पा के लगभग 1100 योगों का प्रलेखीकरण करना।
- सोवा–रिग्पा की नियमावली को प्रकाशित करना।

v/;;u vof/k% तीन वर्ष

nLrkost@iqLrdksa dh izÑfr ¼iqLrd] ikaMqfyfi] xzaFk lwph vkfn½% पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd%

डॉ. पद्मा गुरमीत, एन.आर.आई.एस.आर. लेह–लद्दाख

vkjEHk frfFk % 14.05.2014

lEikfnr dk;Z dk lkjka'k%

प्रतिवेदन कार्य के दौरान आर ग्यूड–बी झी के 65 यौगिक योगों का जो कि सोवा–रिग्पा की मूलभूत पुस्तक है, उसका संकलन किया और कार्य प्रगति पर है।

6-2-11 dukVd dh vk;qosn@fpfdRlk rkMi= ikMqfyfi;ksa ,oa nqyZHk iqLrdksa dk fyI;Urj.k rFkk eqfær ifr rS;kj djuk

mÌs’;% डिजिटाइज्ड पाण्डुलिपियों का अनुवाद और प्रकाशन

v/;;u vof/k% दो वर्ष

nLrkost@iqdk’ku dh i—fr ¼iqLrd] ikMqfyfi] xzFkl wph vkfn½% पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd %

डॉ. जी.वेंकटेश्वरलु, ए.एन.ए.डी.आर.आई., बैंगलोर

vkjEHk frfFk% जनवरी, 2015

lekfnr dk;Z dk lkjk’k%

प्रतिवेदन कार्य के दौरान दो पुस्तकों नामतः, सिद्ध मन्त्र प्रकाश और हृदयप्रिया का लिप्यन्तरण कार्य पूर्ण हो चुका है।

6-2-12 pØnÙk jRuiHkk Vhdk dk lL—r ls vxzsth esa vuqokn ¼vof’k"V va’k½

mÌs’;% चक्रदत्त– रत्न प्रभा टीका के अवशिष्ट अंश के अंग्रेजी अनुवाद को तैयार करना।

v/;;u vof/k% एक वर्ष

nLrkost@iqdk’ku dh i—fr ¼iqLrd] ikMqfyfi] xzFkl wph vkfn½% पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUos"kd %

डॉ. के. भारती, अनु.अधि. (आयु.), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद।

vkjEHk frfFk% 01.07.2014

lekfnr dk;Z dk lkjk’k% अनुवाद कार्य जारी है।

6-2-13 æO;xq.k 'kr’yksdh ik.MqfyfI dk noukxjh fyI;Urj.k ,oa lL—r ls vxzsth esa vuqokn

mÌs’; %

अ) द्रव्यगुण शतश्लोकी की देवनागरी लिपि में लिप्यन्तरण का कार्य सम्पादित करना।

ब) द्रव्यगुण शतश्लोकी का संस्कृत से अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करना।

v/;;u vof/k % एक वर्ष

nLrkos t@idk'ku dh i—fr ¼iLrd] ikMfyfi] xFk lph vkfn½ पुस्तक

lgHkkxh dUæ ,o i/kku vUo"kd %

डॉ. जी. पी. प्रसाद, अनु.अधि. (आयु.), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा केन्द्र, हैदराबाद।

vkjEHk frfFk % 01.08.2015

lkifnr dk;l dk lkjk'k% अनुवाद कार्य जारी है।

6-2-14 bfVxiVM fDyfudy fMlhtu likV flLVe ¼vkbl lh Mh ,l ,l ½

mÌ';%

अ) इलैक्ट्रोनिक मेडीकल रिकॉर्ड सिस्टम के साथ इन्टीग्रेटिड क्लिनिकल डिसीज़न सपोर्ट (आइ.सी.डी. एस.एस–इ.एच.आर.) के इस्तेमाल की पुष्टि सभी सी.सी.आर.ए.एस. चिकित्सीय इकाइयों पर समान रूप से कार्यान्वित करना।

ब) डब्ल्यू एच ओः आई सी डी– 10 और स्टेण्डर्ड ट्रीटमैन्टस गाइडलाइंस की तुलना में और नेशनल हेल्थ पॉलिसी के अनुरूप स्टेण्डर्ड आयुर्वेदिक क्लिनिकल टर्मिनोलॉजी का प्रावधान कराने के लिए, आई सी डी एस एस इन्फोरमेटिक्स मॉडयूल आई सी डी एस एस–आई एम का आयोजन करना।

v/;;u vof/k% दो वर्ष

nLrkos t@idk'ku dh i—fr ¼iLrd] ikMfyfi] xFk lph vkfn½ कार्यात्मक आई सी डी एस एस– इलैक्ट्रोनिक हेल्थ मॉडयूल, आई सी डी एस एस– इन्फोमेटिक्स मॉड्यूल

lgHkkxh dUæk ,o i/kku vUo"kd%

डॉ. ए. नारायण, निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

vkjEHk frfFk% 22.1.2015

lkifnr dk;l dk lkjk'k%

v½ 20 jkxk e l 84 dkfMM jkxk (सी.सी.आर.ए.एस.ए ओ.पी.डी. केस रिपोर्टिंग) की आयुर्वेदिक सामग्री का संशोधन कार्य पूर्ण हो चुका है।

c½ ck;kefMdy lkexh dk iujh{k.k djuk% ड्रग डेटाबेस कार्य जो कि नेशनल फॉरमूलरी ऑफ इण्डिया (एन एफ आई) 2014 पर आधारित है, पूर्ण हो चुका है और मेडिकल लैबोरेटरी अवलोकन को पहचाने के लिए लोजिकल ऑब्सरर्वेशन आइडन्टिफाइड नेम्सि एण्ड कोड्स (एल ओ आई एन सी) स्टेण्डर्ड पर आधारित इन्वेस्टिगेशन मैपिंग का कार्य किया जा चुका है।

l½ lk¶Vos;j Qkj vkbZ lh Mh ,l ,l&bUQkesZfVDl eksM~;wy dk iquZfujh{k.k djuk% यूज़र इंटरफेस (यू आई) यूजिंग एच टी एम एल 5, सी एस एस 3, एन्गुलर जे एस, जे क्वैरी, सर्वर साइड स्क्रिप्टो के साथ पी एच पी 5 एण्ड डेटाबेस एम वाय एस क्यू एल के साथ शुरू हो चुका है। यूज़र इन्फॉरमेशन सिस्टनम, सिस्टम डिज़ीज सैक्शन पूर्ण हो चुका हैं।

Mh½ byDVªkfud gYFk fjdkMZl eksM~;wy% पेशेन्ट रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल, केस रिकार्ड मॉड्यूल के अन्तर्गत शामिल सब्जैक्टिव पैरामीटरस, ऑब्जै्क्टिव पेरामीटर्स पूर्ण हो चुके है।

6-3 vk;q"k vuqla/kku iksVZy (www.ayushportal.ap.nic.in.)

mÌs’; %

साफ्टवेयर डिज़ाइन, विकास एवं आयुर्वेद अनुसंधान से सम्बन्धित आँकड़े अपलोड तथा आयुष रिसर्च पोर्टल के प्रतिपालन का कार्य न्यस्त करना।

v/;;u vof/k % तीन वर्ष (विस्तार योग्य)

nLrkost@izdk’ku dh izÑfr ¼iqLrd] iksMfyfi] xzFklwph vkfn½% ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल

lgHkkxh dUæ ,oa iz/kku vUosf"kd %

डॉ. ए. नारायण, निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा सम्पदा संस्थान, हैदराबाद

vkjEHk frfFk% आयुष रिसर्च पार्टल का कार्य इस संस्थान को सी.सी.आर.ए.एस./आयुष द्वारा अक्टूबर 2010 में न्यस्त हो चुका है। उस समय से यह सफलतापूर्वक एक आबंटित कार्यक्रम के रूप में जारी है।

laikfnr dk;Z dk lkjka’k% आयुष रिसर्च पोर्टल एक आबंटित परियोजना की तरह अक्टूबर 2010 से मार्च 2015 तक किया गया है। यह परियोजना हाल ही में आई.एन.आर. परियोजना (विस्तार) 19/03/2015 से स्वीकृत की गई है। इस परियोजना की प्रगति अभी तक आबटित परियोजनाओं के अन्तर्गत वर्णित है।

d½ lhlhvkj,,l if=dk,a

- क) जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइन्सिस (जेआरएएस)
- ख) जर्नल ऑफ इंडियन मेडिकल हेरीटेज–जेआईएमएच (पूर्वनाम–जर्नल ऑफ इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ हिस्टरी ऑफ मेडिसिन– जेआईआईएचएम/बुलेटिन ऑफ इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ हिस्टरी ऑफ मेडिसिन– बीआईआईएचएम/बुलेटिन ऑफ दी डिपार्टमेंट ऑफ हिस्टरी ऑफ मेडिसिन– बीडीएचएम)
- ग) जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेद एंड सिद्ध– जेडीआरएएस (पूर्वनाम– बुलेटिन ऑफ मेडिको– ईथनो बोटनीकल रिसर्च– बीएमईबीआर)

[k½ vU;& if=dk,a

अ) आर्यवैद्यन

आ) एनशिएंट साइन्स ऑफ लाइफ

इ) इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन फार्मेसी एंड केमीस्ट्री

ई) इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल, केमिकल एंड बोटेनिकल साइन्सिज़

उ) दीर्घायु इण्टरनेशनल

- इसके अतिरिक्त 6918 लेख/सारांश सम्बंधित पत्रिका, वेबसाइट/यूआरएल के हाइपर लिंक के साथ उपलब्ध कराये गए है जिसके माध्यम से उपयोक्ता सम्पूर्ण लेख को आसानी से अधिगम्य कर सकते हैं।

MsVk ifof"V vkSj vuqeksnu flLVe

आयुष की प्रत्येक अनुसंधान परिषद् ने अनुसंधान परिषद् पोर्टल पर अनुसंधान डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आयुष अनुसंधान पोर्टल समितियों का गठन किया है।

अ) विभिन्न पत्रिकाओं के अनुसंधान लेखों को जांचा गया तथा आयुष संबंधित अनुसंधान लेखों को पहचाना गया।

आ) चुने हुए लेखों के डेटा को बताए गए फारमेट में डालकर ऊपर बताई चार श्रेणियों में डाला गया।

इ) आयुष अनुसंधान पोर्टल की समिति को यह डेटा सुझाव/संशोधन हेतु दिया गया।

ई) अन्ततः अनुसंधान डेटा आयुष अनुसंधान पोर्टल पर अपलोड किया गया।

rkfydk & 43 % आयुष अनुसंधान पोर्टल में दी गई जानकारी पर एक नजर

Js.kh	vk;q"k i)fr						Js.khokj dqy
	vk;qosZn	;ksx ,oa izk—frd fp-	;wukuh	fl)k	gksE;ksiSFkh	lksok fjXik	
1. चिकित्सीय अनुसंधान	2020	985	325	80	640	-	4050
2. पूर्व चिकित्सीय अनुसंधान	6999	199	174	91	142	-	7605
3. औषध अनुसंधान	4097	-	969	229	390	-	5685
4. मौलिक अनुसंधान	794	212	554	215	1075	-	2850
dqy ;ksx	**13910**	**1396**	**2022**	**615**	**2247**	**-**	
vk;q"k vuqla/kku iksVZy esa 31-03-2015 dks miyC/k dqy y{k@lkj							**20190**

6-4 lhlhvkj,,l&fjlpZ eSustesaV buQkWjes'ku flLVe ¼vkj,evkbZ,l½

आयुर्वेदिक संस्थानों/महाविद्यालयों में कार्यरत एम. डी./एम. एस. और पीएच. डी. स्नातकों तथा उनके निर्देशकों द्वारा अपेक्षित, नमूने तथा सांख्यकीय मुद्दों तथा अनुसंधान नियोजन/डिजाइन/प्रोटोकाल से संबंधित सुझाव प्रदान करने हेतु सीसीआरएएस, नई दिल्ली ने "रिसर्च मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम" नामक कार्यक्रम को शुरू किया है।

सीसीआरएएस मुख्यालय ने सीसीआरएएस आरएमआईएस एक कार्यशाला आयोजित की। सीसीआईएम द्वारा मान्यता प्राप्त आयुर्वेदिक शैक्षणिक संस्थानों से शोधकार्यों में लगे एम. डी./एम. एस./पीएच.डी स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्यापक इसका लाभ उठा सकते हैं। यह कार्यक्रम परिषद् एवं एनआईआईएमएच हैदराबाद के द्वारा समायोजित किया जाता है।

lhlhvkj,,l vkj,evkbZ,l dk;ZØe esa inku dh xbZ lsok,sa bl izdkj gSa&

1. तैयार अनुसंधान प्रश्न /परिकल्पकना
2. परीक्षण डिज़ाइन
3.. उद्देश्यों, का निर्धारण
4. नमूनीकरण/नमूनों का आधार
5. चयन मानदंड
6. आवश्यक जाँचे (निदान और मूल्यांकन के लिए)
7. मूल्यांकन के मानदंड/तरीके
8. अध्ययन की पहचान के लिए उपायों की व्यवहार्यता पर सुझाव
9. नैतिक मुद्दे
10. प्रस्तावित अध्ययन के लिए प्रसंग सहित उपयोगी सुझाव
11. सार अनुसंधान योजना पर सामान्य टिप्पणी
12. डाटा विश्लेषण और व्याख्या (पूर्ण परियोजनाओं की)

,u vkbZ vkbZ ,e ,p&vkj ,e vkbZ ,l dk;ZdkjhZ lewg

क) डॉ. ए. नारायण, निदेशक,

ख) डॉ. के. भारती, अनु.अधि. (आयु.),

ग) डॉ. बी. वेंक्टेश्वरलू अनुसंधान अधिकारी (आयु.),

घ) डॉ. टी. साकेत राम, अनु.अधि. (आयु.)

6-5 ykdnkok dk iy[khdj.k@,y-,p-Vh-

प्रतिवेदन अवधि के दौरान चिकित्सा प्रजाति वानस्पतिक सर्वेक्षण एवं आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के तहत 398 लोक प्रचलित दावों पर सूचनाओं को देश के विभिन्न आदिवासी व वन क्षेत्रों के पारंपरिक स्वास्थ्य दाताओं एवं जन सामान्य से संकलित किया गया तत्पश्चात उनका प्रलेखीकरण किया गया। (तालिका 44 एवं 45)

rkfydk&44% चिकित्सान प्रजाति वानस्पमतिक सर्वेक्षण के द्वारा संकलित लोक दावों/एलएचटी का विवरण

Ø-l-	lLFkku dk uke	ykd nko ldfyr
1.	एनएडीआरआई, बंगलुरू	81
2.	एनवीएआरआई, झांसी	114
3.	आरआरआईएचएफ,ताड़ीखेत	16
4.	एनईआईएआरआई,गुवाहाटी	41
5.	एआरआरआई, ईटानगर	11
d|y ;kx		**263**

rkfydk & 45% आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना द्वारा संकलित लोक दावों/एलएचटी का विवरण

Ø-l-	lLFkku dk uke	ykd nko ldfyr
1.	एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर	12
2.	एएमएचआरआई, नागपुर	17
3.	एआरआरआई, पटना	10
4.	एनईआईएआरआई, गुवाहाटी	13
5.	एआरआरआई, ईटानगर	10
6.	एटीएचसीआरपी, पोर्ट ब्लेवयर	17
7.	एन.आर.आई.ए.डी.डी., भुबनेश्वर	4
8.	एन.आर.आई.ए.डी.डी., कोलकाता	5
9.	ए.सी.आर.आई., जयपुर	10
10.	एन.ए.आर.आई.वी.बी.डी., विजयवाड़ा	10
11.	एनएडीआरआई, बंगलुरू	15
12.	एआरआरआई, गंगटोक	10
13.	ए.एल.आर.सी.ए., चेन्नई	7
d|y ;kx		**140**

6-6 'kks/k i=%

During the reporting year 152 research papers published in Journal's Bulletin, 21 paper published in conference procedings souveniers and 8 Books and technical Reports etc. were published.

rkfydk& 46% पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों का विवरण

Ø- l-	ys[kd dk uke	i= dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B l[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
d-	unkfud ekfyd vuqla/kku			
1.	रेड्डी आर.जी., मंगल ए., जाधव ए.डी., वैंकटेशवरलू जी.	ए क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक फॉरमूलेशन्स इन द मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श (हैमेरॉइडस)	जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं सिद्धा (जे.आर.ए.एस.) खण्ड– 32 (3–4), जुलाई – दिसम्बर, 2011. पृ.सं. 31–46	अप्रैल, 2014
2.	रेड्डी आर.जी.	ए क्लीनिकल स्टडी ऑन द इफैक्ट ऑफ क्षीरबला आवर्तित नस्य कर्म इन कार्पल टनल सिन्ड्रोम	जे.आर.ए.एस.) खण्ड– XXXII, अंक 3–4, जुला. ई – दिसम्बर 2011 पृ.सं. 79–86	अप्रैल, 2014
3.	पान्डा ए.के., दास डी. एवं हज़रा जे.	आयुर्वेदिक रिजिम इन हेमरे. जिक ओवेरियन सिस्ट विदाउट पेरिटोनियल ब्लीडिंग: अ केस रिपोर्ट	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ होम्योपैथी एवं आयुर्वेदिक मैडिसिन 2014, खण्ड– 3, संख्या 4–1000164, आइ.एस.एस.एन. :2167–1206.	29 जुलाई, 2014
4.	देवनाथ एस.के., दास एस.सी. एवं व्यास गौरंग जे.	क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ आमवात (रियूमेटयोइडआर्थराइटिस) विद नैचुरोपैथी मैनेजमेन्ट	आयुरफार्म– इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं अलाइड सा. इन्सिस खण्ड–3 (5), पृ.सं. 142 – 149	28 मई, 2014.
5.	रेड्डी आर.जी.	क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ आयुर्वेदिक ड्रग्स (समीरपन्नाग रस+वर्धमानपिप्पली क्षीरपाक) इन द मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात (रियूमेटयोइडआर्थराइटिस)	जे.आर.ए.एस., खण्ड– XXXII, सं. 1–2, जनवरी–जून 2011. पृ.सं. 59–72	मई 2014
6.	मंगल ए.	क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ आयुर्वेदिक ड्रग्स इन द मैनेजमेन्ट ऑफ मनोद्वेग (ऐन्ज़ाइटी न्यूरोसिस)	जे.आर.ए.एस	जनवरी–मार्च 2015
7.	मखीजा डी. एवं मखीजा पी.	क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक फ़ोर्मूलेशन्स इन द मैने. जमेन्ट ऑफ मेन्टल रिटार्डेशन	जी.जे.आर.एम.आइ. खण्ड– 4, अंक– 2	फरवरी– 2015
8.	बारीक एल.डी. एवं हज़रा जे.	क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ कल. ़पारा सेक चिकित्सा इन फ्रेक्चर पेशेन्ट	इन्टरनैशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल आइ.एस.एस.एन. 23205091	2014

Øe- l-	ys[kd dk uke	isij dk 'kh"kZd	if=dk dk uke] vad] i"B l[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
9.	शर्मा ए.के. एवं सिंह एच.	क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ द हाइपोलिपिडिमिक इफेक्टस ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक हर्बल ड्रग्स इन पेशेन्टस ऑफ मेदा. रोग (ओबेसिटी)डल्यू. एस. आर. टू डिसलिपीडिमिया	जे.आर.ए.एस खण्ड– XXXII सं. 3–4, पृ.सं. 47–66, जुलाई – दिसम्बर 2011	अप्रैल, 2014
10.	देबनाथ एस.के. एवं व्यास एस.एन.	क्लीनिकल स्टडी ऑन आमवात (रियूमेटयोइडआर्थराइटिस) विद सिंहनाद गुग्गुल शतपुष्पादि लेप	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मैडिसिन, खण्ड– 5(1), पृ.सं. 70–75	मार्च–अप्रैल, 2014.
11.	देबनाथ एस.के., शौ बी.पी. एवं जना बी.सी.	क्लीनिकल स्टडी ऑन विरेचन कर्म (इन्ड–यूस्ड. परगेशन) इन द मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात (रियूमेटयोइडआर्थराइटिस)	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एवं हर्बल मैडिसिन, खण्ड– 5(1), पृ.सं. 1678–1682	जनवरी–फरवरी, 2015.
12.	देवनाथ एस.के., दाश एस.सी. एवं व्यास गौरंग जे.	कमपेरेटिव क्लीनिकल इवैल्यूएशन ऑफ आमवात (रियूमेटयोइडआर्थराइटिस) विद योगा थैरेपी एवं नैचुरोपैथी मैनेजमेन्ट	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं आल्टर्नेटिव मैडिसिन, खण्ड– 2 (5), पृ.सं. 28–35.	28 नवम्बर, 2014.
13.	शर्मा एस.	कमपेरेटिव स्टडी ऑन द ऐफिकेसी ऑफ लघुमंजिष्ठादि क्वाथ एण्ड करवीर्यादि तैल इन द मैनेजमेन्ट ऑफ सोरिएसिस– एन ऑटोइम्यून डिजिज़	ऑटोइम्यून डिसआर्डरस आयुर्वेदिक थैरेपिस एवं मैनेजमेन्ट, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ द्वारा पब्लिशड़, पृ.सं. 89–104	मार्च, 2015
14.	साहु एस. , सुधाकर डी.,तिवारी एस.के., राव बी.सी.एस., गुप्ता एच.के. एवं रमना जी.वी.	इफेक्ट ऑफ ब्राह्मयादि योग इन द मैनेजमेन्ट ऑफ मनोद्वेग (जी.ए.डी.) एक क्लीनिकल स्टेडी	आर्यवैद्यन, खण्ड– XXVII, छव. 4, पृ.सं. 228–233	मई–जुलाई 2014
15.	प्रसाद जी.पी., अमरनाथ, बाबू जी. लक्ष्मी वी.एन., महेश्वर टी., साई प्रसाद ए.जे. वी. एवं स्वामी जी.के.	इफेक्ट ऑफ एक्सटर्नल एप्लीकेशन ऑफ अष्टमूलिका तैल इन द सिमप्टोमेटिक ट्रीटमेन्ट ऑफ श्लीपद (फाइलेरियेसिस)	जे.आर.ए.एस खण्ड– XXXII, सं. 3–4, पृ.सं. 115–130, दिसम्बर, 2011	अप्रैल, 2014
16.	रावते आर.के., दीक्षित ए.के., मित्रा ए., हज़रा जे. एवं शर्मा एल.	इवैल्यूएशन ऑफ द एफिकेसी ऑफ अविपत्तिकर चूर्ण इन द मैनेजमेन्ट ऑफ अम्लपित्त	यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एवं फारमास्यूटिकल साइन्सिसः खण्ड 2, अंक 2, 2015, पृष्ठ सं. 245–252	2015

Ø- l-	y[kd dk uke	iij dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vd] i"B l[;k] bR;kfn	idk'ku dh frFk
17.	जैन ए.के., शाण्डिल्य एम.के. एवं शर्मा ओ.पी.	मधुमेह रोग (डायबिटिसमेलाइटस) पर करीरादि चूर्ण (कल्पितयोग) एवं पंचतिक्त निरूह बस्ति की कार्मुकता का चिकित्सात्मक अध्ययन	जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं सिद्धा, खण्ड– XXXII सं. 3–4, जुलाई–दिसम्बर 2011	अप्रैल, 2014
18.	राव बी.सी.एस. एवं साहू एस.	महापंचगव्य घृत एवं ज्योतिष्मती तैल इन द मैनेजमेन्ट ऑफ विषाद (डिप्रेशन)– एक पायलट स्टडी	आर्यवैद्यन, खण्ड–XXXVII. सं. 3, पृष्ठ सं. 145–149	फरवरी– अप्रैल, 2014
19.	देवनाथ एस.के.,दास एस.सी. एवं व्यास गौरंग जे.	मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात (रियूमेटयोइडआर्थराइटिस) विद योगा थैरेपी	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं फार्मा रिसर्च, खण्ड –2 (5), पृष्ठ सं. 16–21.	19 सितम्बर, 2014.
20.	पाण्डा ए.के., दास डी., दीक्षित ए.के. एवं हज़रा जे.	रैपिड क्लीरेन्स ऑफ HBsAg एवं लिवर ट्रांसअमीनेज इन हैपेटाइटिस–बी इन्फैक्शन विद क्ला. सिकल आयुर्वेदिक फार्मूलेशनः केस स्टडी	एशियन जर्नल ऑफ फायटोमेडिसिन एवं क्लिनिकल रिसर्च–3(1), 2015, 1 – 5. आइ. एस.एस.एनः 2321–0915	2015
21.	गुंडेती एम.एस. एवं रेड्डी आर.जी.	सबक्यूटेनियस इन्ट्रालिज़नल क्षारोदक इन्जेक्शनः ए नोवल ट्रीटमेन्ट फॉर द मैनेजमेन्ट ऑफ वॉर्टस ए केस सिरीज़	जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं इन्टिग्रेटिव मेडिसन 2014 अक्टूबर– दिसम्बर 5(4): 236–240.	दिसम्बर, 2014
22.	मारलेवर एस.एस.	द क्लीनिकल स्टडी ऑफ मूषकादि तैल पिचु धारण (टैम्पून ऑफ ऑयल) इन गर्भाशय भ्रंश (यूटराइनप्रोलेप्स)	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एवं फारमास्यूटिकल रिसर्च (आइ.जे. बी.पी.आर.) 2014:5(3):270–274	अप्रैल, 2014
[k- LokLF; n[kHkky vul/kku vkj ykd fpfdRlk				
1.	देवी के. प्रमीला एवं श्रीनिवास पी.	कम्परेटिव स्टडी ऑन द क्लीनिकल इवेल्यूएशन एण्ड एफिकेसी ऑफ सलेक्टिव हर्बो–मिनिरल फार्मूलेशन्स इन विषम ज्वर	आयुरफार्म– इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं अलाइड साइन्सिस खण्ड–3, सं. 8 (2014) पृष्ठ सं. 222–229 आइ.एस.एस. एनः 2278–4772	10 अगस्त, 2014
2.	रसले पी. एल., शेखर यू.आर. एवं सूर्यवंशी एम.एन.	ए क्रिटिकल अप्रेज़ल ऑफ भग्न (फ्रेक्चटर)एवं इट्स मैनेजमेन्ट इन एन्शेन्ट इण्डियन सर्जरी	जर्नल ऑफ आयुष (2014) 52–61 एस.टी.एम. जर्नल्स 2014. खण्ड – 4, अंक– 1, आइ.एस. एस.एनः 2278–2214	अप्रैल, 2014

Ø- l-	y[kd dk uke	iij dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vd] i"B l[;k] bR;kfn	idk'ku dh frFk
3.	बोरा एम. एवं तिवारी आर.के.	ए रिव्यू ऑन ऐथेनो–वेटेनरी प्रैक्टि. सिस इन इण्डिया	इण्डियन जर्नल ऑफ डेवलपमेन्ट रिसर्च एवं सोशल एक्शन 10 (1–2), 165–175. (आइ.एस.एस. एन सं. 0973–3116).	जनवरी–दिसम्बर, 2014
4.	मखीजा डी. एवं मखीजा पी.	स्टडी ऑन धातु सारता इन मैन्टली रिटार्डिड चिल्ड्रन	जी.जे.आर.एम.आइ., खण्ड 4, अंक–3	मार्च, 2015
5.	रामाकृष्ण बी.आर., किशोर के. आर., विद्या वी., नागरथ आर., एवं नागेन्द्र एच.आर.	ए सर्वे ऑन द नीड फॉर डेवलपिंग एन आयुर्वेदा बेस्ड पर्सनेलिटी (त्रिदोषप्रकृति) इन्वेन्टरी	जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं होलि. स्टिक मेडिसिन (जे.ए.एच.एम.). 2014; 2(7):8–13.	अगस्त, 2014
6.	पण्डा ए.के.	आयुर्वेदा ट्रीटमेन्ट आउटकम्स फॉर आस्टियोआर्थराइटिस	जर्नल ऑफ होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक मेडिसिन 3: इ115. डी.ओ.आइ. : 10.4172/2167–1206.1000ई115	2015
7.	साहू डी.एस.	क्लीनिकल इम्पोर्टेन्स ऑफ द मोड्यूल ऑफ द थेरेप्यूटिक अप्लीकेबिलिटी ऑफ द एन्टी ओबेसिटी ड्रग्स मेन्शन्ड इन भावप्रकाश	योगायुर्वेदा 2013, पृष्ठ सं. 17	2014
8.	रमना जी.वी.	इफेक्ट ऑफ स्लम्प स्ट्रेचिंग फॉर द मैनेजमेन्ट ऑफ नॉन–रेडिक्यूलर लो बैक पेन अमन्ग एन्ज़ाइटी न्यूरोसिस पेशेन्टस	इण्डियन जर्नल ऑफ फिजिकल थैरपी, खण्ड–2, अंक– 2 पृष्ठ सं. 61–65	जुलाई – दिसम्बर 2014
9.	मखीजा डी. एवं मखीजा पी.	एफिकेसी ऑफ आयुर्वेदिक मेडि. सिन्स ऑन मेन्टल हेल्थ	आइ.एस.आर.जे., खण्ड–5, अंक–1	फरवरी, 2015
10.	नंदा,जी.सी.	एथिक्स बीइंग ह्यूमन फ्रोम द पेजिस ऑफ चरक	स्वस्थविलास (आइ.एस.एस.एन सं. 2320–4656)	2014
11.	रामकृष्ण बी. आर. , किशोर, के.आर., विद्या वी., नागरथ आर. एवं नागेन्द्र एच.आर.	हेल्दी लाइफ– स्टाइल प्रिस्क्रिप्शन्स फॉर डिफ्रेन्ट पर्सनेलिटी टाइप्स (त्रिदोषप्रकृति)	जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं होलि. स्टिक मेडिसिन (जे.एए.एच.एम.); 2014; 1(2):17–23.	अगस्त, 2014
12.	दास बी.	रसायन थैरेपी इन भावप्रकाश	योग आयुर्वेद 2013, पृष्ठ सं. 45	2014

Ø- la-	ys[kd dk uke	isij dk 'kh"kZd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
x½ æ0; x|.k] fpfdRlk& okuLifrd lo{k.k ,oa —f"kdj.k				
1.	पायम टी., दास ए.डी. एवं रमा शंकर	99 सलेक्टिड फोक मेडिसिनल प्लान्टस ऑफ इस्ट सियांग डिस्ट्रक्ट ऑफ अरूणाचल प्रदेश, भारत	अमेरिकन जर्नल ऑफ फार्माटेक्नोलोजी रिसर्च खण्ड– 5(1): पृष्ठ सं. 399–409.	फरवरी, 2015
2.	जाधव ए.डी.	ए रिव्यू ऑन हिपटेज बेन्गलेन्सिस (माधवविलाट) यूस्ड एज़ ऑन आयुर्वेदिक ड्रग	एशियन जर्नल ऑफ फार्मा एवं टैक. 04(1):28–31.	2014
3.	शुभाश्री एम. एन., शान्ता टी.आर., रामाराव वी., रेड्डी एम.पी. एण्ड वेंकटेश्वरलु जी.	ए रिव्यू ऑन थैरेप्यूटिक यूजिज ऑफ फ्लावरज़ एज़ डेपिक्टिड इन क्लासिकल टैक्स्ट ऑफ आयुर्वेदा एवं सिद्धा	जर्नल ऑफ रिसर्च एवं एज्यूकेशनइन इण्डियन मेडिसिन, खण्ड– 21, (4):1–14.	जनवरी–मार्च, 2015
4.	नंदा, जी.सी. एवं साहू डी.एस.	एनालिटिकल स्क्रीनिंग ऑफ मेहघ्न एवं प्रमेहघ्न ब्रान्च ऑफ भावप्रकाश विद स्पेशल रेफरेन्स टू एन्टी डायबिटिक स्टडीज़	एक्टा बॉयोमेडिक साइन्टिआ (ए.बी.एस.) (आइ.एस.एस.एन सं. 2348–215X), खण्ड– 1(2); 84–92.	2014
5.	नंदा जी.सी., साहू डी.एस. एवं अन्य	एनालिटिकल स्क्रीनिंग ऑफ मेहघ्न एवं प्रमेहघ्न प्लान्टस ऑफ भावप्रकाश विद स्पेशल रेफरेन्स टू एन्टी डायबिटिक स्टडीज़	इण्डियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइन्स एवं रिसर्च इ–आइ.एस.एस.एन–2348–2168, पृ.सं.– 98	जुलाई– 2014
6.	साई प्रसाद ए.जे.वी.	एनालिटिकल स्टडी ऑफ हायड्रोलिक एक्सट्रैक्ट ऑफ कुष्ठ (ससूरिआ लप्पा सी.बी. क्लाक) रूट	पुनर्नव–पीअर रिव्यूड इन्टरनेशनल जर्नल, खण्ड– 2, अंकः 2, मार्च–अप्रैलः 2014	मार्च–अप्रैलः मार्च–अप्रैलः 2014
7.	सिद्धामलाया एन. नंदनी एन., रामाराव वी. एवं वेंकटेश्वरलु जी.	बायोडायवर्सिटी ऑफ आयुर्वेदिक कास्मेटिक प्लान्टस ऑफ बैंगलोर अर्बन	स्पीशिज़, 2015, खण्ड– 12(35), पृ.सं.– 92–96.	जनवरी, 2015
8.	प्रीति कुमारी, जोशी जी.सी.एवं तिवारी एल.एम.	बायोस्टेटिस्टिक्स ऑफ ट्रेडिश्नली यूज़्ड मेडिसिनलप्लान्टस ऑफ अलमोडा डिस्ट्रिक्ट, उत्तराखड	जर्नल ऑफ बायोडायवर्सिटी एवं इकोलौजी खण्ड– 2 (4)	अक्टूबर, 2014
9.	रमा शंकर, त्रिपाठी ए.के., एवं कुमार ए.	कन्ज़रवेशन ऑफ सम फार्मास्यूटिकली इम्पोर्टेन्ट मेडिसिनल प्लान्टस फ्रोम दिमापुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ नागालैण्ड	वर्ल्ड ऑफ जर्नल फार्मास्यूटिकली रिसर्च खण्ड– 3 (7) पृ.सं.– 856–871	अगस्त, 2014

Ø- l-	y[kd dk uke	i=j dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
10.	नंदिनी एन. एवं सिद्ध ामलाया एन.	कंजर्वेशन ऑफ वाइल्ड एण्ड कल्टीवेटिड फ्रूटस रिसोर्सिस ऑफ बैंगलोर अर्बन	स्पीसिस, 2015, खण्ड– 12(35), पृ.सं.– 87–91.	जनवरी, 2015
11.	मेहेर एस.के.	कन्ट्रीव्यूशन ऑफ भावप्रकाश टू द्रव्यगुण	योग आयुर्वेदा 2013, पृ.सं.– 66	2014
12.	रामाराव वी., सिद्धामलाया एन. काव्या एन., काव्या बी. एवं वेंकटेश्वरलु जी.	डायवर्सिटी एवं थैरेप्यूटिक पोटेन्शेलिटी ऑफ द फैमिली लेमीएसी इन कर्नाटक स्टेट, भारतः एन ओवरब्यू	स्पीसिस जर्नल खण्ड–13(37), पृ.सं.– 6–14	जनवरी, 2015
13.	सोफी एल.वी., कुसुमा जी. एवं परनी एम.	डी एन ए बारकोडिंग फॉर स्पीशिज़ आइडन्टिफिकेशन फ्रोम विद औथेन्टिकेशन ऑफ द रॉ ड्रग मार्किट सेम्पल्स ऑफ सिडा कॉरडिफोलिआ	जीन; 559(1), 86–93.	2015
14.	प्रशांत कुमार जी., सिद्धामलाया	डाक्यूमेन्टेशन ऑफ वाइल्ड प्लान्ट ट्यूबर्स एज़ फूड रिसोर्सिज़ इन हसन डिसट्रिक्ट, कर्नाटक	इन्टरनेशनल जर्नल अप्लाइड बॉयलोजी एवं फार्मास्यूटिकल टेक्नोजोजी	अप्रैल, 2014.
15.	तेमिन पयुम, सी. तमुली एम. हज़ारिका, ए.के. दास एवं रमा शंकर	ऐथेनो–बौटनी एवं एन्टी–आक्सीडेन्ट डिटर्मिनेशन ऑफ फोइबी कूपी. रिआना फ्रूट– ए हाइली यूटीलाइज्ड वाइल्ड फ्रूट इन अरूणाचल प्रदेश, भारत	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइन्स एवं रिसर्च खण्ड– 4(8): 3196–3201.	दिसम्बर– 2014
16.	लीला वी., इलावरसन आर.	आइडन्टिफिकेशन ऑफ वोलेटाइल कॉन्सटियूऐन्टस फ्रोम द फ्लावरस ऑफ अकेशिया निलोटिका लिन. थ्रू जी.सी.– एम.एस.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ बॉयलोजीकल एवं फार्मास्यूटिकल रिसर्च 2015; 6(2):105–109.	2015
17.	नंदा, जी.सी.	मेडिसिनल प्लान्टस फॉर जान्डिस एवं गॉल स्टोन इन फोक प्रेक्टिसिस इन असम	एन्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडि. सिन (आइ.एस.एस.एन. सं., 2277–4092), अप्रैल, 2014, खण्ड– 3(1); 36–41	2014
18.	प्रसाद जी.पी.	माइक्रोस्कोपिकल औब्सर्वेशन्स ऑन सिसस विटिजीनिया एल.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं फार्मा रिसर्च	मार्च, 2015
19.	पयुम टी., दास ए.के., तमुली सी. एवं रमा शंकर	न्यूट्रास्यूटिकल फोक फूड प्लान्टस यूज़्ड अमन्ग इन्डीजीनस पीपल ऑफ इस्ट सिआंग डिस्ट्रिक्ट ऑफ अरूणाचल प्रदेश	अमेरिकन जर्नल ऑफ फार्मा. टेक रिसर्च खण्ड– 4(4) पृ.सं.– 696–704.	अप्रैल, 2014

Ø- l-	ys[kd dk uke	isij dk 'kh"kZd	ikf=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	ikdk'ku dh frfFk
20.	काव्या एन, काव्या बी., रामाराव वी. किशोर कुमार आर. वेंकटेश्वरलु जी.	न्यूट्रिशनल एवं थैरेप्यूटिक यूजिज ऑफ मुद्ग [विग्ना रेडिआटा (एल.) आर.विल्सिज़ेक], ए पोटेन्शल इन्टरवेन्शनल डाईटरी कम्पोनेन्ट	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं फार्मेसी खण्ड–5(2): पृ.सं.– 238–241.	मार्च–अप्रैल, 2014.
21.	गोन्ड डी., बोरा एम. एवं तिवारी आर.के.	टेरिडोफायटिक मेडिसिनल प्लान्टस यूज़ड बॉय द गोन्ड ट्राइब ऑफ कोरबा डिस्ट्रिक्ट, छत्तीसगढ़, भारत	इण्डिया जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च 4 (10), 68–70. (आइ.एस.एस.एन. सं., 2249–555X).	अक्टूबर, 2014.
22.	नंदा जी.सी. एवं अन्य	स्क्रीनिंग ऑफ विषघ्न (एन्टीयटोक्सिक) प्लान्ट इनआयुर्वेदा	आइ.जे.पी.एस.आर., खण्ड–14(1) (आइ.एस.एस.एन. सं., 2248–9118).	2014
23.	रथ के.के., रंगसुंग डब्ल्यू, दत्त एस., जोसी जी.सी., हज़रा जे.	सम इम्पोर्टेन्ट हर्बेशियम मेडिसिनल फ्लोरा ऑफ अल्पाइन एवं सब–अल्पाइन इकोसिस्टम वैस्ट्रन हिमालय	अमेरिकन जर्नल ऑफ फार्मेसी एवं हेल्थ रिसर्च– 2014.2 (9):54–64; आइ.एस.एस.एन. : 2321–3647	2014
24.	भट्ट डी., कुमार आर., जोशी जी.सी. एवं तिवारी एल.एम.	सक्सीसिव वेरिएशन इन फायटोसोशियोलॉजिकल एस्पेक्टस एवं थ्रैट केटेगराइज़ेशन ऑफ पिक्रोराइज़ा कुर्रू रॉयल एक्स बैंथ, फ्रोम कुमायुं हिमालय ऑफ उत्तराखंड	जर्नल ऑफ मेडिसिन प्लान्ट रिसर्च खण्ड– 8(23) पृ.सं.– .829– 833	जुलाई, 2014
25.	पांडा पी.,दास बी., साहू डी.एस., मेहेर एस.के., दास बिकर्तन एवं नंदा जी.सी.	यूजिज़ ऑफ वाइटैक्स निगुण्डो लिन. (निर्गुण्डी) इन आयुर्वेदा एवं इट्स फार्माकोलोजिकल एवीडेन्सिस	रिसर्च जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी एवं फार्माकोडायनमिक्स; खण्ड – 6, अंक–3 (जुलाई– सितम्बॅर) पृ.–162–165, प्रिंट आइ.एस. एस.एन.: 0975–4407 ऑनलाइन आइ.एस.एस.एन. : 2321–5836	जुलाई– सि. तम्बर, 2014
26.	सिद्धामलाया एन., रामाराव वी., श्रीधर बी.एन. एवं . वेंकटेश्वरलु जी.	वेल्थ ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिनल प्लान्टस ऑफ मन्ध्या डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक	इण्डियन फॉरेस्टर, 2015, खण्ड–141(1), पृ.सं. : 83–98.	जनवरी, 2015
27.	नंदिनी एन. सिद्धामलाया एन., रामाराव वी., वेंकटेश्वरलु जी.	वाइल्ड वेजिटेबलस इन फूड सिक्योरिटी ऑफ ट्राइबल एवं रूरल पॉपुलेशन ऑफ कर्नाटक	जर्नल ऑफ सांइस (गैले. प्रूफ करेक्टिड ऑन 20 जनवरी, 2015).	मार्च, 2015

क्र. सं.	लेखक का नाम	पत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम, अंक, पृष्ठ संख्या, इत्यादि	प्रकाशन की तिथि
घ) औषधीय एवं भैषज अभिज्ञानीय अनुसंधान				
1.	शेखर नम्बूरी यू.आर., परवेज़ आर. एवं सूर्यवंशी एम.एन.	ए मैथड इन द प्रिप्रेशन ऑफ तीक्ष्ण क्षार एवं इट्स प्रैक्टिस इन हेमरॉइडस	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं फार्मेसी, खण्ड–5, अंक 3, आइ.एस.एस.एन. (प्रिंट) 2277–4343, आइ.एस.एस.एन. (ऑनलाइन) 2229–3566	मई–जून, 2014
2.	साई प्रसाद ए.जे.वी.	एनालिटिकल स्टैन्डर्डाइज़ेशन ऑफ आयुर्वेदिक फॉरमूलेशन–एक्वस एक्सट्रैक्टस ऑफ हेडीक्यिम स्पा. इकेटम हैम.एक्स. स्मिथ, ससूरिआ लप्पा सी.बी. क्लार्क, एमब्लिका ऑफिशिनेलिस गिर्टन एवं कर्कूमा लोंगा लिन.	जर्नल ऑफ एडवान्सड फार्मेसी एज्यूकेशन एवं रिसर्च 2014: 4(2): 221–28	अप्रैल–जनवरी 2014
3.	साहू एस. एवं राव बी.सी.एस.	एनालिटिकल स्टडी ऑफ ब्राह्मी घृत	रिसर्च जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी एवं फार्माकोडायनमिक्स खण्ड–6 (4), पृ.सं.– 193–196	अक्टूबर– दिसम्बर, 2014
4.	पन्डा पी.	कनट्रीब्यूशन ऑफ भावप्रकाश टू आयुर्वेद फार्मास्यूटिक्स	योग आयुर्वेद 2013, पृ.सं.– 41	2014
5.	आर.के. मुखर्जी के., भद्रा एस.ए मित्रा ए. मुखर्जी पी.के.	सायटोक्रोम पी 450 इन्हीबिटरी पोटेन्शयल एवं आर.पी.– एच.पी.एल. सी.स्टेन्डर्डाइजेशन ऑफ त्रिकटु– ए रसायन फ्रोम इण्डियन आयुर्वेदा	जर्नल ऑफ ऐथनोफार्माकोलॉजी, जे.इ.पी.8679, खण्ड– 153, अंक 3, पृ.सं.– 674–681	14 मई, 2014
6.	सरकार बी., मनीष देवगन, वाइ. चौधरी ए. एवं रामैया एम.	फॉरमूलेशन एवं इवेल्यूएशन ऑफ हर्बल जैल कन्टेनिंग एक्सट्रेक्ट ऑफ सैड्रस देवदारू	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एवं केमिकल सांइस, खण्ड– 4(1), पृ.सं.– 67–70	जनवरी–मार्च 2015
7.	मीरा देवी श्री पी. अरूल सेल्वल सी., इलावरसन आर.	मॉर्फोलॉजिकल एवं एनाटॉमिकल स्टडीज़ ऑन औरनामेन्टल फ्लावरज़ ऑफ प्यूनिका ग्रेनेटम लिन.	जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एवं साइंटिफिक इनोवेशन, 2015; 4(1):44–51.	2015
8.	शांता टी.आर., शुभाश्री एम.एन., प्रताप रेड्डी एम., वेंकटेश्वरलु जी.	फार्माकोग्नोस्टिक एवं फिजियोकेमिकल इवेल्यूएशन ऑफ द डिफ्रेन्ट वेराइटीज ऑफ सेसमम इण्डिकम एल. कमपेरिटिव स्टडी	रिसर्च जर्नल ऑफ फार्माकाग्नोसी एवं फायटो–केमिस्ट्री (आर. जे. पी.पी.) खण्ड– 6 (2): 99–106, 2014.	जून, 2014

Ø- l-	y[kd dk uke	i=j dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"Bla[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
9.	रंगसुंग डब्ल्यू, दत्त एस., मंडल डी.एन., रथ के.के. एवं हज़रा जे.	फार्माकोग्नोस्टिकल एवं फायटोकेमिकल स्टडी ऑन द स्टेम ऑफ एफिड्रा गिरार्डिआना	जर्नल ऑफ इन्टरनेशनल रिसर्च इन मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल साइंस, खण्ड– 2, अंक–3	2014
10.	मानवलन पी., गोपाल वी., प्रदीप डी. रेड्डी यू., नार्टूनाइ जी. एवं रामासमी डी.	फार्माकोग्नोस्टिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ ए पॉलीहर्बल सिद्धा फार्मूलेशन– नीरिजिवु चूर्णम्	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ फायटोफार्मेसी रिसर्च 2014; 5(2)116–121.	2014
11.	रंगसुंग डब्ल्यू, दत्त एस., मंडल डी.एन., रथ के.के. एवं हज़रा जे.	फार्माकोग्नोस्टिकल प्रोफाइलिंग ऑन द रूट ऑफ रॉवल्फिआ सर्पेन्टिना	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ फार्माकोग्नोस्टिकल एवं फायटोकेमिकल रिसर्च 2014. 6(3):612–616 आइ.एस.एस.एन.: 0975–4873	सितम्बर– नवम्बर, 2014
12.	वनमाला वी. बिराजदार, अर्चना जी. महासे, गौरव ए. एम. एवं मूर्ति एस. एन	प्रिलिमनरी फार्माकोग्नोस्टिक एवं फायटोकेनिकल स्टैण्डर्डाइज़ेशन ऑफ धतकी वुडफॉर्डिया फ्रक्टिकोसा (एल.) कुजऱ्., पत्र	एन इन्टरनैशनल क्वार्टरली जर्नल ऑफ आयुर्वेदा 2015. 35 (3): 309– 316.	मार्च, 2015
13.	ओटा एस.पी.	प्रिपरेशन, स्टैण्डर्डाइज़ेशन एवं क्लीनिकल इवेल्यूएशन ऑफ क्षारसूत्र	ग्लिटर्स ऑफ आयुर्वेदा मे. डिकल जर्नल, खण्ड–1, अंक–1 पृ.सं.–10–16	जनवरी–मार्च, 2015
14.	महेश्वर टी.	स्टैण्डर्डाइज़ेशन ऑफ श्वासारि वटी विद रेफ्रेन्स टू गैस क्रोमेटोग्राफी, स्कैनिंग, इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप एवं इ.डी.ए.एक्स	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं फार्मेसी	मार्च–अप्रैल, 2014
15.	महेश्वर टी.	श्वासारि वटी– ए हर्बो मिनिरल कम्पाउण्ड– एन एनालिटिकल स्टडी	आर्यवैद्यन खण्ड– XXVII, सं. 4	मई–जुलाई, 2014
3½ jklk;fud ,oa Hks"kt x.k foKkuh; vuqla/kku				
1.	वर्मा एस.सी., वशिष्ठ इ., सिंह आर., पंत पी. एवं पाढ़ी एम.एम.	ए रिव्यू ऑन फायटो– केमिस्ट्री एवं फार्माकॉलोजिकल एक्टीविटी ऑफ पार्टस ऑफ म्यूक्यूना प्रुरिन्स यूज़्ड एज़ एन आयुर्वेदिक मेडिसिन	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी रिसर्च, 2015,3(5),138–158	2015

Ø- l-	y[kd dk uke	i=j dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
2.	श्रीवास्तव बी., शर्मा एच., डे वाए.एन., वंजरी एम.एम. एवं जाधव ए.डी.	अल्हगी स्युअल्हगी– ए रिव्यू ऑफ इट्स फायटोकेमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी, फोकलोर क्लेमस एवं आयुर्वेदिक स्टडीज़	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ हर्बल मेडिसिन 2(2):47–51.	2014
3.	संजय कुमार वाए. आर., जया एन., शशिकला सी.के.	एनलजेसिक, एन्टीपायरेटिक एवं एन्टी इन्फ्लामेटरी इफेक्ट ऑफ सिसिम्ब्रियम आइरियो लिन. सीडस	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं सिद्धा (2012–13), खण्ड– XXXIII-XXXIV (1–4), पृ.सं.– 31–42.	दिसम्बर, 2014
4.	सिह ए., राघव पी., द्विवेदी बी., सिंह आर. , पंत पी. एवं पाढ़ी एम.एम.	असैस्मेन्ट ऑफ हीटिंग इफेक्ट ऑन केमिकल कन्सटीटूएन्टस ऑफ मसटर्ड ऑयल थ्रू एच. पी. टी. एल. सी. प्रोफाइलिंग	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च खण्ड– 3 (9),1027–31.	2014
5.	लोहनी एन., तिवारी जी., जोशी, जी.सी., एल.एम. चन्द्र जे. एवं किशोर के.	कम्पेरेटिव फायटोकेमिकल एनालिसिस ऑफ वाइल्ड एवं कल्टीवेटिड राइज़ोमस ऑफ हेडिकियम स्पाइकेटम बुच.– हेम. ऑफ नार्थ वेस्ट हिमालय	जर्नल ऑफ इण्डियन केमिकल सोसाइटी खण्ड–92, पृ.सं.– 105–109	जनवरी, 2015
6.	वर्मा एस.सी., सुभानी एस ., वशिष्ठ इ., सिंह आर., पंत पी., पाढ़ी एम.एम. एवं कुमार ए.	कम्पेरेटिव फाइटोकेमिकल स्टडी ऑफ हार्टवुड वर्सिस स्माल ब्रान्चिज़ ऑफ डल्बर्गिआ सिसु लिन. यूसिंग एच. पी. टी. एल. सी. –यू.. वी. डिटेक्शन मैथड	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एवं फार्मास्यूटिकल साइंसिस, 2015, खण्ड– 4, अंक 4, 766–778.	3 मार्च, 2015
7.	वर्मा एस.सी., सुभानी एस., वशिष्ठ इ., सिंह आर., पंत पी.,पाढ़ी एम.एम. एवं कुमार ए.	कम्पेरेटिव फाइटोकेमिकल स्टडी ऑफ रूटस वर्सिस स्माल ब्रान्चिज़ ऑफ वाइटैक्स निगुण्डो एल. यूसिंग हाई परफोरमेन्स थिन लेयर क्रोमेटोग्राफिक अल्ट्रा– वायलेट डिटेक्शन मैथड	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एवं फार्मास्यूटिकल साइंसिस, 2015, खण्ड– 4, अंक 2, 1373–1383.	19 जनवरी, 2015
8.	वर्मा एस.सी., वशिष्ट ई., एस. सुभानी, सिंह आर., पंत पी., पाढ़ी एम. एम. एवं कुमार ए.	कम्परेटिव फाइटोकेमिकल स्टडी ऑफ स्टेम बार्क वर्सेस स्माल ब्रान्चेज ऑफ केसिआ फिस्टुला एल. यूजिंग हाई पर परफोरमेन्स थिन लेयर क्रोमेटोग्राफी अल्ट्रा वायलेट डिटेक्शन मेथड।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉरमेसी एवं फार्मास्यूटीकल्स सांईस, 2015, खण्ड 4, अक 3, 1910–1920	26 फरवरी, 2015

Ø- l-	y[kd dk uke	isij dk 'kh"kZd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
9.	वर्मा एस.सी., वशिष्ट ई., एस. सुभानी, सिंह आर., पंत पी., पाढ़ी एम. एम. एवं कुमार ए.	कम्परेटिव फाइटोकेमिकल स्टडी ऑफ स्टेम बार्क वर्सेस स्माल ब्रान्चेज ऑफ बोम्बेक्स सीइबा लिन. यूजिंग एच. पी.टी.एल.सी– यू बी डिटेक्शन मेथड।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉरमेसी एवं फार्मास्यूटीकल्स सांईस, 2015, खण्ड 4, अक 4, 912–922	11 मार्च, 2015
10.	वर्मा एस.सी., वशिष्ट ई., एस. सुभानी, सिंह आर., पंत पी., पाढ़ी एम. एम. एवं कुमार ए.	कम्परेटिव फाइटोकेमिकल स्टडी ऑफ स्टेम बार्क वर्सेस स्माल ब्रा. न्चेज ऑफ बूटिआ मोनोस्पर्मा लेम. यूजिंग हाई पर परफोरमेन्स थिन लेयर क्रोमेटोग्राफी अल्ट्रा वायलेट डिटेक्शन मेथड।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉरमेसी एवं फार्मास्यूटीकल्स सांईस, 2015, खण्ड 4, अक 2, 1309–1320	11 जनवरी, 2015
11.	वर्मा एस.सी., वशिष्ट ई., एस. सुभानी, सिंह आर., पंत पी. एवं पाढ़ी एम. एम.	कम्परेटिव फाइटोकेमिकल स्टडी ऑफ स्टेम बार्क वर्सेस स्माल ब्रान्चेज ऑफ फाइकस रेलिजीओसा लिन. यूजिंग हाई पर परफोरमेन्स थिन लेयर क्रोमेटोग्राफी अल्ट्रा वायलेट डिटेक्शन मेथड।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉरमेसी एवं फार्मास्यूटीकल्स सांईस, 2015, खण्ड 3, अक 9, 1154–1162	11 अक्टूबर, 2015
12.	हाजरा के., चौधरी ए., देवगन एम., शुक्ला आर., सरकार बी., एवं सूर्यावंशी ए.	डवलपमेन्ट एवं वेलिडेशन ऑफ आर.पी.–एच.पी.एल.सी. मेथड फॉर एस्टीमेशन ऑफ रोजुवस्टेटिन कैलशियम सोलिड डिसपर्सन्स टेबलेट	एशिन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटीकल्स सांईस, 2015, खण्ड 4, अक 3, 122 – 125 e-ISSN 2231] –363X] Print ISSN 2231 –3621	2014
13.	वर्मा एस.सी.	डवलपमेन्ट ऑफ ए रेपिड सेपरेशन प्रोसेस फॉर करकुमिन फ्रोम करकूमा लोन्गा एल. राईजा. म्स एवं इट्सक्वांटीफिकेशन बाई एच.पी.एल.सी–पी.डी.ए	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉरमेसी एवं फार्मास्यूटीकल्स सांईस, 2015, खण्ड 3, अक 7, 752–761	11 जून, 2014
14.	चित्रा एस	इफेक्ट ऑफ फिश आयल ऑन एन्टीऑक्सीडेन्ट डिफेन्स इन रैट्स एक्सपोजड टू सिगरेट स्मोक	जर्नल ऑफ फार्मास्यूटीकल्स सांईस रिवयू एवं रिसर्च, 2015, 30(2) : 80–82	2015
15.	थामिज्ह सेल्वम एन., लिजि आई.वी., संजया कुमार वाई. आर., सनल गोपी, सी.जी., वसन्ताकुमार के.जी. एवं स्वामी जी.के.	इवेल्यूएशन ऑफ एन्टीऑक्सीडेन्ट एक्टीविटी ऑफ अवेरिआ बिलिम्बी लिन. फ्रूट ज्यूस इन पैरासीटामॉल इनटोक्सीकेटेड विस्टर एल्बिनो रैटॅस्	इनलिवनः टोक्सीकोलोजी एवं एलाइड क्लीनिकल फार्माकोलोजी मार्च 2015 खण्ड 1 अंक 1	मार्च 2015

Ø- l-	ys[kd dk uke	isij dk 'kh"kZd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
16.	दिवेदी बी., सिंह ए., मिश्रा एस., सिंह आर., पंत पी., ठाकुर एल.के. एवं पाढ़ी एम. एम.	इवैल्युएशन ऑफ फाइटोकेमिकल कौन्सटीट्युऐन्ट्स् बाई गैस क्रोमेटोग्राफी–मास स्पेट्रोस्कॉपी एवं एच.पी.टी.एल.सी. ऑफ केलोट्रोपिस प्रोसेरा	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉरमेसी फार्मास्यूटीकल्स रिसर्च, खण्ड 3, अक 7, 708 – 715	2014
17.	साहू एम., बरिक एल. डी., श्रीवास्तव एस. के., दिवेदी यू.एस., मिश्रा एस.पी. एवं बनर्जी ए.जी.	एक्सपैरीमेन्टल इवैल्युएशन ऑफ एन आयुर्वेदिक ड्रग ऑन डिससोल्युशन ऑफ इनक्रसटेशन	अमेरिकन जर्नल ऑफ फार्मेसी एवं हेल्थ रिसर्च खण्ड 2, अक 7, 708–715 आइ.एस.एस.एन.: 2321–3647 (ऑनलाइन)	जुलाई, 2014
18.	सरकार बी., वाई अनकमा चौधरी, देवगन एम., रमियाह एम., शुक्ला एस. एवं सूर्यावंशी ए.	फार्मूलेशन एवं एस्टीमेशन ऑफ पाइपरीन बाय यू.वी. स्पेकट्रोफोटोमैट्रिक मेथड इन हर्बल फार्मूलेशन कनकासव	इनोवेशनस इन फार्मेसी प्लैनट (आई पी–प्लैनट) खण्ड 2, अंक 2, 115–117	2014
19.	सिंह एस., देवगन एम., वाई अनकमा चौधरी, सरकार बी. के., एस.एम.ए. हक़ एवं एक्स. फातिमा ग्रेस	फार्मूलेशन एवं इवेल्युशन ऑफ हर्बल क्रीम कन्टेनिंग एक्सट्रेक्ट ऑफ एमेरन्थेस ट्रीकलर लिन.	जर्नल ऑफ एप्लाईड सांईस एवं रिसर्च, खण्ड 3, अंक 1, 27–30	2015
20.	सरकार बी., रमियाह एम., वाई अनकमा चौधरी, देवगन एम., वैशाली के.एम., सिंह ए. एवं रूचिका	फार्मूलेशन एवं इन–विटरो रेडिकल स्कैवेनजिंग इवैल्युएशन ऑफ हर्बल टैबलेट ऑफ सेस्बनिया ग्रेडीफ्लोरा	इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटीकल्स एवं कैमिकल सांईसिस, खण्ड 4, अंक 1, 82–85	जनवरी– मार्च, 2015
21.	सरकार बी.के., हाज़रा के., देवगन एम. एवं रमियाह एम.	फार्मूलेशन इवैल्युएशन एवं एनालाएटिकल क्वांनटिफिकेशन ऑफ टेन्टोप्रेजोल	जर्नल ऑफ नोवल रिसर्च इन फार्मेसी एवं टेक्नोलोजी खण्ड 1, अंक 1, 1–4	जनवरी– अप्रैल 2014
22.	थामिज्ह सेल्वम एन., शान्ति पी.एस., संजया कुमार वाई. आर., वेन्युगोपालन टी.एन.., वसन्ताकुमार के.जी. एवं स्वामी जी.के.	हिपैटोप्रोटेक्टिव एक्टीविटी ऑफ एवरहिया बिलिम्बी फ्रूट इन एक्टामा. इनोफेन इन्ड्यूज़्ड हिपैटो टोक्सी. सिटी इन विस्टर एल्बिनो रैट्स	जर्नल ऑफ कैमिकल एवं फार्मास्यूटीकल्स रिसर्च 2015, 7,(1) 535–540 आइ.एस.एस.एन.: 0975–7384, कोडन (यू.एएस.ए.) : जे.सी.पी.आर.सी.5	2015

Ø- l-	y[kd dk uke	i=j dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
23.	सिंह ए., राघव पी., दिवेदी बी., सिंह आर. , पंत पी. एवं पाढ़ी एम. एम.	पैरेलल क्वान्टिटेटिव ऐस्टिमेशन ऑफ गैलिक एसिड इन एक्वस ऐक्सट्रेक्ट ऑफ एम्बलिका ऑफशिनेलिस एवं पॉली–हर्बल डोसेज फ्रॉम (कैप्सूंल) बॉय एच.पी. टी.एल. टू ऑथैन्टीकेट द रेशो ऑफ दिस इन्ग्रीडिएन्ट द रेशो ऑफ दिस इन्ग्रीडिएन्ट डिलीवर्ड टू द फाइनल फार्मूलेशन	आई.जे.पी.टी 6(4), 7726–7734	2015
24.	सिंह ए., राघव पी., दिवेदी बी., सिंह आर. , पंत पी. एवं पाढ़ी एम. एम.	पैरेलल क्वान्टिटेटिव ऐस्टिमेशन ऑफ गैलिक एसिड इन एक्वस ऐक्सट्रेक्ट ऑफ एम्बलिका ऑफशिनेलिस एवं पॉली–हर्बल डोसेज फ्रॉम (कैप्सूंल)आर.पी.– एच. पी.एल.सी. टू असर्टेन द ऑथेन्टीसिटी ऑफ दिस इन्ग्रीडिएन्ट इन द डेवलप्ड फार्मूलेशन	वर्ल्ड जर्नल फार्मास्यूटीकल्स रिसर्च खण्ड 4, अंक 4, 734–742	2015
25.	मर्सी लावण्या एस., ग्नानामानी ए. एंड इलावारासन आर .	फाईटोकैमिकल एवं प्रफोरमेन्स थिन लेयर क्रोमेटोग्राफी एनालाइसिस ऑफ द व्होल प्लान्ट ऑफ ओर्थो. सिफोन थिमफ्लोरस (रोथ) स्लैसन	एशिन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटीकल्स एवं क्लीनिकल रिसर्च 2015; 8(1), 181–184.	2015
26.	श्रीनिवासन एम.	फाईटोकैमिकल आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ गोस्स्यिपुम हेर्बरियम बाय जीसी–एमएस एनालिसिस	यूनिवर्सल फार्मेसी – बायोसाइंस –4 (1), पृष्ठ 167–177	जनवरी–फरवरी 2015
27.	श्रीनिवासन एम.	प्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट ऑफ़ ल्यकोपेन ऑन व्होल बॉडी इर्रेडिएशन इन्डूस्यूड लीवर डैमेज ऑफ़ स्विस अल्बिनो माइसः पैथोलॉजिकल इवैल्यूएशन	बायोमेडिसिन एवं प्रिवेंटिव न्युट्रीशन खण्ड–4, अंक 2, पृष्ठ 87–94	अप्रैल – जून 2014
28.	सिसोदिया बी.एस.	प्रोटेओमिक एनालाइसिस ऑफ़ मेम्ब्रेन एन्रिचड प्रोटीन ऑफ़ लेइश्मनिआ डोनोवानी इंडियन क्ली. निकल इसोलेट बाय मास स्पेक्ट्रोमेट्री	परसिटोल इंटरनेशनल 2015; 64(4):36– 42.	जनवरी 2015
29.	वर्मा एस.सी., कुमारी ए., वशिष्ट ई., बासु के. एवं पाढ़ी एम. एम.	रैपिड मेथड फॉर आइसोलेशन ऑफ़ एन्ड्रोग्राफोलिडे फ्रॉम एरियल पार्टस ऑफ़ एन्ड्रोग्राफिस पेनिकुलाटा युसिंग माइक्रोवेव असिस्टेड एक्सट्रैक्शन एवं इट्स क्वांटीफिकेशन बाय नार्मल फेज हाई परफॉरमेंस टीएलसी	वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ फार्मेसी फार्मास्यूटिकल, 2014, खण्ड –3, अंक 4, 2069–2084.	19 जून, 2014

Ø- l-	ys[kd dk uke	isij dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frFk
30.	बारीक़ एल.डी., दास एम., मण्डल एस एवं हाजरा जे.	रिव्यु ऑन केमिकल कम्पोजीशन ऑफ़ अपामार्ग क्षारसूत्र एन यूनिक थेरेपी फॉर फिस्टुला इन एनो	इंटरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल खण्ड– 2; अंक 4; आइ.एस.एस.एनः 23205091	जुलाई दृ अगस्त – 2014
31.	चित्रा एस	रोल ऑफ़ इर्रेडिएशन एवं स्टेटस ऑफ़ α–फेटोप्रोटीन, β_2–मिक्रोग्लोबुलिन एवं कर्किनोएम्ब्रोयोनिक एंटीजन इन डिफ्फेरेंट स्टेजस ऑफ़ ओरल कैंसर पेशेंट्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फार्मा एवं बायोसाइंसेज 2015; 6 (2); 129–139.	2015
32.	सरकार बी., शुक्ला आर., देवगन एम., वाई अनकमा चौधरी, शुक्ला एस. एवं कुमार एस.	सिंथेसिस फार्मूलेशन एवं इवैल्यूएशन ऑफ़ एन्टिमिक्रोबिअल जैल ऑफ़ नावेल नथ्थोफुरण डेरीवेटिव	एशियन जर्नल ऑफ़ फार्मास्यूटिकल रिसर्च, खण्ड 4 अंक 3, पृष्ठ 118–121	2014
33.	सरकार बी.के., देवगन एम. एवं सिंह एच.	सिंथेसिस फार्मूलेशन एवं इवैल्यूएशन ऑफ़ चाल्कोन एज पोटेंट एन्टिमिक्रोबिएल एजेंट	इंडियन जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन फार्मेसी एवं बायोटेक्नोलॉजी, खण्ड–2, अंक 3, पृष्ठ 1179–1182	मई – जून 2014
34.	के.एन. सुनील कुमार, सरस्वती ए., अमरजोती एस., थॉमस एस. एवं रविशंकर बी.	टोटल फिनॉल कंटेंट एवं इन विट्रो एन्टिओक्सिडेन्ट पोटेंशियल ऑफ़ हेलिकान्थुस एलास्टिका (डीइइ एस आर) (डेन्सुर)– लेस्स एक्सपोज्ड इंडियन मेंगो मिस्टलेटो	जर्नल ऑफ़ ट्रेडिशनल एवं कॉम्प्लिमेंटरी मेडिसिन 4(4):285–8	अक्टूबर, 2014
35.	संजय कुमार वाई. आर., साकेत राम टी., थामिज्ह सेलवम एन., सुशांत एस परिकर, वेनुगोप्लन टी.एन. एवं नायर पी.के.एस	टोक्सिकोलोजिकल स्टडी ऑफ़ रेन्डिया ड्रुमेटोरुम लिन्न. सीड्स इन विस्टर अल्बिनो रैट्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फाई. टोथैरेपी रिसर्च आइ.एस.एस.एन 2278–5701, खण्ड–4, अंक 1, 2014, पृष्ठ 19–28	अगस्त, 2014
p½ lkfgR;d ,o fofo/k				
1.	मीना एच.एम.एल.	आधुनिक जीवनैशैली से बढ़ता गठिया (आमवात) रोग	हवामहल, अंक –2 एन.ए.आर.ए. के.ए.एस जयपुर द्वारा प्रकाशित	अप्रैल 2014
2.	श्रीनिवास पी., स्वामी आर.के., प्रमीला देवी के. एवं शैलजा बी.	असेसमेंट ऑफ़ डाइट्री प्रैक्टिस अमंग ऑस्टियोआर्थराइटिस पेशेंट्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फार्मेसी एवं फार्मास्यूटिकल साइंसेज, आई.एस.एस.एन 0975–1491 खण्ड 6, अंक 6, 2014	(मार्च– जुलाई 2014)

Ø- l-	y[kd dk uke	iij dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B l[;k] bR;kfn	idk'ku dh frFk
3.	डॉ. डी. सहरावत	बेनेफिट्स ऑफ़ मेडिसनल प्लान्ट इन डे टू डे लाइफ ऐट होम फॉर फैमिली हेल्थ केयर	'एन.आई.एम.ए दिल्ली दर्पण सोविनयर, एन.आई.एम.ए दिल्ली ब्रान्च सबमिटिड फॉर पब्लिकेशन	जून, 2014
4.	थामिज्ह सेलवम एन. एवं स्वामी जी.के.	क्लीनिकल रिसर्च–इंडियन पर्सपेक्टिवसः एन ओवरव्यू	इंडियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस एवं रिचर्ज, खण्ड 5. अंक 4/2015	मार्च 2015
5.	गोविन्द रेड्डी आर.	कन्टेम्परी पर्सपेक्टिवस ऑन आयुर्वेदा एवं चैन्जिग पैराडिम्मस	आयुषधारा 2015;2(1):1–5.	मार्च 2015
6.	दास बी., पांडा पी., साहु डी.एस., मेहर एस.के., दास बी.के., राव एम. एम. एवं नागालक्ष्मी जी.सीएच.डी.	कॉसमेटोलोजी इन आयुर्वेदा एवं इट्स स्कोप ऑफ रिसर्च	रिसर्च जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी एवं फार्माकोडाय्नामिक्स, 6 (3): पृष्ठ. 162–165	जुलाई – सितम्बर, 2014
7.	रामकृष्णा बी.आर., किशोर के.आर., वैद्य वी., नागरत्तन आर. एवं नागेन्द्र एच.आर.	डेवलप्मेन्ट ऑफ सुश्रुत प्रकृति इनव. न्टरी, एन आयुर्वेद बेस्ड पर्सनेलिटी असस्मेन्ट टूल	जर्नल ऑफ आयुर्वेदा एवं होलि. स्टिक मेडिसिन (जे.ए.एच.एम.) 2014; 2(8):6–14.	नवम्बर, 2014
8.	जैन ए.के. एवं शर्मा बी.के.	डेवलप्मेन्टस इन द फील्ड ऑफ आयुर्वेदा– पास्टटू प्रैसैन्ट	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च् इन आयुष एवं एलाइड सिस्टमस, खण्ड 1, अंक (2)	नवम्बर– दिसम्बर 2014
9.	नन्दा जी.सी.	डॉयटिक्स फॉर वैल बीन्ग	स्वास्थ्यविलास (आई.एस.एस.एन सं. 2320–4656)	2014
10.	तनेजा डी., न्यामथी ए., खुराना ए., श्रीक. ान्त एन., नायक सी., पद्मानभन एम. एवं सिंघल आर.	एफिकेसी ऑफ ट्रेन–द–ट्रेनर मॉडल इन डिलीवरी ऑफ एचआईवी प्रिवेन्शन मैसेज फॉर होम्योपैथी एवं आयुर्वेदा प्रैक्टिशनर्स	इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी 07/2014; 8(3):136–146.)	2014
11.	पानिग्रही एच.	गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस बेस्ड ऑन डब्लयू एच ओ गाइडलाइंस विद स्पैशल रेफरेन्स टू क्षारसूत्र	सीआरआइपीएस (करंटरिसर्च एवं इनफार्मेशन ऑन फार्मास्यूटिकल साइंसेज)	अक्टूबर – दिसम्बर, 2014
12.	कुमावत वी.के.	गृध्रसी रोग (शियाटिका)	हवामहल, अंक –2 एन.ए.आर.ए. के.ए.एस जयपुर द्वारा प्रकाशित	अप्रैल 2014

Ø- la-	ys[kd dk uke	i=k dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
13.	बलसावर ए	हेलूसिनेशन्स इन एन्शिएन्ट इण्डियनसिस्टम ऑफ मेडिसन आयुर्वेदा– ए ब्रीफ ओवरव्यू	इण्डियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री	दिसम्बर 2014
14.	सिंह एस., डाबर आर., गटणे एम.एम., सिंह बी., गुप्ता एस., पवार एस., शर्मा एस. के. एवं शर्मा जी.एल.	इन विवो ऐफिकेसी ऑफ ए सिन्थेटिक कौमरिन डेरिवे. टिव इन ए म्यूराइन मॉडल ऑफ एस्परगिलोसिस	पीएलओएस, 9(8), इ 103039	20 अगस्त, 2014
15.	देशभ्रतार के.एस.	जानिए दही से सम्बंधित कुछ शास्त्रीय तथ्य	पवन परम्परा, आई.एस.एस.एन –2350–0069	जनवरी– मार्च 2015
16.	दीप वी.सी.	जीविथ शैली रोग–प्रतिरोधथिल	आप्ता, मंथली जर्नल पब्लिश्ड बाय एएमएआई, केरला	अक्टूबर, 2014
17.	दीक्षित ए.के., दे आर. के., सुरेश ए., मित्र ए., उपाध्याय एस.एन. एवं हाजरा जे.	लिपिड प्रोफाइल ऑफ़ पेशेंट्स विद थायरोइड डिसफंक्शन इन आयुर्वेद हॉस्पिटल	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोमेडिकल रिसर्च;04/2014; 5(4):241	04/2014
18.	देशभ्रतार के.एस.	मनमोहक एवं गुणकारी चाँदी वर्क एवं रजत भस्म	पवन परम्परा, आई.एस.एस.एन –2350–0069	जनवरी– मार्च 2015
19.	नन्दा जी.सी.	मेयोंग द हेरिटेज ऑफ़ ब्लैक मै. जिक एवं ट्रेडिशनल ट्रीटमेंट	आइजेआरएपी, खण्ड 5(2)., (आई.एस.एस.एन सं. 7897/2277–4343052.	2014
20.	दीप वी.सी.	मज़हकला चार्यायुदा प्राधानयम	औषधम मैगज़ीन	अगस्त, 2014
21.	सरकार बी.के., किरर पी. एवं वाइ. अन्कामा चौधरी	मेडिसिनल इम्पोर्टेन्स एस पर आयुर्वेदा सम प्लान्ट कौमन्ली नोन फॉर देयर डॉयट्री यूज़	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ न्यूट्रीशन एवं एग्रीकल्चर रिसर्च, 1(1), 63–67	जनवरी– जून 2014
22.	सिंह एच., सरकार बी.के., किरर पी. एवं वाइ. अन्कामा चौधरी	न्यूट्रिशनल वेल्यू ऑफ सम डॉयट्री हबर्स कॉमनली यूज़्ड इन आयुर्वेदा फॉर देयर मेडिसिनल वेल्यु	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ न्यूट्रीशन एवं एग्रीकल्चर रिसर्च, 1(1), 68–71	जनवरी– अक्टूबर 2014
23.	पानिग्रही एच.	ओरिजन ऑफ सर्जरीः ए हिस्ट्री ऑफ एक्सप्लोरेशन ऑफ प्लास्टिक एवं रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ आयुर्वेदा एवं फार्मेसी, खण्ड–4/ अंक 5	सितम्बर– अक्टूबर –2014
24.	मेहरा आर.	पंचकर्म थैरेपी–ए रिजुवनेटर	आयुर्वेदा एवं हेल्थ टूरिज़्म, खण्ड 10/ अंक 1 /, पृष्ठ 12–13.	जनवरी– मार्च 2015

Ø- l-	y[kd dk uke	isij dk 'kh"kZd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	izdk'ku dh frfFk
25.	चौधरी जे., बोरा डी., बरूह डी., बोरह टी. एवं भराली बी.के.	पोर्टरेयल ऑफ फोक मेडिसिनल प्रैक्टिसिस अमन्ग द इन्डीजीनस पीपल ऑफ नार्थ त्रिपुरा डिस्ट्रिक्ट ऑफ त्रिपुरा, इण्डिया	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं फार्मेसी, 5(4): 480– 488 (आई.एस.एस.एन 2277– 4343)	जुलाई–अगस्त 2014
26.	मेहरा आर.	प्रकृति एनालिसिस एण्ड हैप्पीनैस	अमृत एन इंटरनेशनल पब्लिकेशन फ्रॉम बुडापेस्ट	2014
27.	पानिग्रही एच.	सॉयकोलोजिकल प्रौबलम ऑफ द एजिड एवं इट्स मैनेजमेन्ट– ए रिव्यू	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ आयुर्वेदा एवं फार्मेसी, खण्ड–4 / अंक 5	सितम्बर–अक्टूबर –2013 / 2014
28.	मेहरा आर.	पुत्रित्वा टू मातृत्वा	आयुर्वेद एवं योग, एन इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ लॉइफ साईन्सेज खण्ड XXIV	सितम्बर, 2014
29.	पोटभेर बी.	रिव्यू ऑफ बुद्धिश्ट कॉनसेप्ट ऑफ ''अनाता'' (नो–शोल) इन द कन्टेस्ट ऑफ आयुर्वेदा	'इण्डियन स्ट्रिम्स रिसर्च जर्नल' (सितम्बर – 2014), आई एस एस एन 2230–7850, खण्ड –4 (अंक–88) पृ.सं. 1–6.	8 सितम्बर, 2014
30.	नियाज एस., अंकु जी., एवं रामा शंकर	तमक श्वास (अस्थमा) की चिकित्सा के लिए उपयोग में लाए जाने वाली अरुणाचल प्रदेश की कुछ वनस्पतियाँ	अरुण आवाज, फरवरी 2015 पृ. V-VI.	मार्च, 2015.
31.	स्वर्णकार ए., बोरहा टी., बरूहा डी. एंव भरली बी.के.	स्लीप इज ए कॉम्पलेक्स प्रोग्राम इन बिल्ट इन द हयूमन बॉडी नेचूरली	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एलाईड मेडिकल साईन्सेज एवं क्ली. निकल रिसर्च, (आई.जे.ए.एम.एस. सी.आर.), 2 (4): 334–339.	अक्टूबर–दिसम्बर, 2014
32.	रामाकृष्ण बी.आर. किशोर के.आर. वैद्य वी. नागारत्न आर. नागेन्द्र एच.आर.	स्टेन्ड्रडाईजेशन ऑफ सुश्रुत प्रकृति इन्वेन्टरी–स्पी एन आयुर्वेद बेस्ड पर्सनेलटी एस्समेन्ट टूल विद साइन्टेफिक मैथडस	जे. ऑफ आयुर्वेद एवं होल. मेड. खण्ड–2, सं. 9 (2014)	जनवरी, 2015
33.	खत्री, एस.आर., शेखर नाम्बूरी यू.आर., चोपडे के.एम., राऊत एस.वाई, एवं सूर्यवंशी एम.एन.	सूचरिंग मेटेरियल्स इन एनसियन्ट इण्डियन सर्जरी एन आऊटलुक इन प्रजेन्ट सर्जीकल प्रेक्टिस	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदा एवं फार्मेसी, खण्ड–5, अंक 4, आई एस एस एन (प्रिंट) 2277–4343, आई एस एस एन (ऑनलाइन) 2229–3566	जुलाई–अगस्त, 2014

Ø-la-	y[kd dk uke	iij dk 'kh"kd	if=dk dk uke] vad] i"B la[;k] bR;kfn	idk'ku dh frFk
34.	मेहरा आर.	टेकिकार्डिया, एक परिचय	21 ग्रीष्म ऋतु अंक–आयुष्मान	2014
35.	दीक्षित ए.के., डे आर. के., सुरेश ए, चौधरी एस, मित्र ए, पण्डा ए के, एवं हाज़रा जे.	द प्रिविलेन्स ऑफ डिसलिपिडिमिया इन पेशेन्टस विद डायबटीज मला. ईटस ऑफ आयुर्वेद हॉस्पीटल	जर्नल ऑफ डायबिटीज एवं मेटाबोलिक डिसओर्डर, 13: 1–6; 2014 मई 22; 13:58. डी.ओ.आई. : 10.1186/2251–6581–13–58.	मई, 2014
36.	साहू डी.एस.	द रिलिवेन्सी इन क्रोनोकोलोजीकल डिस्क्रिप्शन ऑफ डिफ्रेन्ट डिसिजिज इन माधव निदान	आयुर्वेद–विकास जर्नल पब्लिशड बाई डाबर इण्डिया लि., पृ.सं. 46	अगस्त, 2014
37.	सुभाश्री एम.एन., वेंकटेश्वरालूजी एंव डोडामानी एस.एच.	थेराप्यूटिक एवं न्यूट्रिशनल वेल्यूस ऑफ नारिकेलोदक (टेण्डचर कोकोनट वॉटर) ए रिव्यू	रिसर्च जर्नल ऑफ फार्माकोगोनोसी एवं फाईटोकेमेस्ट्री खण्ड सं.– 6, अंक 4, वर्ष– 2014	जनवरी, 2015
38.	दीक्षित ए.के., डे. आर. के., रावते आर.के. पण्डा ए.के., राय एस., एफरिन एन. हाजरा जे.	थॉयरायड डिसफक्शन इन पेशेन्टस विद डायबटीज मलाईटस– ए रिट्रोस्पैक्टिव स्टडी	यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल साईन्सेज खण्ड– 2, अंक 2, 2015, पृ.सं.– 189–195	2015
39.	दीपशिखा ए., भट्ट डी., जोशी जी.सी., कुमार आर., तिवारी एल.एम.	ट्रेड, पोपूलेशन स्टडी एवं कन्जरवेशन एसपेक्टस ऑफ चोरक/चोरू इन कुमाऊं हिमालय	जर्नल ऑफ साईन्टिफिक रिसर्च एवं एस्सेज, खण्ड– 10(2) पृ.सं.– 64– 70, जनवरी 2015	जनवरी, 2015
40.	मेहरा आर.	त्रिगुण एवं साइकोसोशल हेल्प	अमृत एन ईन्टरनेशन पब्लिकेशन फ्रोम बाऊडपेस्ट	2015
41.	मेहरा आर.	उपदंश, निदान एवं उपचार	वर्षा ऋतु अंक–आयुष्मान	जुलाई–सितम्बर, 2014
42.	सुशीला आर., अरूणादेवी आर., क्रिस्टियन जी.जे., एलनसीकेरन एस., रामामूर्ति एम. एवं लोगामनीयन एम.	वेलिडेशन ऑफ सिद्धा डायग्नोस्टिक प्रोसिजरस फोर मधु प्रिंमियम विद द एवं ऑफ कनवेशनल डॉयग्नोस्टिक प्रोसिजर	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्सड आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी 2014; 3(1), 197–208	2014

rkfydk& 47 ½ सम्मेलन विवरणिका, स्मारिका में प्रकाशित लेखों का विवरण, आदि

Ø- l-	y[kd dk uke	y[k 'kh"kd	if=dk@foojf.kdk dk uke] [kM] i"B l[;k	idk'ku dh frfFk
d½ ¼unkfud,o ekfyd vuqla/kku½				
1.	भट्ट एस., श्रीकांत एन, एंव पाढ़ी एम.एम.	ए रेस्पोन्स आईडेन्टिफिकेशन ऑफ एलोपैथिक प्रक्टिशनरस अबाउट द इन्टिग्रेशन ऑफ आयुर्वेद इन ए टरशरी केयर हॉस्पीटल–ए क्रोस सैक्शनल स्टडी	एब्सट्रेक्ट बुकः 6 वर्ल्ड आयुर्वेद क्रांगेस एवं आरोग्य एक्सपो 2014, आरगनाईज्ड बाय डिपार्टमेन्ट ऑफ हेल्थ एवं फेमली वेलफेयर, गवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली पृ.सं.– 164–165	2014
2.	डोडामानी एस.एच., गिरि एस.के., सुभाश्री एम. एन., किशोर, कुमार आर. वेंकटेश्वरालू जी., नीथा जी 7, हेमावथी के.एच.	ग्लासेमिक इफेक्ट ऑफ हनी ऑन नोन–डायबटीक एवं डायबटिक–ए कम्पेरिटिव स्टडी	सुविनर आयुश्री 2013–14, दशा मनोत्सव स्पेशल डिसिनियल एडिशन ऑफ श्री श्री कॉलेज ऑफ आयु. साईस. एवं रेसी.नं. 14, पृ.सं.– 243.	दिसम्बर, 2014
[k½ LokLF; nq[kHkky vuqla/kku vkj ykd fpfdRlk				
1.	श्रीनिवास पी., प्रमीला देवी के. एवं शैलजा	आयुर्वेदिक परसेप्शन आन वे. क्टर बोर्न डिजिज विद स्पेशल रेफेरेन्स टू डेंगू	प्रोन्सनडग्स ऑफ ब्रेन स्टोरन्मग कोन्फ्रेन्स ऑन डेंगू सिनरियो इन इण्डियाः डिजिज बर्डन, सर्वविलेन्स एवं कन्ट्रोल पेज 156–164 जुलाई 25–26, 2013 (मदुराई)	जुलाई, 2014
2.	पाणीग्रह एच.	क्षारसूत्र थैरेपीः ए मिनिमल इनवेसिव पैरा सनजकल मैथड फोर ट्रीटमेन्ट ऑफ सैहोकोसीजीअल पाईलोनीडल साईनस (नाडीव्रण)	सुवीनर इन्टरनेशनल कौन्फ्रेन्स ऑन ट्रेडिशिनल एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन	दिसम्बर, 2014
3.	प्रमीला देवी के. एवं श्री. निवास पी.	ट्रेडिशनल एवं कन्टेम्पोरेरी व्यूज ऑन वेक्टर बोर्न डिसिजज विद स्पेशल रेफेरेन्स डेंगू फीवर	प्रोसिनडग्स ऑफ ब्रेनस्टोरन्मग कॉन्फ्रेंस ऑन डेंगू सिनेरियो इन इण्डियाः डिजिज बर्डन, सनवलेन्स एवं कन्ट्रोल पेज 165 से 167, जुलाई 25–26, 2013 (मदुराई)	जुलाई, 2014

Ø- l-	y[kd dk uke	y[k 'kh"kd	if=dk@foojf.kdk dk uke] [kM] i"B l[;k	idk'ku dh frfFk
x½ æ0;xq.k] fpfdRlk okuLifrd lo{k.k ,o —f"kdj.k				
1.	रावत वी.के. एवं रमाशंकर	डायवर्सेटी एवं इथनो बोटेनिकल इम्पोरटेन्स ऑफ टेरिडोफाइटस फ्रोम मिहाओ वाईल्ड लाइफ सेंचूरी, अरूणाचल प्रदेश	प्रोक. नेटल. वर्कशॉप ऑन ट्रेडिशिनल प्रैक्टिस इन नॉर्थ–ईस्ट इण्डिया (02– 03 दिसम्बर, 2014.). पृ. 17–43.	दिसम्बर, 2014
2.	गोन्ड डी.के., बोरा एम., तिवारी आर.के. एवं नन्दा जी.सी.	इथनो–बोटेनिकल स्टडी ऑफ प्लॉटस यूज्ड बाय ट्राईबस ऑफ कोरबा डिस्ट्रिक्ट (छत्तीसगढ), इण्डिया	सूविनर नेशनल सिम्पोजियम ऑन एनिमलस इन रिसर्च एवं टेस्टिंगः ए क्रोस टॉक बिटवीनः रिलिवेन्स एवं एथिक्स एवं एनूअल कन्वेंशन ऑफ लेबोरेट्री एनीमल साईंस एसोसियेशन ऑफ इण्डिया (एल.ए.एस.ए. आई.), ओरर्ग्नाइज्ड एट सी. एस.आई.आर.सी.डी.आर.आई., लखनऊ, पृ.सं.– 93.	13 –14 मार्च, 2015
3.	बोरा एम., नन्दा जी.सी., तिवारी आर.के. एवं गोन्ड डी.के.	इम्पोर्टेन्ट मेडिसिनल प्लांटस यूज्ड इन वेटेरिनेरी आयुर्वेद	सुविनर, नेशनल सिम्पोसियम ऑन एनिमल्स इन रिसर्च एवं टेस्टिंगः ए क्रॉस टॉक बिटविन रिलिवेन्स एण्ड ऐथिक्स एवं एनुअल कन्वेन्शन ऑफ लेबोरेट्री एनिमल साईंस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ओरग्नाईज्ड एट सी.एस.आई.आर.सी.डी.आर.आई. लखनऊ, पृ.सं.–103.	13 –14 मार्च, 2015
4.	तिवारी आर.के., गोन्ड डी. के., बोरा एम.के., ईशदीप	सम ऑफ द कोमनली यूज्ड इथिनो मेडिसिनल वेट लैन्ड प्लांटस ऑफ आजमगढ़ डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश, इण्डिया	प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल वार्कशॉप ऑन ट्रेडिशिनल हिंलिंग्स प्रैक्टिसिस इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया एट जीरो, अरूणाचल प्रदेश, पृ.सं.– 241–255.	2–3 दिसम्बर, 2014
5.	तिवारी आर.के., नन्दा जी. सी., गोन्ड डी.के. एवं बोरा एम.	सम मेडिसिनल प्लांटस लोर्ड यूज्ड इन आयुर्वेदिक फारम्यूलेशनस	सुविनर, नेशनल सिम्पोसियम ऑन एनिमल्स इन रिसर्च एवं टेस्टिंगः ए क्रॉस टॉक बिटविन रिलिवेन्स एवं ऐथिक्स एण्ड एनुअल कन्वेन्शन ऑफ लेबोरेट्री एनिमल साईंस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ओरग्नाईज्ड एट सी.एस.आई.आर.–सी.डी.आर. आई. लखनऊ, पृ.सं.– 117.	13–14 मार्च, 2015

Ø-l-	ys[kd dk uke	ys[k 'kh"kZd	if=dk@foojf.kdk dk uke] [kaM] i"B la[;k	izdk'ku dh frfFk
?k½ vk"kf/k; ,oa Hks"kt xq.k foKkuh; vuqla/kku				
1.	सुबाश्री एम.एन., वेंकटेश्वरालू जी., शान्ता टी.आर., किशोर कुमार आर., प्रथापा रेड्डी एम.	ए कम्पेरिटिव फिजिकोके. मिकल एण्ड फार्माकोनो. स्टिकल इवैल्यूएशन ऑफ निशा आमलकी– एन आयुर्वेदिक एण्टीडायबेटिक फार्मूलेशन	सुविनर आयुश्री 2013–14, दशा मनोत्सव स्पेशल डिशिनिअल एडिशन ऑफ श्री श्री कॉलेज ऑफ आयु. साईंस एवं रेज. सं. 17, पृ.सं.– 243.	दिसम्बर, 2014
³½ lkfgR;d ,oa fofo/k				
1.	गीरी एस.के., पटनक एस. एवं रमाशंकर	ए बीम ऑफ लाईट ऑन ट्रेडिशनल हीलींग प्रेक्टिसिज इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया	सुविनर ऑफ द ''नेशनल वार्कशाप ऑन ट्रैडिशनल हीलिंग प्रैक्टिसिज इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया'' जीरो, अरूणाचल प्रदेश पृ.सं.–:20	दिसम्बर, 2014
2.	गीरी एस.के. एवं रमाशंकर	ए बीम ऑफ लाईट ऑन ट्राईबल हेल्थ प्रैक्टिसिज इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया	प्रोक. नेश. वार्कशाप ऑन ट्रैडिशनल प्रैक्टिसिज इन नार्थ– ईस्ट इण्डिया (02–03 दिसम्बर पृ. 186–190.	दिसम्बर, 2014
3.	खण्डूड़ी एस., भारती, श्रीकांत एन., एंव पाढ़ी एम.एम.	आयुर्वेद एवं ट्रेडिशनल नॉलेजः स्कोप ऑफ इनोवेशन एवं रिसर्च	प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन गवर्नेन्स ऑफ ट्रेडिशनल नोलेज एवं कन. टेम्पोरेरी इनोवेशन्स मार्च 13–14, पृ.सं.– 104–106	2015
4.	नन्दा जी.सी.	आयुर्वेद फोर एनिमल्स	सुविनर, नेशनल सिम्पोसियम ऑन एनिमल्स इन रिसर्च एवं टेस्टिंगः ए क्रॉस टॉक बिट. विन रिलिवेन्स एवं ऐथिक्स एवं एनुअल कन्वेन्शन ऑफ लेबोरेट्री एनिमल साईंस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ओरग्नाईज्ड एट सी.एस.आई.आर.– सी.डी.आर. आई. लखनऊ, पृ.सं.–52–53	13 –14 मार्च, 2015
5.	भारती, कुमार एस., खण्डूड़ी एस., पाढ़ी एम. एम. एवं कुमार ए.	इनेब्लरस एवं चैलेंजस इन द गवर्नेन्स ऑफ ट्रेडिशिनल नॉलेज	प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन गवर्नेन्स ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज एवं कन. टेम्पोरेरी इनोवेशन्स मार्च 13–14, पृ.सं.– 80–82	2015

Ø- la-	ys[kd dk uke	ys[k 'kh"kZd	if=dk@foojf.kdk dk uke] [kaM] i"B la[;k	izdk'ku dh frfFk
6.	श्रीकांत एन.	न्यूट्राश्यूटिकल्स फ्रॉम ट्रेडिशनल मेडिसिन लीड्सः ए रिवर्स इनोवेशन अप्रोच	प्रोक. ऑफ 5 इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन एडवांसेज इन फूड टेक्नोलॉजी एवं हेल्थ साईंसेज आर्गेनाइज्ड बाय (आइ.सी.एफ.टी.एच.एस.) जवा. हर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, इण्डिया, आग. नाइज्ड बाय इन्टरनेशनल इन्सटीट्यूट ऑफ फूड एवं न्यूट्रीशनल साईंसेज (आइ.आइ. एफ.ए.एन.एस.), नई दिल्ली, पृ.सं.– VII-X	15 –16 अक्टूबर, 2014
7.	श्रीकांत एन.	रेशनल एण्ड चैलेंजस इन डेवेलैपिंग गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस गाईडलाइंस फोर क्लीनिकल ट्रायल इन आयुर्वेद, सिद्ध एवं यूनानी मेडिसिन (जी.सीसी.पी.–ए.एस.यू.)	प्रोसिडिंग्स ऑफ 8 इन्टरनेशनल ट्रेडिशनल एवं कमप्लीमेन्टरी मेडिसिन्स (इन्ट्राककोम) क्रोन्फेंस आर्गेनाइज्ड बाय ट्रेडिशनल एवं कमपलीमेन्टरी मेडिसन डिवीजन, मिनिस्टरी ऑफ हेल्थ मलेशिया, ब्लाक ई, जलान सेन्डरसारी 50590 क्वालालम्पुर, मलेशिया, पृ.सं.– 46–48	30 अक्टूबर से 2 नवम्बर, 2014
8.	सिद्धमालया एन. रामा राओ वी., वेंकटेश्वरालू जी., गिरी एस.के. डोडामणी एस.एच. एवं सुभाश्री एम.एन.	ट्रेडिशनल हिलिंग प्रैक्टिस ऑफ दावांगिरी डिस्टिक, कर्नाटक	सुविनर ऑफ द ''नेशनल वार्कशाप ऑन ट्रैडिशनल हीलिंग प्रैक्टिसिज इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया'' जीरो, अरूणाचल प्रदेश पृ.सं. :21	दिसम्बर, 2014
9.	रमाशंकर	वेलिडेशन ऑफ ट्रेडिशनल हीलिंग प्रैक्टिस इन नार्थ–ईस्ट, इण्डिया	प्रोक. नेटल वार्कशाप ऑन ट्रैडिशनल प्रैक्टिस इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया (पृ. 1–10)	2–3 दिसम्बर, 2014
10.	नन्दा जी.सी., बोरा एम., तिवारी आर.के., तिवारी वी., भादरी आइ.के.	वेटिनरी आयुर्वेद इन मेनूस्क्रिप्टस	सुविनर, नेशनल सिम्पोसियम ऑन एनिमल्स इन रिसर्च एवं टेस्टिंगः ए क्रॉस टॉक बिटविन रिलिवेन्स एवं ऐथि. क्स एवं एनुअल कन्वेन्शन ऑफ लेबोरेट्री एनिमल साईंस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (एल. ए.एस.ए.आई.) ओरग्नाईज्ड एट सी.एस.आई.आर.–सी.डी.आर. आई. लखनऊ, पृ.सं.– 120.	13–14 मार्च, 2015

rkfydk& 48 % iqLrd rduhdh ifronu vkfn dk idk'ku dk fooj.k

Ø- l-	;kxnkudŸkk	iqLrd@iqfLrdk vkfn dk 'kh"kd ,oa ;kxnku	idk'kd	idk'ku dh frfFk
1.	कुमार ए., पाढ़ी एम.एम., श्री. कांत एन., जोसेफ जी.वी.आर., भट्ट एस. एवं सिंह एस.	आयुर्वेदा द साइंस एवं आर्ट ऑफ लाईफ–ए फोकस ऑन रिसर्च एवं डेवलपमेन्ट (पोकेटएवं ई–बुक्स)	सेन्ट्रल कांऊसिल फोर रिसर्च इन आयुर्वेदिक सांइसेज (सी.सी.आर.ए.एस.) मिनिस्ट्री ऑफ आयुष, गोवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया	फरवरी, 2015
2.	बारीक एल.डी.	भग्न एवं ईट्स मैनेजमेन्ट विद स्पेशल रेफरेन्स टू भावप्रकाश	योगा–आयुर्वेदः एकेडमी ऑफ योगा ओरिएन्टल स्टडीजः पृ.सं.–31–35	
3.	मंगल ए.के.	एडिटर,हर्बल वैल्थ ऑफ उत्तराखण्ड, खण्ड–1	सी.सी.आर.ए.एस., मिनिस्ट्री ऑफ आयुष, गोवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया	2014
4.	श्रीकांत एन., भट्ट एस., जैन एस., तिवारी वी., सिंह एस., लवानिया वी.के., शर्मा बी.एस., पाढ़ी एम.एम., कुमार ए.	इविडेन्स बेस्ड आयुर्वेदिक प्रैक्टिस'' ए सी.सी.आर.ए.एस. आर एवं डी पब्लिकेशन	सी.सी.आर.ए.एस.	2014
5.	रमाशंकर एवं त्रिपाठी ए.के.	एक्सप्लोरेशन, कन्जर्वेशन, एवं कल्टीवेशन ऑफ थेराप्यूटिकल्ली इम्पोर्टेन्ट मेडिसिनल प्लांटस इन मेघालया	कन्जर्वेशन कल्टीवेशन एवं एक्सप्लोरेशन ऑफ मेडिसिनल प्लाटस इन नार्थ–इस्टर्न स्टेटस सी.सी.आर.ए.एस. पब्लिकेशन पृ.सं.–219–233	जनवरी, 2015
6.	कुमार ए., पाढ़ी एम.एम., श्री. कांत एन.,गायध्नी एस.,खण्डूरी एस. एवं सिंह आर.,	पंचगव्य (बैकग्राऊंडपेपर्स)	सेन्ट्रल कांऊसिल फोर रिसर्च इन आयुर्वेदिक सांइसेज (सी.सी.आर.ए.एस.), मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एवं फेमिली वेल्फेयर, गोवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया	2014
7.	श्रीकांत एन., भट्ट एस., जैन एस., तिवारी वी., सिंह एस. लवानिया वी.के., शर्मा बी.एस., पाढ़ी एम.एम., कुमार ए.	प्रमाण आधारित आयुर्वेद चिकित्सा उपहम (हिन्दी)	सेन्ट्रल कांऊसिल फोर रिसर्च इन आयुर्वेदिक सांइसेज (सी.सी.आर.ए.एस.), मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एवं फेमिली वेल्फेयर, गोवर्मेन्ट ऑफ इण्डिया आइ.एस.बी.एन.: 978–93–83864–05–8	2014
8.	कॉन्सेप्ट एवं गायडेन्स कुमार ए., पाढ़ी एम.एम., नारायण ए., वर्किंग ग्रुप श्रीकांत एन., वेंकटेशवरालू बी., श्रीदेवी बी., शाकेत राम टी., भारती के., प्रसाद जी.पी., सिंह एस., खण्डूड़ी एस. एवं वर्मा एस.सी.	रिसर्च पब्लिकेशन इन आयुर्वेदिक सांइसेज (केटालोगऑफ रिसर्च इन्फारमेशन ऑन आयुर्वेद एवं रिलेटिड साईसेज)	सी.सी.आर.ए.एस., नई दिल्ली	मार्च, 2015

7- fofo/k xfrfof/k;k¡

7-1 tutkrh; LokLF; n[kHkky vuql/kku dk;Øe

यह कार्यक्रम आदिवासी लोगो की जीवन यापन पर परिस्थितियों, उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली लोक प्रचलित औषधियों, उस क्षेत्र में औषधीय पादपों की उपलब्धता तथा स्वस्थवृत्त के विषय में ज्ञान के प्रचार, व्याधियों की रोकथाम, क्षेत्र में सामान्य औषधीय पादपों के प्रयोग के अध्ययन तथा उनके घरों तक चिकित्सा सहायता का विस्तार करने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया है। यह कार्यक्रम परिषद् के 6 परिधीय संस्थानों यथा रा.आ.सि.मा.सं.वि.अ.सं. ग्वालियर, आ.मा.स्वा.अ.सं., नागपुर, आ.क्षे.अ.सं., पटना, आ.क्षे.अ.सं., ईटानगर, उ.पू. भा.आ.अ.सं. गुवाहाटी, आ.आ.स्वा.र.अ.परि. पोर्ट ब्लेयर के माध्यम से गत वर्ष तक कार्यान्वित किया गया है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान यह कार्यक्रम 14 राज्यों में परिषद् के 14 परिधीय संस्थान के द्वारा विस्तरित किया गया जो कि निम्न है– रा.आ.मा.सं.वि.अ.सं., ग्वालियर, आ.मा.स्वा.अ.सं., नागपुर, आ.क्षे.अ.सं., पटना, आ. क्षे.अ.सं., ईटानगर, उ.पू.भा.आ.अ.सं. गुवाहाटी, आ.आ.स्वा.र.अ.परि. पोर्ट ब्लेयर, रा.आ.औ.वि.अ.सं. भुवनेश्वर, रा.आ.औ.वि.अ.सं. कोलकाता, आ.के.अ.सं., जयपुर, रा.आ.रो.ज.रो.अ.सं., विजयवाड़ा, रा.आ.आ.वि.अ.सं. बैंग्लोर, आ.क्षे.अ.सं. गैगटोक, अ.ल.आ.अ.के. चेन्नई, रा.सो.रि.अ.सं. लेह | प्रतिवेदन अवधि में 140 लोकदावों का प्रलेखन हुआ है जो कि भविष्य में प्रकाशित किये जायेगे | 236 गॉवों के 78,599 जनसंख्या को सर्वेक्षित गया है एवं 22,394 लोगों तक आकस्मिक चिकित्सा सहायता प्रदान की गयी तथा रोगों की रोकथाम और स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गयी | (तालिका– 49)

dk;Øe ds nkjku gbZ xfrfof/k;k¡&

1. आदिवासी लोगों की जीवन परिस्थितियों का अध्ययन
2. स्वास्थ्य सांख्यिकी से सम्बन्धित सूचनाओं को एकत्र करना।
3. दैनिक आहार विषयक अध्ययन
4. प्रचारित व्याधियों का स्वभाव एवं आवृत्ति
5. क्षेत्र में सामान्य औषधीय पादपों का प्रयोग
6. लोगों को घर पर चिकित्सा सहायता मुहैया कराना।
7. पथ्यापथ्य से सम्बिन्धित आयुर्वेदीय विचारधारा के साथ स्वच्छता व आहार–विहार से सम्बन्धित प्रचार।
8. स्वच्छ वातावरण एवं स्वस्थ रहने के तरीके अपनाकर रोगों की रोकथाम।
9. प्रचलित एल.एच.टी./लोक दावों/पारम्परिक अभ्यास को एकत्र करना।

rkfydk & 49 % आदिवासी स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम का विवरण

Ø- la	lof{kr xzke dk uke	lof{kr tkula[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh la[;k											
						u;s				iqujko`fRr				;ksx			
		vu- tkfr	vu- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx
I. jk-vk-fl-ek-la-fo-v-la-, Xokfy;j																	
1.	भीमलत	--	460	--	460	--	55	--	55	--	20	--	20	--	75	--	75
2.	भेला	--	413	--	413	--	49	--	49	--	07	--	07	--	56	--	56
3.	पनार	--	611	06	617	--	48	--	48	--	--	--	--	--	48	--	48
4.	चैन्तिखेरा	--	602	34	636	--	78	12	90	--	24	--	24	--	102	12	114
5.	पिपारबस	--	781	--	781	--	127	--	127	--	09	--	09	--	136	--	136
6.	रतोधन	--	714	--	714	--	85	--	85	--	--	--	--	--	85	--	85
7.	हीरापुरा	--	354	--	354	--	30	--	30	--	--	--	--	--	30	--	30
8.	हनुमानखेरा	--	266	--	266	--	30	--	30	--	--	--	--	--	30	--	30
9.	तोरा	221	--	103	324	75	--	07	82	--	--	--	--	75	--	07	82
10.	बंधली	--	668	--	668	--	93	--	93	--	08	--	08	--	101	--	101
11.	अवादा	--	1559	74	1633	--	157	06	163	--	53	05	58	--	210	11	221
12.	कलमी	--	674	--	674		82		82		13		13		95		95
13.	ककरधा		1063	--	1063	--	44	--	44	--	23	--	23	--	67	--	67
14.	बमोरी	--	307	14	321	--	83	--	83	--	07	--	07	--	90	--	90
15.	गोथ्रा	12	460	20	492	--	105	06	111	--	26	--	26	--	131	06	137
16.	सरन अहरबनी	06	942	51	999	--	59	--	59	--	17	--	17	--	76	--	76
17.	बैरागी	--	487	345	832	--	106	65	171	--	19	--	19	--	125	65	190
18.	खम्हा	--	369	46	415	--	73	12	85	--	19	--	19	--	92	12	104
19.	मोहनी	06	136	53	195	02	42	21	65	--	08	09	17	02	50	30	82
20.	खिन्हा	20	472	61	553	04	82	26	112	--	06	--	06	04	88	26	118
21.	दोभ	--	470	--	470	--	22	--	22	--	--	--	--	--	22	--	22
22.	दूंदिखेरा	--	231	--	231	--	60	--	60	--	--	--	--	--	60	--	60
23.	दुभी	--	298	--	298	--	48	--	48	--	--	--	--	--	48	--	48
24.	कांकर	--	389	--	389	--	24	--	24	--	--	--	--	--	24	--	24
	;ksx	**265**	**12726**	**807**	**13798**	**81**	**1582**	**155**	**1818**	**--**	**259**	**14**	**273**	**81**	**1841**	**169**	**2091**

Ø- la-	lof{kr xzkeksa dk uke	lof{kr tula[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh la[;k											
						u;s				iqujko`fRr				;ksx			
		vuq- tkfr	vuq- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vuq- tkfr	vuq- tkfr	lkekU;	;ksx	vuq- tkfr	vuq- tkfr	lkekU;	;ksx	vuq- tkfr	vuq- tkfr	lkekU;	;ksx
II.	vk-eks-Lok-vuq-la-, ukxiqj																
1.	दादपुर	182	775	206	1163	14	67	22	103	02	13	04	19	16	80	26	122
2.	शिवनी	80	631	193	904	02	85	10	97	00	11	04	15	02	96	14	112
3.	सोनसरी	101	1120	433	1654	10	199	17	226	0	69	0	69	10	268	17	295
4.	धम्दितोला	00	1123	28	1151	00	128	00	128	00	19	00	19	00	147	00	147
5.	मोहगांव	128	318	70	516	47	36	12	95	33	12	06	51	80	48	18	146
6.	अनाजन्तोला	15	478	109	602	0	88	24	112	0	23	04	27	0	111	28	139
7.	स्वरगांव	00	467	00	467	00	77	00	77	00	40	00	40	00	117	00	117
	;ksx	**506**	**4912**	**1039**	**6457**	**73**	**680**	**85**	**838**	**35**	**187**	**18**	**240**	**108**	**867**	**103**	**1078**
III.	vk-{ks-vuq-la-] iVuk																
1.	मेईल उर्फ़ साइल	1875	-	720	2595	134	0	83	217	8	0	1	9	142	0	84	226
2.	लुत्तु	171	726	72	969	47	72	3	122	0	0	0	0	47	72	03	122
3.	सिजुवा	608	115	105	828	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
4.	बर्बाडीह चतरा	0	400	75	475	2	20	12	34	0	0	0	0	2	20	12	34
5.	कदमह्वा	57	557	250	864	23	147	52	222	8	37	22	67	31	184	74	289
	;ksx	**2711**	**1798**	**1222**	**5731**	**206**	**239**	**150**	**595**	**16**	**37**	**23**	**76**	**222**	**276**	**173**	**671**
IV.	m-i-Hkk-vk-v-la-] xqokgkVh																
1.	बन्दोर्गोग	19	1368	103	1490	-	70	-	70	-	171	-	171	-	241	-	241
2.	मर्कोंग	-	793	62	855	-	54	-	54	-	84	-	84	-	138	-	138
3.	मागुर्सिला	12	1712	62	1786	-	140	-	140	-	225	-	225	-	365	-	365
4.	सौथाला	-	267	-	267	-	63	-	63	-	52	-	52	-	115	-	115
5.	राजापारा	-	267	-	267	-	65	-	65	-	144	-	144	-	237	-	237
6.	पटगाव	-	453	-	453	-	93	-	93	-	99	-	99	-	167	-	167
7.	बूढ़ा मयोंग	96	517	53	666	-	67	-	67	-	60	-	60	-	125	-	125
8.	पानिसेंगा	-	475	-	475	-	68	-	68	-	84	-	84	-	151	-	151
9.	पुनमपुर	-	105	-	105	-	21	-	21	-	27	-	27	-	48	-	48
	;ksx	**127**	**5957**	**280**	**6364**	**-**	**641**	**-**	**641**	**-**	**946**	**-**	**946**	**-**	**1587**	**-**	**1587**

Ø- la	lof{kr xkeksa dk uke	lof{kr tkula[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh la[;k											
						u;s				iqujkxfer				;ksx			
		vuq- tkfr	vuq- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vuq- tkfr	vuq- tkfr	lkekU;	;ksx	vuq- tkfr	vuq- tkfr	lkekU;	;ksx	vuq- tkfr	vuq- tkfr	lkekU;	;ksx
v.	vk-{k-vuq-l-] bVkuxj																
1.	म–पेन	194	-	2	196	-	40	18	58	-	-	-	-	0	40	18	58
2.	म–पेन 2	160	11	-	171		43	10	53	-	-	-	-	0	43	10	53
3.	म–पेन 3	143	3	8	154	-	29	7	36	-	-	-	-	0	29	7	36
4.	न्यू सिंग्फो	-	92	-	92	-	31	6	37	-	-	-	-	0	31	6	37
5.	म–पेन	84	-	3	87	-	11	8	19	-	17	4	21	0	28	12	40
6.	म–पेन 2	31	6	-	37	-	10	6	16	-	22	3	25	0	32	9	41
7.	म–पेन 3	29	30	2	61	-	15	4	19	-	9	10	19	0	24	14	38
8.	नामगोई	3	226	-	229	-	38	16	54	-	-	-	-	0	38	16	54
9.	डोक्पे	-	138	2	140	-	36	6	42	-	5	2	7	0	41	8	49
10.	टेंग्मो	-	198	2	200	-	52	12	64	-	4	4	8	0	56	16	72
11.	हेलोंग	-	133	-	133	-	39	2	41	-	2	6	8	0	41	8	49
12.	उन्नीस माइल	-	136	15	151	-	43	5	48	-	-	-	-	0	43	5	48
13.	हाती डूबा	-	109	11	120	-	45	10	55	-	-	-	-	0	45	10	55
14.	बीस माइल	-	93	11	104	-	33	7	40	-	-	-	-	0	33	7	40
15.	सोनपुरा		91	106	197	-	21	35	56	-	-	-	-	0	21	35	56
16.	बालेक	-	125	19	144	-	42	7	49	-	-	-	-	0	42	7	49
17.	सिमरी	4	121	9	134	1	39	2	42	-	-	-	-	1	39	2	42
18.	हरुपहार	8	108	74	190	3	33	33	69	-	-	-	-	3	33	33	69
19.	ओल्ड अबाली	-	165	49	214	-	55	21	76	-	-	-	-	0	55	21	76
20.	हरू पहार	-	-	110	110	-	-	51	51	-	-	03	03	0	0	54	54
21.	सिमरी 1एवं 2	-	50	50	100	-	21	50	71	-	-	-	-	0	21	50	71
22.	अबाली	-	59	193	252	-	148	252	400	-	-	-	-	0	148	252	400
23.	हवा कैंप	-	170	10	180	-	25	01	26	-	-	-	-	0	25	1	26
24.	शेर	-	134	04	138	-	24	01	25	-	-	-	-	0	24	1	25
25.	लोअर जूम्मी	-	218	07	225	-	50	01	51	-	-	-	-	0	50	1	51
26.	कोमा सेकी	-	86	38	124	-	13	04	17	-	-	-	-	0	13	4	17

क्र. सं.	सर्वेक्षित ग्राम का नाम	सर्वेक्षित जनसंख्या				उपचारित रोगियों की संख्या											
						नये				पुरावर्तित				योग			
		अनु. जाति	अनु. जन जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग
27.	लोरा	-	112	-	112	-	29	-	29	-	-	-	-	0	29	0	29
28.	बेल्लो	-	109	-	109	-	27	-	27	-	-	-	-	0	27	0	27
29.	तादर हापा	-	123	12	135	-	31	5	36	-	-	-	-	0	31	5	36
30.	काकोई	5	148	7	160	2	38	4	44	-	-	-	-	2	38	4	44
31.	थुन्ग्रे	-	382	12	394	-	65	3	68	-	-	-	-	0	65	3	68
32.	सिलिपम	-	265	120	385	-	50	43	93	-	-	-	-	0	50	43	93
33.	जिगाँव	-	422	54	476	-	54	13	67	-	-	-	-	0	54	13	67
34.	मुखुतिंग	-	377	62	439	-	57	20	77	-	-	-	-	0	57	20	77
35.	गोर्बव	-	400	3	403	-	82	1	83	-	-	-	-	0	82	1	83
36.	कोविन	08	440	20	468	-	87	06	93	-	-	-	-	0	87	6	93
37.	लोंग्मन	02	215	12	229	-	27	06	33	-	-	-	-	0	27	6	33
38.	हेलोंग	-	195	25	220	-	107	03	110	-	02	-	02	0	109	3	112
39.	चाम्रो	20	229	50	299	-	64	21	85	-	-	-	-	0	64	21	85
40.	ओल्ड खाम्दु	03	214	07	224	-	140	03	143	-	-	-	-	0	140	3	143
41.	न्यू खाम्दु	01	270	15	286	-	49	04	53	-	-	-	-	0	49	4	53
42.	लुन्पंग	02	268	10	280	-	74	02	76	-	-	-	-	0	74	2	76
43.	रिमा	-	122	02	124	-	77	-	77	-	-	-	-	0	77	0	77
44.	नोंग्केय	01	117	15	133	-	54	07	61	-	-	-	-	0	54	7	61
45.	माचुम	-	173	40	213	-	79	36	115	-	-	-	-	0	79	36	115
46.	नोंग्थे	03	121	12	136	-	59	09	68	-	-	-	-	0	59	9	68
47.	ठेरिम्कन	-	81	07	88	-	53	06	59	-	-	-	-	0	53	6	59
48.	मोपाया	-	357	34	391	-	67	08	75	-	-	-	-	0	67	8	75
49.	विवेक नगर	-	339	22	361	-	66	04	70	-	-	-	-	0	66	4	70
50.	नरोत्तम नगर को.	-	276	297	573	-	60	66	126	-	-	-	-	0	60	66	126
51.	नाम्संग	-	207	15	222	-	44	04	48	-	-	-	-	0	44	4	48
	योग	**701**	**8464**	**1578**	**10743**	**6**	**2476**	**849**	**3331**	**0**	**61**	**32**	**93**	**6**	**2537**	**881**	**3424**

Ø- la	lof{kr xzkeksa dk uke	lof{kr tkula[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh la[;k											
						u;s				iqujko`fRr				;ksx			
		vu- tkfr	vu- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx
VI.	vk-vk-Lok-j-vu-ifj-] iksVZCys;j																
1.	स्ट्रेट आइलैंड	-	23	05	28	-	23	05	28	-	-	-	-	-	23	05	28
2.	हरमिंदर बीच	-	1548	-	1548	-	573	-	573	-	60	-	60	-	633	-	633
3.	मीनाक्षी राम नगर	-	126	-	126	-	74	-	74	-	-	-	-	-	74	-	74
4.	एवल	-	138	-	138	-	81	-	81	-	-	-	-	-	81	-	81
5.	बंगाली	-	104	-	104	-	56	-	56	-	-	-	-	-	56	-	56
6.	एनम	-	111	-	111	-	67	-	67	-	-	-	-	-	67	-	67
7.	चुक्माची	-	134	-	134	-	83	-	83	-	-	-	-	-	83	-	83
8.	परका	-	101	-	101	-	076	-	076	-	-	-	-	-	076	-	076
9.	टमलू	-	189	-	189	-	123	-	123	-	-	-	-	-	123	-	123
10.	मालक्का	-	087	-	087	-	053	-	053	-	-	-	-	-	053	-	053
11.	चैम्पियन	-	087	-	087	-	059	-	059	-	-	-	-	-	059	-	059
12.	बालू बस्ती	-	073	-	073	-	044	-	044	-	-	-	-	-	044	-	044
13.	छोटा एनका	-	068	-	068	-	046	-	046	-	-	-	-	-	046	-	046
	;ksx	-	**2789**	**5**	**2794**	-	**1358**	**5**	**1363**	-	**60**	-	**60**	-	**1418**	**5**	**1423**
VII.	jk-vk-vk-fo-v-la-] Hkqous'oj																
1.	चुटीपलंगा	10	291	00	301	10	90	00	100	09	79	00	88	19	169	00	188
2.	गोदिपोखरी	17	349	70	436	06	94	20	120	06	76	14	96	12	170	34	216
3.	कुराधिलो	55	283	13	351	07	58	03	68	06	48	03	57	13	106	06	125
4.	पंगासिंह	49	288	00	337	10	50	00	60	05	44	00	49	15	94	00	109
5.	भोगडा	00	356	27	383	00	27	03	30	00	00	00	00	00	27	03	30
6.	गोबिंदपुर	00	369	40	409	00	32	08	40	00	00	00	00	00	32	08	40
7.	कटबड़ा	00	419	43	462	00	42	06	48	00	00	00	00	00	42	06	48
8.	नीलकंठपुर	00	496	00	496	00	52	00	52	00	00	00	00	00	52	00	52
9.	बासुदेवपुर	00	417	72	489	00	30	06	36	00	00	00	00	00	30	06	36
	;ksx	**131**	**3268**	**265**	**3664**	**33**	**475**	**46**	**554**	**26**	**247**	**17**	**290**	**59**	**722**	**63**	**844**

Ø- la	lof{kr xzkeksa dk uke	lof{kr tkula[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh la[;k											
						u;s				iqujkorZr				;ksx			
		vu- tkfr	vu- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx
VIII.	jk-vk-vk-fo-v-la-] dksydkrk																
1.	पिप्रखाली	0	206	0	206	37	61	55	153	0	0	0	0	37	61	55	153
2.	तुस्खाली –अतापुर	166	448	147	761	83	248	74	405	6	21	2	29	89	269	76	434
3.	गब्बेरिया	37	412	32	481	40	192	17	249	-	-	-	-	40	192	17	249
4.	पुर्बा सितुलिया	34	370	0	404	25	197	15	237	-	-	-	-	25	197	15	237
5.	जेलियाखली (दरम्पारा)	22	275	0	297	33	74	65	172	-	-	-	-	33	74	65	172
6.	कुल्ताली	205	744	40	989	77	149	47	273	17	50	3	70	94	199	50	343
7.	सुखोदोंनी	53	386	22	461	65	102	11	178	-	-	-	-	65	102	11	178
8.	जेलियाखली (पुर्बखंड)	18	369	77	464	10	61	62	133	-	-	-	-	10	61	62	133
9.	कर्नाखाली	88	276	30	394	31	101	15	147	-	-	-	-	31	101	15	147
10.	मणिपुर	98	246	162	506	38	78	77	193	-	-	-	-	38	78	77	193
11.	एनरी कुश्बोना	70	223	6	299	38	81	10	129	-	-	-	-	38	81	10	129
12.	कठारिया	59	319	20	398	21	119	6	146	-	-	-	-	21	119	6	146
13.	हंसपहरी	29	145	8	182	24	62	3	89	-	-	-	-	24	62	3	89
14.	हट्गाछा	102	319	39	460	50	78	9	137	-	-	-	-	50	78	9	137
15.	उशार्दिही.परशिबोना	0	353	5	358	8	107	0	115	-	-	-	-	8	107	0	115
16.	रंगमेत्या	0	300	5	305	3	113	1	117	-	-	-	-	3	113	1	117
17.	मुसिब्दिही	26	268	43	337	13	100	35	148	-	-	-	-	13	100	35	148
	;ksx	**1007**	**5659**	**636**	**7302**	**596**	**1923**	**502**	**3021**	**23**	**71**	**5**	**99**	**619**	**1994**	**507**	**3120**
IX.	vk-d-v-la-] t;iqj																
1.	झोल	06	740	75	821	-	155	14	169	-	02	01	03	-	157	15	172
2.	बोरी	15	1613	-	1628	--	225	-	225	--	17	-	17	-	242	-	242
3.	धनका वारा	-	1442	-	1442	-	243	-	243	-	14	-	14	-	257	-	257
4.	अमरपुरा	-	1252	-	1252	-	238	-	238	-	-	-	-	-	238	-	238
5.	अठमाना कोटरा	-	683	-	683	-	133	-	133	-	-	-	-	-	133	-	133
	;ksx	**21**	**5730**	**75**	**5826**	**-**	**994**	**14**	**1008**	**-**	**33**	**01**	**34**	**-**	**1027**	**15**	**1042**

क्र. सं.	सर्वेक्षित गांवों का नाम	सर्वेक्षित जनसंख्या				उपचारित रोगियों की संख्या											
						नये				पुनरावर्तित				योग			
		अनु. जाति	अनु. जन जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग
X.	रा.आ.रा.वा.ज.रा.अ.सं., विजयवाडा																
1.	चंद्रूपटला	2	661	3	666	2	277	3	282	2	10	3	15	4	287	6	297
2.	पैडीगुडम	0	329	0	329	0	143	0	143	0	8	0	8	0	151	0	151
3.	के.लक्ष्मीपुरम	0	172	77	249	0	143	0	143	0	10	0	10	0	153	0	153
4.	येर्रबोरू	0	261	0	261	0	89	0	89	0	18	0	18	0	107	0	107
5.	कोथुरु	0	150	0	150	0	51	0	51	0	2	0	2	0	53	0	53
6.	अर्लागुडेम	0	175	0	175	0	64	0	64	0	3	0	3	0	67	0	67
7.	डी.कोठागुडम	0	240	0	240	0	109	0	109	0	16	0	16	0	125	0	125
8.	धर्मपुरम	0	118	0	118	0	76	0	76	0	7	0	7	0	83	0	83
9.	सुब्बरोपेता	0	177	0	177	0	49	0	49	0	3	0	3	0	52	0	52
10.	रंगापुर	0	269	0	269	0	90	0	90	0	4	0	4	0	94	0	94
11.	फ्रूट फार्म	4	75	0	79	2	29	0	31	0	3	0	3	2	32	0	34
12.	सोमलागद्दा	0	184	12	196	0	84	2	86	0	8	0	8	0	92	2	94
13.	मुथापुर	0	320	0	320	0	132	0	132	0	2	0	2	0	134	0	134
14.	प्रोजेक्ट नगर	0	95	0	95	0	51	0	51	0	3	0	3	0	54	0	54
15.	बीरेल्ली	9	175	128	312	4	118	45	167	0	17	0	17	4	135	45	184
16.	बलान्नागुडम	0	254	39	293	0	149	13	162	0	11	0	11	0	160	13	173
17.	नीलाद्रिपेता	34	43	13	90	35	41	8	84	0	5	0	5	35	46	8	89
18.	डोमेदा	30	187	67	284	28	92	51	171	0	12	0	12	28	104	51	183
19.	बुत्तयागुडम	123	78	135	336	24	18	19	61	0	0	0	0	24	18	19	61
20.	पी.आर.गुडम	15	287	120	422	3	90	46	139	0	0	0	0	3	90	46	139
	योग	**217**	**4250**	**594**	**5061**	**98**	**1895**	**187**	**2180**	**2**	**142**	**3**	**147**	**100**	**2037**	**190**	**2327**
XI.	रा.आ.आ.वि.अ.सं., बैंगलोर																
1.	भूतानाहल्ली– हक्की–पिक्की कालोनी	0	259	0	259	0	50	10	60	0	46	10	56	0	96	20	116
2.	केंगरी	0	91	31	122	0	39	20	59	0	26	7	33	0	65	27	92
3.	भद्रपुर हक्की–पिक्की कालोनी	0	409	43	452	0	116	15	131	0	56	10	66	0	172	25	197
	योग	**0**	**759**	**74**	**833**	**0**	**205**	**45**	**250**	**0**	**128**	**27**	**155**	**0**	**333**	**72**	**405**

क्र. सं.	सर्वेक्षित ग्रामों के नाम	सर्वेक्षित जनसंख्या				उपचारित रोगियों की संख्या											
						नये				पुनरावृत्त				योग			
		अनु. जाति	अनु. जन जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग	अनु. जाति	अनु. जाति	सामान्य	योग
XII.	आ.क्षे.अ.सं., गंगटोक																
1.	कवि	20	428	15	463	02	166	22	190	01	76	06	83	03	242	28	273
2.	लाशिथांग	--	69	19	88	--	19	19	38	--	14	05	19	--	33	24	57
3.	लाबी	--	252	01	253	--	101	01	102	--	83	--	83	--	184	01	185
4.	बरापाथिंग	--	272	06	278	--	117	06	123	--	43	01	44	--	160	07	167
5.	लिंके	10	223	109	342	08	55	110	173	05	21	19	45	13	76	129	218
6.	बार्बिंग	10	234	44	288	08	86	40	134	02	34	11	47	10	120	51	181
7.	फामताम	--	271	06	277	--	77	06	83	--	63	--	63	--	140	06	146
8.	ठसा	10	189	35	234	10	98	35	143	06	38	09	053	16	136	044	196
9.	ही गाँव	06	144	17	167	06	32	17	055	--	--	--	--	06	032	017	055
10.	युक्सुम	02	169	20	191	02	61	20	083	--	--	--	--	02	061	020	083
11.	फेंजोंग	01	106	45	152	01	54	45	100	--	--	--	--	01	54	045	100
12.	फेनसंग	--	314	15	329	--	112	11	123	--	53	04	57	--	165	15	180
13.	पान्गथांग	02	84	05	91	02	36	05	43	--	--	--	--	02	36	05	43
14.	पातुक	--	109	11	120	--	57	06	63	--	28	05	33	--	85	11	96
15.	अ. कम्बल	07	87	07	101	07	49	07	63	--	--	--	--	07	49	07	63
16.	बड़ामतम	--	156	13	169	--	62	07	69	--	46	06	52	--	108	13	121
17.	चुंगथांग	05	107	11	123	05	38	11	54	--	--	--	--	05	38	11	54
18.	पैगांव	02	93	06	101	02	34	06	42	--	--	--	--	02	34	06	42
	योग	**75**	**3307**	**385**	**3767**	**53**	**1254**	**374**	**1681**	**14**	**499**	**66**	**579**	**67**	**1753**	**440**	**2260**
XIII.	डा.अ.ल.आ.अ.के., चेन्नई																
1.	कीज्हकादम्बुर	7	244	-	251	3	48	-	51	2	3	-	5	5	51	-	56
2.	मेल्कादम्बुर	-	-	148	148	-	-	56	56	-	-	6	6	-	-	62	62
3.	कुप्पठुपलायम	-	57	-	57	-	20	-	20	-	1	-	1	-	21	-	21
4.	गांधिग्रामम	8	336	2	346	6	106	2	114	-	6	-	6	6	112	2	120
5.	रघुनाथापुरम	4	72	-	76	1	28	-	29	-	-	-	-	1	28	-	29
6.	इल्लुपुर	-	57	1	58	-	6	1	7	-	-	-	-	-	6	1	7

Ø- la	lof{kr xkeksa dk uke	lof{kr tkula[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh la[;k											
						u;s				iqujkofrZr				;ksx			
		vu- tkfr	vu- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx
7.	नेदुम्पुरम	7	72	-	79	3	32	-	35	-	-	-	-	3	32	-	35
8.	पत्तन्थंगल	-	38	-	38	-	12	-	12	-	-	-	-	-	12	-	12
9.	कर्थिकेयापुरम	-	387	-	387	-	136	-	136	-	-	-	-	-	136	-	136
10.	नेदुन्गल	8	170	-	178	2	68	-	70	-	-	-	-	2	68	-	70
11.	पप्पिरेद्दी पल्ली	8	193	-	201	6	66	-	72	-	-	-	-	6	66	-	72
12.	पल्लिपुत्तु	15	194	-	209	6	71	-	77	-	-	-	-	6	71	-	77
13.	पन्द्रवीडू	-	109	-	109	-	42	-	42	-	-	-	-	-	42	-	42
14.	गोल्लालाकुप्पम	-	136	-	136	-	42	-	42	-	-	-	-	-	42	-	42
	;ksx	**57**	**2065**	**151**	**2273**	**27**	**677**	**59**	**763**	**2**	**10**	**6**	**18**	**29**	**687**	**65**	**781**
XIV.	jk-l-k-&fj-v-l-] yg																
1.	रंग्दुम	-	55	-	55	-	20	-	20	-	-	-	-	-	20	-	20
2.	करचा	-	45	-	45	-	21	-	21	-	-	-	-	-	21	-	21
3.	रिनम	-	40	-	40	-	16	-	16	-	-	-	-	-	16	-	16
4.	जांगला	-	58	-	58	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
5.	स्तोंग्दे	-	11	-	11	-	13	-	13	-	-	-	-	-	13	-	13
6.	जोंग्स्कुल	-	07	-	07	-	04	-	04	-	-	-	-	-	04	-	04
7.	अत्तिंग	-	33	-	33	-	14	-	14	-	-	-	-	-	14	-	14
8.	सानी	-	61	-	61	-	45	-	45	-	-	-	-	-	45	-	45
9.	बरदान	-	35	-	35	-	01	-	01	-	-	-	-	-	01	-	01
10.	मुनी	-	29	-	29	-	13	-	13	-	-	-	-	-	13	-	13
11.	रारु	-	57	-	57	-	27	-	27	-	-	-	-	-	27	-	27
12.	एम्मू	-	05	-	05	-	01	-	01	-	-	-	-	-	01	-	01
13.	चा	-	19	-	19	-	09	-	09	-	-	-	-	-	09	-	09
14.	फुथल	-	37	-	37	-	10	-	10	-	-	-	-	-	10	-	10
15.	पदुम	-	49	-	49	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
16.	तरु	-	189	-	189	-	54	-	54	-	-	-	-	-	54	-	54

Ø- l	loZ{kr xkek dk uke	loZ{kr tkul[;k				mipkfjr jksfx;ksa dh l[;k											
						u;				iqujkoÙkr				;ksx			
		vu- tkfr	vu- tu tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx	vu- tkfr	vu- tkfr	lkekU;	;ksx
17.	उमला	-	49	-	49	-	14	-	14	-	-	-	-	-	14	-	14
18.	शाचुकुल	-	65	-	65	-	49	-	49	-	-	-	-	-	49	-	49
19.	दुर्बुक	-	92	-	92	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
20.	तंगत्से	-	72	-	72	-	34	-	34	-	-	-	-	-	34	-	34
21.	थारुक	-	167	-	167	-	56	-	56	-	-	-	-	-	56	-	56
22.	फोलोंग्लय	-	60	-	60	-	15	-	15	-	-	-	-	-	15	-	15
23.	चिलम	-	60	-	60	-	35	-	35	-	-	-	-	-	35	-	35
24.	इरथ	-	88	-	88	-	33	-	33	-	-	-	-	-	33	-	33
25.	सथो	-	69	-	69	-	35	-	35	-	-	-	-	-	35	-	35
26.	चिब्रा	-	12	-	12	-	11	-	11	-	-	-	-	-	11	-	11
27.	माथो	-	370	-	370	-	128	-	128	-	-	-	-	-	128	-	128
28.	एगू	-	119	-	119	-	54	-	54	-	-	-	-	-	54	-	54
29.	उले तोक्पो	-	41	-	41	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
30.	सुम्धा	-	30	-	30	-	06	-	06	-	-	-	-	-	06	-	06
31.	चिल्लिग	-	33	-	33	-	17	-	17	-	-	-	-	-	17	-	17
32.	साबू धो	-	43	-	43	-	40	-	40	-	-	-	-	-	40	-	40
33.	हेमिस	-	107	-	107	-	36	-	36	-	-	-	-	-	36	-	36
34.	आल्ची	-	170	-	170	-	42	-	42	-	-	-	-	-	42	-	42
35.	बैमा	-	278	-	278	-	58	-	58	-	-	-	-	-	58	-	58
36.	धा	-	132	-	132	-	37	-	37	-	-	-	-	-	37	-	37
37.	दर्खों	-	377	-	377	-	70	-	70	-	-	-	-	-	70	-	70
38.	हनु योक्मा	-	188	-	188	-	53	-	53	-	-	-	-	-	53	-	53
39.	रुम्त्से	-	124	-	124	-	37	-	37	-	-	-	-	-	37	-	37
40.	गया	-	317	-	317	-	75	-	75	-	-	-	-	-	75	-	75
41.	मेरु	-	193	-	193	-	38	-	38	-	-	-	-	-	38	-	38
	;ksx	**-**	**3986**	**-**	**3986**	**-**	**1341**	**-**	**1341**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1341**	**-**	**1341**
	dqy ;ksx	**5818**	**65670**	**7111**	**78599**	**1173**	**15740**	**2471**	**19384**	**118**	**2680**	**212**	**3010**	**1291**	**18420**	**2683**	**22394**

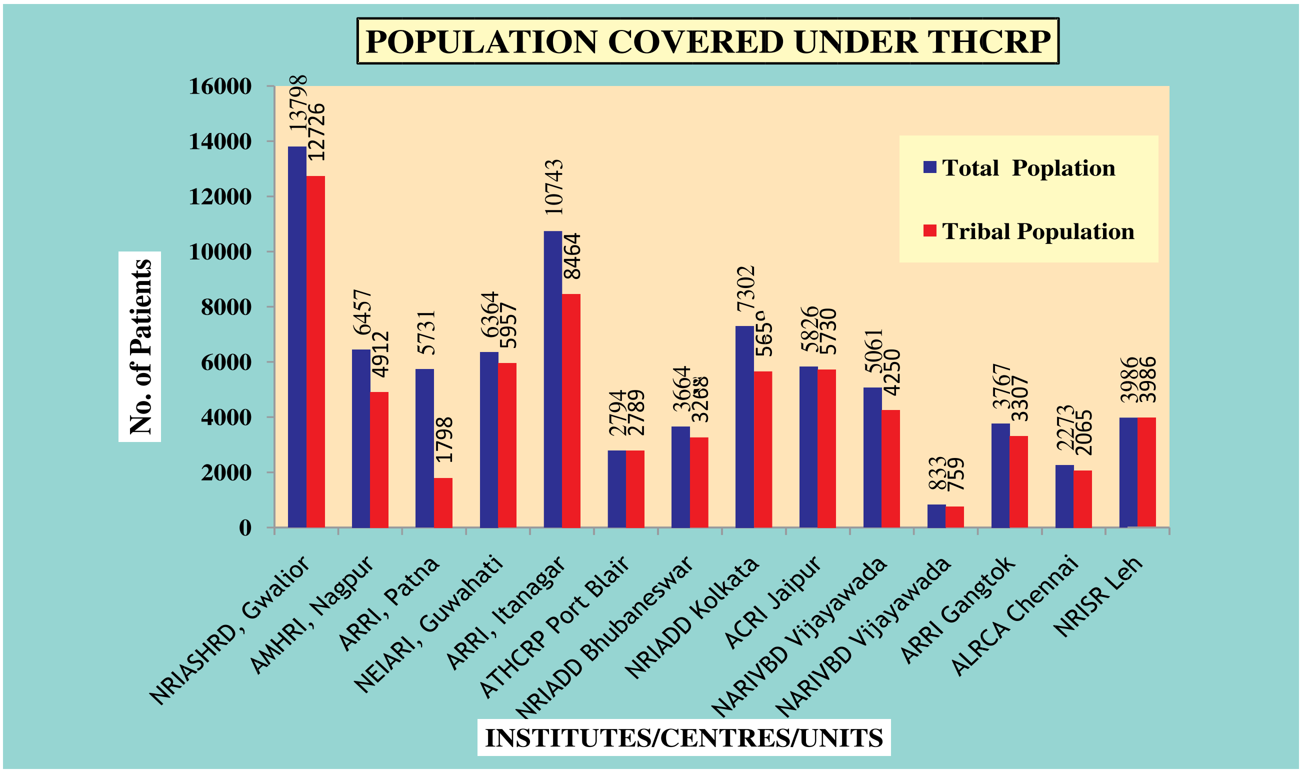
POPULATION COVERED UNDER THCRP
No. of Patients
16000
14000
12000
10000
8000
6000
4000
2000
0
Total Poplation
Tribal Population
13798
12726
6457
4912
5731
1798
6364
5957
10743
8464
2794
2789
3664
3288
7302
5650
5826
5730
5061
4250
833
759
3767
3307
2273
2065
3986
3986
NRIASHRD, Gwalior
AMHRI, Nagpur
ARRI, Patna
NEIARI, Guwahati
ARRI, Itanagar
ATHCRP Port Blair
NRIADD Bhubaneswar
NRIADD Kolkata
ACRI Jaipur
NARIVBD Vijayawada
NARIVBD Vijayawada
ARRI Gangtok
ALRCA Chennai
NRISR Leh
INSTITUTES/CENTRES/UNITS

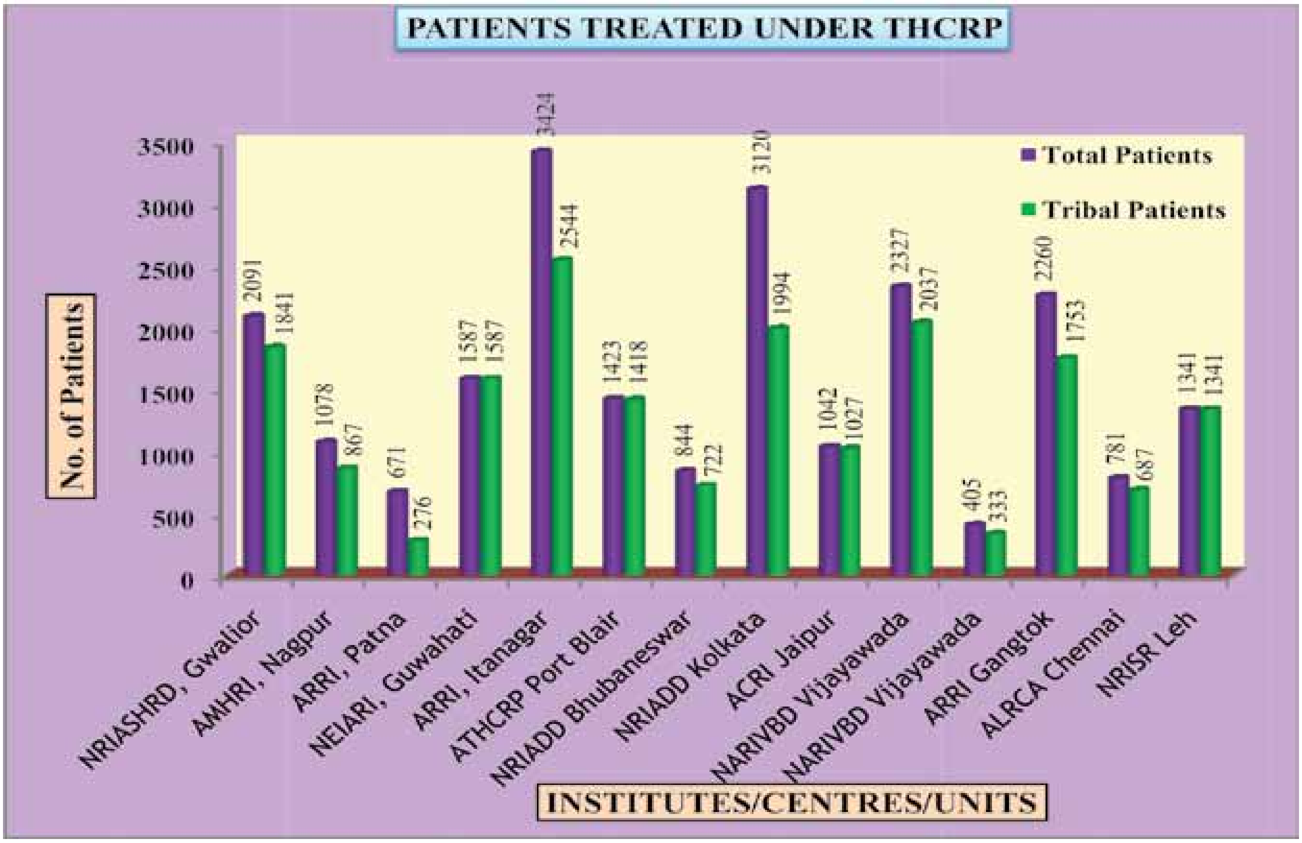
PATIENTS TREATED UNDER THCRP
No. of Patients
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
Total Patients
Tribal Patients
2091
1841
1078
867
671
276
1587
1587
3424
2544
1423
1418
844
722
3120
1994
1042
1027
2327
2037
405
333
2260
1753
781
687
1341
1341
NRIASHRD, Gwalior
AMHRI, Nagpur
ARRI, Patna
NEIARI, Guwahati
ARRI, Itanagar
ATHCRP Port Blair
NRIADD Bhubaneswar
NRIADD Kolkata
ACRI Jaipur
NARIVBD Vijayawada
NARIVBD Vijayawada
ARRI Gangtok
ALRCA Chennai
NRISR Leh
INSTITUTES/CENTRES/UNITS

rkfydk& 50 % vkfnoklh {k=k esa lLFkku vuqlkj vf/kdrj ik;s tkus okys jksx

Ø- l-	lLFkku dk uke	vf/kdrj ik;s tkus okys jksx
1.	रा.आ.सि.मा.सं.वि.अ.सं., ग्वालियर	कास, ज्वर, त्वक रोग, वात व्याधि, उदरशूल, श्वास, प्रतिश्याय, कटिशूल, शिरशूल, संधिशूल
2.	आ.मा.स्वा.अनु.सं., नागपुर	संधिवात, कटिशूल, आमवात, कास, पांडू, दौर्बल्य, त्वक रोग, प्रतिश्याय, श्वास, शिरशूल
3.	आ.क्षे.अनु.सं., पटना	उदरशूल, ज्वर, कटिशूल, कास, संधिशूल, त्वक रोग, कंडू, वात व्याधि, अम्लपित्त, प्रतिश्याय, श्वास
4.	उ.पू.भा.आ.अ.सं., गुवाहाटी	वात व्याधि, अम्लपित्त, कटिशूल, त्वक रोग, कास, ज्वर, संधिवात, शिरशूल, उदरशूल, रजोदोस
5.	आ.क्षे.अनु.सं., ईटानगर	वात व्याधि, ज्वर, दौर्बल्य, कटिशूल, कास, अम्लपित्त, त्वक रोग, संधिवात, संधिशूल, उदरशूल,
6.	आ.आ.स्वा.र.अनु.परि., पोर्टब्लेयर	संधिवात, कास, कटिशूल, त्वक रोग, रक्तचाप, अम्लपित्त, ज्वर, श्वास, प्रतिश्याय, पांडू
7.	रा.आ.औ.वि.अ.सं., भुवनेश्वर	संधिवात, पांडू, अम्लपित्त, प्रतिश्याय, ज्वर, श्वेत प्रदर, उदरशूल, कटिशूल, कास, वात व्याधि
8.	रा.आ.औ.वि.अ.सं., कोलकाता	वात व्याधि, संधिवात, त्वक रोग, अम्लपित्त, श्वास, उदरशूल, कृमि, गृहणीदोष, दौर्बल्य, कास, कटिशूल, शिरशूल, प्रमेह
9.	आ.के.अ.सं., जयपुर	कास, संधिशूल, उदरशूल, दौर्बल्य, त्वक रोग, प्रतिश्याय, ज्वर, वात व्याधि, प्रदर, शिरशूल
10.	रा.आ.रो.वा.ज.रो.अ.सं., विजयवाड़ा	कटिशूल, संधिशूल, संधिवात, वात व्याधि, ज्वर, उदरशूल, शिरशूल, प्रतिश्याय, त्वक रोग, कास, दौर्बल्य, श्वास, श्वेत प्रदर, मधुमेह
11.	रा.आ.आ.वि.अ.सं., बैंगलोर	कास, संधिवात, संधिशूल, दौर्बल्य, त्वक रोग, वात व्याधि, व्रण, कटिशूल, पांडू, अम्लपित्त
12.	आ.क्षे.अनु.सं., गंगटोक	अम्लपित्त, कास, संधिवात, वात व्याधि, त्वक रोग, आमवात, शिरशूल, कटिशूल, नेत्ररोग, संधिशूल
13.	डा.अ.ल.आ.अ.के., चेन्नई	वात व्याधि, अम्लपित्त, दौर्बल्य, संधिवात, प्रतिश्याय, ज्वर, कटिशूल, त्वक रोग, कास, श्वास
14.	रा.सो.–रि.अ.सं., लेह	आमवात, उदररोग, वृक्क रोग, न्युराईटिस, एवं वाह्य न्युराईटिस, आमाशय व्रण, उच्च रक्त चाप, शिरशूल, पित्त वात रोग, प्रतिश्याय

7-2 cfgjax jksxh foHkkx ¼vks-ih-Mh-½ ,oa varjax jksxh foHkkx ¼vkbZ-ih-Mh-½ ds ek/;e ls LokLF; j{kk lsok,¡

परिषद के 26 परीधीय संस्थानो/केन्द्रों/एककों एवं सह स्थित एककों में बहिरंग रोगी विभाग तथा अंतरंग रोगी विभाग के माध्यम से अनुसंधान उन्मुख स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गयीं I प्रतिवेदन अवधि में कुल 5,29,572 रोगी ओ.पी.डी. के माध्यम से लाभान्वित हुए (तालिका–51)

rkfydk&51% ifj"kn ds laLFkkuksa esa vks-ih-Mh- esa ykHkkfUorksa dk fooj.k

Ø- la-	laLFkku@dsUæ@,dd dk uke	cfgjax jksxh							varjax jksxh				'k‚;k vf/kHkkx %
		u;s		iqjkus		;ksx		dqy ;ksx	ifo"V		fuxZeu		
		iq-	óh-	iq-	óh-	iq-	óh-		iq-	óh-	iq-	óh-	
1.	आ.के.अ.सं., दिल्ली	11487	9143	13386	12428	24873	21571	46444	235	251	240	256	59.46
2.	रा.पं.अ.सं., चेरुतुरुथी	6753	9892	16333	27037	23086	36929	60015	458	340	464	343	87.57
3.	रा.आ.औ.वि.अ.सं., भुवनेश्वर	4317	3790	4722	4904	9039	8694	17733	142	168	142	172	38.7
4.	रा.आ.औ.वि.अ.सं., कोलकाता	5070	4186	13062	13351	18132	17537	35669	42	108	32	111	69.81
5.	रा.आ.भे.अ.सं., पटियाला	3308	3110	6337	6262	9645	9372	19017	अंतरग रोगी विभाग बंद				
6.	रा.प.आ.अ.सं.अ., लखनऊ	3704	2604	6695	5499	10399	8103	18502	अंतरग रोगी विभाग क्रियाशील नहीं				
7.	आ.कै.अ.सं., मुम्बई	2591	2859	8216	9046	10807	11905	22712	235	248	231	243	58.00
8.	आ.के.अ.सं., जयपुर	9133	6055	8849	6480	17982	12535	30517	37	17	36	16	17.69
9.	रा.आ.सि.मा.सं.वि.अ.सं., ग्वालियर	9316	8001	6933	6934	16249	14935	31184	69	38	69	38	7.23
10.	रा.आ.रो.ज.रो.अ.सं., विजयवाड़ा	4735	5605	8924	11628	13659	17233	30892	54	62	56	65	62.18
11.	आ.मा.स्वा.अ.सं., नागपुर	2488	3944	6152	10497	8640	14441	23081	105	114	107	111	68.99
12.	रा.आ.आ.वि.अ.सं. बैंगलोर	1645	1342	5049	4554	6694	5896	12590	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				

Ø- l-	lLFkkuk@dUæk@,ddk dk uke	cfgjx jksxh							vUrjx jksxh				'k¸;k vf/kHkkx %
		u;s		iqjkus		;ksx		dqy ;ksx	ifo"V		fuxZeu		
		iq-	óh-	iq-	óh-	iq-	óh-		iq-	óh-	iq-	óh-	
13.	आ.मा.शि.स्वा.र.अ.सं., त्रिवेन्द्रम	1725	3992	4472	12237	6197	16229	22426	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
14.	आ.क्षे.अ.सं., पटना	5124	5353	6471	6711	11595	12064	23659	अंतरग रोगी विभाग क्रियाशील नहीं				
15.	उ.पू.भा.आ.अ.सं., गुवाहाटी	3618	4095	3421	4998	7039	9093	16132	अंतरग रोगी विभाग क्रियाशील नहीं				
16.	आ.क्षे.अ.सं., गैंगटोक	2442	2528	4049	4547	6491	7075	13566	अंतरग रोगी विभाग क्रियाशील नहीं				
17.	आ.क्षे.अ.सं., ईटानगर	1920	2177	1720	2133	3640	4310	7950	अंतरग रोगी विभाग क्रियाशील नहीं				
18.	आ.क्षे.अ.सं., जम्मू	5193	4886	5808	5434	11001	10320	21321	83	163	83	162	47.83
19.	आ.क्षे.अ.सं., मन्डी	4950	7463	3357	6590	8307	14053	22360	अंतरग रोगी विभाग क्रियाशील नहीं				
20.	आ.ग.औ.अ.सं., अहमदाबाद	1480	1129	1790	1677	3270	2806	6076	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
21.	आ.मा.स्वा.स्ना.वि.उ.के., बैंगलोर	2647	2090	2260	1870	4907	3960	8867	161	96	158	90	28.4
22.	अ.ल.आ.अ.के., चैन्नई	326	497	729	1118	1055	1615	2670	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
23.	अ.चि.के. सफदरजंग, नई दिल्ली	7480	4399	7926	4823	15406	9222	24628	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
24.	ए.टी.सी. लेडी हार्डिंग, नई दिल्ली	3101	2733	2376	2041	5477	4774	10251	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
25.	आ.आ.स्व.र.अ.परि., पोर्टब्लेयर	521	438	135	128	656	566	1222	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
26.	ह.आ.अ.के., नागालैंड	37	26	18	7	55	33	88	अंतरग रोगी विभाग उपलब्ध नहीं				
;ksx		**105111**	**102337**	**149190**	**172934**	**254301**	**275271**	**529572**	**1621**	**1605**	**1618**	**1607**	**49.65%***

*औस शरूया अधिभोग

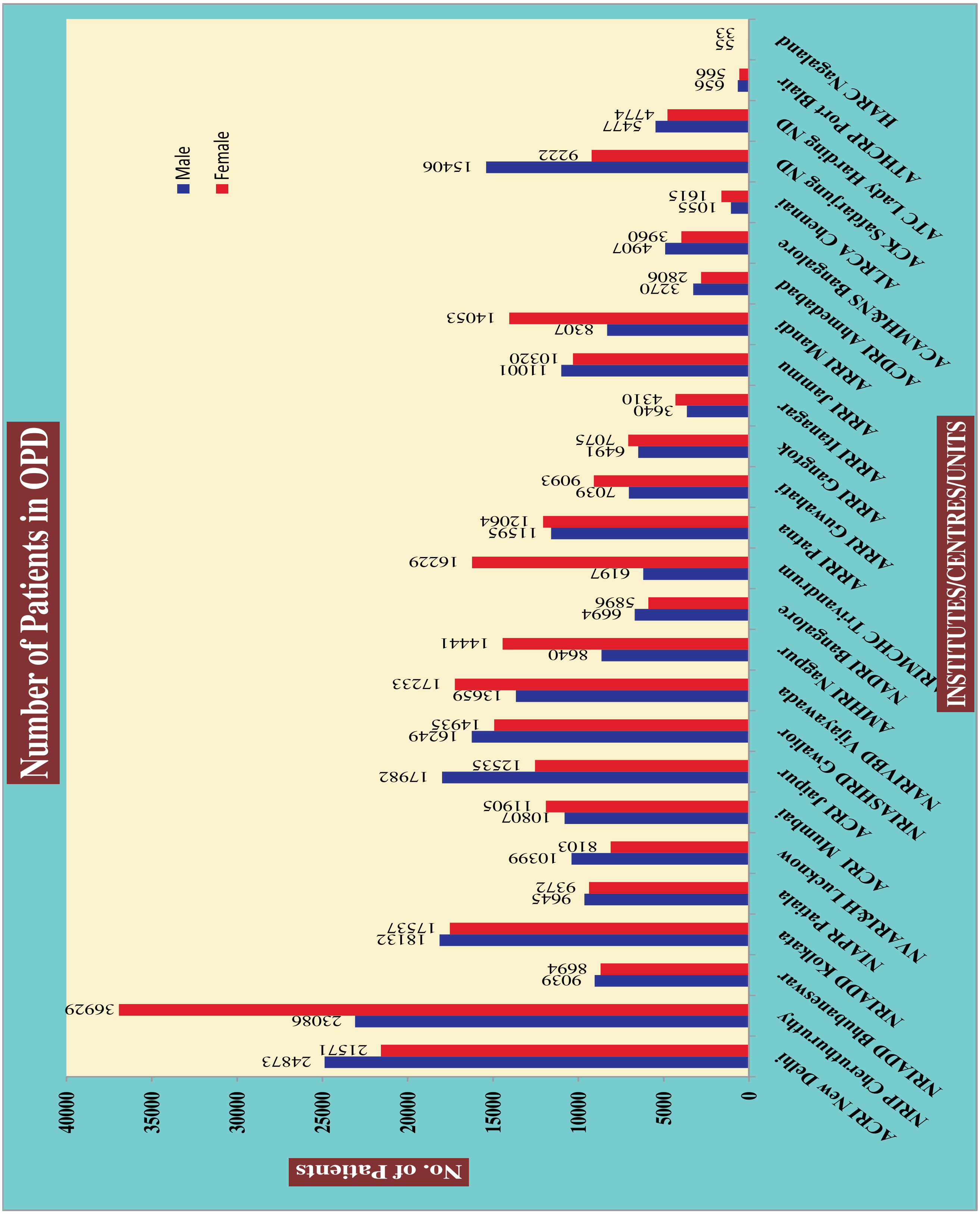
Number of Patients in OPD
No. of Patients
INSTITUTES/CENTRES/UNITS
Male
Female
0
5000
10000
15000
20000
25000
30000
35000
40000
ACRI New Delhi 24873 21571
NRIP Cheruthuruthy 23086 36929
NRIADD Bhubaneswar 9039 8694
NRIADD Kolkata 18132 17537
NIAPR Patiala 9645 9372
NVARI&H Lucknow 10399 8103
ACRI Mumbai 10807 11905
ACRI Jaipur 17982 12535
NRIASHRD Gwalior 16249 14935
NARIVBD Vijayawada 13659 17233
AMHRI Nagpur 8640 14441
NADRI Bangalore 6694 5896
RIMCHC Trivandrum 6197 16229
ARRI Patna 11595 12064
ARRI Guwahati 7039 9093
ARRI Gangtok 6491 7075
ARRI Itanagar 3640 4310
ARRI Jammu 11001 10320
ARRI Mandi 8307 14053
ACDRI Ahmedabad 3270 2806
ACAMH&NS Bangalore 4907 3960
ALRCA Chennai 1055 1615
ACK Safdarjung ND 15406 9222
ATC Lady Harding ND 5477 4774
ATHCRP Port Blair 656 566
HARC Nagaland 55 33

7-3 o)koLFkk LokLF; j{kk gr| fo'k"k Dyhfud

परिषद ने अपने 23 परिधीय संस्थानों में वृद्धावस्था स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु विशेष क्लीनिकों के माध्यम से वृद्धावस्था स्वास्थ्य के लिए विशिष्ट आयुर्वेद सेवाओं को प्रोत्साहन देना प्रारम्भ किया है। प्रतिवेदन अवधि में 96,775 रोगी लाभान्वित हुए (तालिका–52)

rkfydk & 52 % o)koLFkk LokLF; j{kk gr| fo'k"k Dyhfudks e| ykHkkfUorks dk fooj.k

Ø- l|-	l|LFkku@dæ dk uke	o)koLFkk cghjix jkxh				;kx		d|y ;kx
		u;|		i|jku|				
		i|-	óh	i|-	óh	i|-	óh	
1.	आ.के.अ.सं., दिल्ली	319	206	656	332	975	538	1513
2.	रा.पं.अ.सं., चेरुतुरुथी	2451	2837	8098	8665	10549	11502	22051
3.	रा.आ.औ.वि.अ.सं., भुवनेश्वर	1508	847	2373	1319	3881	2166	6047
4.	रा.आ.औ.वि.अ.सं., कोलकाता	1423	775	4773	2962	6196	3737	9933
5.	रा.आ.भे.अ.सं., पटियाला	720	410	1808	793	2528	1203	3731
6.	रा.प.आ.अ.सं.अ., लखनऊ	91	51	212	135	303	186	489
7.	आ.कै.अ.सं., मुम्बई	114	90	299	228	413	318	731
8.	आ.के.अ.सं., जयपुर	626	221	1048	291	1674	512	2186
9.	रा.आ.सि.मा.सं.वि.अ.सं., ग्वालियर	3563	2116	3515	2113	7078	4229	11307
10.	रा.आ.रो.ज.रो.अ.सं., विजयवाड़ा	230	121	780	550	1010	671	1681
11.	आ.मा.स्वा.अ.सं., नागपुर	1124	1208	4336	4269	5460	5477	10937
12.	रा.आ.आ.वि.अ.सं., बैंगलोर	426	289	2044	1552	2470	1841	4311
13.	आ.मा.शि.स्वा.र.अ.सं., त्रिवेन्द्रम	252	538	1334	2152	1586	2690	4276
14.	आ.क्षे.अ.सं., पटना	476	378	785	516	1261	894	2155
15.	उ.पू.भा.आ.अ.सं., गुवाहाटी	61	33	134	70	195	103	298
16.	आ.क्षे.अ.सं., गैंगटोक	235	195	584	527	819	722	1541
17.	आ.क्षे.अ.सं., ईटानगर	25	19	41	34	66	53	119
18.	आ.क्षे.अ.सं., जम्मू	291	192	472	286	763	478	1241
19.	आ.क्षे.अ.सं., मन्डी	1323	1494	1428	1930	2751	3424	6175
20.	आ.ग.औ.अ.सं., अहमदाबाद	768	389	1537	652	2305	1041	3346
21.	आ.मा.स्वा.स्ना.वि.उ.के., बैंगलोर	405	301	440	340	845	641	1486
22.	अ.ल.आ.अ.के., चैन्नई	16	61	217	809	233	870	1103
23.	आ.आ.स्व. र.अ.परि., पोर्टब्लेयर	43	35	27	13	70	48	118
;kx		**16490**	**12806**	**36941**	**30538**	**53431**	**43344**	**96775**

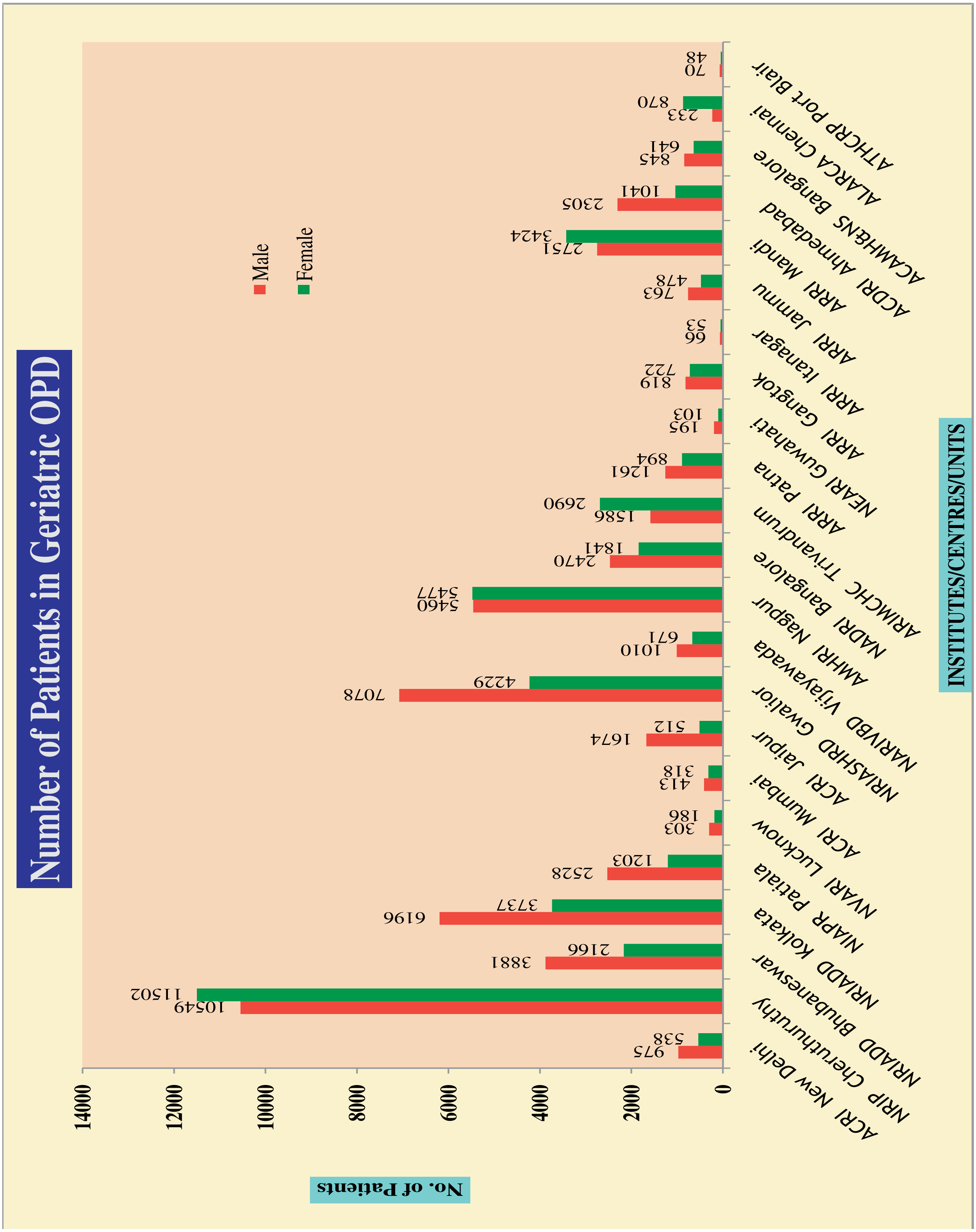
Number of Patients in Geriatric OPD
Male
Female
No. of Patients
0
2000
4000
6000
8000
10000
12000
14000
INSTITUTES/CENTRES/UNITS
ACRI New Delhi 975 538
NRIP Cheruthuruthy 10549 11502
NRIADD Bhubaneswar 3881 2166
NRIADD Kolkata 6196 3737
NIAPR Patiala 2528 1203
NVARI Lucknow 303 186
ACRI Mumbai 413 318
ACRI Jaipur 1674 512
NRIASHRD Gwalior 7078 4229
NARIVBD Vijayawada 1010 671
AMHRI Nagpur 5460 5477
NADRI Bangalore 2470 1841
ARIMCHC Trivandrum 1586 2690
ARRI Patna 1261 894
NEARI Guwahati 195 103
ARRI Gangtok 819 722
ARRI Itanagar 66 53
ARRI Jammu 763 478
ARRI Mandi 2751 3424
ACDRI Ahmedabad 2305 1041
ACAMH&NS Bangalore 845 641
ALARCA Chennai 233 870
ATHCRP Port Blair 70 48

7-4 dLrwjh e`x vuqla/kku ifj;kstuk

परिषद् जिला– ताड़ीखेत के अधीनस्थ महारुरी, हिमालयन लोकप्रचलित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, बागेश्वर में एक कस्तूरी मृग अनुसंधान केंद्र का संचालन कर रही है। इस केंद्र का मुख्य उधेश्य कस्तूरी मृग के प्रजनन के तरीके, भोजन की आदतों तथा उनके व्यवहार का अवलोकन करना है।

प्रतिवेदन वर्ष 2014–15 में कस्तूरी मृगों की कुल संख्या 15 थी इनमे 7 नर तथा 8 मादा थी। बंदी अवस्था में कस्तूरी मृग की भोजन की आदतों, व्याधियों, व्यवहार के तरीकों को उनके जीवन वृत्त से सम्बन्धित आकड़े एकत्र किये गये।

egk#jh QkeZ esa uj dLrwjh e`x

IV. lkok&fjXik

ifjp;

राष्ट्रीय सोवा–रिग्पा अनुसंधान संस्थान, लेह केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् के अधीनस्थ चिकित्सा की सोवा–रिग्पा पद्धति में अनुसंधान एवं विकास के लिए समर्पित आयुष मंत्रालय, भारत सरकार का एकमात्र केन्द्र है। यह केन्द्र 1976 में स्थापित हुआ था और तभी से सम्पूर्ण निष्ठा के साथ सोवा–रिग्पा दवा प्रणाली के अनुसंधान एवं विकास में कार्यरत है। वर्तमान में यह संस्थान छः स्थायी कर्मचारियों तथा दस हैक्टेयर भूमि वाले वानस्पतिक उद्यान सहित दो भवनों में सचालित हो रहा है। प्रतिवेदन वर्ष 2014–15 में संस्थान द्वारा शुरू कि गई मुख्य गतिविधियाँ एवं उपलब्लियाँ निम्न प्रकार हैं :–

❖ lkok&fjXik ikMfyfi;k gr| lo{k.k] lphc)rk] fMftVykbTM lph d fy, ifj;ktuk%

प्रतिवेदन वर्ष में संस्थान ने सोवा–रिग्पा की पांडुलिपियों के विवरणात्मक सूची के चौथे खण्ड जिसमें 150 पांडुलिपियाँ है पूर्ण कर दी गई है। अष्टांग हृदय अनुवाद कार्य के अन्तर्गत निदान स्थान के 16 अध्याय एवं चिकित्सा स्थान के 6 अध्याय का तुलनात्मक अध्ययन पूर्ण हो चुका है तथा साथ ही तीन पांडुलिपियों के डिजिट्लाइजेशन का कार्य भी पूर्ण हो चुका है।

❖ yg ftys d [kYrlh ,o llikj [k.Mk e nh?kdkfyd fodkl dk ljf{kr j[ku gr| LFkkfu; LokLF; ijEijk d iu:)kj ij ifj;ktuk ifronu ,o yg ftys d uck] Mkjckd ,o U;kek [k.Mk e nh?k dkfyd fodkl dk ljf{kkr j[ku gr| LFkkfu; LokLF; ijEijk d iu:)kj ij ifj;ktuk ifronu%

इस परियोजना ‘‘स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा का पुनरूद्धार परियोजना’’ को स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा सोवा–रिग्पा का पुनरूद्धान योजना के अन्तर्गत आयुष विभाग द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गयी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य लद्दाख के दूरदराज के इलाको में स्थानीय स्वास्थ्य सुरक्षा को बेहतर बनाना है। स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा की 6 ब्लॉक में दो पुनरूद्धार परियोजनाओं का एकीकरण किया गया है ताकि प्रभावी रूप से निगरानी एवं निष्पादन का कार्य हो सकें। तीसरी किस्त प्राप्ति के पश्चात् 32 आमची को ग्रामीण सोवा–रिग्पा क्लिनिक रूपरेखा तैयार करने हेतु लगातार सहायता प्रदान की जा रही है। इस परियोजना के अन्तर्गत ‘‘सोवा–रिग्पा मेडिसनल प्लांटस’’ नामक पुस्तिका जिसमें 150 पौधें सजद है प्रकाशन हेतु तैयार है। दोनों परियोजनाएँ आमची औषधियों की स्थिरता एवं स्थानीय स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव बनाए हुए है। परियोजना दल को स्थानीय लोगों, आमची एवं गॉवों के नम्बरदारों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

❖ 'kkóh; lkok&fjXik ;kxk dk ldyu ,o iy[kdj.k%

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् की अंतःवर्ती परियोजनाओं के अन्तर्गत यह संस्थान शास्त्रीय सोवा–रिग्पा योगों के संकलन एवं दस्तावेजीकरण का कार्य भी कर रहा है। प्रतिवेदन वर्ष में हमने 4 तंत्रों

के आगामी तन्त्र से 300 योगों के दस्तावेजीकरण का कार्य किया है एवं इस पर पुस्तक को प्रकाशित करने की प्रक्रिया भी जारी है।

❖ vk;qosZn ,oa lkok&fjXik dh lekU;rk% i;qä vkS"k/kh; iknikssa dh lfp= xkbM

सोवा–रिग्पा एवं आयुर्वेद में काफी समानताएं देखने को मिलती है। हिमालयी क्षेत्र में तो सोवा–रिग्पा का प्रभुत्व काफी ज्यादा है। इसी क्षेत्र की उपजाऊ जैविकता के कारण बेशकिमती औषधीय पौधे उगते है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सोवा–रिग्पा एवं आयुर्वेद में सामान्य रूप से प्रयुक्त कच्ची औषधियां तथा औषधीय पौधों की उनके प्राकृतिक आवास में चित्रित करना एवं हिमालय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले औषधीय पादपों का दस्तावेजीकरण करके उन पर सचित्र गाइड के रूप में प्रस्तुत करना है। प्रतिवेदन वर्ष में लद्दाख एवं हिमालय प्रदेश के चयनित क्षेत्रों का सर्वेक्षण हुआ है एवं पाया गया की यह क्षेत्र औषधीय पादपों की विविधता का बहुत बड़ा खज़ाना है। दौ सौ से अधिक औषधियों के चित्र भी एकत्रित किये जा चुके हैं।

❖ Vªkal&fgekyu vkS"k/kh; ikni m|ku ifj;kstuk%

इस संस्थान के द्वारा दुर्लभ एवं लुप्ताचित ट्रॉंस–हिमालयी पादपों के संरक्षण, रोपण एवं व्यवसायिक रूप से महत्वपूर्ण ट्रॉंस–हिमालयी पादपों के लिए ट्रॉंस–हिमालयी औषधीय पादप उद्यान नामक परियोजना को लेह में 11000 फीट की ऊँचाई पर शुरू किया गया। प्रतिवेदन वर्ष में 5 नए औषधीय पादपो की खोज हुई है तथा 20 औषधीय पादपों की खेती का कार्य पूर्ण हुआ है। 50 कि.ग्रा. कच्चा इनुला भी उद्यान से प्राप्त किया गया है। परन्तु वित्तीय संकट के कारण हम भूमि पर अग्रिम कार्य नहीं कर सके हैं।

❖ ^*'khr insa'kh; vkS"k/kh; iknikssa dk –f"kdj.k ,oa laj{k.k** ij rhu fnolh; jk"Vªh; dk;Z'kkyk%

राष्ट्रीय औषधीय पादप कार्यशाला मंडल, नई दिल्ली की सहायता से राष्ट्रीय सोवा–रिग्पा अनुसंधान संस्थान, लेह में 15–17 मई 2014 को तीन दिवसीय ''शीत प्रदेशीय औषधीय पादपों का कृषिकरण एवं संरक्षण'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। माननीय श्री रिगजीन स्पलबर, मुख्य कार्यकारी पार्षद ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला की शोभा बढाई वही माननीय श्री सोनम दौर्जेय, कार्यकारी पार्षद कृषि, माननीय सोनम वैंगचूक, कार्यकारी पार्षद स्वास्थ्य, एल ए एच डी सी लेह एवं श्री जितेन्द्र शर्मा, प्रमुख कार्यकारी अधिकारी, नई दिल्ली सम्मानीय अतिथि थे। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में भिन्न भिन्न अनुसंधान भवन से आए वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों एवं आमचीस ने भाग लिया एवं विचार–विर्मश हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य निम्न चार विषय पर आधारित रहाः–

I) शीत प्रदेशीय औषधीय पादपों की स्थिति एवं पूर्ण अवलोकन।

II) ऊँचाई पर स्थित हिमालयन औषधिय पादपों का यथावत संरक्षण।

III) ऊँचाई पर स्थित हिमालयन औषधिय पादपों का कृषिकरण।

IV) हिमालयन औषधिय पादपों का सतत प्रयोग बनाएं रखना।

❖ cfgjax jksxh foHkkx%

राष्ट्रीय सोवा–रिग्पा अनुसंधान संस्थान बहिरंग विभाग का संचालन आम जनता हेतु निःशुल्क कर रहा है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कुल 4293 रोगी संस्थान के बहिरंग विभाग में आये तथा सोवा–रिग्पा उपचार लिया।

❖ vkfnoklh LokLF; lqj{kk vuqla/kku ifj;kstuk ¼tEew&d'ehj dh fy,½ okf"kZd dk;Z ;kstuk 2014&15 v/khuLFk%

यह परियोजना संस्थान को सितम्बर 2014 में आवंटित हुई तथा अक्टूबर 2014 से आरम्भ हो चुकी है। स्वास्थ्य सर्वेक्षण एवं आदिवासी स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम जम्मू कश्मीर राज्य के दो जिलाओं लद्दाख व कारगिल में चालू हो चुका है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कुल संख्या 3986 जो की बोटो, बाल्ती, चांगपा, द्रोकपा से सम्बन्धित एवं 41 आदिवासी गाँवों को देखा गया है तथा 1341 रोगीयों का निःशुल्क दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई है। सर्वेक्षण के दौरान जनसांख्यिक, जनसंख्या स्वास्थ्य स्तर, सामाजिक एवं आर्थिक स्तर, शिक्षात्मक स्तर आदि से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य प्राप्त किये गये हैं।

v. lpuk] f'k{kk vkj lpkj

1- laxks"Bh@dk;Z'kkyk@lEeyu%&

- परिषद् द्वारा 7 अगस्त 2014 को सीसीआरएएस मुख्यालय में आयुर्वेद सिद्धान्त आधारित प्रकृति आकलन पर एक विचार मंथन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें आयुष विभाग, सीएसआरआई, आईसीएमआर, सीसीआरएएस मुख्यालय तथा इसके परिधीय संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

- परिषद् द्वारा 26 अगस्त 2014 को सीसीआरएएस मुख्यालय, नई दिल्ली में शास्त्रीय आयुर्वेदिक दवाओं/उपचार के लिये वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित एक विचार मंथन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें आयुष विभाग, दवा क्षेत्र ओर सीसीआरएएस मुख्यालय तथा इसके परिधीय संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं आयुर्वेद चिकित्सकों ने भाग लिया।

- परिषद् द्वारा 28–29 अगस्त 2014 को सीसीआरएएस मुख्यालय, नई दिल्ली में पंचगव्य चिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य साझा मंच पर पंचगव्य के चिकित्सकीय प्रयोग पर विशेषज्ञों के अनुभव बांटना था ताकि आगे साक्ष्य आधारित मूल्यांकन व प्रचार का नैदानिक प्रयोग हो सके। सम्माननीय अतिथि श्री बाला प्रसाद, संयुक्त सचिव, आयुष विभाग, नई दिल्ली ने इस संगोष्ठी का उद्घाटन कर शोभा बढ़ाई। डॉ. वल्लभ भाई कथिरिया, राज्य के पूर्व केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण एवं अध्यक्ष गुजरात राज्य गौ सेवा आयोग समारोह में मुख्य अतिथि थे ए सीसीआरएएस के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिक तथा अन्य संगठन सीएसआईआर, आईसीएमआर, आईसीएआर, आईआईटी दिल्ली, जी.ऐ.यु जामनगर, चिकित्सक, किसान व गौशाला के प्रतिनिधि एंव उद्यमियों ने भाग लिया।

- कैंसर की देखभाल पर आयुष संगोष्ठी– भारत सरकार व आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार सीसीआरएएस द्वारा समन्वित विश्व कैंसर दिवस की पूर्व संध्या पर कैंसर की देखभाल पर आध ाारित आधा दिन की आयुष संगोष्ठी का 4 फरवरी 2015 को इण्डिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन माननीय राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के श्री श्रीपद येस्सो नाईक ने किया। श्री निलांजन सान्याल, सचिव, आयुष मंत्रालय, श्री अनिल कुमार गनेरीवाला, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस आधे दिन की संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कैंसर की रोकथाम और प्रबन्धन में आयुष प्रणाली और अनुसंधान के परिणाम की योग्यता का शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों, आयुष दवा उद्योग, नीतिमार्कर नियामक निकाय जैसे सीसीआईएम, सीसीएच और अन्य व्यापार हिस्सेदारी को बढ़ावा देने वाले धारक जैसे एफआईसीसीआई, ऐसोचेमसी–।। आदि के बीच प्रसार करना सम्मिलित है। देश के विभिन्न भागों से आये लगभग 200 गणमान्य नागरिकों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया और आयुष मंत्रालय, अनुसंधान परिषद् एवं एएसयूएण्डएच कॉलेज, सरकारी अस्पताल और निजी क्षेत्र आदि के अधिकारियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह का एक दृश्य

- क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ईटानगर ने 2 एवं 3 दिसम्बर 2014 को पुर्वोत्तर भारत में परम्प. रागत चिकित्सा पद्धतियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन लोवर सुबानसिरि जिला मुख्यालय, जीरो, अरूणाचल प्रदेश में किया गया। इस कार्यशाला में पारंपरिक चिकित्सकों, आयुर्वेद और औषध ीय पौधो के विशेषज्ञों ने भाग लिया। बीमारियों के प्रबन्धन में पारंपरिक प्रभावों के विभिन्न पहलुओं पर शोधकर्ता द्वारा दी गई विभिन्न प्रस्तुतियों पर पारंपरिक चिकित्सकों जो अपने क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध या खेतो में उपस्थित पौधों द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में सेवाएं प्रदान करते है की उपस्थिति में चर्चा की गई ।
- क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ईटानगर ने आयुर्वेद और औषधीय पौधों पर एक इन्टरेक्टिव संगोष्ठी का 30 मार्च 2015 को आयोजन सुफलतापूर्वक किया गया। सीसीआरएएस मुख्यालय व इसके परिधीय संस्थानों के अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया ᵖ इस अवसर पर आयुर्वेद और औषधीय पौधों पर विभिन्न स्तरों में चर्चा की गई। संगोष्ठी का उद्घाटन श्रीमति इंद्रा मल्लो, आई.ए.एस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।

इस संगोष्ठी में डॉ. बी.वी.एस मूर्ति, संयुक्त निदेशक, आयुष, अरुणाचल प्रदेश सरकार; डॉ. डूसू लाजी, उपनिदेशक, आयुष; डॉ. इन्या लिंगू, नोडल अधिकारी, आयुर्वेद, अरुणाचल प्रदेश सरकार; अरुणाचल प्रदेश सरकार के विभिन्न प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा राज्य चिकित्सालयों पर कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, ईटानगर में कार्यरत आयुर्वेद एवं वान. स्पतिक विभागों के तकनीकी कर्मचारियों और अनुसंधान अध्येताओं ने भाग लिया।

तकनीकी सत्र में डॉ.सी.बी.चौबे, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (आयु.) द्वारा आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना की उपलब्धियों; डॉ.डूसू श्र तब्यो, अनुसंधान अध्येता (आयु.) द्वारा वृदावस्था में होने वाले रोगों की चिकित्सा पर प्रकाश; डॉ.री गारा. अनुसंधान अध्येता (आयु.) द्वारा फ्लू जैसी बीमारियों का आयुर्वेदीय पद्धति से चिकित्सा पर प्रस्तुति दी गयी। इसके अतिरिक्त श्री. एस.के.सुधांशु (फार्मासिस्ट) और श्री. मृणाल दास (प्रयोगशाला तकनीशियन) ने भी संस्थान के फार्मेसी एवं प्रयोगशाला के कार्यों तथा उनमे बनने वाली औषधियों एवं प्रयोगशाला परीक्षणों पर प्रकाश डाला।

2- lehukj] dk;Z'kkykvksa] lEesyuksa] laxksf"B;ksa vkfn esa lgHkkfxrk

rkfydk & 53 % सेमीनार, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, संगोष्ठियों आदि में सहभागिता का विवरण

Ø- l-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kZd	lfeukj@ lEesyu@ laxks"Bh dk uke	i;kstudrk ,oa LFkku uke	o"kZ
1.	गिरि एस.के.	ए बीम ऑफ लाईट ऑन ट्रेडिशनल हीलिंग परैक्टिसेस इन नार्थ इस्ट इण्डिया	नेशनल वर्कशॉप ऑन ट्रेडिशनल हीलिंजग परैक्टिसेस इन नार्थ इस्ट इण्डिया	आयुर्वेद रीजनल रिसर्च इन्सटिट्यूट, न्यू ईटा नगर एट जीरो, अरूणाचल प्रदेश	2–3 दिसम्बर, 2014
2.	सुभाश्री	ए कम्पेरेटिव फिसिकोकेमिकल एण्ड फार्माकोग्नोजिश्टिकल इवैल्यूशन ऑफ निशाआमलकी–एन आयुर्वेदिक एंटी डायबटिक फॉरम्यूलेशन	मधुमेह जिज्ञासा'' ए नेशनल सेमिनार ऑन मधुमेह/ डायबिटीस– एन ओवरऑल एप्रोच	श्री श्री कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइ्ंस एण्ड रिसर्च हॉस्पीटल, बैंग्लोर	7 दिसम्बर, 2014
3.	मंगल ए.के.	एडल्ट्रैशन डेटेक्सन इन एग्रीकल्चर प्रोडक्टस ऑफ प्लांट ओरिजिन विद स्पेशल रेफरेन्स टू स्पाइसेस	इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन टेक्नोलोजीकल इंटरवंशन इन एग्रीकल्वर साइ्ंस फॉर इनहान्सड परोडक्टीविटी न्यूट्रीशल क्वालिटी एण्ड वैल्यू एडीसन (टी.आआइ.ए.एस. 2014)	हाई–टेक हॉर्टीकल्चर सोसाइटी, मेरठ (उत्तीर प्रदेश) एट होर्टीकल्चर मेदजीफेमा डीमापुर, नागालैंड	17–19 फरवरी, 2015
4.	मंगल ए.के.	एन यूजफुल आयुर्वेदिक मेडिसिन फॉर फोर्थकमिंग परैक्टिसनर–ए प्रैक्टिकल एप्रोच	आयुर्वेद विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास संगोष्ठी	विश्व आयुर्वेद परिषद् एट विवेकानन्द नीडम, ग्वालियर	23–27 जून, 2014
5.	श्रीकांत एन.	एसेंसमेंट एण्ड आयुर्वेद एडवोकेसी फॉर हैल्थ प्रोमोशन	आयुर्वेद वर्कशॉप ड्यूरिंग 31 वां इन्टरनेशनल फेस्टीबल 'साराजेवो विंटर 2015 – इन्फेनिटी	इंटरनेशनल पीस सेंटर, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर परफोर्मिंग आर्ट्स एंड एम्बेसी ऑफ़ इंडिया, बोस्निया एंड हेर्ज़ेगोविएना	13–15 मार्च, 2015
6.	दीप वी.सी.	एसैसमेंट ऑफ प्रकृति	सी.एम.इ., ए.एम.ए.आइ. द्वारा	ए.एम.ए.आइ. त्रिचूर एट बी. आइ.एन.आइ. टू रिस्ट होम, त्रिचूर	22 फरवरी, 2015
7.	सण्ड आर	आयुर्वेद एण्ड बायोडाइवर्टीसिटी	इफेक्ट ऑफ वाटर क्वॉलिटी ऑन मेडिसिनल प्लांटस एण्ड हैल्थ	यूनिर्वसिटी ऑफ सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन रिसर्च (यू.सीसी.इ.आर.) एट बी. एफ.यू.एच.एस., फरीदकोट	30 मई, 2014
8.	श्रीकांत एन.	आयुर्वेद बेस्ड थेराप्यूटिक प्रिसीपल्स एण्ड एप्रोच	ट्रेनिंग प्रोगाम फॉर इन्डोनेशियन डेलीगेटस	सी.सी.आर.ए.एस., जनकपुरी, नई दिल्ली	1 अप्रैल, 2014

Ø- l-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kZd	lfeukj@ lEesyu@ laxks"Bh dk uke	vk;kstudrk ,oa LFkku uke	o"kZ
9.	श्रीकांत एन.	आयुर्वेदा दृ द सार्इंस एण्ड आर्ट ऑफ लाईफ–आयुर्वेद बेस्ड, प्रिवेन्टिव, थेराप्यूटिक प्रिसीपल्स एण्ड एप्रोच एण्ड लाईफ स्टाईल एडवोकेसी	आयुर्वेद वर्कशॉप एट 31 वीं इन्टरनेशनल फेस्टिवल 'सारोजेवो विंटर 2015– इन्फेनिटी'	इंटरनेशनल पीस सेंटर, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर परफोर्मिंग आर्ट्स एंड एम्बेसी ऑफ़ इंडिया, बोस्निया एंड हेर्ज़ेगोविएना	13–15 मार्च, 2015
10.	सिद्ध मल्लाया	बायोडाइवर्टीसिटी ऑफ आयुर्वेदिक कॉस्मेटिक प्लांट्स ऑफ बैंग्लोर अरबन	नेशनल सेमिनार ऑन मेनेजमेंट ऑफ अर्बन–बायोडाइवर्टीसिटीः इस्यूस चेलैंजेज एण्ड सोल्यूसन	क्रिस्ट कॉलेज बैंग्लोर	01–02 सितम्बर, 2014
11.	जाघव ए.डी.	सी.सी.आर.ए.एस. दृ एन ओवरव्यू	आयुर्वेद विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास संगोष्ठी	विश्व आयुर्वेद परिषद् एट विवेकानन्द नीडम, ग्वालियर	23 से 27 जून, 2014
12.	सिंह एच.	क्लीनिकल इवेल्यूशन ऑफ द हेपेटोप्रोटेक्टिव ऑफ क.टुकी (पिकोराइजाकुररो) प्रोसेस्ड इन गुडुची इन पेशेंटस रिसीविंग लिपिड़ लोवरिंग ड्रग्स	नेशनल कॉनफेरेन्स एडवान्सेस इन आयुर्वेद हैल्थ केयर चैलेंजेस इन 21 वीं सेंन्चूरी	राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक कॉलेज पपरोला कांगडा (हिमाचलप्रदेश)	12 से 13 सितम्बर, 2014
13.	राधाकृष्णन पी.	क्लीनिकल इक्सपीरिंयस बेस्ड ऑन चिकित्सा मंजरी	सी.एम.इ., ए.एम.ए.आई द्वारा	ए.एम.ए.आई मंजरी एरिया, निलाम्बूर में	14.03.2015
14.	राधाकृष्णन पी.	क्लीनिकल इक्सपीरिंयस बेस्ड ऑन चिकित्सा मंजरी	वर्कशॉप ऑन हाउ टू बिकम ए सक्सैसफुल परैक्टिस्नर	ए.एम.ए.आई त्रिसुर, चियाराम में	9.11.2014
15.	साहू डी.	क्लीनिकल यूटीलिटी ऑफ फार्मास्यूटिकलस इन शाङ्र्गधर संहिता	ऑल इण्डिया योगा आयुर्वेद सेमिनार 2014 ऑन शाङ्र्गधर संहिता एण्ड इट्स क्रंटीव्यूसन टू आयुर्वेद	एकादमी ऑफ योगा एण्ड ओरियन्टल स्टडीज, भुवनेश्वर उड़ीसा	25 एवं 26 दिसम्बर, 2014
16.	शर्मा एस.	कंम्पेरेटिव स्टड़ी ऑफ इफ्फीकेसी ऑफ लघुमंजिष्ठादि क्वाथ एण्ड करवीरादि तैल इन द मैनेजमेन्ट ऑफ सोरिअसिस एन ऑटोइम्मयून डिसीज	नेशनल सेमिनार ऑन ऑटोइम्म्यून डिसोडर	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आर.ए.वी.) मिनिस्ट्री ऑफ आयुष भारत सरकार	30–31 मार्च, 2015

Ø- l-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kZd	lfeukj@ lEesyu@ laxks"Bh dk uke	ik;kstudrkZ ,oa LFkku uke	o"kZ
17.	श्रीकांत एन.	कन्सेप्ट ऑफ ऑटो इम्म्यून डिसोडर एण्ड मैनेजमेंट	आयुर्वेदिक साइंटिफिक सेमिनार ऑन ऑटोइम्म्यून डिसीज–आयुर्वेदिक मैनेजमेंट	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आर.ए.वी.), मिनिस्ट्री ऑफ आयुष, भारत सरकार	30 – 31 मार्च 2015
18.	शंकर आर.	कन्सरर्वेशन एण्ड कल्टीवेसन ऑफ मेडिशिनल प्लान्टस ऑफ नार्थ इस्ट इण्डिया	नेशनल वार्कशॉप ऑन डेजर्ट मेडिशिनल प्लांटस	एन.आर.आइ. सोवा रिग्पा, लेह	17–19 मई, 2014
19.	मंगल ए.के.	कंजर्वेशन ऑफ मेडिशिनल प्लांटस विद स्पेशल फोकस ऑन इन विटरो टेक्निक्स	नेशनल वार्कशॉप ऑन कल्टीवेशन एण्ड कन्सर्वेसन ऑफ कोल्ड़ डेजर्ट मेडिशनल प्लांटस	नेशनल इन्टीट्यूट फॉर सोवो रिग्पा लेह, ओर्गनाईजड बाइ नेशनल इंटीट्यूट फॉर सोवा रिग्पा, लेह एण्ड फंड़ेड वाइ नेशनल मेडिशिनल प्लांट बोर्ड, नई दिल्ली	15 से 17 मई, 2014
20.	तिवारी आर.के.	कंजर्वेशन, कल्टीवेशन एण्ड इम्प्रूवमेंट एण्ड मैनेजमेंट ऑफ मेडिशिनल प्लांटस	इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेडिशिनल प्लांटस रिसोर्स फॉर एफोर्डेबल न्यू जनरेशन हैल्थकेयर	सी.एस.आइ.आर.–सी.आइ. एम.ए.पी., लखनऊ एट इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ	20–23 मार्च
21.	मेहर एस.के.	कंट्रीब्यूसन ऑफ शाङ्र्गधर इन द फिल्ड़ ऑफ द्रव्यगुण	ऑल इण्डिया योगा आयुर्वेद सेमिनार 2014 ऑन शाङ्र्गधर संहिता एण्ड इट्स क्रंटीव्यूसन टू आयुर्वेद	एकादमी ऑफ योगा एण्ड ओरियन्टल स्टडीज, भुवनेश्वर उड़ीसा	26 दिसम्बर, 2014
22.	पांडा पी.	कंट्रीव्यूसन ऑफ शाङ्र्गधर इन द फिल्ड ऑफ रसशास्त्र	ऑल इण्डिया योगा आयुर्वेद सेमिनार 2014 ऑन शाङ्र्गधर संहिता एण्ड इट्स क्रंटीव्यूसन टू आयुर्वेद	एकादमी ऑफ योगा एण्ड ओरियन्टल स्टडीज, भुवनेश्वर उड़ीसा	25 एवं 26 दिसम्बर, 2014
23.	बोरा डी.,	कोरोबोरासन ऑफ फोल्क क्लेम ऑन ऐंटी फर्टीलिटी एण्ड कॉन्ट्रासेप्टिव मेडिशिनल प्लान्टस ऑफ नोर्थ ईस्ट इण्डिया	इन्टरनेशनल कॉनफ्रेन्स ऑन हारनेसिंग द सब हिमालय प्लान्टस डाइवर्टीसिटी फॉर ह्यूमन वेलफेयर	डिब्रूगढ़ यूनिर्वसिटी, डिब्रूगढ़, असम	11–13 मार्च, 2015
24.	सण्ड आर.	डिफ्फरेन्सियल डाइगनोसिस ऑफ एनोरेक्टल डिसीज	सी.एम.इ. ऑन शल्य तंत्र	डॉ. जी.पी. पोल फाउण्डेशन्स वाइ. एम. टी. आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड इन्टीट्यूट ऑफ पी.जी. स्टडीज खारघर, नवी, मुम्बई	29 सितम्बर, 2014

क्र.सं.	सहभागी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	सेमिनार/ सम्मेलन/ संगोष्ठी का नाम	आयोजनकर्ता एवं स्थान नाम	वर्ष
25.	सिंह एच.	ईलीसाइटैसन–ए बायोटेक्नोलॉजीकल टेक्नीक टू इन्हैंस बायोप्रोडक्सन ऑफ फाइटो फार्मास्यूटिकल्स	पोटेन्शियल्स एण्ड बौटलनेक्स इन क्लीनिकल ट्रायल ऑफ हर्बल ड्रग्स	यू.सी.इ.आर., बी.एफ.यू.एच. एस., फरीदकोट	24 मार्च से 25 मार्च, 2015
26.	अरूण देवी आर.	इवेल्यूशन ऑफ सीशलपीनिया वॉनड्यूसेला फ्लावर एक्सट्रेक्ट फॉर ऐंटी इंफ्लेमैट्री एक्टीविटी एण्ड रेडियोग्राफिक आउटकम इन एडज्यूवेंट इन्ड्यूज्ड अर्थराईटिस एण्ड इटस एच.पी.टी.एल.सी., केमिकल फिंगरप्रिटिंग	कॉनफेरेंस ऑन मेडिशिलन प्लांटस एण्ड हर्बल ड्रग्स फॉर ह्यूमैन बेलफेयर (आइ.सी.एम.पी.–2015)	एडवांस स्टडीज इन बोटनी एण्ड सेटंर फॉर हर्बल साइंसेज, मद्रास विश्व विद्यालय, चेन्नई	28 से 30 जनवरी, 2015
27.	सारइं प्रसाद, ए.जे.वी.	इवोल्यूशन एण्ड स्टैण डर्डाइजेशन ऑफ आयुर्वेद फॉरम्यूलेशन फॉर वातजकास (ट्रोपीकलपल्मोनरी इयोसिनोफीलिया के संर्दभ में)	नेशनल सेमिनार ऑन आयुर्वेद–क्लीनिकल ऑवजर्वेसनस इन आयुर्वेदिक परैक्टिसेस	एस.जे.एस. आयुर्वेद कॉलेज, चेन्नई	23.8.2014
28.	डोडामणि एस.एच.	ग्लाईसेमिक इफेक्ट ऑफ हनी ऑन नॉन डायबटिक एण्ड डायबेटिक्स– ए कम्पेरेटिव स्टडी	मधुमेह जिज्ञासा'' ए नेशनल सेमिनार ऑन मधुमेह/ डायबिटीज–एन ओवर ऑल एप्रौच	श्री श्री कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक सा्इंसेस एण्ड रिसर्च हॉस्पीटल, बैंग्लोर	07.12.2014
29.	इलावर्सन आर.	गेस्ट लेक्चर टॉक्सीसिटी इवेल्यूशन ऑफ ए. एस. यू. ड्रग्स	वर्कशॉप ऑन मोर्डन साईनटिफिक टेक्नोलॉजी फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन एण्ड नेचुरल प्रोडक्ट डेवेलप्मेंट	ए.यू.–के.बी.सी. रिसर्च सेंटर–एम.आइ.टी. कैम्पस, चैन्नई	17 से 21 जून, 2014
30.	इलावर्सन आर.	गेस्ट लेक्चर – क्वालिटी स्टैण्डर्ड ऑफ इण्डियन मेडिशिनल प्लांटस इन इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिशिन	कॉनफेरेंस ऑन रिसेंट स्ट्रीटीज इन हर्बल रिसर्च	डिपार्टमेन्ट ऑफ फार्मास्यिूटिकल टेक्नोलॉजी, अन्ना यूनिर्वसिटी, बी.आई. टी. कैम्पस, तिरूचिरापल्ली	20 सितम्बर, 2014

Ø- l-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kZd	lfeukj@ lEesyu@ laxks"Bh dk uke	i;kstudrk ,oa LFkku uke	o"kZ
31.	इलावर्सन आर.	गेस्ट लेक्चर – क्वालिटी स्टैण्डर्ड ऑफ इण्डियन मेडिशिनल प्लांटस फॉर आइ.एस.एम. / हर्बल ड्रग इंडस्ट्री	सेमिनार ऑन बायोटेक्नालॉजी– चैलेंजेज ऑफ दा चेंजिंग वर्ल्ड (बी.सीसी.सी.डब्ल्यू. 2015)	जोइंटली ऑर्गनाईजड़ बाई पोस्ट ग्रेजुयेट एण्ड रिसर्च डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट बायोलॉजी एण्ड प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, जूलॉजी, बायोकेमिस्ट्री एण्ड एप्लाईड़ माइक्रोबायोलॉजी एट जस्टिस बसीर अहमद सईद कॉलेज फॉर वूमेन, चेन्नई	4 एवं 5 फरवरी, 2015
32.	सूर्यवंशी एम.एन.	वेलिडेसन ऑफ मेडिशिनल प्लांटस एण्ड ट्रेडिशिनल मेडिशिन–ग्लोबल पर्सपेक्टिव	प्रि–कोन्फ्रेंस वर्कशॉप इन द्वितीय इन्टरनेशनल क्रॉगेस ऑफ सोसाइटी फॉर इथेनोफार्माकोलॉजी	डिपार्टमेन्ट ऑफ फार्मास्यिूटिकल सार्इंसेस आर.टी.एम. नागपुर यूनिर्वसिटी	20 फरवरी, 2015
33.	शेखरनम्बूरी यू.आर.	आयुर्वेदिक आस्पेक्ट ऑफ सर्पविष चिकित्सा	नेशनल वर्कशॉप ऑन सर्पविष चिकित्सा	महात्मा गांधी आयुर्वेद कॉलेज हॉस्पीटल एवं रिसर्च केन्द्र, सलोद, वर्धा	26 सितेम्बर, 2014
34.	अहमद ए.	आई. बी. एन. सिना एस ए पोएट इन मेडिसिन	इंटरने'ानल कॉनफेरेंस ऑन लाईफ ,.ड हंटीव्ूसन ऑफ आई– बी– ,न– सिना ज्ञएविसेना)	इन्टरनेशनल एसोसिएसन फॉर यूनानी मेडिसिन एण्ड आई.बी.एन. सीना एकाड़मी ऑफ मेडिइवल मेडिसिन एण्ड सार्इंसेस, अलीगढ़, यू.पी.	25–27 अक्टूबर, 2014
35.	मंगल ए.के.	आइडेन्टिफिकेशन ऑफ इंपोरटेंट मेडिसिनल रॉ ड्रग्सस विद स्पेशल रेफरेन्स टू मिनरल क्रस्टलस इन प्लांटस	नेशनल सेमिनार इनटाईटलड रेलेवेन्स ऑफ मेडिशनल प्लांटस इन 21वीं सेन्चुरी	डिपार्टमेंट ऑफ बोटनी, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	11 फरवरी, 2015
36.	बोरा एम.	इंपोर्टेन्ट मेडिशनल प्लांटस यूज्ड़ इन वेटेनरी आयुर्वेद	नेशनल सिमपोजियम ऑन एनिमलस इन रिसर्च एण्ड टेस्टिंगः ए क्रॉस टॉक विटवीन रिलेवेन्स एण्ड एथिक्स एण्ड एन्नुअल कन्वेन्शन ऑफ लेवोरेट्री एनिमल सार्इंस एसोसिएसन ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.ए.आइ.)	सी.एस.आइ.आर.–सी.डी. आर.आइ., लखनऊ, इन कोलेब्रेशन विद सी.पी. सी.एस.इ.ए., एम.ओ.इ. एफ., भारत सरकार एवं लेवोरेट्री एनिमल सार्इंस एसोसिएसन ऑफ इण्डिया (एल.ए.एस .ए.आइ.) एट सी.डी. आर.आइ., लखनऊ	13–14 मार्च, 2015

Øe- la-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kZd	lsfeukj@ lEesyu@ laxks"Bh dk uke	i';kstudrk ,oa LFkku uke	o"kZ
37.	शंकर आर.	इंडीजीनीयस मेडिशनल प्लांटस ऑफ नोर्थ इस्ट रीजन एण्ड ईटस रोल इन ह्यूमन हैल्थ एण्ड प्रोस्पेरिटी	नेशनल कॉनफ्रेंन्स ऑन इंडिजीनियस वाइल्ड एडीवलस ऑफ नोर्थ ईस्ट इण्डिया	अरूणाचल विश्वविद्यालय ऑफ़ स्टडीज, नामसाई	28 से 29 जनवरी, 2015
38.	सुभाश्री एम.एन.	मेनेजमेन्ट ऑफ ओस्टियोपोरोसिस–एन आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव	सी.एम.इ.– ''एन अपडेट ऑन ओस्टियोपोरोसिस एण्ड ईटस मेनेजमेन्टस''	राजराजेश्वरी मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, मैसूर रोड़, बैंग्लोर	25 अप्रैल, 2014
39.	सांद आर.	मेन्ड़ेट ऑफ ह्यूमन एनाटॉमी डिस्सेक्सन एस पर एनसियेंट आयुर्वेद	सी.एम.इ.– कम अपडेट ऑन हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन एनाटॉमी डिस्सेक्सन	डिपार्टमेन्ट ऑफ एनाटॉमी, गुरू गोविंद सिंह मेडिकल कॉलेज, बी.एफ.यू.एच.एस. फरीदकोट	10 जनवरी, 2015
40.	ओटा एस.पी.	मेन्सट्रयूअल हाइजीन चैलेंजेज एण्ड प्रिकोसंस	सेमिनार ऑन वुमेन हैल्थ कॉन्फ्रेंस	हिंदुस्तान लाईफ केयर लिमिटेड़ (एच.एल.एल.) त्रिवेन्द्रुम, केरल	23–05–14
41.	दास बी.	नाड़ी परक्षिा – ए यूनिक वे ऑफ डाइगनोसिस वाई शाड्र्गधर	ऑल इण्डिया योगा आयुर्वेद सेमिनार 2014 ऑन शाड्र्गधर संहिता एण्ड ईटस कंट्रीव्यूसन टू आयुर्वेद	एकाड़मी ऑफ योगा एण्ड ओरियंटल स्टड़ीज, भुवनेश्वर, उड़ीसा	25 एवं 26 दिसम्बर, 2014
42.	श्रीनिवास एम.	नोवेल मेकेनिज्म ऑफ किमोप्रिवेन्शन वाई एस्प्रीन	बी.आइ.ओ.एस.एच.ए. एन.–14 रिसेन्ट ट्रेंड्स इन ड्रग्स एण्ड डिजीज	सानमुघा इंड़स्ट्रीज आर्ट एण्ड साईंस कॉलेज त्रिरूवन्नामलाई तमिलनाडु	20–10–14
43.	श्रीकांत एन.	न्यूट्रास्युटिकलस फ्रॉम ट्रेडिसिनल मेडिसिन लीडसः ए रिवर्स इन्नोवेसन एप्रोंच	5वीं इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवान्सेस इन फूड टेक्नोलॉजी एण्ड हैल्थ सारइंसेस	इन्टरनेशनल इंटीट्यूट ऑफ फूड एण्ड न्यूट्रीनल साईंसेस (आई.आई.इफ. ए.एन.एस) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	15–16 अक्टूबर, 2014
44.	किशोर कुमार आर.	ओवरव्यू ऑफ रिसर्च मेथडोलॉजी	''मधुमेह जिज्ञासा'' ए नेशनल सेमिनार ऑन मधुमेह/डाइबिटीज एन ओवर ऑल एप्रोंच	श्री श्री कॉलज ऑफ आयुर्वेदिक साईंसेस एण्ड रिसर्च हॉस्पीटल, बैंग्लोर	6 से 7 दिसम्बर, 2014
45.	देशभ्रातार के.एस.	ट्रेडिशनल मैथड्स एण्ड प्रोसेसिंग टेक्नीक्स ऑफ हर्बल ड्रग्स इन सूटेबल फार्मास्यूटिकल फोर्मस	दूसरी इन्टरनेशनल कॉग्रेस ऑफ सोसाइटी फॉर इथेनोफार्माकोलॉजी वेलिडेशन ऑफ मेडिसिनल प्लांटस एण्ड ट्रैडिशनल मेडिसिन ग्लोबल प्रोस्पेक्टिव	डिपार्टमेन्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साईंसेस आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय ईन एसोसिएसन विद सोसाइटी फॉर इथेनोफार्माकोलॉजी (एस.एफ.इ.–इंडिया)	20 से 22 फरवरी, 2015

Ø- l-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kd	lfeukj@ lEeyu@ lxks"Bh dk uke	i;kstudrk ,o LFkku uke	o"k
46.	सांथा टी.आर.	फार्माकोपिया एण्ड फोर्मूलरीस, पोपुलर पब्लिकेशनस एण्ड आई.टी. सोर्स ऑन मेडिशिनल प्लांटस	सी.एम.ई. प्रोग्राम ऑन द्रव्यगुण	जे.एस.एस. आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, मैसूर	06.06.2014
47.	दीप वी.सी.	परैक्टिस ऑफ अग्निकर्म	वर्कशॉप ऑन अग्निकर्म	ए.एम.ए.आइ. चवाक्कड़ एरिया	22.03. 2015
48.	गुप्ता एच.के.	टेक्नोलॉजी एडिक्सन एमोंग सब्जेक्टस सीकस आयुर्वेदिक ट्रीटमेंटस'	ए.एन.सी.आइ.पी.एस. 2015	ए.एन.सी.आइ.पी.एस. 2015	9–1–2015
49.	श्रीकांत एन.	रैस्नल एण्ड चैलेंजेज इन डेवेलपिंग गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस गाईडलाईनस फॉर क्लीनिकल ट्राइल्स इन आयुर्वेद, सिद्धा, एण्ड यूनानी मेडिसिन	8वीं इन्टरनेशनल ट्रेडिशनल एण्ड कोम्पलीमेन्ट्री मिडिसिन (इंट्राकॉम)कॉन्फ्रेंस	ट्रेडिशनल एण्ड कोम्प्लीमेन्ट्री मेडिसिन डिविजन मिनिस्ट्री ऑफ हैल्थ, मलेशिया, ब्लाक ई जालन सेनडेरासारी, 50590 कौला लुम्पुर, मलेशिया	30 अक्टूबर, 2014 से 2 नवम्बर, 2014
50.	तिवारी एस.के.	सोल्यूसन ऑफ कंट्रोवर्शियल टॉपिकस ऑफ आयुर्वेद विद स्पेशल फोकस ऑन मेन्टल डिसोडर एण्ड इटस मैनेजमेंट	आयुर्वेदिक होलिस्टिक हैल्थ	ऑल इण्डिया आयुर्वेद कॉग्रेस, पंजाब, विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	12 से 15 मार्च, 2015
51.	नारायण ए.	सम मेडिकल मैनूस्क्रीपटस ऑफ आइ. बी.एन. सीना इक्सटैण्ट इन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया मेडिकल हेरीटेज	कॉनुेन्स ऑन लाईफ एण्ड कन्ट्रीव्यूसन ऑफ आई–बी–एन– सिना (एबीसेन्ना)	इन्टरनेशनल एसोसिएसन फॉर यूनानी मेडिसिन एण्ड आई.बी.एन.सीना एकाडमी ऑफ मेडिइबल मेडिसिन एण्ड साईंसेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश	25 से 27 अक्टूबर, 2014
52.	तिवारी आर.के.	सम ऑफ दा कॉमनली यूज्ड इथ्नोमेडिसिनल वेटलैण्ड प्लांटस ऑफ आजमगढ़ जिला उत्तर प्रदेश, भारत	नेशनल वर्कशॉप ऑन ट्रैडिशनल हीलिग परैक्टीसेस इन नोर्थ ईस्ट इण्डिया एट जीरो, अरूणाचल प्रदेश ए.आर. आर.आइ. ईटानगर द्वारा आयोजित किया गया।	ए.आर.आर.आइ., ईटानगरन, अरूणाचल प्रदेश एट जीरो, अरूणाचल प्रदेश	2 दृ 3 दिसम्बर, 2014
53.	मंडल टी.के.	स्टेट्स ऑफ हाई एलटीट्यूड मेडिसिनल प्लांटस ऑफ सिक्किम–स्कोप ऑफ इक्सप्लोंटेसन	ट्रेनिंग वर्कशॉप फॉर यूथ इमप्लोयमेन्ट	नेहरू युवा कल्याण केन्द्र सिक्किम स्टैट ब्रॉच	07 अगस्त, 2014

Ø- la-	lgHkkxh dk uke	'kks/k i= dk 'kh"kZd	lfeukj@ lEesyu@ laxks"Bh dk uke	i;kstudrkZ ,oa LFkku uke	o"kZ
54.	साकेथ राम टी.	द पैटर्न एण्ड कंस्ट्रक्ट ऑफ आयुर्वेद हिस्ट्री विद स्पेशल रेफरेन्स टू साऊथ इण्डिया	साऊथ इण्डिया हिस्ट्री कांग्रेस, 35वीं मिटिंग	काकाटिया विश्वविद्यालय, वारांगल, तेलंगाना	20 से 22 फरवरी, 2015
55.	वेंकटेश्वरलु बी.	थेराप्यूटिक पोटेंशियलस ऑफ सम लैसर नोन प्लान्टस ऐक्सयूडेट्स	स्टैण्डर्डाइजेसन एण्ड क्वालिटी कंट्रोल ऑफ हर्बल रॉ ड्रग्स	डिपार्टमंट ऑफ द्रव्यगुण, डॉ बी.आर.के.आर. राजकीय आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद	26 मार्च, 2015
56.	सिद्ध माल्लाया	ट्रेडिशनल हीलिंग परैक्टिसेस ऑफ दवंगेरे डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक	नेशनल वर्कशॉप ऑन ट्रेडिशनल हीलिंग परैक्टिसेस इन नार्थ ईस्ट इण्डिया	आयुर्वेद रीजनल रिसर्च इंटीट्यूट न्यू इटा नगर एट जीरो, अरूणाचल प्रदेश	02 से 03 दिसम्बर, 2014
57.	डोडामणि एस.एच.	अंडरस्टैडिंग एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ रूमैटॉइड अर्थराइटिस ऐज वातरक्त	अंडरस्टैडिंग एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ रूमैटॉइड अर्थराइटिस ऐज आमवात एण्ड वातरक्त	डिपार्टमंट ऑफ पंचकर्मा जी.ए.एम.सी., बैंग्लोर	17.03.2015
58.	शांथा टी.आर.	यूजफुल पार्टस ऑफ द प्लांटस एण्ड अल्टर्नेटिव पार्टस एण्ड सब्स्टीट्यूट प्लांट ड्रग्स इन द फोर्मुलेसन एण्ड देयर स्टैडर्डाईजेसन	सी.एम.इ. प्रोगाम ऑन द्रव्यगुण	जे.एस.एस. आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, मैसूर	06.06.2014
59.	शंकर आर.	वैलिडेशन ऑफ ट्रेडिशनल हीलिंग परैक्टिसेसस इन नार्थ ईस्ट	नेशनल वार्कशॉप ऑन ट्रैडिशनल हीलिंग परैक्टिसेस इन नोर्थ ईस्ट इंडिया	जीरो, ओर्गनाईज वाय ए.आर.आर.आइ. ईटा नगर	02–03 दिसम्बर, 2014
60.	मंडल टी.के.	वृक्षार्वेदः कन्सेप्ट ऑफ ओर्गेनिक फार्मिग एण्ड नेचुरल पेस्टीसाइड़	ट्रेनिंग प्रोग्राम–सीजन लोंग ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर फील्ड ओफीसर ऑन वेजेटेबल क्रॉपस	सेन्ट्रल इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट सेन्टर, गैगटोक, डाइरेक्ट्रेट ऑफ प्लांट प्रोटेक्सन कृषि मंत्रालय, भारत सरकार	13 सितम्बर, 2014
61.	सिद्ध माल्लाया	वाईल्ड़ एडिबल प्लांटस इन इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	नेशनल कानफ्रेन्स ऑन इ.टी.वी.ए.पी.पी., 2014	सैंट जोजफ्स वूमेनस कॉलेज (ऑटोनोमस), विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	24 एवं 25 जुलाई, 2014

3- vkjkX; ey@in'kuh e ifj"kn dh lgHkkfxrk

e[; vk;ktu

❖ परिषद् की ओर से राजा रामदेव आनन्दीलाल पोदार आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थानए मुंबई ने दिनांक 15 से 17 मईए 2014 तक भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय कल्याण प्रदर्शनी में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्‌घाटन श्री राज कुंद्रा ने किया। इसमें परिषद् ने प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

डॉ. स्नेहा मारलेवार, अनु. आधि. (आयु.) आगंतुको को आयुर्वेद एवं ए.सी.आर.आई., मुम्बई के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए।

❖ परिषद् की ओर से राजा रामदेव आनन्दीलाल पोदार आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुंबई ने दिनांक 21 से 23 मई 2014 को आयोजित आईपीएचईएक्स 2014 में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्‌घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री पृथ्वी राज चौहान ने किया। परिषद् की ओर से इस मेले में प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

डॉ. स्नेहा मारलेवार, अनु. आधि. (आयु.) आगंतुको के संशय का निवारण करते हुए

- परिषद् ने आयुष मंत्रालय की ओर से भारतीय हेबिटेट केन्द्र , नई दिल्ली मे दिनांक 25–07–2014 को वाणिज्य व उद्योग विभाग के पीएचडी चेम्बर द्वारा आयोजित चिकित्सा एवं कल्याण पर्यटन शिखर सम्मेलन में भाग लिया । श्री निलान्जन सानियाल, सचिव, आयुष विभाग एवं श्री ऐ.के. गने. रीवाला, संयुक्त सचिव, आयुष विभाग ने इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। परिषद् की ओर से इस सम्मेलन में प्रकाशनों की प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का विवरण किया।

- परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद औषध विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने दिनांक 3 से 7 सितम्बर, 2014 को अमरावती मैदान, कोलकाता में आयोजित '18वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रदर्शनी – भारत की प्रगति के लिए राष्ट्र की सेवा' में भाग लिया। परिषद् की ओर से इस मेले में प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

- परिषद् की ओर से आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ने 15 से 19 अक्टूबर 2014 को भारत के हार्टकेयर फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 21वे परफेक्ट मेले में भाग लिया। परिषद् ने प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

- परिषद् की ओर से आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ने दिनांक 14 से 27 नवम्बर 2014 तक आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भाग लिया। इस मेले का उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय ने किया। इसमें परिषद् द्वारा फ्री स्वास्थ्य जांच व्यवस्था की गई तथा परिषद् ने प्रकाशनों का प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

- परिषद् की ओर से दिनांक 18 से 21 नवम्बर 2014 तक इण्डो एक्सपो सेन्टर, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार इण्डो–युएस शिखर सम्मेलन ज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया गया। परिषद् ने प्रकाशनों का प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

- परिषद् की ओर से डॉ. विनोद कुमार लवानिया, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने दिनांक 13 से 16 नवम्बर 2014 को सम्मेलन केन्द्र लजुबलिजाना, स्लोवेनिया में 45वे प्रकृति स्वास्थ्य मेले में भाग लिया। इस मेले का उद्घाटन स्लोवेनिया गणराज्य के कृषि व वानिकी और खाद्य मंत्री एच.ई. मिस्टर डीजान जीदान ने किया। परिषद् ने परिषद् की गतिविधियों व स्वास्थ्य जागरूकता हेतु पुस्तिकाओं का विवरण किया।

- परिषद् की ओर से आयुष विभाग के निर्देशानुसार 06 से 09 नवम्बर 2014 को हॉल सं.18, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 6वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आरोग्य

प्रदर्शनी में भाग लिया गया। इस मेले में माननीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन सिंह ने दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन किया तथा जन समुदाय को सम्बोधित किया। इस 6वे विश्व आयुर्वेद कांग्रेस में परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

❖ परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला ने 12 से 14 दिसम्बर 2014 को आयुष मंत्रालय, पंजाब सरकार द्वारा सम्मिलित रूप से अनाज मण्डी, फरीदकोट(पंजाब) में आयोजित राज्य आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्घाटन माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, पंजाब सरकार की सुरजीत कुमात ज्याणी ने किया। परिषद् ने इस अवसर पर प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

❖ परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला ने 02 जनवरी से 04 जनवरी 2015 को आयुष मंत्रालय व पंजाब सरकार का सम्मिलित रूप से सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, जीरा, जिला–फिरोजपुर में आयोजित राज्य आरोग्य मेले में भाग लिया। इस मेले का उद्घाटन माननीय स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री, पंजाब सरकार श्री सुरजीत सिंह ज्याणी ने किया। परिषद् ने इस अवसर पर प्रकाशनों का प्रदर्शन तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री, पंजाब सरकार जीरा में आयोजित आरोग्य मेले में दीप प्रज्जवलित करते हुए

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद गर्भनिरोधक औषध अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद ने 07 से 09 जनवरी, 2015 को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय व गुजरात के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रवासी भारतीय दिवसए गांधीनगर (गुजरात) में भाग लिया। परिषद् ने इस अवसर पर प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

गाँधी नगर में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस में एक स्टॉल का दृश्य

- परिषद् की ओर से आयुर्वेद गर्भनिरोधक औषध अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद ने 7 से 13 जनवरी 2015 को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय व गुजरात सरकार द्वारा गाँधीनगर में आयोजित जीवन्त गुजरात शिखर सम्मेलन में भाग लिया। परिषद् ने इस अवसर पर प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

श्री नीलांजन सान्याल, सचिव आयुष मंत्रालय, गांधीनगर में आयोजित आरोग्य मेले में स्टॉल का भ्रमण करते हुए

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुंबई ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा मुंबई विश्वविद्यालय के केलिना परिषद् में 3 से 7 जनवरी 2015 को आयोजित 102वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस प्राइड ऑफ इण्डियन एक्सपों में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री महोदय श्री नरेन्द्र मोदी तथा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री हर्षवर्धन सिंह ने किया। परिषद् ने इस अवसर पर प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय, स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, पंजाबी बाग ने 10–01–2015 को लोकसभा सचिवालय कर्मचारी संगठन द्वारा संसद भवन परिसर में आयोजित लोकसभा दिवस समारोह में भाग लिया । इस अवसर पर निशुल्क चिकित्सीय परिक्षण एवं रोगियों को औषधि वितरण किया गया तथा परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय एवं स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

❖ परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद आहारीय अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर ने 21 से 24 जनवरी 2015 को आयुष मंत्रालय, कर्नाटक सरकार तथा एफ.आई.सी.सी.आई. द्वारा सम्मिलित रूप से आर. बी.ए.एन.एम. एण्ड शैक्षणिक चैरिटी ग्राउन्ड उलसुर(बैंगलोर) में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आरोग्य मेले में भाग लिया एवं इस आरोग्य मेले का उद्घाटन माननीय भारत सरकार के आयुष मंत्री श्री श्रीपद येस्सो नाइक ने किया। आर्ट ऑफ लिविंग फाउण्डेशन के श्री श्री रविशंकर मुख्य अतिथि थे। सम्मानित अतिथि श्री यु.टी.खेदर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, कर्नाटक सरकार थे। परिषद् ने इस मेले में फ्री मेडिकल जांच व मरीजों के लिए दवा की व्यवस्था की तथा प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

श्री श्रीपद येस्सो नाईक, सम्मानीय आयुष मंत्री, भारत सरकार एवं श्री अनिल गनेरीवाला
संयुक्त सचिव आयुष मंत्रालय, भारत सरकार बैंगलोर में आयुष तथा सी.सी.आर.ए.एस. स्टॉल का उद्घाटन करते हुए

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुंबई ने दिनांक 23 से 26 जनवरी 2015 को श्री स्वामी समर्थ कृषि विकास और संशोधन चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा डूंगरी वस्तीगृह ग्राउण्ड, गंगापुर रोड, नासिक में आयोजित ग्लोबल आर्गनिक कृषि मेला एवं पारम्परिक कृषि प्रदर्शनी मे भाग लिया। इस मेले का उद्‌घाटन माननीय आयुष मंत्री श्री श्रीपद येस्सो नाईक, भारत सरकार ने किया। परिषद् ने इस अवसर पर प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

श्री श्रीपद येस्सो नाईक, सम्मानीय आयुष मंत्री भारत सरकार के साथ श्री एकनाथ खडसे, कैबिनेट मंत्री कृषि एवं राजस्व, महाराष्ट्र सरकार आयुषडोम का उद्‌घाटन करते हुए

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, नागपुर ने 06 से 09 फरवरी 2015 को पी.टी.आई. ग्राउण्ड, शंकरनगर, रायपुर(छत्तीसगढ़) में आयुष मंत्रालय व छत्तीसगढ़ सरकार तथा भारतीय वाणिज्य और उद्योग के फैडरेशन चेम्बर नई दिल्ली द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़, डॉ. रमन सिंह ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया। परिषद् द्वारा इस अवसर पर फ्री स्वास्थ्य जांच व मरीजों को दवाई बांटने की व्यवस्था की गई तथा प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

❖ परिषद् की ओर से उत्तर पूर्व भारतीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी ने दिनांक 30 जनवरी से 02 फरवरी 2015 को सोनाराम हाई स्कूल भरालुमुख, गोवाहाटी में आयुष मंत्रालय व आसाम राज्य सरकार और भारतीय वाणिज्य चेम्बर, कोलकाता द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्‌घाटन श्री निलान्जन सान्याल, सचिव,

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। परिषद् ने इस अवसर पर मरीजों के लिए फ्री स्वास्थ्य जांच व दवाई भी प्रदान की गई तथा प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया।

सचिव आयुष, गुवाहाटी में आयोजित आरोग्य मेंले में स्टॉल का भ्रमण करते हुए

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, जयपुर ने 13 से 16 फरवरी 2015 को आयुष मंत्रालय व राजस्थान राज्य सरकार तथा भारतीय उद्योग परिषद्, नोएडा द्वारा सम्मिलित रूप से एस.एम.एस इन्वेसमेंट ग्राउण्ड, रामबाग सर्किल, जयपुर(राजस्थान) में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री श्रीपद यस्सो नाईक व माननीय मुख्यमंत्री महोदया वसुन्धरा राजे और संसद के सदस्य श्री राम चरन बोहरा(जयपुर) ने किया। इस अवसर पर परिषद् की ओर से फ्री स्वास्थ्य जांच व मरीजों के लिए दवाई भी प्रदान की गई तथा प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

श्रीमती वसुन्धरा राजे सिन्धिया, मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार एवं श्री श्रीपद यस्सो नाईक,
सम्मानीय आयुष मंत्री, भारत सरकार, जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेले में दीप प्रज्जवलित करते हुए

❖ परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेदिक भेषज अनुसंधान संस्थान, पटियाला ने दिनांक 20 से 23 फरवरी 2015 को आयुष मंत्रालय, पंजाब राज्य सरकार और भारतीय उद्योग फैडरेशन, चण्डीगढ़ द्वारा सम्मिालित रूप से परेड ग्राउण्ड, सेक्टर–5, पंचकुला, हरियाणा में आयोजित राज्य आरोग्य मेले में भाग लिया। श्री अनुज विज, स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा सरकार ने दीप प्रज्वलन के साथ फीता काटकर इस मेले का उद्घाटन किया । इनके साथ उत्तरी क्षेत्र सी.आई.आई. के चेयरमैन, जुबिन ईरानी; हरियाणा सरकार के मुख्य सी.आई.आई. श्री.बिसवारूप चौधरी; श्री गुलशन अहूजा, महानिदेशक आयुष विभाग, हरियाणा एवं अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिक भी मंच पर उपस्थिति थे ᳴ इस अवसर पर परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण–पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

सम्मानीय स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा सरकार पंचकुला में आरोग्य मेंले का उद्घाटन करते हुए

❖ परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर ने दिनांक 22 से 25 फरवरी 2015 को आयुष मंत्रालय व राज्य सरकार, उड़ीसा और भारतीय वाणिज्य चेम्बर, कोलकाता द्वारा सम्मिलित रूप से जनता मैदान, नन्दन कनन रोड, गजपति नगर, भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री उड़ीसा सरकार श्री नवीन पटनायक ने दीप प्रज्वलन कर किया तथा जन समुदाय को सम्बोधित कर अवसर की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर परिषद् की ओर से फ्री स्वास्थ्य जांच एवं मरीजों को औषधि वितरण की भी व्यवस्था की गई तथा परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण–पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

❖ परिषद् की ओर से दिनांक 12 से 18 फरवरी 2015 को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मोरारजी देसाई योग संस्थान में आयोजित योग सप्ताह में भाग लिया गया । इस अवसर पर परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण–पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

❖ परिषद् की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेदिक भेषज अनुसंधान संस्थानए पटियाला ने 12 से 15 मार्च 2015 को आयुष मंत्रालय व आयुष निदेशालय पंजाब और ऑल इण्डिया आयुर्वेदिक कांग्रेसए चंडीगढ़ द्वारा सम्मिलित रूप से लॉ ऑडिटोरियम, पंजाब विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ़ में आयोजित राज्य आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्घाटन पंजाब सरकार के माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणा मंत्री श्री सुरजीत कुमार ज्याणी ने किया। इस अवसर पर परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया गया ।

प्रोफेसर (वैद्य) के.एस. धीमान, महानिदेशक, सी.सी.आर.ए.एस., नई दिल्ली, चंडीगढ में आयोजित आरोग्य मेले में श्री श्रीपद यस्सो नाईक सम्मानीय आयुष मंत्री, भारत सरकार को पुष्प गुच्छ भेट करते हुए

❖ परिषद् की ओर से आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थानए मुंबई ने दिनांक 27 से 30 मार्च 2015 को आयुष मंत्रालय व राज्य सरकार गोवा और आरोग्य भारतीय गोमान्तक आयुर्वेद महाविद्यालय अनुसंधान केन्द्र, शिरोदा, गोवा द्वारा आयोजित कला एकेडमी केम्पस, पणजी, गोवा में आयोजित

आरोग्य मेले में भाग लिया। इस आरोग्य मेले का उद्‌घाटन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय मंत्री श्री श्रीपद येस्सो नाईक ने किया। इस अवसर पर परिषद् के प्रकाशनों का प्रदर्शन व विक्रय तथा स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विवरण–पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

प्रोफेसर (वैद्य) के.एस. धीमान, महानिदेशक, सी.सी.आर.ए.एस. श्री श्रीपद यस्सो नाईक, सम्मानीय आयुष मंत्री, भारत सरकार का स्वागत करते हुए।

VI. vkHkkj

परिषद् के महानिदेशक, शासी निकाय (जी.बी.), स्थाई वित्त समिति (एफ.एस.सी.), वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एस.ए.बी.) एवं वैज्ञानिक सलाहकार समूह (एस.ए.जी.) के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिये अपना गहन आभार व्यक्त करते हैं। उनके द्वारा परिषद् को विभिन्न गतिविधियों में आगे ले जाने में दी गई बहुमूल्य सहायता, मार्गदर्शन एवं निरन्तर सहयोग के लिये हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

परिषद् के महानिदेशक ने चिकित्सा पद्धति के विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों एवं अन्य अनुषंगी विज्ञान के वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालय एवं सहकारी ऐजेंसियों जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से परिषद् के साथ जुड़े हुए है तथा परिषद् मुख्यालय एवं अधीनस्थ संस्थानों के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रतिवेदन अवधि में विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा उनके सहयोग के लिये प्रसन्नता एवं आभार व्यक्त करते हैं।

एतदर्थ परिषद् आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के उनके निरन्तर समर्थन, सहायक दृष्टिकोण तथा सहयोग के लिये गहन आभार व्यक्त करती है जिसने परिषद् को अनुसंधान के क्षेत्र में गतिविधियों को बढ़ाने में सहयोग दिया है।

प्रतिवेदन के प्रलेखीकरण में डॉ. सोबरन सिंह, अनुसंधान अधिकारी (आयु. वैज्ञा.–4) एवं नोडल अधिकारी (वार्षिक प्रतिवेदन); डॉ. रेणु सिंह, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) का उनके अथक प्रयासों के लिये परिषद् आभार व्यक्त करती है। वार्षिक प्रतिवेदन में सहयोग के लिये डॉ. बी.एस.शर्मा एवं डॉ. वि.के.लवानिया की भी परिषद् प्रशंसा करती है।

वार्षिक प्रतिवेदन को वर्तमान रूप में लाने के लिये डॉ. एम.एम.पाढ़ी, उप–निदेशक(तक.); डॉ. एन.श्रीकांत, डॉ. भारती, डॉ. पी. पन्त, डॉ. एस. एन. गैधानी एवं डॉ. जी.वी.आर.जोसेफ, कार्यक्रम अधिकारी; उप–निदेशक (प्रशा.); श्री ऐ.के.त्रिपाठी, लेखा अधिकारी; हिन्दी अनुभाग एवं अन्य सभी वैज्ञानिकों, अधिकारीयों व कर्मचारियों को वार्षिक प्रतिवेदन को वर्तमान स्वरूप में लाने के लिए परिषद् आभार व्यक्त करती है।

Annual Report
2014-15

English Version

vaxzsth laLdj.k

CONTENTS

S. No.	Particulars	Page No.
I.	**OVERVIEW**	
	1.1 Objectives of the Council	1-2
	1.2 Achievements at a glance	3-4
II.	**MANAGEMENT**	
	2.1 Governing Body	5-7
	2.2 Standing Finance Committee	8
	2.3 Scientific Advisory Board and Scientific Advisory Group	8-12
	2.4 Representation of Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the Council services and Welfare measures for SC/ST	12-13
	2.5 Budget	13
	2.6 Official Language Implementation Committee	12
	2.7 Organizational set-up	13-19
III.	**TECHNICAL REPORT**	
	1. Centre wise Activities	20-25
	2. Medicinal Plant Research	
	2.1 Medico-Ethno-Botanical Survey	25-27
	2.2 Cultivation	28-32
	2.3 Pharmacognosy	33
	2.4 Intra Mural Medicinal Plant Research Projects	33-45
	3. Drug Standardization Research	
	3.1 Drug Standardization	46-49
	3.2 Intra Mural Drug Standardization Research Projects	49-54
	3.3 Other Projects	54
	4. Pre-clinical Studies	
	4.1 Biological Activity Study	55-56
	4.2 Safety/Toxicity Study	56-57
	5. Clinical Research	
	5.1 Intra Mural Clinical Research Projects	58-59
	• Completed Projects	59-68
	• Ongoing Projects	68-89

S. No.	Particulars	Page No.
	5.2 Collaborative Clinical Research	
	5.2.1 Multi-centric double blind randomized controlled clinical trial of coded drug Ayush-Manas in Mental Retardation (*Manasa mandata*) in children	89-90
	5.2.2 Multi-centric double blind randomized controlled clinical trial of coded drug Ayush-QOL2C for improvement of Quality of Life in breast cancer as an adjuvant to chemotherapy/radiotherapy	90-91
	5.2.3 Comparative Clinical Evaluation of Kshara sutra prepared manually and by automated machine in Fistula-in-Ano"- A multicentric double blind randomized controlled trial	92
	6. Literary Research and Documentation Programme	
	6.1 Publication and Documentation	93-94
	6.2 Intra Mural Literary Research Projects	94-103
	6.3 AYUSH Research Portal	103-104
	6.4 CCRAS-Research Management Information System (RMIS)	105
	6.5 Documentation of Folklore Claims/LHTs	106
	6.6 Research papers	107-129
	7. Miscellaneous Activities	
	7.1 Tribal Health Care Research Programme	130-142
	7.2 Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs)	143-145
	7.3 Special clinics for Geriatric Health care	146-147
	7.4 Musk Deer Breeding Programme	148
IV.	**SOWA-RIGPA**	149-151
V.	**INFORMATION, EDUCATION AND COMMUNICATION**	
	1. Organization of Seminars, Workshops, Symposium, Conferences, etc.	152-153
	2. Participation in Seminars, Workshops, Symposium, Conferences etc.	154-161
	3. Participation in Arogya Fairs	162-171
VI.	**ACKNOWLEDGEMENT**	172

I. Overview

1.1 OBJECTIVES OF THE COUNCIL

The Central Council for Research in Ayurvedic sciences (CCRAS), an autonomous body under Ministry of AYUSH, Govt. of India is apex body in India for undertaking, coordinating, formulating, developing and promoting research on scientific lines in Ayurvedic sciences. The activities are carried out through its 30 Institutes/Centres/Units located all over India and also through collaborative studies with various Universities, Hospitals and Institutes. The research activities of the Council include Medicinal Plant Research (Medico-ethno Botanical Survey, Pharmacognosy and Tissue Culture), Drug Standardization, Pharmacological Research, Clinical Research, Literary Research & Documentation and Tribal Health Care Research Programme.

The objectives for which the Central Council is established are:

1. The formulation of aims and patterns of research on scientific lines in Ayurvedic sciences.
2. To undertake any research or other programmes in Ayurvedic sciences.
3. The prosecution and assistance in research, the propagation of knowledge and experimental measures generally in connection with the causation, mode of spread and prevention of diseases.
4. To initiate, aid, develop and co-ordinate scientific research in different aspects, fundamental and applied of Ayurvedic sciences and to promote and assist institutions of research for the study of diseases, their prevention, causation and remedy.
5. To finance enquiries and researches for the furtherance of objects of the Central Council.
6. To exchange information with other institutions, associations and societies interested in the objects similar to those of the Central Council and specially in observation and study of diseases in East and in India in particular.
7. To prepare, print, publish and exhibit any papers, posters, pamphlets, periodicals and books for furtherance of the objects of the Central Council and contribute to such literature.
8. To issue appeals and make applications for money and funds in furtherance of the objects of the Central Council and to accept for the aforesaid purpose gifts, donations and subscriptions of cash and securities and of any property whether movable or immovable.
9. To borrow or raise monies with or without security or on security mortgage charge, hypothecation or pledge of all or any of the immovable or movable properties belonging to the Central Council or in any other manner whatsoever.
10. To invest and deal with the funds and monies of the Central Council or entrusted to the Central Council not immediately required in such manner as may from time to time be determined by the Governing Body of the Central Council.

11. To permit the funds of the Central Council to be held by the Government of India.
12. To acquire and hold, whether temporarily or permanently any movable or immovable property necessary or convenient for the furtherance of the objects of the Central Council.
13. To sell, lease, mortgage and exchange, and otherwise transfer any of the properties movable or immovable of the Central Council provided prior approval of the Central Government is obtained for the transfer of immovable property.
14. To purchase, construct, maintain and alter any buildings or works necessary or convenient for the purpose of the Central Council.
15. To undertake and accept the management of any endowment or trust fund for donation, the undertaking or acceptance whereof may seem desirable.
16. To offer prizes and grant of scholarships, including travelling scholarships in furtherance of the objects of the Central Council.
17. To create administrative, technical and ministerial and other posts under the Society and to make appointments thereto in accordance with the rules and regulations of the Society.
18. To establish a provident fund and/or pension fund for the benefit of the Central Council's employees and/or their family members.
19. To do all such other lawful things either alone or in conjunction with others as the Central Council may consider necessary or as being incidental or conducive to the attainment of the above objects.
20. To undertake R & D Consultancy projects and transfer of patents on drugs and process to industry.
21. To undertake R & D projects sponsored by industries in public/private sector.
22. To undertake international and interagency collaboration.
23. Utilization of results of research conducted and payment of share of royalties/consultancy fees to those who has contributed towards pursuit of such research.
24. To enter into arrangements with scientific agencies of other countries for exchange of scientists, study tours, training in specialized areas, conducting joint projects etc.
25. To provide technical assistance to Govt./Private agencies in matters consistent with the activities of the Council.
26. To assist Medicinal Plants Board, Government of India in achieving its objectives.
27. To constitute small Management Committees consisting of eminent Scientists/ Physicians of local areas to monitor the R & D activities and suggest remedial measures for the improvement of activities of all Central as well as Research Institutes of the Council.

1.2 ACHIEVEMENTS AT A GLANCE

The Council continued its activities during the reporting period in the areas of Medicinal Plant Research (Medico-ethno botanical Survey, Pharmacognosy and Cultivation), Drug Standardization, Pharmacological Research, Clinical Research and Literary Research & Documentation Programme. The extension activities comprise of Tribal Health Care Research Programme, Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs), Special clinics for Geriatric Health care and Musk Deer Breeding Programme.

Clinical Research Programme

Intra Mural Clinical Research

Under IMR, 7 projects under Clinical Research on 6 diseases/conditions viz. Rheumatoid Arthritis, Osteoarthritis (2), Rasayana, Haemorrhoids, Polycystic Ovary Syndrome and Gout have been completed and 16 Projects on 13 diseases/conditions viz. Mental Retardation, Type II Diabetes Mellitus, Psoriasis, Generalized Anxiety Disorder, Chronic Bronchitis, Rheumatoid Arthritis, Osteopenia/Osteoporosis, Osteoarthritis, Iron Deficiency Anemia, Bronchial Asthma, Irritable Bowel Syndrome (IBS), Cognitive Deficit and Rasayana across 18 peripheral institutes has been going on.

Collaborative Clinical Research

Under the Collaborative Clinical Research during the period under report, one study on coded Ayurvedic drugs on Mental Retardation has been concluded at all centres and 2 studies viz Improvement in quality of life of Breast cancer patients and A Comparative Clinical Evaluation of Kshara sutra prepared manually and by automated machine in Fistula-in-Ano"- A multi-centric double blind randomized controlled trial have been continued.

Drug Research Programme

Medicinal Plant Research

The council has continued Medicinal Plant Research - Medico-ethno-botanical survey conducted 20 tours in selected areas of 5 states during the survey 39 museum samples, 367.72 Kg raw drug collected and documented 263 folk claims. A total 18 drugs were studied pharmacognostically, 48 new medicinal plants introduced in demonstrative gardens of Institutes. Besides this, 16 Intra Mural Medicinal Plant Research projects are going on.

Drug Standardization

Under Drug Standardization, 25 singles drugs have been carried out. Besides this, 11 Intra Mural Drug Standardization Research projects are going on.

Pharmacological Research

Toxicological study of 3 coded drugs has been completed and 3 drugs are in progress. Besides this, Biological activity of 1 drug has been completed and 2 drugs are in progress.

Tribal Health Care Research Programme

Under tribal health care research programme, the Council has covered a population of 78,599 out of which 65670 were tribal people belonging to 236 villages and incidental medical aid has been provided to 22,394 patients out of which 18427 patients were tribal people and 140 folk claims/LHTs have been documented.

Literary Research Programme

Under this programme Medico-historical studies, collection and compilation of references relating to drugs and diseases from classical treatises, lexicographic work, contemporary literature and publications related to Ayurveda and modern sciences have been continued. The Council has brought out periodicals viz. Journal of Research in Ayurveda and Siddha, Journal of Drug Research in Ayurveda & Siddha and Journal of Indian Medical Heritage. During the reporting period, 8 books have been published. Besides this, 5 Intra Mural Literary Research projects have been completed and 9 projects have been continued.

AYUSH Research Portal - A web based portal for Research publication in AYUSH is successfully continued and the information being updated periodically. Till date 20190 scientific publications have been uploaded.

IEC Activities

The Council has participated in Arogya Melas, fairs, exhibitions for dissemination of knowledge and awareness of Ayurveda in public and also conducted training programmes, seminars, workshops and conferences at different locations.

3/7/15

New Delhi **(Prof. Vd. K.S. Dhiman)**
Dated: 03/07/2015 **Director General**

II. MANAGEMENT

2.1 Governing Body

The Central Council for Research in Ayurvedic Sciences is a Registered Society under Societies Registration Act XXI of 1860 on 29.07.2011 (Formerly Registered as Central Council for Research in Ayurveda and Siddha on 30th March, 1978). During the period under report ending on 31st March, 2015 the members of Governing Body (reconstituted on 17th March, 2015) of the Council were as under:

1	President	**Sh. Shripad Yesso Naik,** Minister of State (Independent Charge), Ministry of AYUSH (w.e.f. 09.11.2014) **Dr. Harsh Wardhan,** Union Minister of Health & Family Welfare (from 26.5.2014 to 09.11.2014) **Sh. Ghulam Nabi Azad** Union Minister of Health & Family Welfare (up to 25.5.2014)
2.	Vice-President	**Sh. Nilanjan Sanyal,** Secretary
3.	Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Health & Family Welfare	**Sh. R. K. Jain** (w.e.f. 02.10.2011)
4.	Joint Secretary (AYUSH)	**Sh. Bala Prasad** – 14.11.2014 **Sh. A.K. Ganeriwala** (w.e.f. 15.11.2014)

(The Department of AYUSH has been elevated to an independent Ministry of AYUSH w.e.f. 09.11.2014)

Non-Official Members

Eminent Researcher /Teacher /Professional in Ayurveda

5.	Prof. H.M. Chandola Director/Principal Ch. Brahm Prakash Ayurved Charak Sansthan, Govt. of NCT, Delhi	Member

University/Professors/Researchers

6.	Prof. P. Murali Krishna, Professor, Department of Panchakarma, S.V. Ayurvedic and PG Studies, Tirupati	Member

7.	Prof. Dhaneswar Kalita, Principal, Government Ayurvedic College, Guwahati	Member
8.	Prof. Mahesh Chandra Sharma, Director, S.B.L.D. Ayurveda Vishwabharti Sardar Shahar, Rajasthan	Member

Experts in Ayurveda (other than University Professors/Researchers)

9.	Vd. Rajesh Kotecha, Vice Chancellor, Gujarat Ayurved University, Jamnagar	Member
10.	Vd. Devendra Triguna, President, All India Ayurvedic Congress, New Delhi	Member

Experts in Pharmacology

11.	Prof. Y.K. Gupta, Professor & Head, Department of Pharmacology, AIIMS, New Delhi	Member

Experts in Chemistry

12.	Dr. S.K. Srivastava, Chief Scientist & Head, Medicinal Chemistry Department, Central Institute of Medicinal & Aromatic Plants, Lucknow.	Member

Experts in Botany

13.	Dr. H.B. Singh Chief Scientist, Herbology, AIMIL Pharmaceuticals India Ltd, New Delhi	Member

Experts in Modern Medicine

14.	Dr. Govind Makharia, Professor, Department of Gastroenterology and Human Nutrition, AIIMS, New Delhi	Member

Ex-Officio Member

15	Prof. Vd. K.S. Dhiman, Director General, CCRAS	Member Secretary

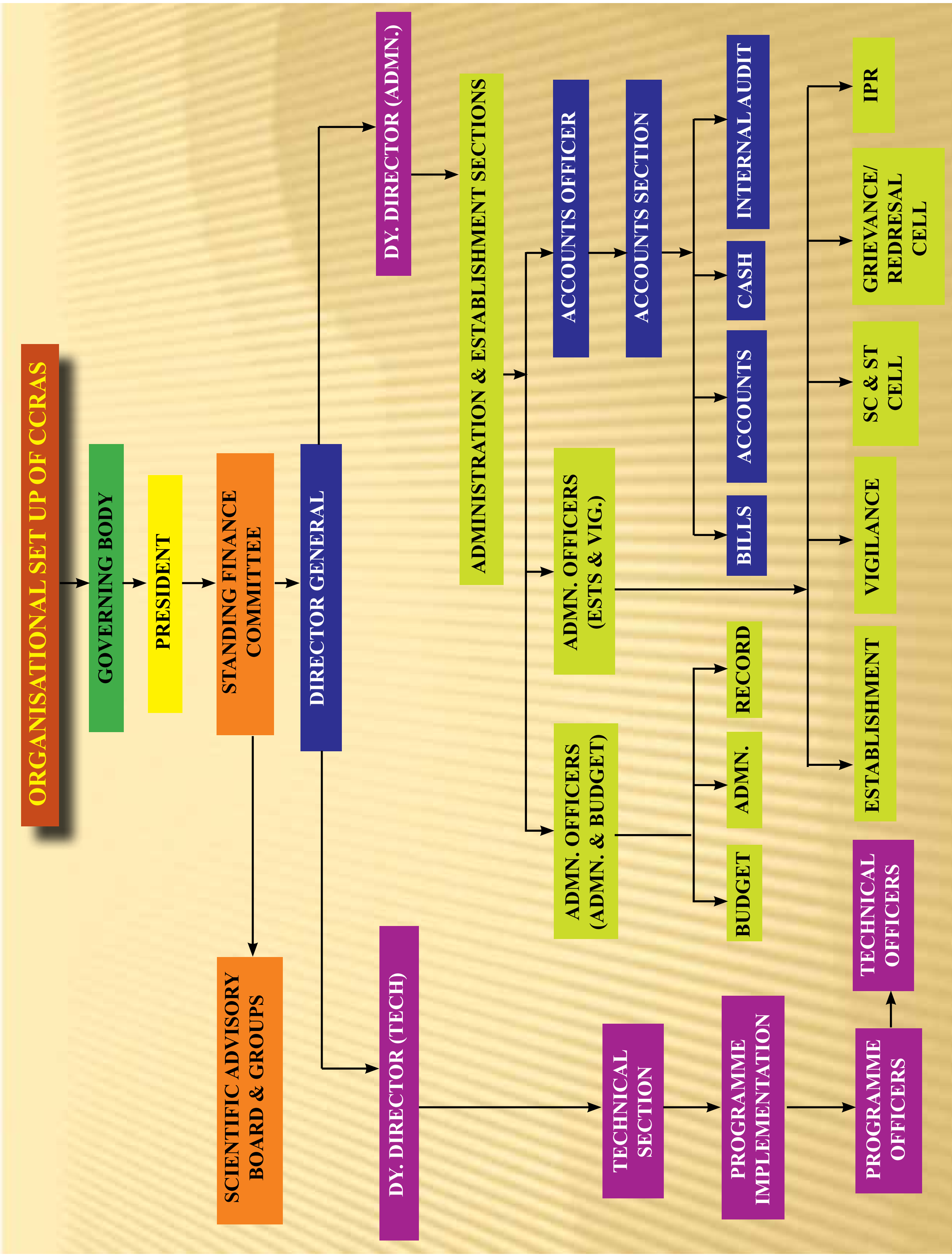

Fig.1: Organisational set up of CCRAS

2.2 Standing Finance Committee

The composition of the Standing Finance Committee was as under:

1.	**Sh.Anil Kumar Ganeriwala** Joint Secretary Ministry of AYUSH AYUSH Bhawan, INA, New Delhi	Chairman
2.	Financial Advisor or his representative Ministry of Health & Family Welfare New Delhi	Member
3.	**Prof. H.M.Chandola** Director/Principal Ch. Brahm Praksh Ayurved Charak Sansthan Govt. of NCT, Delhi	Member
4.	**Vd. Devendra Triguna** President, All India Ayurvedic Congress New Delhi	Member
5.	**Prof. Vd. K.S.Dhiman** Director General, CCRAS	Member Secretary

During the period under report, the 73rd and 74th meeting of the Standing Finance Committee were held on 13th June, 2014 and 16th February, 2015, respectively.

2.3 Scientific Advisory Board and Scientific Advisory Group

The Scientific Advisory Board (SAB) and Scientific Advisory Groups (SAG) were constituted on 19.3.2015 with the following composition:

Table - 1: Scientific Advisory Board (SAB)

1.	**Prof. H. M. Chandola** Director-Principal, E-1, Ch. Brahm Prakash Ayurved Charak Sansthan, Govt. of NCT of Delhi, Khera Dabar, Najafgarh, New Delhi-110073	Chairman
2.	**Prof. P.K. Prajapati** Director Institute of Post Graduate Teaching & Research In Ayurveda, Gujarat Ayurved University, Jamnagar- 361 008, Gujarat	Member
3.	**Dr. M.R.V. Nampoothiri** Principal, Amrita School of Ayurveda, Kollam, Kerala	Member

4.	**Vd. Devendra Triguna** President, All India Ayurvedic Congress, New Delhi	Member
5.	**Dr. V.K. Joshi** Head, Dept. of Dravyaguna, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University, P.O. Lanka, Varanasi-221 005	Member
6.	**Prof. M.C.Sharma** Director , Shree Bhanwarlal Dugar Ayurved Vishwa Bharti, Gandhi Vidya Mandir, Sardarshahr (Rajasthan) -331402	Member
7.	**Dr. C.K. Katiyar** CEO-Health Care (Tech.), Emami Towers, 5th Floor, 687, Anandpur, E.M. By pass, Kolkata– 700107	Member
8.	**Dr. Lama Chosphel Zotpa** (Sowa Rigpa) B.4, Laddak Buddista Vihar, Bela Road, Delhi-110054	Member
9.	**Dr. V. K. Kapoor** 1473, Pushpak complex, Sector – 49B, Chandigarh – 160 047	Member
10.	**Dr. S. K. Maulik** Professor, Dept. of Pharmacology, AIIMS, Ansari Nagar, New Delhi – 110 029	Member
11.	**Dr. H.B.Singh** Chief Scientist, Herbology, AIMIL Pharmaceuticals India Ltd., New Delhi	Member
12.	**Dr. Vasantha Muthhuswamy** Former Sr. DDG, ICMR A-101, Manchester regent, Avinashi Road, P.N. Palayam, Coimbattore -37	Member
13.	**Dr. Arvind Pandey** Director, National Institute of Medical Statistics, ICMR, Ansari Nagar, New Delhi 110 029	Member
14.	**Dr. K.K. Sijoria** Professor and Coordinator, Academic & Research, A & U Tibbia Hospital, Karol Bagh, New Delhi-110005	Member
15.	**Prof. Vd. K. S. Dhiman** Director General, CCRAS	Member Secretary

Table - 2: Scientific Advisory Group (SAG)

I.	**Literature Research**	
1.	**Dr. K. D. Sharma** D-16, Sanjay Enclave, Rajapuri Road, Uttam Nagar, New Delhi-59	Chairman
2.	**Dr. B. Rama Rao,** Ex Director, H.No., 23-49/3, Netaji Nagar, Dilsukhnagar, Hyderabad-500 060	Member
3.	**Prof. Kamalesh Sharma** National Institute of Ayurveda Madhav Vilas Palace, Amer Road, Jaipur-302002, Rajasthan	Member
4.	**Prof. Mahesh Kumar Vyas** Associate Professor, Dept. of Basic Principles,I.P.G.T. & R.A., Gujrat Ayurved University, Jamnagar-361008	Member
5.	**Vd. Tarachand Sharma** Ayurveda Consultant B-4,Gate No 3, Sec 7, Sri Sai Arogya Niketan, Rohini, Delhi-110085	Member
6.	**Prof. Vd. K. S. Dhiman** Director General, CCRAS	Member Secretary
II.	**Basic Sciences and Fundamental Research**	
1.	**Prof. Shriram Sheshgir Savrikar** Professor in Rasashastra, Govt. Ayurved College, Tuljapur Road, Osmanabad-413501, Maharashtra	Chairman
2.	**Prof. P. K. Prajapati,** Director Institute for Post Graduate Teaching & Research in Ayurveda, Gujarat Ayurved University, Jamnagar - 361 008.	Member
3.	**Prof.Tanuja Nesari** Additional Director Academics, Ch. Brahm Prakash Ayurved Charak Sansthan, Govt. of NCT of Delhi, Khera Dabar, Najafgarh, New Delhi-110073	Member
4.	**Dr. Pawan Godatawar,** Associate Professor, Deptt. of Roga and Vikriti Vijnana, National Institute of Ayurveda (NIA), Amer Road, Jaipur-02	Member

5.	**Dr.G. Geeta Krishnan,** Head, Dept. of Integrative Medicine & Holistic Therapies, Medanta- The Medicity, Rajeev Chowk, Sec-38, Gurgaon- 122 001	Member
6.	**Dr. S.K. Mishra,** Former Advisor A-604, Tower Apartments, Swasthya Vihar, Delhi 110092	Member
7.	**Prof. Vd. K. S. Dhiman,** Director General, CCRAS	Member Secretary
III.	**Drug Development**	
1.	**Dr. K. K. Srivastava** Ex.Director, DRDO, 8A, Railway Board Officers Flat, Sarojini Nagar, Near Sarojini Nagar Railway Station, New Delhi- 110023.	Chairman
2.	**Dr. Ravishankar B.,** Director, SDM, Centre for Research in Ayurveda & Allied Sciences, SDM College of Ayurveda Sciences Campus, Kuthpady, Udupi-574118, Karnataka	Member
3.	**Prof. V. K. Joshi** Dept. of Dravyaguna, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical sciences, Banaras Hindu University, P.O. Lanka, Varanasi-221 005	Member
4.	**Prof. Anand Choudhary** Professor, Dept. of Rasashastra, Faculty of Ayurveda, Institute of Medical sciences, Banaras Hindu University, P.O. Lanka, Varanasi-221 005	Member
5.	**Dr. S. C. Jain** Ex-Head, Dept. of Chemistry University of Delhi, A-2/229, Paschim Vihar New Delhi-110063	Member
6.	**Prof. Vd. K. S. Dhiman,** Director General, CCRAS	Member Secretary
IV.	**Clinical Research**	
1.	**Dr. Nandini K. Kumar** Former Deputy Director General Sr. Grade (ICMR) Dr. TMA Pai Endowment Chair, Manipal University, Adjunct Prof., Kasturba Medical College, Manipal, Karnataka	Chairman

2.	**Prof. P. K. Prajapati,** Director Institute of Post Graduate Teaching & Research In Ayurveda, Gujarat Ayurved University, Jamnagar- 361 008, Gujarat	Member
3.	**Prof. Urmila Thatte,** Professor & Head, Dept. of Clinical Pharmacology, Seth GS Medical College and KEM Hospital, Mumbai 400 012	Member
4.	**Dr. Ram Manohar,** Director and Chief Scientific Officer AVP Research Foundation, 136/137, Trichy Road, Ramanathapuram P.O., Coimbatore - 641045, Tamil Nadu	Member
5.	**Dr. Atul Juneja,** Scientist – C, National Institute of Medical statistics, ICMR Head Quarters Campus, Ansari nagar, New Delhi- 110 029	Member
6.	**Prof. Paresh Chandra Tripathi** 532, SKB Sarani, Kolkatta-700030	Member
7.	**Prof. O.P. Gupta** Shivam Complex, Opp. S.B.I., Bharalumukh, AT Road, Guwahati-9	Member
8.	**Prof. Vd. K. S. Dhiman,** Director General, CCRAS	Member Secretary

2.4 Representation of Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the Council services and Welfare measures for SC/ST

The Council has been following the orders and guidelines issued from time to time by the Government of India in respect of representation of SC/ST in the services of the Council. The recruitments/ promotions are done according to the reservation roster maintained for SC/ST. The Council is having a total strength of employees in different groups as on 31-3-2015 as under (Table 3):

Table - 3: Number of employees of CCRAS in each category

Group	Number of employees	SC Employees	% of total employees	ST Employees	% of total employees	Remarks
A	197	30	15.22	16	8.12	
B	23	6	26.08	2	8.7	
C (Including erstwhile Group 'D'	597	174	29.14	63	10.55	Converted to Group - C after implementation of the VI[th] Pay Commission.
Total	**817**	**210**	**-**	**81**	**-**	

The Council is also running Tribal Health Care Research Projects on Ayurveda at 14 Institutes including one at Andaman & Nicobar Islands. This project envisages great scope not only to understand the local health problems and interdependent issues but also to identify and apply/advise the methods and suitable measures to surmount their problems. Besides, some of the Research Institutes/Centres/Units are also located in rural areas and through OPD/IPD of these Institutes/Centres and Tribal Health Care Research Programme, medical relief and health benefits have been extended to a large number of SC/ST population. The budget of the Council stipulated specific allocations for welfare of SC/ST under its plans.

2.5 Budget

Table -4: Budget Breakup

(₹ in Lakhs)

Scheme	Budget Estimate 2014-15	Final Estimate 2014-15	Funds released 2014-15	Unspent Balance 2013-14	Provisional expenditure 2014-15
Plan	6800.00	5706.00	5706.000	1871.89	7577.89
Non-Plan	6107.00	7750.00	7750.00	253.80	8003.80

2.6 Official Language Implementation Committee

The Council is having an official Language Implementation Committee under the Chairmanship of the Director General, CCRAS to review the position regarding implementation of official language policy, rules, orders, programmes etc. and to take steps for increasing the pace of use Hindi in the Council. During the period under report, the Committee met on 2.6.2014 & 8.12.2014.

2.7 Organizational set-up

Table - 5: No. of CCRAS Institutes under different categories

Category	No. of institutes
A	8
B	6
C	6
D	10

Table - 6: Acronyms of Ayurveda Institutes/Centres/Units

S. No.	Institute/Centre/Unit	Abbreviations
Category A		
1.	National Research Institute for Ayurveda-Siddha Human Resource Development, Gwalior	NRIASHRDG
2.	National Research Institute for Panchakarma, Cheruthuruthy	NRIPC
3.	National Research Institute for Ayurveda Drug Development, Kolkata	NRIADDK
4.	Captain Srinivasa Murthy Research Institute for Ayurveda and Siddha Drug Development, Chennai	CSMRIASDDC
5.	National Research Institute for Ayurveda Drug Development, Bhubaneswar	NRIADDB
6.	National Institute of Indian Medical Heritage, Hyderabad	NIIMHH
7.	National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences, Pune	NRIBASP
8.	National Institute of Ayurvedic Pharmaceutical Research, Patiala	NIAPRP
Category B		
9.	North East India Ayurveda Research Institute, Guwahati	NEIARIG
10.	National Vriksha Ayurveda Research Institute, Jhansi	NVARIJ
11.	National Veterinary Ayurveda Research Institute & Hospital, Lucknow	NVARI&H
12.	National Ayurveda Dietetics Research Institute, Bangalore	NADRIB
13.	National Ayurveda Research Institute for Vector Borne Diseases, Vijayawada	NARIVBDV
14.	National Research Institute for Sowa-Rigpa, Leh	NRISRL
Category C		
15.	Ayurveda Central Research Institute, Delhi	ACRID
16.	Ayurveda Contraceptive Drug Research Institute, Ahmedabad	ACDRIA
17.	Ayurveda Research Institute for Mother and Child Health Care, Trivandrum	ARIMCHCT
18.	Advanced Center for Ayurveda in Mental Health & Neurosciences, Bangalore	ACAMHNB
19.	Ayurveda Cancer Research Institute, Mumbai	ACRIM
20.	Ayurveda Mental Health Research Institute, Nagpur	AMHRIN

S. No.	Institute/Centre/Unit	Abbreviations
	Category D	
21.	Regional Research Institute of Himalayan Flora, Tarikhet, Ranikhet	RRIHFT
22.	Dr. Achanta Lakshmipati Research Centre for Ayurveda, Chennai	ALRCAC
23.	Ayurveda Regional Research Institute, Gangtok	ARRIG
24.	Ayurveda Regional Research Institute, Mandi	ARRIM
25.	Ayurveda Regional Research Institute, Jammu	ARRIJ
26.	Ayurveda Tribal Health Care Research Project, Port Blair	ATHCRPPB
27.	Ayurveda Regional Research Institute, Patna	ARRIP
28.	Ayurveda Regional Research Institute, Itanagar	ARRII
29.	Ayurveda Central Research Institute,, Jaipur	ACRIJ
30.	Herbal Ayurveda Research Centre, Nagaland	HARCN

State-wise distribution of peripheral Institutes/Centres/Units

Andaman & Nicobar

1. Ayurveda Tribal Health Care Research Project, Port Blair

Andhra Pradesh

2. National Ayurveda Research Institute for Vector Borne Diseases, Vijayawada

Arunachal Pradesh

3. Ayurveda Regional Research Institute, Itanagar

Assam

4. North East India Ayurveda Research Institute, Guwahati

Bihar

5. Ayurveda Regional Research Institute, Patna

Delhi

6. Ayurveda Central Research Institute, Delhi

Gujarat

7. Ayurveda Contraceptive Drug Research Institute, Ahmedabad

Himachal Pradesh

8. Ayurveda Regional Research Institute, Mandi

Jammu & Kashmir

9. Ayurveda Regional Research Institute, Jammu

10. National Research Institute for Sowa-Rigpa, Leh

Karnataka

11. Advanced Center for Ayurveda in Mental Health & Neurosciences, Bangalore

12. National Ayurveda Dietetics Research Institute, Bangalore

Kerala

13. Ayurveda Research Institute for Mother and Child Health Care, Trivandrum

14. National Research Institute for Panchakarma, Cheruthuruthy

Madhya Pradesh

15. National Research Institute for Ayurveda-Siddha Human Resource Development, Gwalior

Maharashtra

16. Ayurveda Cancer Research Institute , Mumbai

17. Ayurveda Mental Health Research Institute, Nagpur

18. National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences, Pune

Nagaland

19. Herbal Ayurveda Research Centre, Nagaland

Orissa

20. National Research Institute for Ayurveda Drug Development, Bhubaneswar

Punjab

21. National Institute of Ayurvedic Pharmaceutical Research, Patiala

Rajasthan

22. Ayurveda Central Research Institute, Jaipur

Sikkim

23. Ayurveda Regional Research Institute, Gangtok

Tamilnadu

24. Captain Srinivasa Murthy Research Institute for Ayurveda and Siddha Drug Development, Chennai

25. Dr. Achanta Lakshmipati Research Centre for Ayurveda, Chennai

Telangana

26. National Institute of Indian Medical Heritage, Hyderabad

Uttar Pradesh

27. National Veterinary Ayurveda Research Institute & Hospital, Lucknow

28. National Vriksha Ayurveda Research Institute, Jhansi

Uttarakhand

29. Regional Research Institute of Himalayan Flora, Tarikhet, Ranikhet

West Bengal

30. National Research Institute for Ayurveda Drug Development, Kolkata

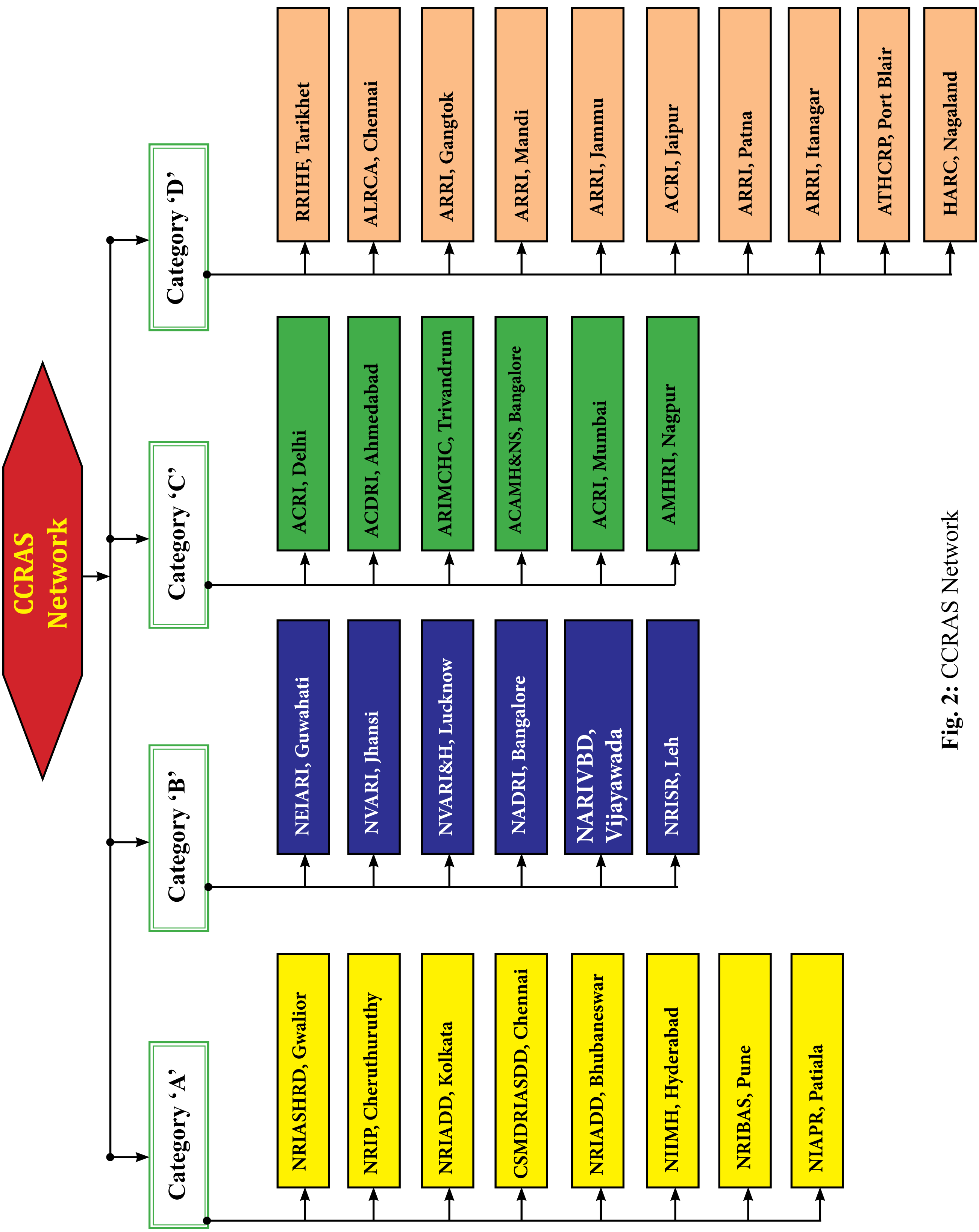

Fig. 2: CCRAS Network

Fig.3: Institutional Network of CCRAS

III. TECHNICAL REPORT

1. CENTRE-WISE ACTIVITIES

The following table depicts the involvement of peripheral Institutes/Centres/Units of the Council in the research activities on broad areas *viz.* Clinical research, Health care services, Tribal heath care research, Drug Standardization, Survey of Medicinal Plants, Cultivation, Pharmacognosy, Pharmacology, Literary research etc.

Table -7: Centre-wise major activities (Ayurveda)*

S.No.	Name of Institute	Major Activities/Services
1.	National Research Institute for Ayurveda - Siddha Human Resource Development, Gwalior	• Clinical Research • Tribal Health Care Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Medico-Ethno-Botanical Survey • Drug Standardization Research • Pharmacological Research • Special Clinics for Geriatric Health Care
2.	National Research Institute for Panchakarma, Cheruthuruthy	• Clinical Research • Pharmacological Research • Quality Control and Drug Standardization • Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Special facility for Panchakarma • Special Clinics for Geriatric Health Care • Panchakarma training
3.	National Research Institute for Ayurveda Drug Development, Kolkata	• Clinical Research • Pharmacognosy Research • Drug Standardization Research • Pharmacological Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Tribal Health Care Research • Special facility for Panchakarma and Ksharasutra therapy • Special Clinics for Geriatric Health Care

S.No.	Name of Institute	Major Activities/Services
4.	Captain Srinivasa Murthy Research Institute for Ayurveda & Siddha Drug Development, Chennai	• Drug Standardization Research • Pharmacological Research
5.	National Research Institute for Ayurveda Drug Development, Bhubaneswar	• Clinical Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care • Special facility for Panchakarma
6.	National Institute of Indian Medical Heritage, Hyderabad	• Literary Research and documentation • Revival and retrieval of texts from ancient manuscripts and rare books • Search and collection of information descriptive notes, editing and publication of rare medical manuscripts/ books on AYUSH • Documentation • Ayurveda Encyclopedia • Museum on History of Medicine • Referral library on AYUSH systems of medicine and modern medicine. • AYUSH Research Portal
7.	National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences, Pune	• Demonstrative Medicinal Plants Garden. • Pharmacognosy Research • Plant Tissue Culture • Molecular Biology Research
8.	National Institute of Ayurvedic Pharmaceutical Research, Patiala	• Pharmacy • Drug Standardization Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care • Clinical Research

S.No.	Name of Institute	Major Activities/Services
9.	North East India Ayurveda Research Institute, Guwahati	• Clinical Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care • Medico-Ethno-Botanical Survey
10.	National Vriksha Ayurveda Research Institute, Jhansi	• Medico-Ethno-Botanical Survey • Demonstrative Medicinal Plants Garden. • Demonstrative crude drugs repository • Authentication of the plant specimens
11.	National Veterinary Ayurveda Research Institute, Lucknow	• Research on Veterinary Ayurveda • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care
12.	National Ayurveda Dietetics Research Institute, Bangalore	• Clinical research • Research on Ayurveda Dietetics • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care • Medico-ethno-Botanical survey • Pharmacognosy Research
13.	National Ayurveda Research Institute for Vector Borne Diseases, Vijayawada	• Clinical Research • Research on Vector Borne Diseases • Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care
14.	Ayurveda Central Research Institute, New Delhi	• Clinical Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Special facility for Ksharasutra & Panchakarma • Special Clinics for Geriatric Health Care

S.No.	Name of Institute	Major Activities/Services
15.	Ayurveda Contraceptive Drug Research Institute, Ahmedabad	• Clinical Research • Research on Ayurvedic Contraceptive Drugs. • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Special clinics for Geriatric Health care
16.	Ayurveda Research Institute for Mother and Child Health Care, Trivandrum	• Clinical Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care
17.	Advanced Center for Ayurveda in Mental Health & Neurosciences, Bangalore	• Clinical Research on Mental disorders • Health care services through Out Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Special Clinics for Geriatric Health Care
18.	Ayurveda Cancer Research Institute , Mumbai	• Clinical Research • Health care services through Out Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Special Clinics for Geriatric Health Care • Special facility for Ksharasutra • Special facility for Panchakarma & Physiotherapy
19.	Ayurveda Mental Health Research Institute, Nagpur	• Clinical Research • Tribal Health Care Research • Health care services through Out Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs) • Special facility for Panchakarma • Special Clinics for Geriatric Health Care
20.	Regional Research Institute of Himalayan Flora, Tarikhet, Ranikhet	• Medico-Ethno-Botanical Survey of Sub Himalayan areas • Documentation of Ethno-medical practices and remedial property of different plants used by the tribes of Kumaon region of Uttarakhand • Demonstrative Medicinal Plants Garden. • Musk Deer Breeding

S.No.	Name of Institute	Major Activities/Services
21.	Dr. Achanta Lakshmipati Research Centre for Ayurveda, Chennai	• Clinical Research • Health care services through Out Patient Department (OPD) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care
22.	Ayurveda Regional Research Institute, Gangtok	• Health care services through Out Patient Department (OPD) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care
23.	Ayurveda Regional Research Institute, Mandi	• Clinical Research • Health care services through Out–Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care
24.	Ayurveda Regional Research Institute, Jammu	• Clinical Research • Health care services through Out Patient Department (OPD) & IPD • Special facility for Panchakarma • Special Clinics for Geriatric Health Care • Facility of Ksharasutra • Facility for Panchkarma procedures
25.	Ayurveda Tribal Health Care Research Project, Port Blair	• Tribal Health Care Research • Health care services through Out Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care • Medico-Botanical survey of selected areas of Andaman & Nicobar Islands
26.	Ayurveda Central Research Institute, Patna	• Clinical Research • Health care services through Out Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care • Tribal Health Care Research

S.No.	Name of Institute	Major Activities/Services
27.	Ayurveda Regional Research Institute, Itanagar	• Tribal Health Care Research • Medico-Ethno-Botanical Survey • Health care services through Out Patient Department (OPD) • Special Clinics for Geriatric Health Care • Demonstrative Medicinal Plants Garden
28.	Ayurveda Central Research Institute, Jaipur	• Clinical research • Health care services through Out Patient Department (OPD) and In Patient Departments (IPDs) • Tribal Health Care Research • Special Clinics for Geriatric Health Care
29.	Herbal Ayurveda Research Centre, Nagaland	• Health care services through Out Patient Department (OPD)
30.	National Research Institute for Sowa-Rigpa, Leh	• Health care services through Out Patient Department (OPD) • Tribal Health Care Research • Medico-Ethno-Botanical Survey • Cultivation of Medicinal Plants • Literary Research & Documentation

* Some Programmes/Projects are changeable which will be reported from time to time.

2. MEDICINAL PLANTS RESEARCH

2.1 Medico-Ethno-Botanical Survey

Medico-ethno-botanical survey is an important part of drug research which provides information on the distribution and availability of medicinal plants in a given area. The collected specimens during the survey form the reference materials for description and characterization of raw drugs and their botanical source to avoid adulteration and substitution. The herbarium and museum developed from such collections act as reference centers for UG/PG/M.Phil/Ph.D students and researchers for correct identification/ authentication of their plant specimens or raw drug materials. Further, the folk-claims collected during the exploration work provide lead for validation and effective development of drugs based on traditional knowledge and not from any codified system of medicine.

Council has been involved in survey and documentation of medicinal plants of India used in Ayurveda and Siddha system of medicine. Through its peripheral institutes, the council has surveyed part of every phyto-geographic regions across the country including the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep, collected and preserved nearly 2,00,000 herbarium specimens and about 5000 museum specimens belonging to over 2000 species of medicinal plants. Apart from collection of herbarium specimens, the survey team also collects and supply authentic raw drug samples for studies under various projects inside and outside the Council including the projects under Central Scheme of Ayurvedic Pharmacopoeia Committee (APC). The Council is also engaged in survey of raw drug markets to study the trade of raw drugs and adulteration/substitution associated with them.

The herbarium of four peripheral institutes of CCRAS have got international recognition as these are listed in the INDEX HERBARIORUM and accredited with acronyms by the New York Botanical Garden.

Table - 8 : Name of the Institutes and respective herbarium acronyms

S.No.	Name of the Institutes	Herbarium acronym
1.	Regional Research Institute of Himalayan Flora (RRIHF), Tarikhet	RKT
2.	National Vrikshya Ayurveda Research Institute (NVARI), Jhansi	JHS
3.	National Ayurvedic Dietetics Research Institute (NADRI), Bangalore	RRCBI
4.	Ayurveda Regional Research Institute (ARRI), Itanagar	ARRI

During the reporting year, 20 medico-ethno-botanical survey tours have been conducted in various parts (Detailed in Table - 9) of Bagalakot and Raichur districts, (Karnataka), Lower Assam, Nagaland & Tawang (Arunachal Pradesh), Chhattishgarh, left over parts of Uttrakhand and Himachal Pradesh. A total number of 2124 plant specimens have been collected and 2723 herbarium sheets have been prepared (including backlog). This apart, 263 folk-claims along with associated traditional knowledge were also collected after interaction with the local people during the survey tours. Further, from 20 short duration local tours, 367.72 kg (fresh wt.) authentic raw drugs were collected, from which 20.9 kg (dry wt.) were supplied to various Institutes for research and development work. 39 museum samples were also collected during the above tours. Beisdes this, 1113 photographs of medicinal plants have been taken, which will be figured in the final documentation of medicinal plant wealth of respective region.

Table - 9 : Details of area surveyed and specimens collected during 2014 - 2015

Name of the peripheral Institute	No. of Survey tours conducted and surveyed areas	No. of short duration tours and areas covered	No. of species collected	No. of herbarium specimens prepared (including backlog)	No. of museum samples collected	Raw drugs collected (fresh wt. in kg)	Raw drugs supplied (dried wt. in kg)	Photographs	Folk Claims collected
1. NADRI, Bangalore	4 Bagalakot and Raichur districts, (Karnataka)	Nil	921	921	17	4.250	1.2	230	81
2. NEIARI, Guwahati	4 Kamrup West Division of Lower Assam	9	125	112	7	294	4.7	25	41
3. ARRI, Itanagar	4 Kohima, Zunheboto/ Tawang, Tuensang, & Dimapur	4	215	341	9	28.07	Nil	142	11
4. NVARI, Jhansi	4 Dharamjaygarh, Durg, Raigarh& Raipur	Nil	357	885	1	Nil	Nil	597	114
5. RRIHF, Tarikhet	4 Bageshwar, Kullu & East Tarai	7	506	464	5	41.4	15	119	16
Total	**20**	**20**	**2124**	**2723**	**39**	**367.72**	**20.9**	**1113**	**263**

2.2 Cultivation of Medicinal Plants in the herbal garden

For demonstrative cultivation of Medicinal plants belonging to different agro-climatic zones, the Council is maintaining four demonstrative gardens situated at Pune (National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences), Jhansi (National Vriksha Ayurveda Research Institute), Ranikhet (Research Institute of Himalayan Flora) and Itanagar (Ayurveda Regional Research Institute). These gardens are as *ex-situ* conservation sites for important germplasm and collection place of medicinal plants including several rare, endangered and threatened species. Different study programmes viz. adaptability, growth pattern, flowering, fruiting and suitable maturity time studies of drugs part etc. and supplying of authentic drug materials for various research programmes are being carried out. These studies will provide protocol in framing strategies for conservation and sustainable utilization of these highly valuable medicinal plants. The live plants act as specimens for referencing and correct identification of the medicinal plants. The work done in the field of cultivation in all the gardens of CCRAS for demonstration purpose alomg with in vitro studies of medicinal plants is mentioned in table-.

Table - 10: Details of Area, Species cultivated / Maintained and Raw Drug Collected / Supplied from the Gardens of CCRAS

Sl. No.	Particulars	NRIBAS, Pune	NVARI, Jhansi	ARRI, Itanagar	RRIHF, Tarikhet		Consolidated Reports
1	Total area of the land, Presently under Cultivation	15 Acres	10 Acres	12.5 Acres	Tarikhet Garden 2.5 acre	Chamma Garden 1 acre	41 acres
2	Number of Species Maintained	371	314	220	149	41	1095 species
3	No. of Species Newly Introduced	18	10	7	13		48 species newly introduced (refer table 11)
4	Raw Drugs Collected	5.858 Kg.	30.50 Kg	136.5 Kg.	-		172.85 Kg.
5	Raw Drugs Supplied	Nil	Nil	96.5Kg	-		96.5 Kg Drug were supplied to ARRI Pharmacy and nursery

Sl. No.	Particulars	NRIBAS, Pune	NVARI, Jhansi	ARRI, Itanagar	RRIHF, Tarikhet	Consolidated Reports
6	Agro-trials/ or *in vitro* propagation techniques	Studies on *in vitro* propagation techniques on 7 species.	Seed germination study in *Abroma augusta* L.	Studies on seed germination of *Gynocordia odorata* (Chaulmoogra, *Hydnocarpus laurifolia* (Chaulmoogra) and Acclamatization of *Hemidesmus indicus* in local climatic condition.	-	*In vitro* studies on - *Gmelina arborea* Roxb., *Stereospermum suaveolens* DC., *Aegle marmelos* Corr., *Oroxylum indicum* (L.) Vent. (Shyonaka**)** and *Aristolochia indica* L., *Premna obtusifolia* R.BR. and *Clerodendrum phlomidis* L.f.

Table – 11: Newly Introduced Species

S.No.	Sanskrit/Hindi Name	Botanical Name	Name of Unit
1	Shakkarkand	*Ipomoea batatas* (L.) Lam	NRIBAS, Pune
2	Nishpava	*Dolichos lablab* L	NRIBAS, Pune
3	Hanspadi	*Adiantum raddianum* C.Presl	NRIBAS, Pune
4	Hanuman-Batata	*Ceropegia* species	NRIBAS, Pune
5	Dhataki	*Woodfordia fruticosa* (L.) Kurz.	NRIBAS, Pune
6	Langli	*Gloriosa superba* L.	NRIBAS, Pune
7	Bibhitaka	*Terminalia bellirica* (Geartn.) Roxb.	NRIBAS, Pune
8	Chakramard	*Cassia tora* L.	NRIBAS, Pune
9	Hanuman-Batata	*Ceropegia bulbosa* Roxb	NRIBAS, Pune
10	Hanuman-Batata	*Ceropegia* species	NRIBAS, Pune
11	Moongphali	*Arachis hypogaea* L.	NRIBAS, Pune
12	Soyabean	*Glycine max* (L.) Merr.	NRIBAS, Pune
13	Arni	*Clerodendrum fragrans* (Vent.) Willd.	NRIBAS, Pune

S.No.	Sanskrit/Hindi Name	Botanical Name	Name of Unit
14	Dronapushpi	*Leonotis nepetaefolia* (L.) R.Br.	NRIBAS, Pune
15	Patala	*Stereospermum suaveolens* DC.	NRIBAS, Pune
16	Tut	*Morus alba* L.	NRIBAS, Pune
17	Van tambaku	*Nicotiana plumbaginifolia* L.	NRIBAS, Pune
18	Parnbeeja	*Kalanchoe pinnata* L	NRIBAS, Pune
19	Jeevanti	*Leptadenia reticulata* W.&A.	NVARI, Jhansi
20	Mansrohini	*Soymida febrifuga* (Roxb.)A. Juss.	NVARI, Jhansi
21	Lakucha	*Artocarpus lakoocha* Roxb.	NVARI, Jhansi
22	Masoor	*Lens culinaris* Medik.	NVARI, Jhansi
23	Atasi	*Linum usitatissimum* L.	NVARI, Jhansi
24	Sevanti	*Chrysanthemum indicum* Linn.	NVARI, Jhansi
25	Tamala	*Cinnamomum tamala* Nees & Eberm	NVARI, Jhansi
26	Tamalapatra	*Cinnamomum zeylanicum* Breyn. (Blume)	NVARI, Jhansi
27	Narang	*Citrus aurantium* Linn.	NVARI, Jhansi
28	*Aranyakarprasi*/Bankapas	*Thespesia lampas* (Cav.) Dalzell	NVARI, Jhansi
29	Manjishtha	*Rubia manjith* Rox. Ex Fleming	ARRI, Itanagar
30	Daru Haridra	*Berberis aristata* D.C.	ARRI, Itanagar
31	Vai Bidang	*Embelia ribes* Burm f.	ARRI, Itanagar
32	Kali Musali	*Curculigo orchioides* Gaertn.	ARRI, Itanagar
33	Talisa	*Taxus wallichiana* Zucc.	ARRI, Itanagar
34	Pashanbheda	*Berginia ciliata*	ARRI, Itanagar
35	Tagar	*Valeriana jatamansi* Jones	ARRI, Itanagar
36	Chirayata	*Swertia petiolata* D.Don	RRIHF, Tarikhet
37	Chirayata, nidrani, anaryatikta, katutikta	*Swertia chirayata* (Roxb. exfleming) Karsten.	RRIHF, Tarikhet
38	NA	*Calanthe* sp.	RRIHF, Tarikhet
39	Jeevanti, akashresta, yasasvini, jivabhadra, mangalya	*Dendrobium* sp.	RRIHF, Tarikhet
40	Balam Kheera	*Kigelia pinnata* DC.	RRIHF Tarikhet
41	Udasleeb	*Peonia emodi* Wall	RRIHF, Tarikhet
42	Krishnajeerak	*Carum carvi* Linn.	RRIHF, Tarikhet
43	Granthiparna	*Angelica glauca* Edgew	RRIHF, Tarikhet

S.No.	Sanskrit/Hindi Name	Botanical Name	Name of Unit
44	Kutki	*Picrorhiza kurroa* Royle	RRIHF, Tarikhet
45	Revandcheeni	*Rheum emodi* Wall ex Meisen.	RRIHF, Tarikhet
46	Ativisa	*Aconitum heterophyllum* Wall ex Royle	RRIHF, Tarikhet
47	Giriparpat	*Podophyllum hexandrum* Wall	RRIHF, Tarikhet
48	Kakmachi	*Solanum indicum* L.	RRIHF, Tarikhet

In Vitro Propagation Studies

➢ Gambhari: *Gmelina arborea* Roxb.

During the experiments, it was found that, MS medium supplemented with 0.5mg/L BAP (where more than 200 cultures were used) showed sprouting response for nodes and *in vitro* grown nodes, but leaf showed only callus. Frequent contaminations were tackled by using AM/TB.

➢ Patala: *Stereospermum suaveolens* DC.

This plant has very cumbersome potentiality for *in vitro* techniques, therefore woody plants medium was extensively used and earlier tried combinations of hormones were avoided. The cultures, when inoculated on 0.5mg/L BAP, showed sprouting. It was observed that, when it was due for sub culturing, the subsequent response, even on the same media, declined drastically. For obtaining maximum positive response, other organs, such as, leaf and apical shoots were also tried.

➢ Bilwa: *Aegle marmelos* Corr.

This plant has shown some encouraging results, in which, *in vitro* grown nodes (total 282 cultures) showed sprouting of 4 shoots (of 2-3 cm in height). Bio statistically significant media was reported to be MS + 0.5 mg/L BAP. Achievements, especially, on liquid media are noteworthy.

➢ Shyonaka: *Oroxylum indicum* (L.) Vent.

Efforts were made to cross verify the *in vitro* grown responses, reported by earlier worker, in vitro – Micropropagation was tried. This was done to get maximum number of explants, even in leaf fall / dormant season. Phytohormones like IBA (in verifying concentration of 500 to 3000 ppm) were used.

➢ Ishwari: *Aristolochia indica* Linn.

Various media like WPM, WRC – liquid, Gamborg were used on explants such as *in vitro* grown leaf, shoots and nodes. Multiple shoots, without callus were obtained on MS + 3 mg/L BAP + 0.1 NAA mg/L.

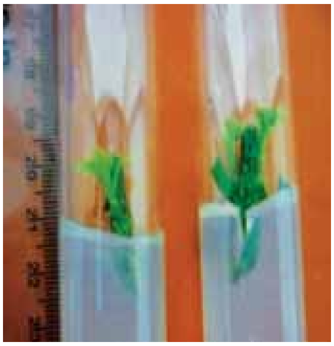

Figure 1 Sprouting in the nodal culture of *Gmelina arborea* Roxb

Figure 2 Node callus and shoot elongation of *Stereospermum suaveolens* DC.

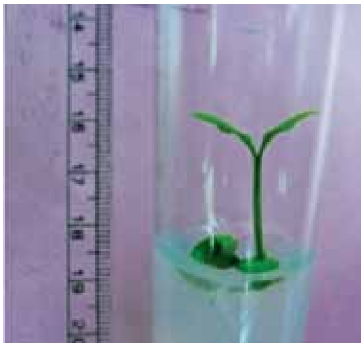

Figure 3 Node callus, Shoot and multiple shoot elongation of *Aegle marmelos* Corr.

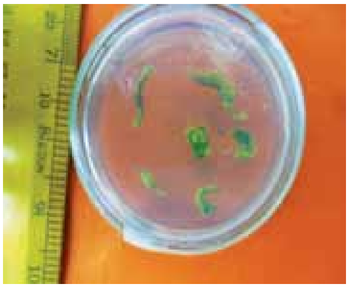

Figure 4 Leaf callus culture and vegetative propagation through stem cutting *Oroxylum indicum* (L.) Vent.

2.3 Pharmacognosy

The Council is engaged in development of macroscopic and microscopic standards for identification of a drug material based on detailed information depend upon habit and anatomical characters for crude drugs. For establishing the botanical identity of the drug along with their substitutes and adulterants, CCRAS have taken up the pharmacognostical investigations of the 18 drugs widely used in Ayurveda in its peripheral units. The work done in the field of drug standardization with special reference to pharmacognostical studies is mentioned in table-12.

Table – 12: Details of Pharmacognostical studies of the ingredients of AYUSH Rasayan A carried out at NRIADD, Kolkata

S.No.	Pharmacognostical Studies	S.No.	Pharmacognostical Studies
1.	*Terminalia chebula* Retz. (Haritaki)	10.	*Trachyspermum ammi* (L.) Sprague ex Turril. (Yavani)
2.	*Emblica officinalis* Gaertn. (Amlaki)	11.	*Apium leptophyllum* (Pers.) F. Muell. ex Benth. (Ajmoda / Banyamani)
3.	*Terminalia bellerica* Roxb. (Bahera)	12.	*Cassia angustifolia* Vahl. (Senna)
4.	*Psoralea corylifolia* Linn. (Bakuchi)	13.	*Terminalia chebula* Retz. (Jamvi haritaki)
5.	*Terminalia arjuna* (Roxb.) W&A (Arjun)	14.	*Aegle marmelos* Corr. (Bilwa)
6.	*Glycyrrhiza glabra* Linn (Yastimadhu)	15.	*Cinnamomum zeylanicum* Blume. (Daruchini)
7.	*Holarrhena antidysenterica* (Roth.) A.DC (Indrayava)	16.	*Withania somnifera* Dunal. (Ashwagandha)
8.	*Holarrhena antidysenterica* (Roth.) A.DC (Kutaj)	17.	*Foeniculum vulgare* Mill. (Misreya)
9.	*Zingiber officinale* Rosc. (Sunthi)	18.	*Commiphora mukul* Engl. (Guggulu)

2.4 Intra Mural Medicinal Plant Research Projects

In order to create acceptable scientific evidence on Ayurvedic formulations, Intra mural Research projects (IMR) has been taken up in the field of medicinal plants research. The work done under 16 IMR projects during the reporting period is as follows:-

2.4.1. Medico-Botanical Survey of Andaman & Nicobar Islands (selected areas)

Objectives:

- To collect the detailed information on the Medical plants of Andaman and Nicobar Islands (specified area)

- Herbarium preparation, collection of folk claims, enlisting of rare and endangered species of medicinal plants under study area.
- To bring out books on this plants for the general Ayurvedic practitioners / researches of this region.

Date of initiation	:	19.07.2012
Duration of Study	:	3 years
Participated Centre along with PI	:	Dr. Santosh Mane, ATHCRP, Port Blair

Current status: During the reporting period, 7 survey tours were conducted covering Rangat, Diglipur, South Andaman, Mayabunder. About 247 plant species were collected; 45 Herbarium specimens were added; 20 folk claims were documented and 30 museum samples were recorded.

2.4.2. Documentation of ethno-medicinal practices and remedial property of different plants used by the tribes of Kumaon region of Uttrakhand

Objectives:

- To asseses and document the ethno-medicinal practices & plants used by different tribes.
- To generate the data of folk healers / Local health practitioners.
- Inventorization and identification of any new / undocumented medicinal plants.
- To document the status of rare medicinal plants.
- To develop awareness for traditional medicinal systems

Date of initiation	:	10.10.2012
Duration of Study	:	3 years
Participated Centre along with PI	:	Dr. G.C.Joshi, RRIHF, Tarikhet

Current status: During the reporting period repetitive tours were conducted in the Kumaon district covering tribes namely Bhotiya, Raji, Tharu Buxa etc. 22 folk claims were documented.

2.4.3. Market survey on selected crude drugs of India for their authentication and commercial availability

Objectives:

- To assess and document crude drug available in the major crude drug markets of India.
- To generate data on crude drug.
- Inventorization and identification of crude drug.

- To assess substitute / adulteration of genuine drug.
- Trading/ marketing information on crude drug available in crude drug markets.
- Publication of a book

Date of initiation : 28.10.2013

Duration of Study : 2 years

Participated Centre along with PI : Dr. GVR Joseph, CCRAS, New Delhi

Current status: During the reporting period 3 market survey tours were conducted in Delhi (Khariboali), Tanakpur, Kolkata and Cuttack. 731 crude drug samples were collected. Diagnostic characteristics of 612 crude drug samples have been studied. 532 Crude drug samples collected from other local markets namely Guwahati, Pune, and Jaipur. 252 crude drug samples have been studied.

2.4.4. Development of Raw drug Museum on Pratinidhi dravyas along with adulterants used against medicinal plants in Ayurveda system.

Objectives:

- Development of Raw drug Museum on Pratinidhi dravyas used in Ayurveda
- Identification and enumeration of medicinal plants used as substitutes for principal drugs of Ayurveda
- Resource survey of substitute drugs and adulterants used in North East India through case studies
- Preservation and digitization of collected material and thereby generating an inventory of the same for publication

Date of initiation : 10.03.2014

Duration of Study : 3 years

Participated center along with PI : Devanjal Bora, NEIARI, Guwahati

Current status : During the reporting period 3 collection tours were conducted; 53 raw drug samples were collected.

2.4.5. Ethno-medicinal survey of plants used in various diseases by tribes of Thandarai, Chengalpattu, Kancheepuram District, Tamilnadu.

Objectives:

- To conduct an ethno-medicinal survey among the tribes of Thandarai, Chengalpattu, Kancheepuram District, Tamil Nadu to gather information related to medicinal plants useful in various diseases.

- To collect and identify all medicinal plants as pointed out by different Tribes.
- To prepare Herbarium from the Plant specimens collected during field survey and store it in the CSMDRIA Herbarium.
- To maintain a Photo gallery of medicinal plants collected during field survey.
- To preserve the dried parts of the plants used medicinally in CSMDRIA Institute Museum as reference standard.
- To document the indigenous folk knowledge about medicinal plants used in various diseases.
- To validate the folk knowledge by checking with the available scientific literature.

Date of initiation : 31.03.2014

Duration of Study : 2 years

Participated Centre along with PI : Dr. G. Kusuma, CSMDRIA, Chennai

Current status : During the reporting period 7 survey tours conducted and visited villages namely Melkalvoy, Dargass, Anupuram, Ananthaputheri, Pudupakkam and Mamallapuram of Kancheepuram dist. 29 folk claims were documented. 135 medicinal plant information were collected.

2.4.6. Pictorial guide of commonly used medicinal plants of Sowa Rigpa and Ayurveda

Objectives:

➢ To shoot field and crude drug photos commonly used in Sowarigpa and Ayurveda.

➢ To compile the data on studied medicinal plants.

➢ To publish books in the form of 2 volumes.

Date of initiation : 07.03.2014

Duration of Study : 2 years

Participated Centre along with PI : Padma Gurmeet, NRIS, Leh

Current status: During the reporting period 2 survey tours were conducted; 400 plants were collected. 150Herbarium plant specimens were prepared.

2.4.7. Digitization of Herbarium available in CCRAS

Objectives:

➢ To digitize herbarium available at SMPUs of CCRAS since 2007.

➢ To develop suitable software (out sourcing) for developing herbarium database.

➢ Publication of a book

Date of initiation : 10.03.2014

Duration of Study : 2 years

Participated Centre along with PI : Dr. GVR Joseph, CCRAS, New Delhi

Current status: During the reporting period, database website of Digitization of herbarium have been designed and developed. 6368 herbarium sheets have been added to the database.

2.4.8. Documentation of folk healers and folk claims in the state of Assam and development of a database

Objectives:

- Documentation and preparation of an inventory on Ethno-medico-botanic claims against different disease conditions and ailments used by different tribes of Assam.
- Folklore survey, identification and enumeration of medicinal plants practiced by folk healers of Assam through review of literature and field survey.
- Development of the database for mostly used medicinal plants with the help of modern GPS technology.

Date of initiation : 30th October, 2013

Duration of Study : Three Years

Participated centre : North Eastern India Ayurveda Research Institute, Guwahati

PI : Mr. Devanjal Bora, Research Officer (S-1), Botany.

Current status:

- 11 tours covering 8 districts were conducted till March 2015.
- 180 Folk healers have been interviewed till March 2015.
- 448 folk-medico claims have been documented during survey.
- 92 Field book were used to collect Herbarium and Museum specimens.
- 41 photographs of medicinal plants species are also been collected and 882 folk-medico claims concerning many disease conditions has been documented from 66 published articles.
- Six libraries were visited.
- 66 published articles have been compiled for which catalogues have been prepared.
- Compilation of 630 species in excels sheets have been done till date covering 46 no. of published articles.
- Review work on phytochemistry and pharmacology of the plant species is initiated.

2.4.9. Pharmacognostic and preliminary phytochemical evaluation on selected antidiabetic medicinal plants, with reference to its importance in dietetic preparations, nutritional values, with traditional uses

Objectives:

- To study the Macro, microscopical, powder microscopy and maceration studies for the identification of medicinal plants.
- Estimation of nutritional values of medicinal plants.
- Collection of important traditional dietetics preparation.
- Compilation of chemical constituents of different surveyed medicinal plants.

Date of initiation	:	4th October, 2013
Duration of Study	:	12 months
Participated centre along with PI	:	National Ayurveda Dietetics Research Institute, Bengaluru (Karnataka)
PI	:	Dr(Smt.) T.R. Shantha (R.O. Botany) NADRI, Bangalore.

Current status:

- The proposed objectives of the project was carried out successfully on 7 plants namely upodika- Basella alba L. -Leaf and Stem; Kadali-Musa paradisiaca L.-Unripened Banana and Inflorescence; *Musa paradisiaca* L.-3 different varieties of un ripened Banana like Karpoora valli, Kalyana bale and Nendra Bale; Goraksha-*Cyamopsis tetragonoloba* (L) Taub (= C. *psoralioides* L.)-Pods. Parpataka bheda - *Mollugo oppositifolia* L-Whole plant,
- Different aspects of the study like collection of the drug, identification, macroscopical characters, microscopical characters, powder microscopy, maceration studies, diagnostic characters, medicinal uses of the drugs were studied.
- Documentation of the Histological/Microscopical diagrams/photomicrographs with their main cell contents with histological measurements was done.
- Nutritive values of the seven proposed drugs were estimated along with collaboration of CFTRI Mysore.
- Collection of Ayurvedic/ancient folklore medicinal values of the different plants mentioned in Ayurvedic classics were compiled.
- Collection of important dietetic preparations with traditional uses/folklore claims were compiled.
- After completion of the experimental work and literature survey, the project report is compiled.

Conclusion: The study also provide a detail about various dietetic preparation used in the area of Karnataka with the utilization of the important antihyperglycemic plants. The study also revealed various important pharmacognostic parameters which are very beneficial for the identification and standardization of the plants. The nutritional analysis gives a brief account in the importance of these dietetics in terms of the mineral content and significantly revealed the presence of several important micro and macro elements.

2.4.10. Compendium of Ayurveda dietetics with reference to cereals and pulses

Objectives:

- Compilation of data on botanicals used in Ayurvedic dietetics from approved Ayurvedic literature listed in the drugs and cosmetic act, Govt. of India with respect to its Ayurvedic properties
- Ancient description and compilation of updated data on different aspects from standard available references.

Date of initiation	:	23rd September, 2013
Duration of Study	:	Three Years
Participated centre along with PI	:	National Ayurveda Dietetics Research Institute, Bengaluru (Karnataka)
PI	:	Dr. V. Rama Rao, Research Officer (Bot.)

Current status:

- Project initiated and Compilation of data on botanicals used in Ayurvedic dietetics from approved Ayurvedic literature listed in the drugs and cosmetic act, Govt. of India with respect to its Ayurveda Properties has been compiled for 6 dietetics viz. - *Vigna radiata* (L.) *R. Wilczek*. (Mudga), Vigna mungo (L.) Hepper. (Masha), Cicer arietinum L. (Chanaka), *Macrotyloma uniflorum* (Lam.) Verdc. (Kulattha), *Cajanus cajan* (L.) Millsp. (Adhaki), *Oryza sativa* L.(Shaali).

2.4.11. Studies on development of agro techniques of two important medicinal plants of Laghu Panchmool.

Objectives:

- To develop nursery technique to raise the seedlings or saplings from seed and cuttings.
- To access the effect of different soil types on growth and performance of selected plants.

- To evaluate the effect of different organic manure on growth and performance of selected plants.
- To study the effect of shade and sunlight on growth and yield of selected plants.
- To find out the ideal conditions for plantation and harvesting of the selected plants.
- To determine the effect of soil types, manures and climatic conditions on physico-chemical parameters
- To study sustainable harvesting and its effect on the survival rate of the plants and to develop a complete agro-technique protocol for selected medicinal plants.

Date of initiation : 4th October, 2013

Duration of Study : Three Years

Participated centre along with PI : National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences, Pune(Maharashtra)

PI : Dr. A.M. Gurav, R.O. Botany, NRIBAS, Kothrud, Pune.

Current status:

- For first six months collection of plantlets, planting material from Pune and adjoining area have been done by conducting local survey/collection tours.
- Seed germination trials were conducted in vitro and in vivo and Seeds of Kantakari treated with GA3 (1000 ppm) and sown in garden beds to obtain mother stock).
- Stem cutting experiments were also been initiated.

2.4.12. Exploration, acclimatization and *in vitro* propagation of medicinal plants being used under the name Agnimantha

Objectives:

- Exploratory execution of Drugs/medicinal plants from recognized institutes/wild sources, ascertaining Botanical identity through correct identification of the plants.
- Mass propagation and preliminary phytochemical investigations on *in vitro* grown product and conservation of rare and endangered medicinal plants in botanical gardens/poly houses /green houses.

Date of initiation : 15th April, 2014

Duration of Study : Three years

Participated centre along with PI : NRIBAS, Pune.

PI Name : Dr. Gajendra Rao, RO(S-3) Bot, NRIBAS, Pune.

Current status:

The project started with

- Inoculation of Nodal explants of *Clerodendrum inerme* on 60 culture tubes for Micropropagation under aseptic conditions was done.
  - Nodal culture was initiated for the micropropagation purpose.
  - *In vitro* grown shoots were subcultured on plain MS medium supplemented with 1.5% sucrose.

Surviving cuttings of *Premna* species

- Significantly higher percentage of rooting in *Premna* species, was observed after 3-4 months of the experiment. 4-5 number of shoots (3-5 cm) were observed per cutting.

- Pilot experiment was carried out for control group (i.e. without any hormonal treatment). Average of 5-6 number of primary roots were observed in rooted cutting after 75 days. Impressively 40 cuttings were planted and all of them were survived.

2.4.13. RAPD based DNA fingerprinting to understand genetic variations and phytochemical analysis of selected medicinal plants.

Objectives:

- To use RAPD based DNA fingerprinting technique for the authentication of plants
- To analyze phytochemical parameters of the medicinal plants.

Date of initiation	:	10th March, 2014
Duration of Study	:	Three years
Participated centre along with PI	:	National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences, Nehru Garden, Gandhi Bhavan, Pune
PI	:	Dr. S.D. Pawar, R.O. (P' Cology) National Research Institute of Basic Ayurvedic Sciences, Nehru Garden, Gandhi Bhavan, Kothrud, Pune-411038.

Current status:

- Whole plantlets of *Ceropegia* species. were collected including bulbs from Bhandardara, Akole area of Ahmednagar district of Maharashtra and replanted in the medicinal plants garden of NRIBAS, Pune.

RAPD analysis of genomic DNA of *Grewia asiatica* L.

- The DNA was isolated from the fresh leaves by standard protocols. The DNA was finally eluted and Plant genomic DNA is confirmed on 1% Agarose Gel.
- DNA quantification (A260/280) was carried out in Epoch-BioTek ELISA plate reader using 3 plate based nanodrop assay techniques. Various commercially available 10-mer random primers were used for RAPD-PCR analysis.

2.4.14. Selection of salt-tolerant cell lines and Regeneration of salt tolerant plantlets of Prishniparni (*Uraria picta* (Jacq.) Desv) and Shalaparni (*Desmodium gangeticum* (L.) DC.

Objectives:

- Development of a protocol for the callus culture and somatic embryogenesis.
- Selection of salt tolerant calli by repeated subculture and salt tolerant plantlets of selected plants.
- To conduct seed germination trials on different concentration of NaCl and other salts solutions.
- Hardening of plantlets by suitable method and testing of plantlets for their salt-tolerance limit and capacity, in the field.
- Comparison of the salt –tolerant plantlets with salt sensitive plantlets *in-vivo* grown seedlings of selected plants with respect to morphometric and few selected phytochemical parameters.

Date of initiation : 21st April, 2014

Duration of Study : Three Years

Participated centre along with PI : NRIBAS, PUNE

PI : Dr. A.M. Gurav, RO S-2 Botany

Current status:

Seeds of *Uraria picta* were inoculated on MS media, test tubes containing MS media and seeds were wrapped in non-transparent brown paper to create darkness and to facilitate the seed germination. Observations on *in vitro* seed germination are under progress.

Figure showing culture tubes containing inoculated seeds of *Uraria* in MS medium

In previously cultured *Uraria* culture tubes one more seed germination was observed therefore 4 seeds were germinated.

Figure showing culture tubes containing germinated seeds of *Uraria* in MS medium

Plantlets of Shalaparni and Prishnaparni have been maintained in the Institute's garden and Literature survey has been initiated. The project is aimed for the Mass production of salt tolerant plantlets of Shalaparni and Prishnaparni.

2.4.15. Documentation, Critical Analysis and Interpretation of Pharmacognostical Data and Parameters of Medicinal Plant Drugs from Different Published Resources

Objectives:

- The main objective of the project is to harmonize the pharmacognostical data available from Different Published Resources such as research articles, monographs, reports and database.

- The critical analyses of the outcome of the project will help in proper identification of the genuine raw drugs.

Date of initiation : 9^{th} July, 2014

Duration of Study : One year

Participated centre : NRIADD Kolkata, NRIBAS Pune, NADRI Bangalore NIAPR Patiala, CSMDRIADD Chennai and NVARI&H Lucknow.

Current status : Project is continuing in all six institutes of CCRAS.

2.4.16. Pharmacognostical evaluation of medicinal plants cited in Ayurvedic Formulary of India excluding the plants mentioned in Ayurvedic Pharmacopoeia of India

Objectives:

- There are many medicinal plants which are mentioned in the Ayurvedic Formulary of India but the monographs of the same are not covered in any volume of Ayurvedic Pharmacopoeia of India. To fulfill this gap the present project was initiated and medicinal plants (part useful) were allotted to six institutes of CCRAS for pharmacognostical evaluations under specified protocol.

Date of initiation : 18^{th} March, 2015

Duration of Study : One year

Participated centre : NRIADD Kolkata, NRIBAS Pune, NADRI Bangalore, NIAPR Patiala, CSMDRIADD Chennai, and NVARI&H Lucknow.

Current status : Project is continuing in all six institutes of CCRAS on 30 selected Medicinal Plants.

3. DRUG STANDARDIZATION RESEARCH

3.1. Drug Standardization

Confirmation of identity, quality, purity, and detection of adulterants are the major objectives of standardization. One of the prime activity of the Council is Quality assessment of the single drugs and compound formulations and their method of preparation (standard operating procedures) through its drug standardization units, *viz* Captain Srinivas Murthy Research Institute for Ayurveda and Siddha Drug Development, Chennai (CSMRIA&SDDC) (NABL accredited lab), National Research Institute for Ayurvedic Drug Devlopment, Kolkata (NRIADDK), National Institute of Ayurvedic Pharmaceutical Research, Patiala (NIAPRP), National Research Institute for Ayurveda - Siddha Human Resource Development Gwalior (NRIASHRDG) and National Research Institute for Panchkarma, Cheruthuruthy (NRIPC). The drugs and formulations required under different projects (IMR, EMR, Claim etc.) for clinical trials, pharmacological studies etc. have been analysed for confirmation of identity and quality of drugs as per pharmacopoeial standards/development of standards.

During the reporting period, 25 compound formulations (Churna/Kwatha-Churna/Taila/Avleha/Arista/Asava/Coded/Claim drugs etc.) have been Standardized/Analyzed for quality parameters for clinical trial and other activities. Quality analysis report of 36 formulations entered in the 13 clinical trial projects of 1st IMR has been examined. 10 and 6 formulations for clinical trial under annual action plan 2012-13 and 2013-14 have also been examined for quality assessment. Eleven IMR projects (approved in 2nd & 3rd IMR-PEMC) are going on in the current year.

The shelf life studies of five Samples/Batches have been continued/ initiated during the current year & shelf life studies of one formulation Ayush QOL-2C completed. Furthermore, selected analytical parameters were carried out for intra and inter laboratory comparison for continuance of NABL accreditation. The detail of the completed work is given below.

A. Compound formulations

Summary- Studies on 21 batches/samples of classical Ayurvedic formulations along with ingredients & 4 claimed/coded formulations have been analyzed at **NRIADDK, NRIPC, NIAPRP** and **CSMRIA&SDDC** for Quality assessment.

Table – 13: Details of Standardization of compound drugs

S. No.	Sanskrit/Hindi Name	Institute
Classical Ayurvedic Formulations along with ingredients		
1.	Aswhwagandha Churna (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
2.	Avipattikar Churna (Q.C.)	NRIPC

S. No.	Sanskrit/Hindi Name	Institute
3.	Brihat Saindhavadya Taila (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
4.	Chaturbhadra kwatha Churna (Q.C.)	NIAPRP
5.	Chyavanprasha (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC
6.	Dhanvantara Taila (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
7.	Gandharvahasta Taila (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
8.	Jwarahara Kwatha Churna (Q.C.)	NRIPC
9.	Kanakasava (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC
10.	Kushmandaka Rasayana (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC
11.	Kutajarishta (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC
12.	Navayasa Churna Capsule (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
13.	Pravala Pishti Capsule (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
14.	Rasnasapthakam Kwatha Churna (Q.C.)	NRIPC
15.	Sarasvatha Ghrita (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC
16.	Talisapathradi Churna (Q.C.)	NRIPC
17.	Trikatu Churna (Q.C.)	NRIPC
18.	Trivritta Churna (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC
19.	Vasavaleha (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
20.	Vatari Guggulu Tablet (TLC/ HPTLC)	NRIADDK
21.	Yogaraja Guggulu (TLC/ HPTLC)	CSMRIA&SDDC, NRIADDK
Claimed/Coded Formulations		
22.	Ayush A Batch II & III (Completed)	CSMRIA&SDDC, NRIADDK
23.	Ayush D Batch II & III (under progress)	CSMRIA&SDDC
24.	Ayush Rasayan-B (under progress)	CSMRIA&SDDC
25.	K-1 leaf extract Batch II & III (under progress)	CSMRIA&SDDC

B. Shelf life of formulations / finished products

Batches/Samples of the following **six** Drugs (sample/batch) have been studied for shelf life covering physico-chemical parameters/TLC studies etc.

Table – 14: Details of shelf life studies of formualtions

S. No.	Formulations / Finished products	Unit
1.	Ayush QOL-2C (Completed)	**CSMRIA&SDD, Chennai**
2.	Ayush Manas Batch III (5^{th} 6^{th} 7^{th} & 8^{th} Qtrs)	
3.	Ayush Rasayan -B – (4^{th} 5^{th} 6^{th} & 7^{th} Qtrs)	
4.	Ayush Rasayan-A (Zero & 1^{st} Qtrs)	
5.	Ayush C1-Oil (Batch-II- 7^{th}, 8^{th}, 9^{th} &10^{th} Qtrs)	
6.	K-1 Extract (Batch II - 8^{th} Qtr)	

C. Development of Novel Chromatographic & Spectroscopic Methods for Pharmacopoeial Drugs- Annual Action Plan 2013-2014:

Hingwastak curna at NRIADD Kolkata is under progress.

D. Other work

i) NABL, CSMRIA&SDD, Chennai

a) Khatmi (Cadmium estimation), Bhaskara lavana – (Potassium estimation), Nimbadi Kwath Churna, (Ash value and Alcohol soluble extractive), Neelibringathi Thailam- (Refractive index, Iodine value), Eladi Churnam Tablet (Disintegration time, Uniformity of tablets), Kaseesa bhasma (Iron estimation), Trikatu churna (TLC and HPTLC), Asokaristam (Specific gravity), Ajamotha (Volatile oil content), Drakshadi Leham (Reducing and Total Sugars), Tamra Bhasma (Copper estimation), Muthu Chippi Parpam (Calcium estimation), has been analysed.

b) **Intra Laboratory Comparison:** Iodine value, Total ash content, Estimation of Cadmium, Refractive index, Disintegration time, TLC,HPTLC, Estimation of Potassium & Iron, Specific

gravity, Reducing and total sugar**.** Standardization of EDTA as per new method IP, 2014 for estimation of Zn (with NIST traceability) had been carried out.

ii) ICMR Project

Project work on quality Standards of Indian Medicinal Plants and their Pharmacopoeial Standards thereon continued.

iii) DTL (Drug Testing Laboratory)

Samples tested:- Phytochemical, Physico-chemical parameters, Sodium, Potassium estimation and TLC, HPTLC profile - 43 Samples

3.2 Intra Mural Drug Standardization Research Projects

3.2.1. Isolation of marker compounds of some selected (4) medicinal plants.

1. **Objectives:** Collection and identification of raw drugs. Extraction, chromatographic separation, Isolation and purification of Marker compounds. Recording of spectral data like UV, IR, NMR etc & Characterization of marker compounds**.**
2. **Duration of Study :** 2 years
3. **Participated centre along with PI:** NRIP, Cheruthuruthy

   PI: Sh. Vasanthakumar.K.G.
4. **Date of initiation :** 10/02/2014
5. **Current status:** Going on.
6. **Summary of Project:** Extraction, Separation & Isolation of Curcuminoids from *Curcuma longa* and TLC of separated curcuminoids were completed.Extractions, Separation & Crystallization of embelin from extract of *Emblica ribes* were completed. TLC study of embelin is underway. Extraction of *Terminalia arjuna* with Ethyl acetate is continuing.

3.2.2. The Standardization and Quantification of 3 (Three) Ayurvedic Plants in respect to the Biologically Active Marker Compounds.

1. **Objectives:** Isolation process of each active marker compound of the plants will be standardized which can be patented. HPTLC / HPLC fingerprint of the extract will be prepared with the active marker compound(s). These fingerprints may be published. By comparing with this fingerprint pharma companies may maintain the necessary requirement (dose dependent) of the active marker in the product batch wise.

2. **Duration of Study :** 2 Years

3. **Participated centre along with PI :** NRIADD, Kolkata

   PI: Sh. D. N. Mondal

4. **Date of initiation :** 13/02/2014

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** Successive hot extraction of drug with *n*-hexane, Ethyl acetate and Methanol was done. Column Chromatography of hexane extract was carried out with solvents of increasing polarities. Hexane: ethyl acetate (7:3) afforded a solid with a major spot and minor impurity. The solid was purified with CC and finally it was crystallized with a mixture of acetone, hexane and ether solvents. The compound was identified as **Piperine** & other crystallized with a mixture of hexane, ethyl acetate and methanol. The compound was identified as **Adrographolide**.

3.2.3. Development of marker Compounds for 12 Medicinal Plants, given in AFI.

1. **Objectives:** Collection of plant materials. Chemical array for all plant materials by HPTLC & Isolation of markers. Successive extraction, Characterization of isolated markers & Purity check for markers by HPLC.

2. **Duration of Study:** 2 years.

3. **Participated centre along with PI:** CSMRIA&SDD, Chennai

   PI: Dr. Ch. Venkata Narasimhaji

4. **Date of initiation :** 28/01/2014

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** Collection of six plant materials completed. . Chemical array for all plant materials except *Bacopa monnierie* and *Terminalia chebula* by HPTLC completed. Isolation of seven markers completed. Characterization of five isolated markers completed. Purity check for Withanolide-A by HPLC completed. Successive extraction by cold percolation method for *Glycyrrhiza glabra* completed and isolation of glycyrrhizin in small scale was completed and characterization is under progress. Successive extraction by cold percolation method *Adhatoda vasica, Piper longum* and *Asparagus racemosus* are under progress. Isolation of Vasicine, Piperlongumine & Shatavarine-IV from plants are under progress

3.2.4. Identification and quantitative estimation of marker compounds/PRS for quality assurance/ phyto-chemical evaluation of finished drugs and ingredients used in various selected coded formulations developed by CCRAS.

1. **Objectives:** Review of Standard Methodology to be utilized for study of each PRS from standard official method (API, IP, WHO, AOAC etc.) and scientific journals (peer reviewed research papers) recruitment of staff. Procurement of equipments, chemicals & procurement of PRS/Marker compounds. Identification of respective PRS by HPTLC in each ingredient (extracts) of different batches and coded formulation-1. Quantitative estimation of concerned PRS/markers in each ingredients (extracts) of different batches and in respective formulations by HPLC in coded formulation-1

2. **Duration of Study:** 2 years.

3. **Participated centre along with PI :** CCRAS, HQ, New Delhi

   PI: Dr. Arjun Singh

4. **Date of initiation :** 06/01/2014

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** Column chromatography of *Tinospora cordifolia* is initiated. Trial on column chromatography of *Tinospora cordifolia* completed & prepared the extract of coded formulation-1 (Batch I) & its ingredients. Preparative TLC for Amalaki, Purnarnava, Guduchi and Aswagandha as per IP, ICMR & API completed. TLC study for coded formulations-1carried out. Hot and cold extraction of coded formulation -1 (Batch I-2008) & its ingredients are completed. Quantitative estimation of Gallic acid & Withanolide A in ingredient and coded formulation -1(Batch-2011, Batch- 2008) carried by HPTLC & HPLC.

3.2.5. Comparative phyto-chemical study of root/root bark/heart wood versus aerial parts of Ayurvedic drugs.

1. **Objectives:** Review of literature, Procurement of plant material, Selection of staff Authentication & Identification of plant part, TLC fingerprint development, comparison of fingerprints of root/stem bark *vs* arial part etc., compilation of results, Submission of report and Research Publications etc.

2. **Duration of Study:** 1 year further extended upto 6 months.

3. **Participated centre along with PI:** CCRAS, HQ, New Delhi

   PI: Dr. S. C. Verma

4. **Date of initiation :** 01/01/2014

5. **Current status :** Going on

6. **Summary of Project:** Work on 10 plants has been completed.

3.2.6. Preparation of Nimbatiktam 200mg capsule.

1. **Objectives:** Preparation of Nimbatiktam Capsules – 200 mg. Monthly basis 3000 to 4000 capsules per month.

2. **Duration of Study:** 2 years.

3. **Participated centre along with PI:** NRIP, Cheruthurthy

   PI: Sh. Vasanthakumar.K.G.

4. **Date of initiation :** April 2014

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** 26,750 Capsules were prepared.

3.2.7. Comparative phytochemical study of root/root bark/stem bark versus aerial parts of Ayurvedic Drugs.

1. **Objectives:** Procurement of plant material, Selection of staff. Authentication & Identification of plant part, TLC fingerprint development, Comparison of fingerprints of root/stem bark *vs* aerial part. Compilation of results, submission of report.

2. **Duration of Study:** 2 years.

3. **Participated centre along with PI :** NRIASHRD, Gwalior

   PI: Dr. Bhawana Srivastav

4. **Date of initiation :** May 2014

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** Fourteen raw drugs were collected & Authenticity ascertained. Literature survey has been carried out for thin layer chromatography and active constituents of all collected drugs. Comparative thin layer chromatography of stem bark and small branches of one plant has been completed and five is under progress.

3.2.8. Shelf life study of Churna.

1. **Objectives:** Procurement of raw drugs and scientific equipments, Preparation of formulations, Analysis of formulations.

2. **Duration of Study:** 3 years.

3. **Participated centre along with PI:** NIAPR, Patiala

   PI: Dr. Biresh Kumar Sarkar

4. **Date of initiation : May, 2014**

5. **Current status: Going on.**

6. **Summary of Project:** Procurement of Raw Drugs and equipments needed for the project is under process, Tenders were called for purchase of Deep Freezer.

3.2.9. Shelf life study of Vati.

1. **Objectives:** Procurement of raw material and its analysis. Preparation of formulations & analysis of formulations. Stability studies (Real time study is intended beyond the project duration, it will be continued at the institute for 4th year) Compilation and submission of report.

2. **Duration of Study:** 4 years.

3. **Participated centre along with PI:** NIAPR, Patiala

   PI: Dr. Biresh Kumar Sarkar

4. **Date of initiation :** May, 2014

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** Procurement of Raw Drugs and equipments needed for the project is under process.

3.2.10. Shelf life study of Ghrita.

1. **Objectives:** Procurement of raw drugs and scientific equipments, Preparation of formulations, Analysis of formulations

2. **Duration of Study: 3 years.**

3. **Participated centre along with PI:** NIAPR, Patiala

   PI: Dr. Biresh Kumar Sarkar

4. **Date of initiation : May, 2014**

5. **Current status:** Going on.

6. **Summary of Project:** Procurement of Raw Drugs and equipments needed for the project is under process, Tenders were called for purchase of Stability Chamber.

3.2.11. Shelf life study of Taila.

1. **Objectives:** Procurement of raw material and its analysis. Preparation of formulations & analysis of formulations. Stability studies (Real time study is intended beyond the project duration, it will be continued at the institute for 4th year) Compilation and submission of report.
2. **Duration of Study:** 4 years.
3. **Participated centre along with PI:** NIAPR, Patiala

   PI: Dr. Biresh kumar Sarkar
4. **Date of initiation : May, 2014**
5. **Current status:** Going on.
6. **Summary of Project:** Procurement of Raw Drugs and equipments needed for the project is under process, Tenders were called for purchase of Stability Chamber.

3.3 Other Projects

Table – 15 : Status of other projects

S. No.	Name of project/work	Institute	Status
1.	Development / Automation of Ksharasutra preparation. (IMR)	ACRI New Delhi/ NRIASHRD, Gwalior	The analysis has been carried out by outsourcing agency for safety parameters of Ksharsutra coated with Guggulu, Ksharasutra coated with Apamarg kshar and their ingredients i.e. Haridra, Apamarg kshar, Suddh guggulu.
2.	Development of a poly-herbal formulation for augmenting milk production in healthy dairy cows.(IMR)	NVARI&H, Lucknow / NRIASHRD, Gwalior	Physico-chemical, Phyto-chemical & Safety parameters analysis of developed poly-herbal formulation batch-I along with its ingredients received from NVARI&H, Lucknow has been completed. Preliminary TLC studies of poly-herbal formulation batch-I is in progress.
3.	To establish the best procurement time for certain herbs by analyzing the seasonal variation in bioactive secondary metabolite with quantitative HPLC	NVRI, Jhansi/ CSMRIA & SDD, Chennai	Extraction of the 10 plants of Sharad ritu completed & Hemanta ritu plants under progress. Method development for three markers namely Withanolide-A, Wedelolactone and Phyllanthin completed. Calibration curve/linearity for quantitative analysis of three markers namely Withanolide - A, Wedelolactone and Phyllanthin completed. Quantification for Withanolide – A and Wedelolactone of first season [Sharad ritu] plants materials (*Eclipta alba* & *Withania somnifera*) completed.

4. PRE-CLINICAL

Pharmacological and Toxicological studies constitute a very vital part in Drug Research Programme. The Ayurvedic medicines are studied on experimental models in different animal species to establish safety and efficacy profile. The studies are being carried out at Council's various institutions *viz.* CSMRIASDD, Chennai; NRIP, Cheruthuruthy; NRIASHRD, Gwalior; NRIADD, Kolkata; NRIBAS, Pune and NVARI&H, Lucknow. During the reporting period, pharmacological activity of four formulations was carried out and 2 coded drugs and 4 plant extracts have been evaluated for their safety/toxicity. The documentation of local health traditions for the treatment of livestock diseases has also been performed.

4.1 Biological activity study

1. AYUSH-D **NRIASHRD, Gwalior**

Effect of AYUSH D was studied against Type II diabetes which was induced by administration of STZ (60 mg/kg, i.p.) followed by nicotinamde administration (230mg/kg, i.p.) after 15 minutes. Diabetes was then confirmed by measuring blood glucose on 3rd and 7th days and thereafter weekly up to 4 weeks. AYUSH D was found to decrease hyperglycemia in type II diabetic rats. The final technical report was submitted to CCRAS Hqrs.

2. Polyherbal Formulation **NVARI&H, Lucknow**

Preparation and standardization of the plant extracts and poly-herbal formulation are in progress.

3. Mechanism of Action of Anticancer Ayurvedic Plants **NRIBAS, Pune**

Standardization has been done for Cell Culture techniques, Assays and proteomics techniques. Standardization and screening of anti-cancer drugs by using *in vitro* cell assays will be initiated.

4. *In Vitro* Assessment of Anti-Diabetic Ayurvedic Formulation **NRIBAS, Pune**

The protocol for maintenance of Cell line has been standardised. Phytochemical characterization and cells based analysis of bioactive components of *Nothapodytes nimmoniana* (J. Graham) is in progress. Standardization and quantitation of Camptothecin, a well known anticancer metabolite was done on LCMS involving various extracts of *Nothapodytes foetida* (Wt.). Standardization and quantitation of malonaldehyde, testosterone, L-dopamine metabolite markers were also done on LC-MS. Genetic relationships among four species of *Desmodium* DC. (*Desmodium dichotomum* (Willd.) DC., *Desmodium laxiflorum* DC., *Desmodium scorpiurus* Desv., and *Desmodium triflorum* (L.) DC.) by RAPD-PCR analysis has been done. Molecular Analysis of *Mucuna pruriens* (L.) DC. and *Mucuna cochinchinensis* (Lour.) A. Chev. using RAPD

markers helps to understand genetic variations. Standardization and screening of anti-diabetic formulation by using *in vitro* cell assays will be initiated.

5. Documentation of Local Health Traditions for the Treatment of Livestock Diseases in Sitapur and Allahabad **NVARI&H, Lucknow**

Several tours for carrying out survey works have been carried out in Mishrikh and Sidhauli tehsils of Sitapur district and Meja and Kuraon tehsils of Allahabad district of Uttar Pradesh to document the local health traditions practiced by the rural farmers/ communities for treating livestock diseases. Ethno-veterinary informations from the livestock keepers, traditional healers and farmers have been collected. Several species of medicinal plants of ethno-veterinary importance like *Achyranthes aspera, Bambusa bambos, Solanum surattense, Nerium oleandrum,* leaves of *Azadirachta indica, Trichosanthes tricuspidata, Eclipta alba, Blumea lacera, Tinospora cordifolia* etc. have been collected for preparation of herbarium specimens.

6. Documentation of Local Health Traditions for the Treatment of Livestock Diseases in Raibareli and Unnao Districts **NVARI&H, Lucknow**

Several tours for carrying out survey works in Raibareli (Lalganj, Maharaganj & Salon tehsils) and Unnao (Purwa and Bighapur tehsils) districts of Uttar Pradesh have been carried out to document the local health traditions practiced by the rural farmers/ communities for treating livestock diseases. Ethno-veterinary informations from the livestock keepers, traditional healers and farmers have been collected. Several species of medicinal plants of ethno-veterinary importance like *Bambusa arundinacea Bauhinia variegata, Benincasa hispida, Ficus glomerata, Pongamia pinnata,* leaves of *Azadirachta indica, Eclipta alba, Withania somnifera, Blumea lacera* etc. have been collected for preparation of herbarium specimens.

4.2 Safety/Toxicity study

1. Coded drug ‘Aj’ **NRIASHRD, Gwalior**

The tabulation work of data collected during the 28 days and 90 days toxicity studies of Aj in rats and mice has been carried out along with statistical analysis. The technical report on the same has been prepared and the report has been submitted to CCRAS, New Delhi.

2. Coded drug ‘Gj’ **NRIADD, Kolkata**

Wistar rats when treated with Bhasma ‘Gj’ at dose level of 27 mg/kg/day by oral route for 90 days showed no treatment related changes were observed. The dose level of 39 mg/kg of Bhasma ‘Gj’ was found as NOEL (No Observed Effect Level) in Swiss albino mice. The technical report on the same has been prepared and the report has been submitted to CCRAS, New Delhi.

3. *Nyctanthes arbor-tristis* Linn **NRIADD, Kolkata**

Acute and sub-acute toxicity studies of the test drug is going on.

4. *Sanjivani vati* **CSMRIADD, Chennai**

Acute oral toxicity study and 90 days repeated oral toxicity study were completed. The drug was found to be apparently non toxic.

5. *Ficus gibbosa* Blume **NRIP, Cheruthuruthy**

The crude drug has been collected, authenticated and extracts have been prepared. Phytochemical analysis revealed the presence of Flavinoids, Glycosides, Saponins, Tannins and terpenoids. Acute toxicity study has been initiated.

6. *Cardiospermum halicacabum* **NRIP, Cheruthuruthy**

The crude drug has been collected, authenticated and extracts have been prepared. Phytochemical analysis revealed the presence of saponins, phenols and tannins. Acute toxicity study has been initiated.

5. CLINICAL RESEARCH

5.1 Intra Mural Clinical Research Projects

Under IMR, 7 projects of Clinical Research on 6 diseaes/conditions viz. Rheumatoid Arthritis, Osteoarthritis (2), Rasayana, Haemorrhoids, Polycystic Ovary Syndrome and Gout have been completed and 16 Projects on 13 diseases/conditions viz. Mental Retardation, Type II Diabetes Mellitus, Psoriasis, Generalized Anxiety Disorder, Chronic Bronchitis, Rheumatoid Arthritis, Osteopenia/Osteoporosis, Osteoarthritis, Iron Deficiency Anemia, Bronchial Asthma, Irritable Bowel Syndrome (IBS), Cognitive Deficit and Rasayana in apparently healthy elderly persons has been going on across 18 peripheral institutes of the council.

The list of projects is as follows: -

Table – 16 : List of IMR Projects

Completed Projects	
1.	Clinical Evaluation of Vatari Guggulu, Rasna Saptaka Kashaya and Brihat Saindhavadi Taila in the Management of Rheumatoid Arthritis.
2.	Clinical evaluation of Vatari guggulu, Maharasnadi kwatha and Narayana taila in the management of Osteoarthritis knee.
3.	Clinical Evaluation of Ksheerbala Taila Matra Basti, Therapeutic Combination of Vatari Guggulu, Maharasnadi Kwatha and Narayan Taila in the Management of Osteoarthritis Knee.
4.	A Clinical Evaluation of Efficacy of Classical Ayurvedic Herbo Mineral Formulations in the Management of Arsha (Hemorrhoids).
5.	Evaluation of Clinical efficacy and safety of Brahma Rasayana in apparently healthy elderly persons.
6.	Clinical evaluation of the efficacy of Rajahpravartini vati, Kanchanar guggulu and Varunadi kashaya in the management of Polycystic Ovary Syndrome (PCOS): A pilot study.
7.	An open label efficacy study of Amrita Guggulu and Pinda Taila in the management of hyperuricemia in Gout (Vatarakta) patients.
Ongoing Projects	
8.	Clinical Evaluation of Nisha Amalaki and Chandraprabha Vati in the management of Type II Diabetes Mellitus (Madhumeha)
9.	Clinical Evaluation of Vajraka Ghritam, Arogyavardhini Vati and Dineshavalyadi taila in the Management of Kitibha (Psoriasis)
10.	Clinical Evaluation of Brahma Rasayana in the Management of Manasa Mandata (Mental Retardation)- an Open Clinical Trial.
11.	Clinical evaluation of a Comprehensive Ayurvedic Intervention in the management of Manodwega (Generalized Anxiety Disorder)
12.	Evaluation of clinical efficacy and safety of the Vamana Karma followed by Takradhara and Rasaoushadhi Rasayana chikitsa in Kitibha (Psoriasis)

13.	Clinical Evaluation of Nisha Katakadi Kashaya and Yashada Bhasma in the Management of Type II Diabetes Mellitus (Madhumeha)
14.	Clinical evaluation of Vasavleha in the management of Stable Chronic Bronchitis
15.	Clinical evaluation of Vatari Guggulu, Hingvastak Churna and Brihat Saindhavadya Taila in the management of Rheumatoid Arthritis
16.	Clinical Evaluation Of Ashwagandha Churna and Pravala Pishti in the Management of Osteopenia / Osteoporosis
17.	Clinical Evaluation of Yogaraj Guggulu, Gandharvahasta Taila and Dhanwantara Taila in the management of Osteoarthritis knee
18.	Clinical evaluation of Navayasa Chrnua in the management of Iron Deficiency Anaemia
19.	Clinical evaluation of Kanakasava and Trivrita Churna in the management of Bronchial Asthma (Tamaka Swasa)
20.	Clinical Evaluation of Kutajarishta In The Management of Irritable Bowel Syndrome (IBS)
21.	Clinical evaluation of Sarasvata Ghrita in the management of Cognitive Deficit
22.	Clinical trial to study the Effect of Chyavanprasha on Aging in Apparently Healthy Elderly Subjects
23.	Clinical evaluation of Kushmandaka Rasayana in the management of Chronic Bronchitis (Kaphaja Kasa)

BRIEF REPORT OF COMPLETED PROJECTS

5.1.1 Clinical Evaluation of Vatari Guggulu, Rasna Saptaka Kashaya and Brihat Saindhavadi Taila in the Management of Amavata (Rheumatoid Arthritis)

1. **Objectives :**

   - **Primary Objective-** To assess the clinical efficacy of Vatari Guggulu, Rasna saptaka Kshaya and Brihat Saindhavadi Taila in the management of Rheumatoid Arthritis.
   - **Secondary Objective -** To assess the clinical safety of Vatari Guggulu, Rasna saptaka Kshaya and Brihat Saindhavadi Taila in the patients of Rheumatoid Arthritis.

2. **Study Design** : Interventional

3. **Sample size** : 60 patients at each centre and 30 patients in each group.

4. **Duration of Study** : 2 years

5. **Intervention :**

   Group – I: Vatari Guggulu & Rasna saptaka Kashaya

   Group -II: Vatari Guggulu, Rasna Saptaka Kashaya & Brihat Saindhavadi Taila

6. Participated centre along with PI

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ACRI, New Delhi.	Dr.Shashi
2.	ALRCA, Chennai	Dr. A.J.V.Sai Prasad
3.	ACRI, Jaipur.	Dr. A.K.Jain,
4.	NARIVBD, Vijayawada	Dr. T. Maheswar

7. Date of IEC Approval :

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC Approval
1.	ACRI, New Delhi.	16.10.2012
2.	ALRCA, Chennai	11.12.2012
3.	ACRI, Jaipur.	06.11.2012
4.	NARIVBD, Vijayawada	30.10.2012

8. CTRI Registration (For Clinical Trials) : CTRI/2014/05/004629

9. Date of initiation:

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of Initiation*
1.	ACRI, New Delhi.	28.10.2013
2.	ALRCA, Chennai	23.10.2013
3.	ACRI, Jaipur.	21.09.2013
4.	NARIVBD, Vijayawada	19.09.2013

10. Current Status :

Table - 17: Status of project along with participating Centres

S. No.	Participating Centre	Group	No. of cases Enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs
1.	ACRI New Delhi.	I	30	26	4
		II	30	29	1
2.	ALRCA, Chennai	I	25	19	6
		II	25	20	5
3.	ACRI, Jaipur.	I	30	27	3
		II	30	26	4
4.	NARIVBD, Vijayawada	I	30	27	3
		II	30	27	3
Total			**230**	**201**	**29**

11. Summary of Project: Study completed and data analysis is in progress.

5.1.2 Clinical evaluation of Vatari guggulu, Maharasnadi kwatha and Narayana taila in the management of Sandhivata (Osteoarthritis knee).

1. **Objectives:**

   - To assess the clinical efficacy of Ayurvedic formulation ***Vatari Guggulu, Maharasnadi Kwatha*** and ***Narayana taila*** in the management of Osteoarthritis knee.

2. **Study Design :** Open prospective single arm multicentre trial

3. **Sample Size :** 180 patients (60 patients in each centre)

4. **Duration of Study :** 1 year

5. **Intervention:** Vatari Guggulu, Maharasnadi Kwatha and Narayana taila

6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NRIASHRD, Gwalior	Dr.Anil Mangal
2.	ALRCA, Chennai	Dr. K Prameeladevi
3.	NADRI, Bengaluru	Dr. Subhashree MN

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NRIASHRD, Gwalior	25th October, 2012
2.	ALRCA, Chennai	11th December, 2012
3.	NADRI, Bengaluru	5th November, 2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** CTRI/2014/02/004388

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	NRIASHRD, Gwalior	29th Sept. 2013
2.	ALRCA, Chennai	18th October 2013
3.	NADRI, Bengaluru	21st Oct. 2013

10. Current status :

Table - 18: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ALRCA, Chennai	22	08	14	-
2.	NRIASHRD, Gwalior	60	60	Nil	-
3.	NADRI, Bengaluru	60	58	02	-
	Total	**142**	**126**	**16**	**-**

11. Summary of Project: Study completed and data analysis is in progress.

5.1.3 Clinical Evaluation of Ksheerbala Taila Matra Basti, Therapeutic Combination of Vatari Guggulu, Maharasnadi Kwatha and Narayan Taila in the Management of Osteoarthritis Knee

1. Objectives:

- **Primary Objective-** To assess the clinical efficacy of *Ksheerbala Taila matra basti chikitsa* and therapeutic combination of *Vatari Guggulu*, *Maharasnadi Kwatha* and *Narayan Taila* in the management of osteoarthritis knee
- **Secondary Objective-** To assess the clinical safety of *Ksheerbala Taila matra basti chikitsa* and therapeutic combination of *Vatari Guggulu*, *Maharasnadi Kwatha* and *Narayan Taila* in the management of osteoarthritis knee

2. Study Design : Open Clinical Trial

3. Sample size : 60 patients

4. Duration of Study : 2 years

5. Intervention : Ksheerbala Taila, Matra Basti, Vatari Guggulu, Maharasnadi Kwatha & Narayan Taila

6. Participated centre along with PI:

1. AMHRI, Nagpur — Dr. Savita Sharma

7. Date of IEC approval:

1. AMHRI, Nagpur — 25.10.2012

8. **CTRI Registration (For Clinical Trials) :** CTRI/2013/12/004241

9. **Date of initiation:**

1.	AMHRI, Nagpur	19.11.13

10. **Current Status :**

Table - 19 : Status of projects along participating Centres

S.No.	Participating Centre	No. of cases Enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs
1.	AMHRI, Nagpur	60	52	08

11. **Summary of Project:** Study completed and data analysis is in progress.

5.1.4 A Clinical Evaluation of Efficacy of Classical Ayurvedic Herbo Mineral Formulations in the Management of Arsha (Hemorrhoids)

1. **Objectives :**

- **Primary Objective -** To assess the clinical efficacy of Pranada Gutika and Abhayarishta in the management of Arsha (Hemorrhoids).
- **Secondary Objective-** To assess the clinical safety of Pranada Gutika and Abhayarishta in the management of Arsha (Hemorrhoids).

2. **Study Design :** Interventional and Open label

3. **Sample Size : 120** patients (60 patients in each center)

4. **Duration of Study :** 2 years

5. **Interventions :** Pranada Gutika and Abhayarishta

6. **Participating centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ACRI, Mumbai	Dr. R. Govind Reddy
2.	ACRI, New Delhi	Dr. M. M. Rao

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ACRI, Mumbai	16th October, 2012
2.	ACRI, New Delhi	1st October, 2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials):** CTRI/2014/12/005293

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	ACRI, Mumbai	2nd March, 2013
2.	ACRI, New Delhi	5th April, 2013

10. **Current status :** Study is in progress and details as under –

Table - 20 : Status of projects along participating Centres

S.No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACRI, Mumbai	63	58	5	-
2.	ACRI, New Delhi	61	58	3	-
Total		124	116	8	-

11. **Summary of Project:** Study completed and data analysis is in progress.

5.1.5 Evaluation of Clinical efficacy and safety of Brahma Rasayana in apparently healthy elderly persons

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To assess the clinical efficacy of Brahma Rasayana in the apparently healthy adult persons.
- **Secondary Objective:** To assess the clinical safety of Brahma Rasayana in the apparently healthy adult persons.

2. **Study Design :** Open interventional Single Arm clinical trial

3. **Sample Size :** 180 patients (60 at each participating centre)

4. **Duration of Study :** 1 year

5. **Intervention :**Brahma Rasayana

6. **Participating centre along with PI :**

S.No.	Name of the participating centre	Name of PI
1.	NRIADD, Bhubaneswar	Dr. Banamali Das
2.	NRIADD, Kolkata	Dr. Rohit Kumar Ravte
3.	NADRI, Bengaluru	Dr. G.Venkateshwarlu

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NRIADD, Bhubaneswar	11th December, 2012
2.	NRIADD, Kolkata	8th November, 2012
3.	NADRI, Bengaluru	5th November, 2012

8. **CTRI Registration/Reference No. (for clinical trials) :** CTRI/2015/03/005659

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the participating centre	Date of initiation
1.	NRIADD, Bhubaneswar	25th March, 2013
2.	NRIADD, Kolkata	22nd April, 2013
3.	NADRI, Bengaluru	1st March, 2013

10. **Current status :** Study is in progress and details as under –

Table -21: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NRIADD, Bhubaneswar	60	53	07	Nil
2.	NRIADD, Kolkata	60	56	04	Nil
3.	NADRI, Bengaluru	60	58	02	Nil
Total		**180**	**167**	**13**	**Nil**

11. **Summary of Project:** Study is completed and data analysis is in progress.

5.1.6 Clinical evaluation of the efficacy of Rajahpravartini Vati, Kanchanara Guggulu and Varunadi Kashaya in the management of Polycystic Ovary Syndrome (PCOS): A Pilot study

1. **Objectives:**

- Primary Objective: To assess the effect of Rajahpravartini vati, Kanchanar guggulu and Varunadi kashaya on clinical features of PCOS viz. irregular menstrual cycles, obesity and regression of ovarian cyst and to assess the effects of investigational drugs on biochemical parameters and hormonal parameters.

- Secondary Objective: To see the effect of the investigational drugs on hirsutism and acne, to see the improvement in the quality of life of the study participants by using QOL questionnaire (PCOSQ) for PCOS and Clinical safety.

2. Study Design : Open prospective multicentre trial

3. Sample Size : 60 patients (30 patients in each centre)

4. Duration of Study : 2 years

5. Interventions : Rajapravartini Vati, Kanchanara Guggulu andVarunadi Kashaya

6. Participated centre along with PI :

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NIAPR, Patiala	Dr. Rinku Tomar
2.	ARIMCHC, Trivandrum	Dr.Sushmita P Otta

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NIAPR, Patiala	22nd October, 2012
2.	ARIMCHC, Trivandrum	14th November, 2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** CTRI/2015/03/005649

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	NIAPR, Patiala	4th October 2013
2.	ARIMCHC, Trivandrum	20th Sept. 2013

10. **Current status :**

Table - 22: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NIAPR, Patiala	30	28	02	-
2.	ARIMCHC, Trivandrum	30	25	05	-
Total		**60**	**53**	**07**	**-**

11. **Summary of Project:** Study is completed and data analysis is in progress.

5.1.7 An open label efficacy study of Amrita Guggulu and Pinda Taila in the management of hyperuricemia in Gout (Vatarakta) patients.

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To study therapeutic efficacy of *Amrita Guggulu* and *Pinda Taila* in the management of hyper uricemia in patients of Gout (*Vatarakta*).
- **Secondary Objective:** To study the safety by observing any adverse event (AE) or adverse drug reaction (ADR) of *Amrita Guggulu* and *Pinda Taila*

2. **Study Design :** Interventional (Single Arm Trial)

3. **Sample Size :** 100 patients (50 patients in each centre)

4. **Duration of Study :** 2 years

5. **Interventions :** Amrita Guggulu & Pinda Taila

6. **Participating centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ARRI, Jammu	Dr. Laxman Bhurke
2.	NIAPR, Patiala	Dr. Rajesh Sannd

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ARRI, Jammu	20th October2012
2.	NIAPR, Patiala	22nd October, 2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials):** CTRI/2014/08/004929

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	ARRI, Jammu	29th September 2013
2.	NIAPR, Patiala	9th October 2013

10. **Current status:** Study is in progress and details as under –

Table - 23: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ARRI, Jammu	50	48	2	-
2.	NIAPR, Patiala	50	46	4	-
Total		**100**	**94**	**6**	**-**

11. **Summary of Project:** Study is completed and data analysis is in progress.

ONGOING PROJECTS (Brief Project)

5.1.8 Clinical Evaluation of Nisha amalaki powder and Chandraprabha vati in the management of Type-II Diabetes mellitus (Madhumeha)

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To assess the clinical efficacy of Nisha Amalaki and Chandraprabha Vati in the management of Type II Diabetes Mellitus
- **Secondary Objectives:** To assess the clinical safety of Nisha Amalaki and Chandraprabha Vati in the management of Type II Diabetes Mellitus

2. **Study Design** : Open prospective interventional single arm trial

3. **Sample Size** : 200 patients (50 patietns in each centre)

4. **Duration of Study** : One year

5. **Interventions** : Nisha Amalaki Tablet and Chandraprabha vati

6. **Participated centre along with PI :**

S. No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NEIARI, Guwahati	Dr. B.K Bharali
2.	ACDRI, Ahmedabad	Dr. G.V Vishram
3.	AMHRI, Nagpur	Dr. Shekhar Namboori
4.	ACRI, Delhi	Dr. Seema Jain

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NEIARI, Guwahati	19/10/2012
2.	ACDRI, Ahmedabad	31/10/2012
3.	AMHRI, Nagpur	25/10/2012
4.	ACRI, Delhi	16/10/2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** REF/2013/10/005893

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	NEIARI, Guwahati	1st Oct. 2013
2.	ACDRI, Ahmedabad	5th Oct. 2013
3.	AMHRI, Nagpur	21st Oct. 2013
4.	ACRI, Delhi	3rd Oct,2013

10. **Current status :**

Table - 24: Status of projects along participating centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NEIARI, Guwahati	41	30	11	-
2.	ACDRI, Ahmedabad	47	46	1	-
3.	AMHRI, Nagpur Nagpur	50	43	7	-
4.	ACRI, Delhi	50	47	3	-
Total		**188**	**166**	**22**	-

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.9 Clinical Evaluation of Vajraka Ghritam, Arogyavardhini Vati and Dineshavalyadi taila in the Management of Kitibha (Psoriasis)

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To assess the clinical efficacy of *Vajraka Ghritam, Arogyavardhini Vati* and *Dineshavalyadi taila* in the Management of *Kitibha* (Psoriasis)

- **Secondary Objective:** To assess the clinical safety of *Vajraka Ghritam, Arogyavardhini Vati* and *Dineshavalyadi taila* in the patients of *Kitibha* (Psoriasis)

2. **Study Design** : Open label, Interventional, Multi-centric trial

3. **Sample Size** : 120 patients (60 patients in each centre)

4. **Duration of Study** : Three years

5. **Interventions** : Vajraka Ghritam, Arogyavardhini Vati and Dineshavalyadi taila

6. **Participated centre along with PI :**

S. No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ACRI, New Delhi	Dr. Hemanta Panigrahi
2.	NARIVBD, Vijayawada	Dr. T. Maheswar

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ACRI, New Delhi	08/10/2012
2.	NARIVBD, Vijayawada	30/10/2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** CTRI/2014/09/005058

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	ACRI, New Delhi	9th October,, 2013
2.	NARIVBD, Vijayawada	26th September, 2013

10. **Current status:**

Table - 25: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACRI, New Delhi	52	45	01	06
2.	NARIVBD, Vijayawada	60	56	04	--
Total		**112**	**101**	**05**	**06**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.10 Clinical evaluation of Brahma Rasayana in the management of Manas Mandata (Mental Retardation)

1. **Objectives:**
   - **Primary objectives** -To assess the efficacy of Bramha Rasayana in the management of Manasa Mandata.
   - **Secondary objectives** - To assess the safety of Bramha Rasayana in the children suffering from Manas Mandata.
2. **Study Design :** Interventional
3. **Sample Size :** 90 patients
4. **Duration of Study :** 3 years
5. **Interventions :** Bramha Rasayana
6. **Participated centre along with PI :**

   1. ACAMH&NS, Bangalore — Dr. Srinibash Sahoo

7. **Date of IEC approval:** 12-10-2012
8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** Ref/2014/01/006338
9. **Date of initiation :** 18-02-2013
10. **Current status :**

Table - 26: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACAMH&NS, Bangalore	90	68	20	02

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.11 Clinical evaluation of a Comprehensive Ayurvedic Intervention in the management of Manodwega Generalized Anxiety Disorder

1. **Objectives :**
   - **Primary Objectives:** To assess the clinical efficacy of Ashwagandha and Mandookaparni with or without Shirodhara with Ksheerabala Taila in the management of GAD
   - **Secondary Objectives:** To assess the clinical safety of Ashwagandha and Mandookaparni in patients suffering from GAD
2. **Study Design :** Randomized, Parallel Group Trial
3. **Sample Size :** 100 patients (50 patients in each Group)
4. **Duration of Study :** 3 years
5. **Interventions :**

   Group I: Ashvagandha churna & Mandookaparni churna

   Group II: Ashvagandha churna, Mandookaparni churna & Ksheerbala taila
6. **Participating centre along with PI :**
   1. ACAMH&NS, Bangalore — Dr. G. V. Ramana
7. **Date of IEC approval:**
   1. ACAMH&NS, Bangalore — 12th Oct., 2012
8. **CTRI Registration (for clinical trials) : Ref./2014/01/006327**
9. **Date of initiation :**
   1. ACAMH&NS, Bangalore — 12th Sep. 2013
10. **Current status :**

Table - 27: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	Group	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACAMH&NS, Bangalore	I	32	25	3	4
		II	36	28	2	6
Total			**68**	**53**	**05**	**10**

11. **Summary of Project:** Study is continuing.

5.1.12 Evaluation of clinical efficacy and safety of the Vamana Karma followed by Takradhara and Rasaoushadhi Rasayana chikitsa in Kitibha (Psoriasis)

1. **Objectives :**

   - **Primary Objective:** To assess the clinical efficacy of *Vamana karma* followed by oral administration of *Yashad Bhasma* alongwith *Triphala Churna* in the Management of *Kitibha* (Psoriasis)

   - **Secondary Objective:** To assess the clinical safety of *Vamana karma* followed by oral administration of *Yashad Bhasma* alongwith *Triphala Churna* in the patients of *Kitibha* (Psoriasis).

2. **Study Design :** Open label, Interventional, Multi-centric trial

3. **Sample Size :** 110 patients (55 patients in each centre)

4. **Duration of Study :** 3 years

5. **Interventions:** Mahatikta ghrita 30g, Swedanakarma, Vamanakarma, Samsarjanakrama, Takradhara and Rasayana therapy with Pathya/Apathya regimen.

6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NRIP, Cheruthuruthy	Dr.P.Radhakrishnan
2.	NRIADD, Kolkata	Dr. Achintya Mitra

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NRIP, Cheruthuruthy	29/10/2012
2.	NRIADD, Kolkata	06/12/2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** REF/2013/12/006051

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	NRIP, Cheruthuruthy	18/10/2013
2.	NRIADD, Kolkata	01/01/2013

10. **Current status :**

Table - 28: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NRIP, Cheruthuruthy	46	38	8	--
2.	NRIADD, Kolkata	40	32	8	--
Total		**86**	**70**	**16**	**--**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.13 Clinical evaluation of Nishakatakadi Kashaya and Yashada bhasma in the management of Type-II Diabetes mellitus Madhumeha

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To assess the clinical efficacy of Nishakatakadi Kashaya and Yashada bhasma in the management of Type II Diabetes Mellitus
- **Secondary Objectives:** To assess the clinical safety of Nishakatakadi Kashaya and Yashada bhasma in the management of Type II Diabetes Mellitus

2. **Study Design :** Randomized, open prospective multicentre trial

3. **Sample Size :** 240 patients (60 in each centre into three groups i.e. 20 patients in each group)

Group I – Nishakatakadi kashaya

Group II – Yashada Bhasma

Group III – Nishakatakadi kashaya and Yashada Bhasma

4. **Duration of Study:** One year

5. **Interventions:** Nishakatakadi Kashaya and Yashada bhasma

6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NARIVBD, Vijayawada	Dr. V Subhose
2.	ARRI, Mandi	Dr. S. K. Sharma
3.	ALRCA, Chennai	Dr. P. Srinivas
4.	NRIP, Cheruthuruthy	Dr. V. C. Deep

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NARIVBD, Vijayawada	30/10/2012
2.	ARRI, Mandi	19/10/2012
3.	ALRCA, Chennai	11/12/2012
4.	NRIP, Cheruthuruthy	29/10/2012

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** CTRI/2014/05/004613

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	NARIVBD, Vijayawada	30/03/2013
2.	ARRI, Mandi	14/02/2013
3.	ALRCA, Chennai	30/03/2013
4.	NRIP, Cheruthuruthy	25/03/2013

10. **Current status :**

Table - 29: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	Group	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NARIVBD, Vijayawada	I	20	17	3	-
		II	20	19	1	-
		III	20	20	-	-
2.	ARRI, Mandi	I	20	18	2	-
		II	20	19	1	-
		III	20	19	1	-
3.	ALRCA, Chennai	I	12	12	-	-
		II	17	15	1	1
		III	16	11	4	1
4.	NRIP, Cheruthuruthy	I	8	8	0	-
		II	5	5	0	-
		III	4	3	1	-
Total			**182**	**166**	**14**	**2**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.14 Clinical evaluation of Vasavleha in the management of Stable Jeerna Kasa (Chronic Bronchitis)

1. **Objectives:**

- To assess the clinical efficacy of Vasavleha in the management of chronic bronchits.

2. Study Design : Interventional

3. Sample Size : 126 patients (42 patients in each centre)

4. Duration of Study : 1 year

5. Interventions : Vasavleha

6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	AMHRI, Nagpur	Dr.M.N. Suryavanshi
2.	ACRI, Jaipur	Dr. H.M.L. Meena
3.	NARIVBD, Vijayawada	Dr.G. Babu

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	AMHRI, Nagpur	26-03-2014
2.	ACRI, Jaipur	30-01-2014
3.	NARIVBD, Vijayawada	28-03-2014

8. CTRI Registration (for clinical trials) : CTRI/2014/06/004704

9. **Date of initiation:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	AMHRI, Nagpur	22-01-2015
2.	ACRI, Jaipur	08-01-2015
3.	NARIVBD, Vijayawada	08-12-2014

10. Current status:

Table -30: Status of projects along participating Centres

S.No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	AMHRI, Nagpur	19	02	00	17
2.	ACRI, Jaipur	21	02	01	18
3.	NARIVBD, Vijayawada	26	07	00	19
Total		**66**	**11**	**01**	**54**

11. Summary of Project: Study is in progress.

5.1.15 Clinical evaluation of Vatari Guggulu, Hingvastak Churna and Brihat Saindhavadya Taila in the management of Amavata (Rheumatoid Arthritis).

1. **Objectives :**
   - **Primary Objective -** To assess the clinical efficacy of Vatari Guggulu, Hingvashtaka Churna and Brihat Saindhavadya Taila in the management of Rheumatoid Arthritis.
   - **Secondary Objective -** To assess the clinical safety of Vatari Guggulu, Hingvashtaka Churna and Brihat Saindhavadya Taila in the patients of Rheumatoid Arthritis
2. **Study Design :** Interventional, Open label
3. **Sample Size :** 180 patients (60 patients in each centre)
4. **Duration of Study :** 1 year
5. **Interventions :** Vatari Guggulu , Hingvashtaka Churna and Brihat Saindhavadya Taila
6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NRIADD, Bhubaneswar	Dr. Dip Sundar Sahu
2.	ARRI, Patna	Dr. Alok Srivastava
3.	NEIARI, Guwahati	Dr.Tapasi Borah

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NRIADD, Bhubaneswar	14 /03/2014
2.	ARRI, Patna	21/03/2014
3.	NEIARI, Guwahati	05/04/2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials) : CTRI/2014/12/005242**

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	NRIADD, Bhubaneswar	15/01/2015
2.	ARRI, Patna	06/02/2015
3.	NEIARI, Guwahati	09/01/2015

10. **Current status :**

Table - 31: Status of projects along participating Centres

S.No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NRIADD, Bhubaneswar	23	Nil	1	22
2.	ARRI, Patna	11	Nil	Nil	11
3.	NEIARI, Guwahati	24	Nil	3	21
Total		**58**	**Nil**	**4**	**54**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

4.0.16 Clinical Evaluation of Ashwagandha Churna and Pravala Pishti in the Management of Asthikshaya (Osteopenia / Osteoporosis)

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To assess the clinical efficacy of Ashwagandha Churna and Pravala Pishti in the Management of Osteopenia / Osteoporosis.

- **Secondary Objectives:** To assess the clinical safety of Ashwagandha Churna and Pravala Pishti in the patients of Osteopenia / Osteoporosis.

2. **Study Design :** Interventional

3. **Sample size :** 90 patients (30 patients in each centre)

4. **Duration of Study :** 1 year

5. **Intervention :** Ashwagandha Churna & Pravala Pishti

6. **Participated centre along with PI:**

S. No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ACRI, Mumbai	Dr. Manohar Gundeti
2.	NADRI, Bangalore	Dr. Kishore
3.	ACRI, New Delhi	Dr. Pratap Makhija

7. **Date of IEC approval :**

S. No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC Approval
1.	ACRI, Mumbai	28.6.2014
2.	NADRI, Bangalore	05.7.2014
3.	ACRI, New Delhi	25.4.2014

8. **CTRI Registration (For Clinical Trials) :** CTRI/2015/01/005406

9. **Date of initiation:**

S.No.	Name of the participating centre	Date of Initiation
1.	RRAPACRI, Mumbai	19.12.2014
2.	NADRI, Bangalore	10.12.2014
3.	ACRI, New Delhi	Not initiated

10. Current Status : Ongoing

Table - 32: Status of projects along with participating centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases Enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	RRAPACRI, Mumbai	05	0	0	05
2.	NADRI, Bangalore	13	02	0	13
3.	ACRI, New Delhi	-	-	-	-
Total		**18**	**02**	**0**	**18**

11. Summary of Project: Study is in progress.

5.1.17 Clinical Evaluation of Yogaraj Guggulu, Gandharvahasta Taila and Dhanwantara Taila in the management of Sandhivata (Osteoarthritis knee)

1. **Objectives:** To assess the clinical efficacy of Ayurvedic formulation Yogaraj Guggulu, Gandharvahasta Taila and Dhanwantara Taila in the management of Sandhivata (Osteoarthritis knee).
2. **Study Design :** Open prospective interventional (single arm) multicentre trial
3. **Sample Size :** 120 patients (40 patients in each center)
4. **Duration of Study :** 1 year
5. **Interventions :** Yogaraj Guggulu, Gandharvahasta Taila and Dhanwantara Taila
6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ACRI, New Delhi	Dr. Deepa Makhija
2.	NRIP, Cheruthuruthy	Dr. Radhakrishnan
3.	NEIARI, Guwahati	Dr.Dinesh Baruah

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ACRI, New Delhi	27th March, 2015
2.	NRIP, Cheruthuruthy	9th May 2014
3.	NEIARI, Guwahati	5th April, 2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** REF/2014/07/00721

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	ACRI, New Delhi	12/01/2015
2.	NRIP, Cheruthuruthy	15/12/2014
3.	NEIARI, Guwahati	06/01/2015

10. **Current status:**

Table -33: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACRI, New Delhi	12	-	-	12
2.	NRIP, Cheruthuruthy	21	-	-	21
3.	NEIARI, Guwahati	17	-	01	16
	Total	**50**	**-**	**01**	**49**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.18 Clinical evaluation of Navayasa Churna in the management of Pandu (Iron Deficiency Anaemia)

1. **Objectives:**
   - **Primary objectives**- To assess the clinical efficacy of Navayasa Churna in the management of Iron Deficiency Anaemia.
   - **Secondary objectives**- To assess the clinical safety of Navayasa Churna in the patients of Iron Deficiency Anaemia.
2. **Study Design :** Interventional
3. **Sample Size :** 150 patients (50 patients in each centre)
4. **Duration of Study :**1 year
5. **Interventions :** Navayasa Churna
6. **Participated centre along with PI:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ARRI, Mandi	Dr. Omraj Sharma
2.	ACRI, Jaipur	Dr.B.R.Meena
3.	NIAPR, Patiala	Dr.Harbans Singh

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ARRI, Mandi	26-04-2013
2.	ACRI, Jaipur	30-01-2014
3.	NIAPR, Patiala	14-07-2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** REF/2014/11/007900

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	ARRI, Mandi	14-10-2014
2.	ACRI, Jaipur	22-12-2014
3.	NIAPR, Patiala	15-12-2014

10. **Current status :**

Table - 34: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ARRI, Mandi	45	11	00	34
2.	ACRI, Jaipur	15	01	00	14
3.	NIAPR, Patiala	36	03	02	31
Total		**96**	**15**	**02**	**79**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.19 Clinical evaluation of Kanakasava and Trivrita Churna in the management of Tamaka Swasa (Bronchial Asthma)

1. **Objectives :**
   - **Primary Objective** - To assess the clinical efficacy of Ayurvedic formulation Kanakasava and Trivrita Churna in the management of Bronchial Asthma (Tamaka swasa).
   - **Secondary Objective** - To assess the clinical safety of Ayurvedic formulation Kanakasava and Trivrita Churna in the patients of Bronchial Asthma (Tamaka swasa**).**
2. **Study Design :** Interventional /Open clinical trail
3. **Sample Size :** 210 patients (70 patients in each centre)
4. **Duration of Study :** 2 years

5. **Interventions :** Kanakasava and Trivrita Churna

6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	NARIVBD, Vijayawada	Dr.R.K.Swamy
2.	ACRI, Jaipur	Dr.Anu Bhatnagar
3.	NADRI, Bangalore	Dr.Shashi Dhar Doddamani

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	NARIVBD, Vijayawada	28th March, 2014
2.	ACRI, Jaipur	30th January, 2014
3.	NADRI, Bangalore	21st April, 2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** REF/2014/05/007007

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	NARIVBD, Vijayawada	6th December, 2014
2.	ACRI, Jaipur	12th January, 2015
3.	NADRI, Bangalore	2nd December, 2014

10. **Current status :**

Table - 35: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	NARIVBD, Vijayawada	19	6	2	11
2.	ACRI, Jaipur	17	-	-	17
3.	NADRI, Bangalore	14	4	-	10
Total		**50**	**10**	**2**	**38**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.20 Clinical Evaluation of Kutajarishta in the Management of Irritable Bowel Syndrome (IBS)

1. **Objectives :**

- **Primary Objective:** To assess the global improvement in sign and symptoms of IBS with given Ayurvedic formulation.
- **Secondary Objective:** To assess the clinical safety of *Kutajarishta* in the patients of IBS.

2. **Study Design :** Open label, Interventional, Multi-centric trial

3. **Sample Size :** 180 patients (60 patients in each centre)

4. **Duration of Study :** 1 year

5. **Interventions :** *Kutajarishta*

6. **Participating centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ARRI, Mandi	Dr. S.K. Sharma
2.	ARRI, Jammu	Dr. Krishna Kumari
3.	NIAPR, Patiala	Dr. Harbans Singh

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ARRI, Mandi	07/03/2014
2.	ARRI, Jammu	18/03/2014
3.	NIAPR, Patiala	14/07/2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :CTRI/2014/09/005066**

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	ARRI, Mandi	28th Oct. 2014
2.	ACRI, Jammu	28th Oct. 2014
3.	NIAPR, Patiala	05th Dec. 2014

10. **Current status :**

Table - 36 : Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ARRI, Mandi	46	14	-	32
2.	ARRI, Jammu	29	16	01	12
3.	NIAPR, Patiala	36	08	02	26
Total		111	38	3	70

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.21 Clinical evaluation of Sarasvata Ghrita in the management of Cognitive Deficit

1. **Objectives :**

- **Primary objective**- To assess the clinical efficacy of Sarasvata Ghrita in the management of Cognitive Deficit.
- **Secondary objective**- To assess the clinical safety of Sarasvata Ghrita in the children suffering from Cognitive Deficit.

2. **Study Design :** Interventional
3. **Sample Size :** 45 patients
4. **Duration of Study :** 1year
5. **Interventions :** Sarasvata Ghrita
6. **Participated centre along with PI :**

1.	ACAMH&NS, Bangalore	Dr.B.C.Rao

7. **Date of IEC approval:** 13-03-2014
8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** Ref./2014/03/006656
9. **Date of initiation :** 20-01-2015

10. **Current status :**

Table - 37: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACAMH&NS, Bangalore	16	01	00	15

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.22 Clinical trial to study the Effect of Chyavanprasha on Aging in Apparently Healthy Elderly Subjects

1. **Objectives:**

- **Primary Objective** - To assess the effect of Chyavanprasha in improving the general body health and quality of life in the apparently healthy elderly subjects.
- **Secondary Objectives -** To assess the clinical safety of Chyavanprasha in the apparently healthy elderly subjects.

2. **Study Design**: A Prospective Open label Interventional clinical study.

3. **Sample Size :** 210 (70 subjects in each centre)

4. **Duration of Study :** 1 year

5. **Interventions:** Chyavanprasha

6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	ACRI, Mumbai	Dr. Sneha S. Marlewar
2.	NADRI, Bangalore	Dr. S.K.Giri
3.	ALRCA, Chennai	Dr.P. Srinivas

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	ACRI, Mumbai	28th June, 2014
2.	NADRI, Bangalore	5th July, 2014
3.	ALRCA, Chennai	8th July, 2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials):REF/2014/08/007369**

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation*
1.	ACRI, Mumbai	27th November, 2014
2.	NADRI, Bangalore	27th November, 2014
3.	ALRCA, Chennai	17th December, 2014

10. **Current status :**

Table - 38: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	ACRI,Mumbai	13	5	1	7
2.	NADRI, Bengaluru	14	2	0	12
3.	ALRCA,Chennai	15	3	0	12
Total		**42**	**10**	**2**	**32**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.1.23 Clinical evaluation of Kushmandaka Rasayana in the management of Kaphaja Kasa (Chronic Bronchitis).

1. **Objectives :**

   - **Primary objective-** To assess the clinical efficacy of Kushmandaka Rasayana in the management of chronic bronchitis.
   - **Secondary objective-** To assess the clinical safety of Kushmandaka Rasayana in patients of Chronic Bronchitis.

2. **Study Design :** Interventional
3. **Sample Size :** 195 patients (65 patients in each centre)
4. **Duration of Study :** 1 year
5. **Interventions :** Kushmandaka Rasayana
6. **Participated centre along with PI :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Name of PI
1.	AMHRI, Nagpur	Dr.Kiran Kale
2.	NRIASHRD, Gwalior	Dr.P.L.Bharti,
3.	NRIADD, Kolkata	Dr.A.K.Panda

7. **Date of IEC approval:**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of IEC approval
1.	AMHRI, Nagpur	26-03-2014
2.	NRIASHRD, Gwalior	25-02-2014
3.	NRIADD, Kolkata	19-12-2014

8. **CTRI Registration (for clinical trials) :** CTRI/2015/01/005455

9. **Date of initiation :**

S.No.	Name of the Participating Centre	Date of initiation
1.	AMHRI, Nagpur	29-01-2015
2.	NRIASHRD, Gwalior	13-02-2015
3.	NRIADD, Kolkata	13-04-2015

10. **Current status :**

Table - 39: Status of projects along participating Centres

S. No.	Participating Centre	No. of cases enrolled	No. of cases completed	No. of cases Drop outs	No. of cases continued
1.	AMHRI, Nagpur	17	00	01	16
2.	NRIASHRD, Gwalior	16	00	02	14
3.	NRIADD, Kolkata	04	00	00	04
Total		**37**	**00**	**03**	**34**

11. **Summary of Project:** Study is in progress.

5.2 Collaborative Clinical Research Projects

5.2.1 Multi-centric double blind randomized controlled clinical trial of coded drug AYUSH-Manas in Mental retardation (Manasa mandata) in children

International Classification of Diseases (ICD) –10 defines Mental retardation as a condition of arrested or incomplete development of mind, which is especially characterized by impairment of skills manifested during the developmental period. This contributes to the overall level of intelligence i.e., cognitive, language, motor and social abilities. Mental retardation is also known by other terms such as Mental deficiency, Mental sub-normality, mental handicap and Intellectual disability.

Objectives: To study the efficacy of AYUSH-Manas in children with Mental retardation in terms of improving their intellectual function as measured by the Intelligence Quotient (IQ) and Subconscious Quotient (SQ).

Study Design: Prospective double blind randomized placebo controlled clinical trial

Study period: 3 years

Intervention

- Group I (Trial Group): AYUSH-Manas (250 mg/tablet) 2 tablets once a day with water for a period of 12 months
- Group II (Control Group): Placebo (250 mg/tablet) 2 tablets once a day with water for a period of 12 months

Follow up period: 3 months after successful completion of 12 months intervention.

Table - 40: Participating centres and principal Investigators

S.No.	Principal Investigators and Participating centres	Status
1.	Dr. Satish Girimaji, Dept. of Psychiatry, NIMHANS, Bangalore (with ACAMH&NS, Bangalore, CCRAS)	120 cases enrolled (91 completed & 29 drop-out)
2.	Dr. Smita N. Deshpande, Dept. of Psychiatry, Dr. RML Hospital, New Delhi (with ACRI New Delhi, CCRAS)	120 cases enrolled (109 completed, 10 drop-out & 1 withdrawn)
3.	Dr. Sanjay Gupta, Dept. of Psychiatry, IMS, BHU, Varanasi.	120 cases enrolled (69 completed, 51 drop-out)

Current status: The study has been concluded at all above centres. The data is under analysis.

N.B. - The data of another centre is under scrutiny.

5.2.2. Multi-centric double blind randomized controlled clinical trial of coded drug AYUSH-QOL2C for improvement of Quality of Life in Breast cancer as an adjuvant to chemotherapy/radiotherapy

Cancer is one of the most dreaded diseases of 20th century and is spreading further with continuance and increasing incidence in 21st century as one of the leading causes of death worldwide. Chemotherapy is the first and effective medical modality of cancer treatment that usually refers to the use of cytotoxic drugs which control the tumor growth by interfering with proliferation of cancer cells. Radiation therapy is the use of ionizing radiation to kill cancer cells and shrink tumors. These therapies often have side effects like loss of appetite, nausea, hair loss, debility etc. and quality of life is adversely affected. Certain medicinal plants in Ayurveda have potential in improving the quality of life of patients because of their anti-oxidant, immuno-modulation and rejuvenating activities. Hence this formulation with established safety and efficacy by pre-clinical studies has been put to clinical trial in the patients of breast cancer receiving chemotherapy and/or radiotherapy.

Objectives

Primary

1. To assess the clinical safety of 'AYUSH QOL-2C'
2. To assess the clinical efficacy of 'AYUSH QOL-2C' in improving quality of life

Secondary

1. To assess the effect of 'AYUSH QOL-2C' on overall survival
2. To assess the effect of 'AYUSH QOL-2C' on event free survival
3. To assess the effect of 'AYUSH QOL-2C' on progression free survival

Study Design: Prospective double blind randomized placebo controlled clinical trial

Sample size: n=140

Study period: 3 years

Intervention

- Group I (Trial Group): AYUSH QOL-2C (500 mg/capsule) 2 capsules twice a day with water for a period of 6 months and Standard treatment*
- Group II (Control Group): Placebo (500 mg/capsule) 2 capsules twice a day with water for a period of 6 months and Standard treatment*

*In Standard treatment the dosages of chemotherapy drugs will be modified according to the requirement of the individual patient as decided by the investigator.

Table- 41: Participating centres and principal Investigators

S.No.	Principal Investigators and Participating centres	Status
1.	Dr. Chanda Kulkarni, Division of Clinical Pharmacology (Retd. On 16/10/2013)and Dr. Suraj Manjunath*, Division of Surgical Oncology (on 1 yr deputation at Delhi, St. John's Medical College, Bangalore *Dr. Shiva Kumar K (acting PI on behalf of Dr. Suraj) (with NADRI, Bangalore, CCRAS)	80 cases enrolled The study is completed at this centre.
2.	Dr. G.K. Rath, Dept. of Radiotherapy and Oncology, AIIMS, New Delhi (with ACRI, New Delhi, CCRAS)	60 cases enrolled. The study is in progress.

Current status: Till date 140 participants have been enrolled, out of them 7 participants are continuing in the study.

5.2.3 Comparative Clinical Evaluation of Kshara sutra prepared manually and by automated machine in Fistula-in-Ano”- A multicentric double blind randomized controlled trial.

Investigator: Dr. Rakhi Mehra, Assistant Director (Ay.)

Co-Investigator: Dr. Shashi Ghosh, R.O. (Ay.)

The project will be carried out in three phases as per the time deliverables as below:

Phase – I

1. Development of Automation of Ksharasutra which includes standardization, designing, fabrication and development of the Automation of Ksharasutra Preparation. (Two different kinds of Ksharasutra will be prepared i.e Apamarga Ksharasutra and Guggulu Ksharasutra both manually and by the automation)

2. Field trial of the prototype at CCRAS. Modifications in prototype by IIT & delivery of prototype to CCRAS.

3. Pharmacological studies- wound healing activity on induced sinus in animals and anti-microbial studies (in vivo and in vitro) of KSHARASUTRA at Council’s institutes at Gwalior & Pune respectively.

Phase – II:

1. Conduct of Comparative Clinical Trials on Ksharasutra Developed on Automated Ksharasutra Machine / Cabinet with manually prepared Ksharasutra on Fistula-in-Ano at two centres of the Council viz. ACRI, Mumbai & ACRI, New Delhi. Study is in progress

6. LITERARY RESEARCH AND DOCUMENTATION PROGRAMME

The Council's literary research and Documentation programme broadly relates to medico-historical studies, transcription, translation and publication of classical treatises, important/ rare works, unpublished texts and their commentaries in to Hindi, English or other languages. This work has been carried out by the Headquarter of Council along with selected peripheral Institutes. National Institute of Indian Medical Heritage (NIIMH), Hyderabad with the objective of literary research additionally focuses on medico-historical survey, preparation of biography of eminent scholars, preparation of e-books on classics etc. During the period under report the following achievements have been made:

6.1 Publication and Documentation:

The Council publishes books, monographs, technical reports and also the outcome of intramural researches, sponsored research projects, compilation of research related data, medico-historical data, which are useful and informative for researchers, academicians and students as well as public. The following publications have been published during the reporting period.

Books:

1. Evidence Based Ayurveda Practices (English)
2. प्रमाण आधारित आयुर्वेदीय चिकित्सा उपक्रम
3. Background Paper on National Seminar on Panchgavya Chikitsa
4. Herbal Wealth of Uttrakhand, Vol. I
5. AYUSH for Cancer Care
6. Ayurveda Dossier in Spanish Language "Ayurveda – La Ciencia de la Vida"
7. Evidence Based Safety of Ayurvedic Herbo-Mineral Formulations.
8. Research Publications in Ayurvedic Sciences

Beside these above, following Volumes of Journals and News Bulletin of CCRAS have also been released during the reporting period.

Journals:

1. Journal of Research in Ayurveda and Siddha, (JRAS) Vol. XXXII, No. 3-4, July to December, 2011(Published in April, 2014)
2. Journal of Research in Ayurveda and Siddha, (JRAS) Vol. XXXIII, No. 1-4, January to December, 2012 (Published in March, 2015)
3. Journal of Research in Ayurveda and Siddha, (JRAS) Vol. XXXIV, No. 1-4, January to December, 2013 (Published in March, 2015)

4. Journal of Drug Research in Ayurveda and Siddha, (JDRAS) Vol. XXXIII and XXXIV, No.1-4, January 2012 to December 2013 (Published in August, 2014)

News Bulletin:

1. CCRAS News Bulletin, Vol. 27, No. 3 October to December, 2013

Booklets:

1. Ayurveda the Science and Art of Life – A focus on Research and Development

6.2 Intra Mural Literary Research Projects

Under the Intra Mural Research Programme 5 Literary research Projects have been completed while 9 literary research Projects are ongoing. The brief report of these projects is as follow:-

Table – 42: List of Projects

Completed Projects	
1.	Exploration of Veterinary practice in Ayurveda
2.	Eye care in Ayurveda
3.	Evolution of Ayurveda Siddha and Unani (ASU) drug regulation in India
4.	Reappraisal of Ayurvedic objective Svasthasya Svasthya Rakshanam
5.	A critical review of various aspects of Rasa, Guna, Virya, Vipaka and Prabhava in Ayurveda w.s.r. to Dravyaguna
Ongoing Projects	
1.	Translation of Vaidya Chintamani (Sanskrit to English)
2.	Navanitakam – Hindi and English Translation with Critical notes
3.	Sahasrayoga – Translation from Sanskrit/Hindi to English
4.	Preparation of Hard Copies of digitized medical manuscripts of Eastern India (Odisha, West Bengal and Bihar)
5.	Compilation and Documentation of classical Sowa-Rigpa formulations.
6.	Preparation of hard copies and transcription of Ayurveda/medical palm leaf manuscripts and rare books from Karnataka
7.	Sanskrit to English translation of “Chakradatta Ratnaprabha commentary” (Residual portion)
8.	Devanagari transcription & Sanskrit to English translation of Dravyaguna Shatashloki MSS
9.	Integrated Clinical Decision Support System (ICDSS)

6.2.1 Exploration of Veterinary Practices In Ayurveda:

Objectives:

1. To identify, compile, categorize and explore the Ayurvedic Veterinary manuscripts and rare books for potential veterinary practices.
2. To translate and standardize the terminology based on dialects used in descriptions of Veterinary Ayurvedic medicine and by conducting tours to villages and interacting with rural traditional practitioners, cattlemen, Veterinary doctors etc.
3. To establish the drugs (herbal and mineral) used in various animal treatments scientifically based on Taxonomy, morphology, various floras, Materia Medica and herbariums.

Duration of Study : One year

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI:

Dr. G. P. Prasad, R. O. (Ay), National Indian Institute of Medical Heritage, Hyderabad.

Date of initiation : 22-10-2012

Summary of Work done:

The project has been completed during the reporting period. 1830 treatments were documented for 322 disease conditions by exploring regional texts written Telugu language. Final report of the project has been sent to the expert for comments/suggestions.

6.2.2 Eye Care in Ayurveda

Objectives:

1. To prepare a comprehensive document that presents Ayurvedic understanding of ophthalmology at a glance along with modern and contemporary advances.
2. To explore the potentials of Ayurveda in the management of the eye diseases.
3. To document various time tested effective therapies/prescriptions practiced in Ayurvedic eye care hospitals.

Duration of Study : One year

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI:

Dr. V. Sridevi, National Institute of Indian Medical Heritage, Hyderabad

Date of initiation: 01.04.2013

Summary of Work done:

This project has been completed during the reporting period. The Draft document has been prepared and got vetted by expert. In this document 66 books/ works of Ayurveda dealing with diseases of eye and their management is referred, including the books listed under First schedule of Drugs and Cosmetics Act 1940; and also other Ayurvedic works that provide valuable information on diseases and therapy of eye diseases. The document will be published after getting approval of competent authority.

6.2.3 Evolution of Ayurveda, Siddha and Unani (ASU) Drug Regulations in India

Objectives: To prepare a comprehensive document on the evolution of drug regulations with reference to ASU drugs in India.

Duration of Study: **Two years** (Initially this project was sanctioned for 1 year. As per the request of PI, the tenure of the project has been extended up to 30th September 2014)

Nature of Document/ Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI:

Dr. B. Venkateshwarlu, R. O. (Ay), NIIMH, Hyderabad.

Date of initiation : 01-11-2012

Summary of work done:

This project has been completed during the reporting period and final report of the project has been prepared and got vetted by expert. The modifications suggested by the expert have been incorporated in the final document. This document will be published after getting approval of competent authority.

6.2.4 Reappraisal Of Ayurvedic Objective 'Svasthasya Svāsthya Rakshanam'

Objectives: To reappraise Svasthasya Svāsthya Rakshanam one of the two goals of Ayurveda by scientific analysis and evidences

Duration of Study: One year

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.) : Monograph

Participating centre along with PI:

Dr. P.V.V. Prasad, Assistant Director (Ay), NIIMH Hyderabad.

Date of initiation: 01-08-2013

Summary of Work done:

This project has been completed during the reporting period. Final report of the project has been prepared and sent to the expert for suggestions/ modifications if any. The document will be published after incorporating suggestions of expert and getting approval of competent authority.

6.2.5 A Critical Review of Various Aspects of Rasa, Guna, Virya, Vipaka and Prabhava In Ayurveda W.S.R. to Dravyaguna

Objectives: To review critically the importance and rationality of basic concepts on Rasa, Guna, Virya, Vipaka and Prabhava in Ayurveda in scientific lines.

Duration of Study: One year

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Monograph

Participating centre along with PI:

Dr. P.V.V. Prasad, Assistant Director (Ay), National Indian Institute of Medical Heritage, Hyderabad.

Date of initiation: 01-08-2013

Summary of Work done:

The project has been completed in the reporting period. Final report of the project has been prepared and sent to the expert for suggestion/ modification. The document will be published after incorporating the suggestions of the expert and getting approval of competent authority.

6.2.6 Translation of Vaidya Chintamani from Sanskrit to English

Objectives: To translate the Vaidya Chintamani from Sanskrit to English for wide dissemination of important therapeutic regimen mentioned under this text.

Duration of Study: **3 years** (Initially this project was sanctioned for 2 years, meanwhile on the request of PI, tenure of the project has been extended up to 31st October 2015 and the targets have been adjusted accordingly.)

Nature of Document/ Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI:

Dr. A. Narayana, Director, NIIMH, Hyderabad

Date of initiation: 31-10-2012

Summary of work done:

a. Transliteration of 64 chapters completed out of 73 chapters.

b. Translation of 19 chapters completed out of 73 chapters.

Relevant information, if any: -.

The Vaidya Cintamani is one of the most popular treatises from Andhra Pradesh available in Telugu script and written by Vallabhacarya (Vallabhendra) in 15th Century AD.

This treatise on medicine broadly deals with aetiology, disease diagnosis, treatment, purification of metals, minerals, poisonous plants before using in medicinal preparations. This voluminous compendium consists of 73 prakarana (chapters), which are systematically accommodated in 26 Vilasa (sections) and about 9400 shloka.

Though, this text is listed in Ayurvedic books mentioned under the first schedule of The Drugs and Cosmetics Act 1940, its English translation is not available so far.

6.2.7 Navanitakam - Hindi and English Translation With Critical Notes

Objectives: To prepare Hindi and English translation of the book with critical notes for wide dissemination among the users.

Duration of Study : Two years

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participated Centre along with Principal Investigator for Hindi Translation:

Dr. Bhuvnesh Kumar Sharma, R. O. (Ay), ACRI, Jaipur

Participated Centre along with Principal Investigator for English Translation:

Dr. A. Narayana, Director, NIIMH, Hyderabad

Date of initiation: 01-08-2013

Summary of Work done: Navanitakam (The Bower Manuscript) is an important Ayurvedic rare book, which is a unique compilation work of formulas which is believed to be composed during 4th Century A.D. It consists of total 07 Prakarana (comprising of 20 chapters). English and Hindi translation work is completed up to 2nd Prakarana (comprising of 15 chapters). Editing, critical notes writing is in progress.

6.2.8 Sahasrayoga (Translation from Sanskrit/ Hindi To English)

Objectives: To publish a Critical Edition of Sahasrayoga with English translation

Duration of Study: Two years

Nature of Document/ Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI :

Dr. T. Saketh Ram, NIIMH, Hyderabad

Date of initiation: 01/01/2014

Summary of work done:

Translation of 14 chapters have been Completed and work is on progress.

Relevant information, if any: This book is already published by the Council with Hindi translation and included in the list of Ayurvedic books mentioned under first schedule of The Drugs and Cosmetics Act 1940.

6.2.9 Preparation of hard copies of digital medical manuscripts of Eastern India (Odisha, West Bengal and Bihar)

Objectives: To save and preserve the data of digitized Medical Manuscripts from Eastern India (Odisha, West Bengal and Bihar)

Duration of Study: Two years

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Books

Participating centre along with PI:

Dr. V. K. Lavaniya, Research Officer (Ay.), CCRAS Head quarters, New Delhi.

Date of initiation: 07.07. 2014

Summary of work done:

Editing of 25 rare books and 155 manuscripts (8127 images) has been completed and work is going on.

Relevant information, if any: A project entitled "Survey Cataloguing and digitized inventory of Medical Manuscript of Eastern India (Odisha, West Bengal and Bihar)" has been successfully executed by CCRAS under the ACDP Scheme of Deptt. of AYUSH which has been completed in April 2011. Under this project Council has digitized 1697 Manuscripts/rare books (810 From Odisha, 682 From West Bengal and 187 From Bihar) which are preserved at CCRAS Hqrs. in the form of CDs. In future those CDs might be corrupted and the valuable digitized data might be lost. So keeping in view of this condition, it is necessary to preserve them in Hard Copies. So it is intended to prepare 5 hard copies of each manuscripts/ rare books in Hard Bound book form.

6.2.10 Compilation and Documentation of classical Sowa-Rigpa formulations.

Objectives:

- To compile the diverse formulations of Sowa-Rigpa from classical texts.
- Documentation of around 1100 formulation as per the classical text of Sowa-Rigpa.
- Publication of Sowa-Rigpa formularies.

Duration of study: Three years

Nature of document/ publication (Book, manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI :

Dr. Padma Gurmeet, NRISR, Leh-Ladakh

Date of initiation: 14.05.2014

Summary of work done:

During the reporting period 65 compound formulations from rGyud-bZhi, the fundamental text book of Sowa-Rigpa have been compiled and work is on progress.

6.2.11 Preparation of hard copies and Transcription of Ayurveda/medical palm leaf manuscripts and rare books from Karnataka

Objectives: Transcription of digitalized manuscripts and publication.

Duration of study: Two years

Nature of document/ publication (Book, manuscript, Bibliography etc.): Books

Participating centre along with PI:

Dr. G. Venkateshwarlu, NADRI, Bangalore

Date of initiation: January, 2015

Summary of work done:

The transcription of two books namely, Siddha Mantra Prakasha and Hridayapriya have been completed during the reporting period.

6.2.12 Sanskrit to English Translation of "Cakradatta – Ratnaprabha Commentary" (Residual Portion).

Objectives: to prepare English translation of residual portion of Cakradatta –Ratnaprabha commentary.

Duration of Study: One year

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI:

Dr. K. Bharathi, Research Officer (Ay), NIIMH, Hyderabad.

Date of initiation: 01-07-2014

Summary of Work done: Translation work is on progress.

6.2.13 Devanagari Transcription & Sanskrit to English Translation of Dravyaguna Shatashloki MSS.

Objectives:

a) To take up the work of Transcription of Dravyaguna Shatashloki in Devanagari Script.

b) Translation of Dravyaguna Shatashloki from Sanskrit to English language.

Duration of Study : One year

Nature of Document /Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Book

Participating centre along with PI:

Dr. Goli Penchala Prasad, Research Officer (Ay), National Institute of Indian Medical Heritage, Hyderabad.

Date of initiation: 01-08-2015

Summary of Work done: Translation work is on progress.

6.2.14 Integrated Clinical Decision Support System (ICDSS)

Objectives:

a) Implementation, sustaining the use of Electronic Medical Record System with Integrated Clinical Decision Support (ICDSS-E.H.R) at all the CCRAS Clinical Units uniformly.

b) To host an ICDSS Informatics Module (ICDSS-I.M) to provide, standardized Ayurvedic Clinical terminology in comparison with WHO:ICD-10 and Standard Treatment Guidelines (STG) in tune with National Health Policy.

Duration of Study: Two years

Nature of Document/ Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Functional ICDSS-Electronic Health Module, ICDSS-Informatics Module

Participating centre along with PI:

Dr. Ala Narayana, NIIMH, Hyderabad

Date of initiation: 22-1-2015

Summary of work done:

A) **Revision of Ayurvedic Content** for 20 diseases out of 84 Coded Diseases (CCRAS OPD Case Reporting) has been completed.

B) **Revision of Biomedical Content:** Drug Database work based on National Formulary of India (NFI) - 2011 has been completed & Investigation Mapping based on Logical Observation Identifiers Names and Codes (**LOINC**) standards for identifying medical laboratory observations is taken up.

C) **Revision of Software for ICDSS-Informatics Module**: User interface (UI) using HTML5, CSS3, Angular JS, Jquery, Server side Script with PHP5 & Database with MYSQL has commenced. User Information System, Disease Monograph Section Completed.

D) **Electronic Health Records Module:** Patient Registration Module, Case Record Module covering Subjective Parameters, Objective Parameters have been completed.

6.3 AYUSH Research Portal (www.ayushportal.ap.nic.in.)

Objectives:

To carry out the entrusted work of software design, development & Ayurveda research related data upload and maintenance of AYUSH Research Portal.

Duration of Study: 3 years (extendable)

Nature of Document/ Publication (Book, Manuscript, Bibliography etc.): Online Research Portal

Participating centre along with PI:

Dr. Ala Narayana, National Institute of Indian Medical Heritage, Hyderabad.

Date of initiation: The task of AYUSH Research Portal has been entrusted to this institute by CCRAS/ AYUSH in October 2010. Since then it was successfully continuing as one of the allocated programme.

Summary of work done: This AYUSH RESEARCH PORTAL is carried out as allocated projects since October 2010 to March 2015.

This project is recently has sanctioned under IMR project (extendable) w.e.f. 19-03-2015. Progress so far on this project has been already mentioned under allocated projects.

A) CCRAS Journals

a) Journal of Research in Ayurveda and Siddha (JRAS)

b) Journal of Indian Medical Heritage- JIMH (previously known as Journal of Indian Institute of History of Medicine - JIIHM/ Bulletin of Indian Institute of History of Medicine - BIIHM / Bulletin of the Department of History of Medicine - BDHM)

c) Journal of Drug Research in Ayurveda and Siddha - JDRAS (previously known as Bulletin of Medico-Ethno Botanical Research - BMEBR)

B) Other Journals

a) Aryavaidyan

b) Ancient Science of Life

c) International Journal of Research in Pharmacy and Chemistry

d) International Journal of Pharmaceutical, Chemical and Biological Sciences

e) Deerghayu International

- In addition, 6918 article abstracts have been provided with a hyperlink to the concerned journal website URL, by which user can access full-text articles freely.

Data entry and approval systems

Each AYUSH Research Council has constituted AYUSH Research Portal Committees to ensure the quality research data in the portal.

a) Research articles from various journals are screened and AYUSH related articles are identified.

b) The selected articles data is presented in the prescribed format and categorized into above-said four categories.

c) These data is circulated to the committees of AYUSH RESEARCH PORTAL for their suggestions/ modifications.

d) Finally research data is uploaded in the Research Portal.

Table – 43: Information in "AYUSH Research Portal" at a glance

CATEGORY	AYUSH SYSTEMS						Category wise total
	Ayurveda	Yoga & Naturopathy	Unani	Siddha	Homoeo pathy	Sowa Rigpa	
1. Clinical Research	2020	985	325	80	640	-	4050
2. Preclinical Research	6999	199	174	91	142	-	7605
3. Drug Research	4097	-	969	229	390	-	5685
4. Fundamental Research	794	212	554	215	1075	-	2850
TOTAL	**13910**	**1396**	**2022**	**615**	**2247**	**-**	
GRAND TOTAL (AYUSH Research articles/ abstracts in Portal as on 31-03-2015							**20190**

6.4 CCRAS-Research Management Information System (RMIS)

CCRAS, New Delhi has initiated RMIS programme for offering suggestions/inputs related to planning/designing /protocol related, sampling and statistical issues etc. as required by M.D./M.S, Ph.D scholars and guides across Ayurvedic Institutes/Colleges.

CCRAS-HQ has conducted an "Orientation Workshop on CCRAS-RMIS for core group members" on 21st March 2014 and handed over further development and execution of the work to NIIMH, Hyderabad. In accordance this institute has initiated the development of "CCRAS-RMIS Content Management System"

Services offered under CCRAS-RMIS programme are as follows:

1. Formulating research question /hypothesis
2. Trial Design
3. Setting of objectives
4. Sampling/sample size.
5. Selection criteria
6. Investigations required (for diagnosis and assessment)
7. Assessment criteria/methods
8. Suggestions on Feasibility of interventions identified for study
9. Ethical Issues
10. Suggested useful literatures relevant to proposed study
11. General comments on the Synopsis /research plan
12. Data analysis and interpretation (of completed projects).

NIIMH-RMIS Working Group:

a) Dr. Ala Narayana, Director

b) Dr. K. Bharathi, Research Officer (Ay.)

c) Dr. B. Venkateshwarlu, Research Officer (Ay.)

d) Dr. T. Saket Ram, Research Officer (Ay.)

6.5 Documentation of Folklore Claims/LHTs

Through Medico-Ethno-Botanical Survey and Tribal Health Care Research Programmes, information on 398 folklore claims from traditional healers and general public from different tribal and forest areas across the country have been collected and documented during this reporting period (Table 44 & 45).

Table -44: Details of LHTs/folklore claims collected through medico-ethno-botanical surveys

S.No.	Institute Name	LHTs/Folk claim collected
1.	NADRI, Bangalore	81
2.	NVARI, Jhansi	114
3.	RRIHF, Tarikhet	16
4.	NEIARI, Guwahati	41
5.	ARRI, Itanagar	11
Total		**263**

Table -45: Details of LHTs/folk claims collected through THCRP

S.No.	Institute Name	LHTs/ Folk claim collected
1.	NRIASHRD, Gwalior	12
2.	AMHRI, Nagpur	17
3.	ARRI, Patna	10
4.	NEIARI, Guwahati	13
5.	ARRI, Itanagar	10
6.	ATHCRP, Port Blair	17
7.	NRIADD, Bhubaneswar	4
8.	NRIADD, Kolkata	5
9.	ACRI, Jaipur	10
10.	NARIVBD, Vijayawada	10
11.	NADRI, Bangalore	15
12.	ARRI, Gangtok	10
13.	ALRCA, Chennai	7
Total		**140**

6.6 Research Papers

During the reporting year 152 research papers published in Journal's Bulletin, 21 paper published in conference procedings souveniers and 8 Books and technical Reports etc. were published.

Table – 46: Details of research publication in Journals

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
A. Clinical Basic Research				
1.	Reddy R.G., Mangal A., Jadhav A.D. & Venkateshwarlu G.	A Clinical Evaluation of Certain Ayurvedic Formulations in the Management of Arsha (Haemorrhoids)	Journal of Research in Ayurveda and Siddha (JRAS). Vol. 32 (3-4), July-Dec, 2011. pp. 31-46	April, 2014
2.	Reddy R.G.	A Clinical Study on the Effect of Ksheerbala Avartita Nasya Karma in Carpal Tunnel Syndrome	J.R.A.S. Vol. XXXII, No.3-4, July-Dec. 11 pp. 79-86	April, 2014
3.	Panda A. K., Das D. & Hazra J.	Ayurvedic Regimen in Hemorrhagic Ovarian Cyst without Peritoneal Bleeding: A Case Report	International Journal of Homeopathy & Ayurvedic Medicine 2014, Vol 3, Issue 4-1000164, ISSN:2167-1206.	29th July, 2014
4.	Debnath S.K., Dash S.C. & Vyas Gaurang J.	Clinical Evaluation of Amavata (Rheumatoid arthritis) with Naturopathy Management	Ayurpharm - International Journal of Ayurveda and Allied Sciences, Vol.3 (5), Pages No. 142 - 149	28th May, 2014
5.	Reddy R.G.	Clinical Evaluation of Ayurvedic drugs (Sameerpang Ras + Vardhaman pipali ksheerpak) in the management of Amavat (Rheumatoid Arthritis)	JRAS, Vol. XXXII, No. 1-2, Jan – June. 2011. pp. 59-72	May 2014
6.	Mangal A.	Clinical Evaluation of Ayurvedic drugs in the management of Manodwega (Anxiety Neurosis)	JRAS, Vol. XXXV, No. 1-4, Jan-Dec. 2014. p. 79-86	March 2015
7.	Makhija D. & Makhija P.	Clinical evaluation of certain Ayurvedic formulations in the management of Mental Retardation	GJRMI Vol.4, Issue-2	Feb. 2015
8.	Barik L.D., & Hazra J.	Clinical Evaluation of Kalupara Seka Chikitsha in Fracture Patient	International Ayurvedic Medical Journal ISSN; 23205091	2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
9.	Sharma A.K. & Singh H.	Clinical evaluation of the Hypolipidaemic effects of certain Ayurvedic Herbal Drugs in patients of Medoroga (Obesity) w.s.r. to Dyslipidaemias	J.R.A.S. Vol. XXXII No. 3-4, pp 47-66, July-Dec. 11	April, 2014
10.	Debnath S.K. & Vyas S.N.	Clinical Study on *Amavata* (Rheumatoid Arthritis) with *Simhanada Guggulu* and *Shatapuspadi Lepa*	International Journal of Ayurvedic Medicine, Volume-5(1),Page No.70-75	March-April, 2014.
11.	Debnath S.K. Shaw B.P. & Jana B.C.	Clinical Study on Virechan Karma (Induced purgation) in the management of Amavata (Rheumatoid arthritis)	International Journal of Ayurvedic and Herbal Medicine, Volume – 5(1), Page No. 1678-1682	Jan-Feb, 2015.
12.	Debnath S.K., Dash S.C. & Vyas Gaurang J.	Comparative clinical evaluation of *Amavata* (Rheumatoid arthritis) with *Yoga* therapy and Naturopathy management.	International Journal of Ayurveda and Alternative Medicine, Vol.- 2 (5),Page No. 28-35.	28th Nov., 2014.
13.	Sharma S.	Comparative Study on the efficacy of Laghumanjishthadi kwatha & Karviradya Tail in the management of Psoriasis an Autoimmune Disease	Autoimmune Disorders Ayurvedic therapies and management Published by Rashtriya Ayurveda Vidyapeetha, Page No. 89-104	March, 2015
14.	Sahoo S., Sudhakar D., Tiwari S.K., Rao B.C.S., Gupta H.K. & Ramana G.V.	Effect of Brahmyadi Yoga in the management of Manodvega (GAD) A Clinical Study	Aryavaidyan, Vol. XXVII, No.4, pp 228-233	May-July 2014
15.	Prasad G.P., Amaranath, Babu G., Lakshmi V.N., Maheswar T., SaiPrasad A.J.V. & Swamy G.K.	Effect of External Application of AshthamulikaTaila in the Symptomatic Treatment of Shleepada (Filariasis).	JRAS Vol. XXXII, No.3-4, pp. 115-130, Dec. 2011	April, 2014
16.	Ravte R. K., Dixit A.K., Mitra A., Hazra J. & Sharma L.	Evaluation of the efficacy of Avipattikar Churna in the management of Amlapitta	European Journal of Biomedical and Pharmaceutical sciences; Volume 2, Issue 2, 2015, pp 245-252	2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
17.	Jain A.K., Shandilya M.K. & Sharma O.P.	Madhumeha Roga (Diabetes Mellitus) Para Kareeradi Churna (Kalpita yoga) evam Panchatikta Niruha Basti kee Karmukata ka Chikitsatmaka Adhyayana	Journal of Research in Ayurveda and Siddha, Vol. XXXII No. 3-4, July-December 2011	April 2014
18.	Rao B.C.S. & Sahoo S.	Mahapanchagavya Ghrita and Jyothismati Taila in the management of Vishada (Depression)-a pilot study”	Aryavaidyan, Vol.XXXVII. No.3, Pages 145-149	Feb. Apr.2014
19.	Debnath S.K., Dash S.C. & Vyas Gaurang J.	Management of Amavata (Rheumatoid arthritis) with Yoga Therapy	International Journal of Ayurveda and Pharma Research, Volume-2 (5), Page No. 16-21.	19th Sep., 2014.
20.	Panda A.K., Das D., Dixit A.K. & Hazra J.	Rapid clearance of HBsAg and Liver Transaminase in Hepatitis B infection with Classical Ayurvedic formulation : Case study.	Asian Journal of Phytomedicine and clinical Research-3(1), 2015, 1 - 5. ISSN: 2321 – 0915	2015
21.	Gundeti M.S. & Reddy R.G.	Subcutaneous Intralesional Ksharodaka injection: A novel treatment for the management of Warts: A case series	J Ayurveda Integr Med. 2014 Oct Dec; 5(4): 236–240.	Dec., 2014
22.	Marlewar S.S.	The Clinical Study of Mushakadi Tail Pichudharan (Tampon of Oil) in Garbhashay bhransha (Uterine Prolapse)	International Journal of Biological & Pharmaceutical Research (IJBPR) 2014:5(3):270-274	April 2014
B. Health Care Research and Ethno-Medicine				
1.	Devi K. Prameela & Srinivas P.	A contemplative study on the clinical evaluation and efficacy of selective herbo-mineral formulations in Vishama jwara	Ayurpharm int J Ayur Alli Sci., Vol. 3, No.8 (2014) Pages 222-229 ISSN: 2278-4772	10th Aug., 014
2.	Rasale P. L., Sekhar U. R. & Suryawanshi M. N.	A Critical Appraisal of Bhagna (Fracture) and its Management in Ancient Indian Surgery	Journal of AYUSH JoAYUSH (2014) 52-61 © STM Journals 2014. Volume 4, Issue 1, ISSN: 2278-2214	April 2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
3.	Bora M. & Tiwari R.K.	A Review on Ethno-veterinary practices in India.	Indian Journal of Development Research and Social Action 10 (1-2), 165-175. (ISSN no. 0973-3116).	Jan.-Dec., 2014
4.	Makhija D. & Makhija P.	A study on Dhatu Sarata in mentally retarded children	GJRMI , Vol. 4, Issue-3	Mar. 2015
5.	Ramakrishna B.R., Kishore K.R., Vaidya V., Nagaratna R., & Nagendra H.R.	A survey on the need for developing an Ayurveda based personality (Tridosha prakrti) Inventory.	Journal of Ayurveda and Hol. Med. (JAHM). 2014; 2(7):8-13.	Aug., 2014
6.	Panda A. K.	Ayurveda Treatment Outcomes for Osteoarthritis	J. Homeop Ayurv Med 3 : e 115. doi: 10.4172/2167-1206.1000 e115	2015
7.	Sahu D.S.	Clinical importance of the module of the therapeutic applicability of the Anti obesity drugs mentioned in Bhavaprakash	Yogayurveda 2013, Page No. 17	2014
8.	Ramana G.V.	Effect of slump stretching for the management of non Radicular low back pain among Anxiety Neurosis patients	Indian Journal of Physical therapy, Vol-2, Issue 2 pp 61-65	July – Dec 2014
9.	Makhija D. & Makhija P.	Efficacy of Ayurvedic Medicines on Mental Health	ISRJ , Vol-5, Issue-1	Feb. 2015
10.	Nanda, G.C.	Ethics being human from the pages of Charaka	Swasthvilas (ISSN No. 2320-4656)	2014
11.	Ramakrishna B. R., Kishore K.R., Vaidya V., Nagaratna R., & Nagendra H. R.	Healthy Life-Style Prescriptions For Different Personality Types (Tridosha Prakriti).	J. of Ayurveda and Hol. Med. (JAHM); 2014; 1(2):17-23.	Aug., 2014
12.	Das B.	Rasayana therapy in Bhava Prakasha	Yogayurveda 2013, Page No. 45	2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
C. Dravya Guna, Medico-Botanical survey & Cultivation				
1.	Payum T., Das A.D. & Rama Shankar	99 Selected Folk Medicinal Plants of East Siang District of Arunachal Pradesh, India.	*Amer. J. Pharmatech. Res.* Vol. 5(1): P. 399-409.	Feb., 2015
2.	Jadhav A.D.	A review on *Hiptage blenghalensis (Madhavilata)* used as on Ayurvedic drug.	Asian J. Pharm. Tech 04(1):28-31.	2014
3.	Shubhashree M.N., Shantha T. R., Rama Rao V., Reddy M. P. & Venkateshwarlu G.	A Review on Therapeutic uses of Flowers as depicted in Classical texts of Ayurveda and Siddha	Journal of Research and Education in Indian Medicine , Vol.21, (4):1-14.	Jan-March, 2015
4.	Nanda, G.C. & Sahu D.S.	Analytical screening of Mehaghana and Pramehaghana branch of Bhavaprakash with special reference to antidiabetic studies	Acta Biomedic Sientia (ABS) (ISSN No. 2348-215X), Vol. 1(2); 84-92.	2014
5.	Nanda G.C., Sahu D.S. & Others	Analytical Screening of Mehaghna and Pramehaghna Plants of Bhavaprakash with special ref. to Antidiabetic studies	Indian Journal of Pharmaceutical Science & Ressearch e-ISSN-2348-2168, Page No.98	July 2014
6.	Sai Prasad A.J.V.	Analytical study of Hydroulic extract of Kustha (*Sassurea lappa* C. B. Clake) root	Punarnav- Peer reviewed International Journal, Vol 2, Issue: 2, March-April: 2014	March-April: 2014
7.	Shiddamallayya. N, Nandini. N, Rama Rao. V. & Venkateshwarlu. G.	Biodiversity of Ayurvedic cosmetic plants of Bangalore urban	Species, 2015, Vol. 12(35), pp: 92-96.	Jan., 2015
8.	Priti Kumari, Joshi G.C. & Tewari L.M.	Biostatistics of Traditionally used medicinal plants of Almora District, Uttarakhand	Journal of Biodiversity and Ecology Vol.2 (4)	Oct., 2014
9.	Rama Shankar, Tripathi A.K., & Kumar A.	Conservation of some Pharmaceutically important medicinal plants from Dimapur district of Nagaland	*World J. Pharmaceutical Res.* Vo. 3 (7) P. 856-871	Aug. 2014.

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
10.	Nandini. N. & Shiddamallayya. N.	Conservation of wild and cultivated fruits resources of Bangalore urban	Species, 2015, Vol. 12(35), pp: 87-91.	Jan., 2015
11.	Meher S.K.	Contribution of Bhava Prakasha to Dravyaguna	Yogayurveda 2013, Page No. 66	2014
12.	Rama Rao V., Siddamallayya N, Kavya N, Kavya B. & Venkateshwarlu G.	Diversity and therapeutic potentiality of the family Lamiaceae in Karnataka State, India: An overview	Species Journal. Vol. 13(37), pp.6-14	Jan., 2015
13.	Sophie L. V., Kusuma G. & Parani M.	DNA barcoding for species identification from dried and powdered plant parts: A case study with authentication of the raw drug market samples of *Sida cordifolia*	Gene; 559(1), 86-93.	2015
14.	Prashanth Kumar G., Shiddamallayya	Documentation of wild plant tubers as food resources in Hassan district, Karnataka	Int. J. of Applied Biology and Pharmaceutical Technology	April, 2014.
15.	Temin Payum, C. Tamuli, M. Hazarika, AK Das & Rama Shankar	Ethno-botany and anti-oxidant determination of *Phoebe cooperiana* fruit- a highly utilized wild fruit in Arunachal Pradesh, India	*Internat. J. Pharma. Sci. and Res.* Vol**.** 4(8): 3196-3201.	Dec. 2014
16.	Leela.V , Ilavarasan R.	Identification of volatile constituents from the flowers of *Acacia nilotica* Linn. through GC-MS	International Journal of Biological and Pharmaceutical Research 2015; 6(2):105-109.	2015
17.	Nanda, G.C.	Medicinal plants for jaundice and gall stone in folk practices in Assam	Annals of Ayurvedic Medicine (ISSN No,. 2277-4092), April, 2014, Vol. 3(1); 36-41	2014
18.	Prasad G.P.	Microscopical observations on *cissus vitiginea* L.	International Journal of Ayurveda and Pharma Research	March 2015
19.	Payum T., Das A.K., Tamuli C. & Rama Shankar	Nutraceutical folk food plants used among indigenous people of east Siang District of Arunachal Pradesh	*Amer. J. Pharmatech. Res* Vol. 4(4) P. 696-704.	April, 2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
20.	Kavya N, Kavya B., Rama Rao V. Kishore Kumar R. Venkateshwarlu G.	Nutritional and therapeutic uses of Mudga [*Vigna radiata* (L.) R.Wilczek], a potential interventional dietary component	International Journal of Research in Ayurveda and Pharmacy. Vol. 5(2): pp. 238-241.	March-April, 2014.
21.	Gond D., Bora, M. & Tiwari R.K.	Pteridophytic medicinal plants used by the Gond tribe of Korba district, Chhattisgarh, India	Indian Journal of Applied Research 4 (10), 68-70. (ISSN no. 2249-555X).	Oct., 2014.
22.	Nanda G.C. *et al.*	Screening of Vishaghna (Antitoxic) plant in Ayurveda	IJPSR, vol. 14(1) (ISSN No. 2248-9118).	2014
23.	Ratha K.K., Rungsung W., Dutta S., Joshi G.C., Hazra J.	Some important herbaceous medicinal flora of Alpine and Sub-alpine ecosystem of Western- Himalaya.	American Journal of Pharmacy and Health Research.2014.2 (9):54-64; ISSN: 2321– 3647	2014
24.	Bhatt D., Kumar R., Joshi G.C. & Tewari L.M.	Successive variation in phyto-sociological aspects and threat categorization of *Picrorhiza kurroa* Royle ex Benth., in from Kumaun Himalaya of Uttarakhand	Journal of Medicinal Plant Research Vol.8(23) pp.829- 833	July, 2014
25.	Panda P., Das B., Sahu D.S., Meher S.K., Das Bikartan & G.C.Nanda G.C.	Uses of *Vitex Negundo* Linn (Nirgundi) in Ayurveda and its Pharmacological Evidences	Research Journal of Pharmacology and Pharmacodynamics; Volume-6, Issue-3 (July–September) p-162-165 Print ISSN : 0975-4407 Online ISSN : 2321-5836	July-Sept., 2014
26.	Shiddamallayya. N., Rama Rao. V., Sridhar. B.N. & Venkateshwarlu.G.	Wealth of Ayurvedic medicinal plants of Mandya district, Karnataka	Indian Forester, 2015, Vol. 141(1), pp: 83-98.	January, 2015
27.	Nandini. N, Shiddamallayya. N., Rama Rao. V., Venkateshwarlu.G.	Wild vegetables in food security of tribal and rural population of Karnataka	Journal of Science (galley proof corrected on 20th January, 2015).	March, 2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
D. Pharmaceutical and Pharmacognostical Research				
1.	Sekhar Namburi U. R., Pervaje R. & Suryawanshi M.N.	A Method in the Preparation of Teekshana Kshara And its Practice in Hemorrhoids	International Journal of research In Ayurveda & Pharmacy, Volume5, Issue3, ISSN (Print)2277-4343, ISSN (Online) 2229-3566	May-June 2014
2.	Sai Prasad A.J.V.	Analytical Standardization of Ayurvedic Formulation- Aqueous extracts of *Hedychium spicatum* Ham.Ex Smith, *Sassurea lappa* C.B.Clarke, *Emblica officinalis* Gaertn and *Curcuma longa* Linn	J. Adv. Pharm. Edu. & Res. 2014: 4(2): 221-28	Apr-Jun 2014
3.	Sahoo S. & Rao B.C.S.	Analytical Study of Brahmi Ghrita	Research Journal of Pharmacology & pharmaco Dynamics, Vol. 6 (4), Pages 193-196	Oct.- Dec.2014
4.	Panda P.	Contribution of Bhavaprakasha to Ayurveda Pharmaceutics	Yogayurveda 2013, Page No. 41	2014
5.	Harwansh R.K., Mukherjee K.., Bhadra S., Kar A., Bahadur S., Mitra A., Mukherjee P. K.	Cytochrome P450 inhibitory potential and RP-HPLC standardization of Trikatu - A Rasayana from Indian Ayurveda	Journal of Ethnopharmacology, JEP8679, Volume 153, Issue 3, Pages 674–681	14th May 2014,
6.	Sarkar B., Mainsh Devgan, Y. Chowdary A.& Ramaiah M.	Formulation and Evaluation of Herbal Gel Containing Extract of *Cedrus deodara*	International Journal of Pharmaceutical and Chemical Sciences, Vol.4(1), pp. 67-70	Jan-March 2015
7.	Meera Devi Sri.P, Arulselvan.C, Ilavarasan.R.	Morphological and Anatomical studies on ornamental flowers of *Punica granatum* Linn.	Journal of Pharmaceutical and Scientific Innovation, 2015; 4(1):44-51.	2015
8.	Shantha T.R., Shubhashree M.N., Prathapa Reddy M., Venkateshwarlu G.	Pharmacognostic and Physico chemical Evaluation of the different varieties of *Sesamum indicum* L. - comparative study.	Research Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry (RJPP). Vol. 6 (2): 99-106, 2014.	June, 2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
9.	Rungsung W., Dutta S.., Mondal D.N., Ratha K.K. & Hazra J.	Pharmacognostical and phytochemical Study on the Stem of *Ephedra gerardiana*	Journal of International Research in Medical and Pharmaceutical Sciences, Vol.: 2, Issue.: 3	2014
10.	Manavalan P. , Gopal V., Pradeepa D. , Reddy U., Nartunai G. & Ramasamy D.	Pharmacognostical Investigation of a Polyherbal Siddha Formulation – *Neerizhivu Choornam*	International Journal of Phytopharmacy Research 2014; 5(2)116-121.	2014
11.	Rungsung W, Dutta S., Mondal D.N., Ratha K.K., Hazra J.	Pharmacognostical Profiling on the Root of *Rauwolfia Serpentina*	International Journal of Pharmacognosy and Phytochemical Research.2014. 6(3): 612-616**;** ISSN: 0975-4873	Sept-Nov 2014
12.	Vanmala V.. Birajdar, Archana G. Mhase, Gurav A.M. & Murthy S.N.	Preliminary pharmacognostic and Phytochemical standardization of *Dhataki* [*Woodfordia fruticosa* (L.) Kurz.] leaves	An international Quarterly journal of Ayurveda. 2015. 35 (3): 309- 316.	March 2015
13.	Otta S.P.	Preparation, standardization and clinical evaluation of ksharasutra	Glitters of Ayurveda medical journal, Vol-1, issue-1 Page 10-16	Jan-Mar 2015
14.	Maheswar T.	Standardization of Swasari vati with reference to Gas chromatography, *scaning*, Electron Microscope and EDAX	International Journal of Research in Ayurveda and Pharmacy	Mar-Apr, 2014
15.	Maheswar T.	Swasarivati – a herbo mineral compound – An analytical study	Aryavaidyan Vol XXVII, No 4	May-July 2014
E.	**Chemical and Pharmacological Research**			
1.	Verma S.C., Vashishth, E., Singh, R., Pant, P., & Padhi M.M.	A Review on Phyto-Chemistry and Pharmacological Activity of Parts of Mucuna Pruriens Used as an Ayurvedic Medicine	World Jour. Phrm. Res., 2015,3(5),138-158	2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
2.	Srivastava B., Sharma H., Dey Y.N., Wanjari M.M. & Jadhav A.D.	*Alhagi pseudalhagi*. A review of its phytochemistry, pharmacology, Folklore claims & Ayurvedic Studies.	International Journal of Herbal Medicine 2(2):47-51.	2014
3.	Sanjaya Kumar Y.R., Jaya N., Sasikala C.K.	Analgesic, Antipyretic and Anti-inflammatory effects of *Sisymbrium irio* Linn. Seeds.	Journal of Drug Research in Ayurveda and Siddha. (2012-13), Vol. XXXIII-XXXIV (1-4), PP. 31-42.	December, 2014
4.	Singh A., Raghav P., Dwivedi B., Singh R., Pant P. & Padhi M.M.	Assessment of heating effect on chemical constituents of mustard oil through HPTLC profiling	World Journal of Pharmaceutical Research, Vol.3 (9),1027-31.	2014
5.	Lohani,N., Tewari, G., Joshi, G.C., Tewari, L.M., Chandra,J. and Kishore, K.	Comparative phytochemical analysis of Wild and Cultivated rhizomes of *Hedychium spicatum* Buch.-Ham. of North West Himalya.	Journal of Indian Chemical Socity Vol.92, pp.105-109	January 2015
6.	Verma S. C., Subhani S., Vashishth E., Singh R., Pant P., Padhi M. M. & Kumar A.	Comparative phytochemical study of heartwood versus small branches of *Dalbergia sissoo* Linn. using HPTLC-UV detection method.	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2015,Vol 4, Issue 4, 766-778.	3rd March, 2015
7.	Verma S. C., Vashishth E., S. Subhani Singh R., Pant P., Padhi M.M. & Kumar A.	Comparative phytochemical study of roots versus small branches of *Vitex negundo* L. Using high performance thin layer chromatographic ultra-violet detection method.	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2015,Vol. 4, Issue 2, 1373-1383.	19th Jan., 2015
8.	Verma S. C., Vashishth E., S. Subhani Singh R., Pant P., Padhi M.M. & Kumar A.	Comparative phytochemical study of stem bark versus small branches of *Cassia fistula* L. using high performance thin layer chromatographic ultra-violet detection method.	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2015,Vol. 4, Issue 3, 1910-1920.	26th Feb., 2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
9.	Verma S. C., Vashishth E., S. Subhani Singh R., Pant P., Padhi M.M. & Kumar A.	Comparative phytochemical study of stem bark versus small branches of *Bombax ceiba* Linn. using HPTLC-UV detection method,	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2015,Vol.- 4, Issue 4, 912-922.	11th March, 2015
10.	Verma S. C., Vashishth E., S. Subhani Singh R., Pant P., Padhi M.M. & Kumar A.	Comparative phytochemical study of stem bark versus small branches of *Butea monosperma* Lam. using high performance thin layer chromatographic ultra-violet detection method.	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2015, Vol.- 4, Issue 2, 1309-1320.	19th Jan., 2015
11.	Verma S. C., Vashishth E., S. Subhani Singh R.,Pant P. & Padhi M.M.	Comparative phytochemical study of stem bark versus small branches of *Ficus religiosa* Linn using high performance thin layer chromatographic ultra violet detection method.	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2014, Vol. 3, Issue 9, 1154-1162.	28th Oct., 2014
12.	Hazra K., Chowdary A., Devgan M., Shukla R., Sarkar B. & Suryawanshi A.	Development and Validation of RP-HPLC method for Estimation of Rosuvastatin Calcium Solid Dispersions Tablets	Asian Journal of Pharmaceutical Research, Vol. 4 Issue 3, pp 122-125; e-ISSN 2231, –363X, Print ISSN 2231 –3621	2014
13.	Verma S. C.	Development of a rapid separation process for curcumin from *Curcuma longa* L. rhizomes and its quantification by HPLC-PDA.	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2014,Vol 3, Issue 7, 752-761.	5th June, 2014
14.	Chitra S	Effect of *fish oil* on antioxidant defense in rats exposed to cigarette smoke	Journal of Pharmaceutical Sciences Review and Research, 2015; 30(2): 80-82	2015
15.	Thamizh Selvam. N., Liji I.V., Sanjaya Kumar. Y.R., Sanal Gopi. C. G., Vasanthakumar.K. G. & Swamy. G.K.	Evaluation of Antioxidant Activity of *Averrhoa bilimbi* Linn. Fruit juice in Paracetamol Intoxicated Wistar Albino Rats	Enliven: Toxicology & Allied Clinical Pharmacology. March 2015 / vol.1/Issue1	March 2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
16.	Dwivedi B., Singh A., Mishra S., Singh R., Pant P., Thakur L.K.. & Padhi M.M.	Evaluation of Phytochemical Constituents by Gas Chromatography-Mass Spectroscopy & HPTLC of *Calotropis procera*	World Journal of Pharmaceutical Research,Vol.3 (7), 708-715.	2014
17.	Sahu M., Barik L.D., Shrivastav S.K., Dwivedi U.S., Mishra S.P., Banerjee A. G.,	Experimental evaluation of an Ayurvedic drug on dissolution of Encrustation	American Journal of Pharmacy and Health Research; Volume 2, Issue 7 ISSN: 2321–3647(online)	July 2014
18.	Sarkar B., Y. Ankamma Chowdary, Devgan M., Ramaiah M., Shukla S. & Suryawanshi A.	Formulation and Estimation of Piperine by UV – Spectrophotometric method in herbal formulation *Kankasava*	Innovations in Pharmacy Planet (iP-Planet), Vol.02(02), pp. 115-117	2014
19.	Singh, S. Devgan M., Y. Ankamma Chowdary, Sarkar B.K., S.M.A. Haque, X. Fatima Grace	Formulation and Evaluation of Herbal Cream Containing Extract of *Amaranthus Tricolor* Linn.	Journal of Applied Science And Research, 3(1):27-30	2015
20.	Sarkar B., Ramaiah M., Y. Ankamma Chowdary, Devgan M., Vaishali K.M., Singh A. & Ruchika	Formulation and *In-Vitro* Radical Scavenging Evaluation of Herbal Tablet of *Sesbania grandiflora*	International Journal of Pharmaceutical and Chemical Sciences, Vol.4(1), pp. 82-85	Jan-March 2015
21.	Sarkar B.K., Hazra K., Devgan M. & Ramaiah M.	Formulation, Evaluation and Analytical Quantification of Tenatoprazole	Journal of Novel Research in Pharmacy & Technology, Vol. 1 Issue 1, pp 1-4	Jan-April 2014
22.	Thamizh Selvam N., Santhi P.S., Sanjaya Kumar Y.R., Venugopalan T.N., Vasanthakumar K.G. Swamy G.K.	Hepato protective activity of *Averrhoa bilimbi* fruit in acetaminophen induced hepato toxicity in wistar albino rats	Journal of Chemical and Pharmaceutical research. 2015, 7(1):535-540. ISSN 0975-7384, CODEN(USA): JCPRC5	2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
23.	Singh A.,, Raghaw, P., Dwivedi, B., Singh, R., Pant, P. & Padhi, M.M.	Parallel Quantitative Estimation of Gallic Acid in Aqueous Extract of *Emblica Officinalis* and Poly-Herbal Dosage form (Capsule) by HPTL to Authenticate the Ratio of this Ingredient Delivered to the Final Formulation	IJPT, 6(4), 7726-7734.	2015
24.	Singh A., Raghaw, P., Dwivedi, B., Singh, R., Pant, P. & Padhi, M.M.	Parallel Quantitative Estimation of Gallic Acid n Aqueous Extract of *Emblica Officnalis* and Poly-Herbal Dosage form (Capsule) by RP-HPLC to Ascertain the Authenticity of This ingredient in the Developed Formulation,	World Jour. Phrm. Res., 4(4), 734-742.	2015
25.	Mercy Lavanya.S. Gnanamani,A. & , Ilavarasan.R.	Phytochemical and High Performance Thin Layer chromatography analysis of the whole plant of *Orthosiphon Thymflorus* (Roth) Slesson	Asian Journal of Pharmaceutical and Clinical Research, 2015; 8(1), 181-184.	2015
26.	Srinivasan M.	Phytochemical identifications of Gossyipum herbarium by GC-MS analysis	Universal Pharmacy & Biosciences Vol-4 (1), Page-167-177	Jan-Feb 2015
27.	Srinivasan M.	Protective effect of lycopene on whole body irradiation induced liver damage of Swiss albino mice: Pathological evaluation	Biomedicine and Preventive Nutrition Vol-4, Issue 2, Page 87-94	April–June 2014
28.	Sisodia B.S.	Proteomic analyses of membrane enriched proteins of *Leishmania donovani* Indian clinical isolate by mass spectrometry.	Parasitol International 2015; 64(4):36- 42.	January 2015
29.	Verma S. C., Kumari A., Vashishth E., Basu K. & Padhi M. M.	Rapid method for isolation of andrographolide from aerial parts of Andrographis paniculata using microwave-assisted extraction and its quantification by normal phase high-performance TLC	World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, 2014,Vol 3, Issue 4, 2069-2084.	19th June, 2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
30.	Barik.L.D., Das M., Mondol S., Hazra J.	Review on Chemical Compositin of Apamarga Ksharasutra –An Unique Therapy for Fistula in Ano	International Ayurvedic Medical Journal; Volume 2; Issue 4; ISSN: 23205091	July - August - 2014
31.	Chitra S	Role of irradiation and status of α-fetoprotein, β_2-microglobulin and carcinoembroyonic antigen in different stages of oral cancer patients	International Journal of Pharma and Biosciences 2015; 6 (2); 129-139.	2015
32.	Sarkar B., Shukla R., Devgan M., Y. Ankamma Chowdary, Shukla S. & Kumar S.	Synthesis, Formulation and Evaluation of antimicrobial gel of novel Napthofuran derivative	Asian Journal of Pharmaceutical Research, Vol. 4 Issue 3, pp 118-121	2014
33.	Sarkar B.K., Devgan M. & Singh H.	Synthesis, formulation and evaluation of chalcone as potent antimicrobial agent	Indian Journal of Research in Pharmacy and Biotechnology, Vol. 2, Issue 3, pp 1179-1182	May- June 2014
34.	K.N.Sunil Kumar, Saraswathy A., Amerjothy S., Thomas S., Ravishankar B.	Total phenol content and in vitro antioxidant potential of *Helicanthus elastica* (Desr) (Danser) – less exposed Indian mango mistletoe.	Journal of Traditional and Complementary Medicine 4(4):285-8	Oct., 2014
35.	Sanjaya Kumar Y.R, Saketh Ram T., Thamizh Selvam N., Sushant S Parekar, Venugopalan T.N., Nair P.K.S.	Toxicological Study of *Randia dumetorum Linn* seeds in Wistar Albino Rats.	International journal of Phytotherapy Research ISSN2278-5701, Vol.4issue 1, 2014, Pp19-28	August, 2014
	F. Literary & Miscellaneous			
1.	Meena H.M.L.	Adhunika Jeevanashailee se Badhata Gathiya (Amavata) roga	Havamahal, Anka-2 published by NARAKAS, Jaipur	April 2014
2.	Srinivas P., Swamy R.K.., Prameela Devi K., Sailaja B.	Assessment of Dietary practice among Osteoarthritis patients”	International Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences, ISSN- 0975-1491 Vol 6, issue 6,2014	July (March – 2014)

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
3.	Dr. D. Sehrawat	Benefits of medicinal plants in day to day life at home for family health care".	"NIMA Delhi Darpan Souvenir, NIMA Delhi Branch submitted for publication	June, 2014
4.	Thamizh Selvam. N. Swamy. G.K.	Clinical Research-Indian Perspectives: An overview	Indian Journal of Pharmaceutical Science and Research.Vol.5. Issue 4/2015	March 2015
5.	Govind Reddy R.,	Contemporary perspectives on Ayurveda & changing paradigms	AYUSHDHARA, 2015;2(1):1-5.	March 2015
6.	Das B., Panda P., Sahu D.S., Meher S.K. Das B.K. Rao M.M. & Nagalakshmi G.Ch.D.	Cosmetology in Ayurveda and its scope of Research	Research Journal of Pharmacology and Pharmacodynamics, 6 (3): p.162-165	July-Sept., 2014
7.	Ramakrishna B.R., Kishore K.R, Vaidya V., Nagaratna R. & Nagendra H R.	Development of Sushrutha Prakriti Inventory, an Ayurveda based personality assessment tool.	J. of Ayurveda and Hol. Med. (JAHM).2014; 2(8):6-14.	Nov., 2014
8.	Jain A.K. & Sharma B.K.	Developments in the field of Ayurveda-Past to Present	International Journal of Research in AYUSH and allied Systems, Vol I, issue(2)	Nov-Dec. 2014
9.	Nanda G.C.	Dietatics for well being	Swasthvilas (ISSN No. 2320-4656)	2014
10.	Taneja D.; Nyamathi A., Khurana A., Srikanth N., Nayak C., Padmanabhan M. & Singhal R.	Efficacy of Train-the-Trainer model in Delivery of HIV Prevention Message for Homeopathy and Ayurveda Practitioners	Indian Journal of Research in Homoeopathy 07/2014; 8(3):136-146.)	2014
11.	Panigrahi H.	Good manufacturing practice based on WHO guidelines with special reference to Ksharasutra	CRIPS(Current Research & Information on Pharmaceutical Sciences)	Oct.-Dec., 2014
12.	Kumawat V.K.	Gridhrasee roga (Sciatica)	Havamahal, Anka-2 published by NARAKAS, Jaipur	April 2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
13.	Balsavar A.	Hallucinations in ancient Indian System of medicine Ayurveda, a brief over view	Indian Journal of Psychiatry	Dec., 2014
14.	Singh S., Dabur R., Gatne M.M., Singh B., Gupta S., Pawar S., Sharma S.K., Sharma G.L.	*In Vivo* Efficacy of a Synthetic Coumarin Derivative in a Murine Model of *Aspergillosis*	PLOS, 9(**8**), e103039	20th Aug., 2014
15.	Deshbhratar K.S.	Janiye Dahi se Sambandhit kutch Shastriyatathya	Pawan Parampara, ISSN-2350-0069	Jan- March 2015
16.	Deep V.C.	Jeevithasaily Roga-prathirodhathil	Apta, Monthly Journal Published by AMAI, Kerala	Oct., 2014
17.	Dixit A.K., Dey R.K.., Suresh A., Mitra A., Upadhyay S.N. & Hazra J.	Lipid profile of patients with thyroid dysfunction in Ayurveda hospital	International Journal of Biomedical Research; 04/2014; 5(4):241	04/2014
18.	Deshbhratar K.S	Manmohak evam Gunkari chandi wark evam Rajat bhasma	Pawan Parampara ISSN-2350-0069	Jan – March 2015
19.	Nanda, G.C.	Mayong-the heritage of black magic and traditional treatment	IJRAP, Vol. 5(2)., (ISSN No. 7897/2277-4343052.	2014
20.	Deep V.C.	Mazhakala charyayuda pradhanyam	Oushadam Magazine	August, 2014
21.	Sarkar B.K, Kirar P. & Y. Ankamma Chowdary	Medicinal Importance as per Ayurveda of some plant commonly known for their dietary use	International Journal of Nutrition and Agriculture Research, 1(1), , 63-67	Jan.–June 2014
22.	Singh H., Sarkar B.K., Kirar P. & Y. Ankamma Chowdary	Nutritional Value of some dietary herbs commonly used in Ayurveda for their medicinal value	International Journal of Nutrition and Agriculture Research, 1(1), 68-71	Jan.–June 2014
23.	Panigrahi H.	Origin of Surgery: A History of Exploration of Plastic and Reconstructive Surgery	International Journal of Ayurveda and Pharmacy, Vol-4/ Issue 5	Sept-Oct-2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
24.	Mehra R.	Panch Karma Therapy, a Rejuvenator	AYURVEDA and Health Tourism, Vol 10/ Issue No 1 /, Page 12-13.	Jan./March 2015
25.	Choudhury J., Bora D., Baruah D., Borah T. & Bharali B. K.	Portrayal of Folk Medical practices among the Indigenous people of North Tripura District of Tripura, India	International Journal of Research in Ayurveda & Pharmacy, 5(4): 480 – 488 (ISSN 2277- 4343)	July – August 2014
26.	Mehra R.	*Prakrati Analysis & Happiness*	Amrit an International publication from Boudapaste	2014
27.	Panigrahi H.	Psychological problems of the aged and its management- a review	International Journal of Ayurveda and Pharmacy/Vol-4/ Issue 5	Sept-Oct-2013/2014
28.	Mehra R.	*Putritva* to *Matritva*	Ayurveda and Yoga, an international Journal of life Sciences volume XXIV	Sept 2014
29.	Potbhare B.	Review of Buddhist Concept of 'Anatta' (No-Soul) in the Context of Ayurveda.	'Indian Streams Research Journal' (Sept-2014), ISSN 2230-7850, Volume-4 (Issue-8) pp 1-6.	8th Sep., 2014.
30.	Neyaz S., Anku G. & Rama Shankar	Tamkas Swas (Asthma) की चिकित्सा के लिए उपयोग में लाए जाने वाली अरुणाचल प्रदेश की कुछ वनस्पतियाँ	अरुण आवाज, फरवरी 2015 पृ. V-VI.	Mar. 2015.
31.	Swarnakar A., Borah T., Baruah D. & Bharali B. K.	Sleep is a complex programme in-built in the human body naturally	International Journal of Allied Medical Sciences and Clinical Research, (IJAMSCR), 2 (4): 334-339.	Oct.-Dec – 2014
32.	Ramakrishna B R, Kishore K R, Vaidya V, Nagaratna R, Nagendra H R.	Standardization of Sushrutha Prakriti Inventory- Spi an Ayurveda Based Personality Assessment Tool with Scientific Methods	J of Ayurveda and Hol. Med. Vol 2, No 9 (2014)	Jan., 2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume and Page No.	Date of Publication
33.	Khatri,S.R., Sekhar Namburi U. R., Chopade K. M, Raut S. Y. & Suryawanshi M. N.	Suturing Materials in Ancient Indian Surgery an Outlook in present surgical practice	International Journal of research In Ayurveda & Pharmacy, Volume5, Issue4, ISSN (Print)2277-4343, ISSN (Online) 2229-3566	July-Aug., 2014
34.	Mehra R.	*Tachycardia, Ek Parichaya*,	*21 Grishma Ritu Ank* -Ayushman	2014
35.	Dixit A.K., Dey R.K.,Suresh A., Chaudhuri S., Mitra A., Panda A.K.. & Hazra J.	The prevalence of dyslipidemia in patients with diabetes mellitus of Ayurveda Hospital	Journal of diabetes and metabolic Disorder, 13: 1-6; 2014 May 22; 13:58. doi:10.1186/2251-6581-13-58.	May, 2014
36.	Sahu D.S.	The Relevancy in Chronocological description of different diseases in Madhav Nidan.	Ayurved –Bikash Journal Published by Dabur India Ltd., Page No. 46	August, 2014
37.	Shubhashree M.N., Venkateshwarlu G. & Doddamani S.H.	Therapeutic and Nutritional Values of Narikelodaka (Tender Coconut Water) - A Review	Research Journal of Pharmacognosy & Phyto-chemistry Vol. No: 6, Issue 4, Year 2014	Jan,, 2015
38.	Dixit A.K., Dey R.K., Ravte R.K., Panda A.K., Rai S., Afrin N., Hazra J.	Thyroid dysfunction in patients with diabetes mellitus: A Retrospective study	European Journal of Biomedical and Pharmaceutical sciences; Volume 2, Issue 2, 2015, pp 189-195	2015
39.	Deepshikha A., Bhatt D., Joshi G.C., Kumar R., Tewari.L.M.,	Trade, population study and conservation aspects of Choraka/ Choru in Kumaon Himalaya.	Journal of Scientific Research and Essays Vol. 10(2) pp. 64-70, January 2015	Jan., 2015
40.	Mehra R.	*Triguna and Psychosocial help*	Amrit an International publication from Boudapaste	2015
41.	Mehra R.	*Updansh , Nidan* and *Upchar*	VarshaRituAnk –*Ayushman*	July– Sept. 2014
42.	Susila R., Arunadevi R., Christian G.J., Elansekaran S., Ramamurthy M. & Logamaniyan M.	Validation of Siddha Diagnostic Procedures for Madhu Piramiam with the Aid of Conventional Diagnostic Procedures	International Journal of Advanced Ayurveda, Yoga, Unani, Siddha and Homeopathy 2014;3(1), 197-208	2014

Table – 47: Details of Research publications in Conference Proceedings, Souveniers, etc.

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume, Page No.	Date of Publication
A. Clinical Basic Research				
1.	Bhatt S., Srikanth N. & Padhi M.M.	A Response identification of Allopathic practitioners about the integration of Ayurveda in a Tertiary Care Hospital-A Cross Sectional Study	Abstract Book: 6th World Ayurveda Congress and Arogya Expo 2014, Organized by Department of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare, Government of India New Delhi Pp. 164-165	2014
2.	Doddamani S. H., Giri S.K., Shubhashree M.N. Kishore, Kumar.R., Venkateshwarlu .G., Neetha .G. 7 Hemavathi.K.H.	Glycemic effect of honey on Non diabetic and diabetics-A comparative study	Souvenir Ayusri 2013-14, Dasha manotsava Special Decennial Edition of Sri Sri College of Ay.Sci. & Res. No.14, page no. 243.	December, 2014
B. Health Care Research and Ethno-Medicine				
1.	Srinivas P., Prameela Devi K. & Sailaja	Ayurvedic perception on Vector Borne Disease w.s.r. to 'Dengue'	Proceedings of Brainstorming Conference on Dengue Scenario In India: Disease Burden, Surveillance and Control Page 156-164 July 25-26, 2013 (Madurai)	July, 2014
2.	Panigrahi H.	Kshara sutra therapy: A minimal invasive Para surgical method for treatment of Sacrococcygeal Pilonidal sinus (nadi vrana)	Souvenir International conference on Traditional and alternative Medicine	Dec., 2014
3.	Prameela Devi K. & Srinivas P.	Traditional and Contemporary views on Vector Borne Diseases w.s.r. to Dengue Fever'	Proceedings of Brainstorming Conference on Dengue Scenario In India: Disease Burden, Surveillance and Control Page 165 to 167, July 25-26, 2013 (Madurai)	July, 2014

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume, Page No.	Date of Publication
C. Dravya Guna, Medico-Botanical survey & Cultivation				
1.	Rawat V.K. & Rama Shankar	Diversity and Ethno botanical importance of Pteridophytes from Mihao Wild Life Sannctuary. Arunachal Pradesh	Proc. Natl. Workshop on Traditional Practices In North East India (02- 03 Dec. 2014.). p. 17-43.	Dec. 2014.
2.	Gond D.K., Bora M., Tiwari R.K. & Nanda, G.C.	Ethno-Botanical Study of Plants Used by Tribes of Korba District (Chhattisgarh), India.	Souvenir, National Symposium on Animals in Research and Testing: A Cross-Talk between Relevance & Ethics & Annual Convention of Laboratory Animal Science Association of India (LASAI), organized at CSIR-CDRI, Lucknow, pp 93.	13th -14th March, 2015
3.	Bora M., Nanda, G.C., Tiwari R.K. & Gond D.K.	Important Medicinal Plants Used in Veterinary Ayurveda	Souvenir, National Symposium on Animals in Research and Testing: A Cross-Talk between Relevance & Ethics & Annual Convention of Laboratory Animal Science Association of India organized at CSIR-CDRI, Lucknow, pp 103.	13th -14th March, 2015
4.	Tiwari R.K., Gond D.K., Bora M. K., Ishdeep	Some of the commonly used ethno-medicinal wet land plants of Azamgarh district, Uttar Pradesh, India	Proceeding of National Workshop on Traditional healing practices in North East india at Zero, Arunachal Pradesh, pp 241-255.	2nd -3rd Dec., 2014.
5.	Tiwari R.K., Nanda G.C., Gond D.K. & Bora M.	Some Medicinal Plant lores Used in Ayurvedic Formulations	Souvenir, National Symposium on Animals in Research and Testing: A Cross-Talk between Relevance & Ethics & Annual Convention of Laboratory Animal Science Association of India organized at CSIR-CDRI, Lucknow, pp 117.	13th -14th March, 2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume, Page No.	Date of Publication
D.	**Pharmaceutical and Pharmacognostical Research**			
1.	Shubhashree M.N., Venkateshwarlu.G., Shantha T.R., Kishore Kumar R. Prathapa Reddy M.	A comparative Physicochemical and Pharmacognostical evaluation of Nishamalaki- An Ayurvedic antidiabetic formulation.	Souvenir Ayusri 2013-14, Dasha manotsava Special Decennial Edition of Sri Sri College of Ay. Sci. & Res. No. 17, page no. 243.	Dec., 2014
E.	**Literary & Miscellaneous**			
1.	Giri S.K., Patnak S. & Ramashankar.	A Beam of Light on Traditional Healing Practices in North East India	Souvenir of the "National Workshop on Traditional Healing Practices in North East India", Zero, Arunachal Pradesh. Page no:20	December, 2014
2.	Giri S.K. & Rama Shankar	A beam of light on Tribal Health Practices in North East India.	Proc. Natl. Workshop on Traditional Practices In North East India (02-03 Dec. p. 186-190.	Dec. 2014.
3.	Khanduri S., Bharti, Srikanth N. & Padhi M.M.	Ayurveda and Traditional Knowledge: Scope of Innovation & Research	Proceedings of National Conference on Governance of Traditional Knowledge and Contemporary Innovations March 13-14, pp 104-106	2015
4.	Nanda G.C.	Ayurveda for Animals	Souvenir, National Symposium on Animals in Research and Testing: A Cross-Talk between Relevance & Ethics & Annual Convention of Laboratory Animal Science Association of India organized at CSIR-CDRI, Lucknow, pp 52-53	13th -14th March, 2015
5.	Bharti, Kumar A., Khanduri S., Padhi M.M. & Kumar A.	Enablers & challenges in the Governance of Traditional Knowledge	Proceedings of National Conference on Governance of Traditional Knowledge and Contemporary Innovations March 13-14, pp 80-82	2015

S. No.	Name of the Author	Title of paper	Name of Journals/ Bulletin, Volume, Page No.	Date of Publication
6.	Srikanth N.	Nutraceuticals from Traditional Medicine Leads: A Reverse Innovation Approach	Procc. of 5th International Conference on Advances in Food Technology and Health Sciences organized by(ICFTHS), Jawaharlal Nehru University, New Delhi, India. Organized by International Institute of Food and Nutritional Sciences (IIFANS) New Delhi, page no.VII-X	15th -16th Oct., 2014
7.	Srikanth N.	Rational and Challenges in Developing Good Clinical Practice Guidelines for Clinical Trials in Ayurveda, Siddha and Unani Medicine (GCP-ASU)	Proc. of 8th International Traditional and Complementary Medicine (INTRACOM) Conference Organized by Traditional and Complementary Medicine Division, Ministry of Health Malaysia, Blok-E, JalanCenderasari, 50590 Kaula Lumpur, Malaysia, Pp.46-48	30th Oct. to 2nd Nov., 2014,
8.	Shiddamallayya N., Rama Rao V., Venkateshwarlu G., Giri S.K., Doddamani S.H. & Shubhashree M.N.	Traditional Healing Practices of Davangere District, Karnataka	Souvenir of the "National Workshop on Traditional Healing Practices in North East India". Zero, Arunachal Pradesh. Page no:21	December,2014
9.	Rama Shankar	Validation of Traditional healing practices in North East India	*Proc. Natl. Workshop on* Traditional Practices In North East India (p. 1-10)	2nd -3rd Dec., 2014.
10.	Nanda, G.C., Bora, M., Tiwari R.K., Tiwari V., Bhadari, I.K.	Veterinary Ayurved in Manuscripts.	Souvenir, National Symposium on Animals in Research and Testing: A Cross-Talk between Relevance & Ethics & Annual Convention of Laboratory Animal Science Association of India (LASAI) organized at CSIR-CDRI, Lucknow, pp 120.	13th -14th March, 2015

Table – 48: Details of Research publications in Books/ booklets/ technical reports etc.

S. No.	Contributor	Contribution & Title of the Book/booklets etc.	Publisher	Date of Publication
1.	Kumar A., Padhi M.M., Srikanth N., Joseph G.V.R., BhatS. & Singh S.	Ayurveda The Science and Art of Life- A Focus on Research and Development (Pocket & e-book)	Central Council For Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS), Ministry of AYUSH, Govt. of India	Feb., 2015
2.	Barik L.D.	Bhagna and its Management with Special Reference to Bhava Prakash	Yoga-Ayurveda; Academy of Yoga Oriental Studies; Page No. 31-35	
3.	Mangal A.K.	Editor, Herbal Wealth of Uttarakhand; Volume-1	CCRAS, Ministry of AYUSH, Govt. of India, New Delhi	2014
4.	Srikanth N., Bhat S., Jain S., Tiwari V., Singh S., Lavaniya V.K., Sharma B.S., Padhi M.M. & Kumar A.	Evidence based Ayurvedic Practice" A CCRAS R &D publication	CCRAS	2014
5.	Rama Shankar & Tripathi A.K.	Exploration, conservation and cultivation of therapeutically important medicinal plants in Meghalaya.	*Conservation, Cultivation and Exploration of Medicinal Plants in North Eastern states.* CCRAS Publ.P. 219-233	Jan., 2015
6.	Kumar A., Padhi M.M.,, Srikanth N., Gaidhani S., Khunduri S. & Singh R.	Panchagavya (Background Papers)	Central Council For Research In Ayurvedic Sciences (CCRAS), Ministry of Health and Family Welfare, Govt. India.	2014
7.	Srikanth N., Bhat S., Jain S., Tiwari V., Singh S., Lavaniya V.K., Sharma B.S.,Padhi M.M. & Kumar A.	Pramana Adharita Ayurveda Chikitasa Upakram (Hindi)	Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS), Ministry of Health and Family Welfare, Govt. India. ISBN: 978-93-83864-05-8	2014
8.	**Concept and Guidance** Kumar A., Padhi M.M., Narayana A., **Working Group** Srikanth N., Venkateshwarlu B., Sridevi V., Saketh Ram T., Bharathi K. Prasad G. P., Singh S., Khanduri S. & Verma S.C.	Research Publications in Ayurvedic Sciences (Catalogue of Research information on Ayurveda and Related Sciences)	CCRAS, New Delhi	March 2015

7. MISCELLANEOUS ACTIVITIES

7.1 Tribal Health Care Research Programme

This programme has been initiated with the aim to study the living conditions of tribal people, folk medicines and Local Health Tradtions used by them, availability of medicinal plants in the area and for propagation of knowledge about hygiene, prevention of diseases, use of common medicinal plants in the area and to extend medical aid at their door steps. This programme was continued at 6 peripheral Institutes/Units Viz. National Research Institute for Ayurveda -Siddha Human Resource Development, Gwalior; Ayurveda Mental Health Research Institute, Nagpur; Ayurveda Regional Research Institute, Patna; North East India Ayurveda Research Institute, Guwahati; Ayurveda Regional Research Institute, Itanagar and Ayurveda Tribal Health Care Research Project, Port Blair till 2013-14. During the reporting year, this programme has been extended to 14 states through 14 CCRAS peripheral Institutes viz. NRIASHRD Gwalior, AMHRI Nagpur, ARRI Patna, ARRI Itanagar, NEIARI Guwahati, ATHCRP Port Blair, NRIADD Bhubaneswar, NRIADD Kolkata, ACRI Jaipur, NARIVBD Vijayawada, NADRI Bangalore, ARRI Gangtok, ALRCA Chennai and NRISR Leh under Tribal Sub Plan (TSP). During the period under report, 140 folk claims were documented (Table -45) which will be published in future. A total 78,599 population were covered across 236 villages and incidental medical aid and counselling on prevention and hygiene was extended to 22,394 patients (Table -49)

Activities carried out under this programme are :

1. To Study the living conditions of tribal people
2. To Collect information related to health statistics
3. Study of dietetic habits
4. Nature and frequency of prevalent diseases etc.
5. Use of common medicinal plants in the area
6. To Provide medical aid at their door steps
7. Propagation of knowledge about Ayurvedic concept of Pathyapathya including hygiene habits, dietary practice.
8. Prevention of diseases by adopting healthy way of living & clean environment (Swachhata)
9. To collect LHTs/folk medicines/ traditional practices prevalent in the area

Table - 49: Outcome of Tribal health care research programme

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
I.	**NRIASHRD, Gwalior**																
1.	Bhimlat,	--	460	--	460	--	55	--	55	--	20	--	20	--	75	--	75
2.	Bhela	--	413	--	413	--	49	--	49	--	07	--	07	--	56	--	56
3.	Panar	--	611	06	617	--	48	--	48	--	--	--	--	--	48	--	48
4.	Chaintikhera	--	602	34	636	--	78	12	90	--	24	--	24	--	102	12	114
5.	Piparbas	--	781	--	781	--	127	--	127	--	09	--	09	--	136	--	136
6.	Ratodhan	--	714	--	714	--	85	--	85	--	--	--	--	--	85	--	85
7.	Heerapura	--	354	--	354	--	30	--	30	--	--	--	--	--	30	--	30
8.	Hanumankhera	--	266	--	266	--	30	--	30	--	--	--	--	--	30	--	30
9.	Tora	221	--	103	324	75	--	07	82	--	--	--	--	75	--	07	82
10.	Bandhaly	--	668	--	668	--	93	--	93	--	08	--	08	--	101	--	101
11.	Awada	--	1559	74	1633	--	157	06	163	--	53	05	58	--	210	11	221
12.	Kalmi	--	674	--	674		82		82		13		13		95		95
13.	Kakardha		1063	--	1063	--	44	--	44	--	23	--	23	--	67	--	67
14.	Bamoree	--	307	14	321	--	83	--	83	--	07	--	07	--	90	--	90
15.	Gothra	12	460	20	492	--	105	06	111	--	26	--	26	--	131	06	137
16.	Saran Aharbani	06	942	51	999	--	59	--	59	--	17	--	17	--	76	--	76
17.	Bairagi	--	487	345	832	--	106	65	171	--	19	--	19	--	125	65	190
18.	Khamha	--	369	46	415	--	73	12	85	--	19	--	19	--	92	12	104
19.	Mohani	06	136	53	195	02	42	21	65	--	08	09	17	02	50	30	82
20.	Khinha	20	472	61	553	04	82	26	112	--	06	--	06	04	88	26	118
21.	Dobh	--	470	--	470	--	22	--	22	--	--	--	--	--	22	--	22
22.	Doondikheda	--	231	--	231	--	60	--	60	--	--	--	--	--	60	--	60
23.	Dubdee	--	298	--	298	--	48	--	48	--	--	--	--	--	48	--	48
24.	Kankra	--	389	--	389	--	24	--	24	--	--	--	--	--	24	--	24
	Total	**265**	**12726**	**807**	**13798**	**81**	**1582**	**155**	**1818**		**259**	**14**	**273**	**81**	**1841**	**169**	**2091**

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
II.	**AMHRI, Nagpur**																
1.	Dadapur, Tal. Kurkheda	182	775	206	1163	14	67	22	103	02	13	04	19	16	80	26	122
2.	Shivni, Tal. Kurkheda	80	631	193	904	02	85	10	97	00	11	04	15	02	96	14	112
3.	Sonsari, Tal. Kurkheda	101	1120	433	1654	10	199	17	226	0	69	0	69	10	268	17	295
4.	Dhamditola, Tal. Kurkheda	00	1123	28	1151	00	128	00	128	00	19	00	19	00	147	00	147
5.	Mohagoan, Tal. Kurkheda	128	318	70	516	47	36	12	95	33	12	06	51	80	48	18	146
6.	Anajantola, Tal. Kurkheda	15	478	109	602	0	88	24	112	0	23	04	27	0	111	28	139
7.	Sawargaon, Tal. Kurkheda	00	467	00	467	00	77	00	77	00	40	00	40	00	117	00	117
	Total	506	4912	1039	6457	73	680	85	838	35	187	18	240	108	867	103	1078
III.	**ARRI Patna**																
1.	Maeil urf Saail	1875	-	720	2595	134	0	83	217	8	0	1	9	142	0	84	226
2.	Luttu	171	726	72	969	47	72	3	122	0	0	0	0	47	72	03	122
3.	Sijuwa	608	115	105	828	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
4.	Barbadih Chatra (Jharkhand)	0	400	75	475	2	20	12	34	0	0	0	0	2	20	12	34
5.	Kadmahwa	57	557	250	864	23	147	52	222	8	37	22	67	31	184	74	289
	Total	**2711**	**1798**	**1222**	**5731**	**206**	**239**	**150**	**595**	**16**	**37**	**23**	**76**	**222**	**276**	**173**	**671**
IV.	**NEIARI Guwahati**																
1.	Bandorgog	19	1368	103	1490		70	-	70		171		171		241		241
2.	Markong	-	793	62	855		54	-	54		84		84		138		138
3.	Magursila	12	1712	62	1786		140	-	140		225		225		365		365
4.	Southala	-	267	-	267		63	-	63		52		52		115		115
5.	Rajapara	-	267	-	267		65	-	65		144		144		237		237

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
6.	Patgaon	-	453	-	453		93	-	93		99		99		167		167
7.	Burha Mayong	96	517	53	666		67		67		60		60		125		125
8.	Panisenga	-	475	-	475		68		68		84		84		151		151
9.	Punampur	-	105	-	105		21		21		27		27		48		48
	Total	127	5957	280	6364	-	641	-	641	-	946	-	946	-	1587	-	1587
V.	**ARRI Itanagar**																
1.	M-Pen	194	-	2	196	-	40	18	58	-	-	-	-	0	40	18	58
2.	M-Pen 2	160	11	-	171		43	10	53	-	-	-	-	0	43	10	53
3.	M-Pen 3	143	3	8	154	-	29	7	36	-	-	-	-	0	29	7	36
4.	New Singpho	-	92	-	92	-	31	6	37	-	-	-	-	0	31	6	37
5.	M-Pen	84	-	3	87	-	11	8	19	-	17	4	21	0	28	12	40
6.	M-Pen 2	31	6	-	37	-	10	6	16	-	22	3	25	0	32	9	41
7.	M-Pen 3	29	30	2	61	-	15	4	19	-	9	10	19	0	24	14	38
8.	Namgoai	3	226	-	229	-	38	16	54	-	-	-	-	0	38	16	54
9.	Dokpey	-	138	2	140	-	36	6	42	-	5	2	7	0	41	8	49
10.	Tengmo	-	198	2	200	-	52	12	64	-	4	4	8	0	56	16	72
11.	Helong	-	133	-	133	-	39	2	41	-	2	6	8	0	41	8	49
12.	Unish Mile	-	136	15	151	-	43	5	48	-	-	-	-	0	43	5	48
13.	Hati Duba	-	109	11	120	-	45	10	55	-	-	-	-	0	45	10	55
14.	Bish Mile	-	93	11	104	-	33	7	40	-	-	-	-	0	33	7	40
15.	Sonpura		91	106	197	-	21	35	56	-	-	-	-	0	21	35	56
16.	Balek	-	125	19	144	-	42	7	49	-	-	-	-	0	42	7	49
17.	Simari	4	121	9	134	1	39	2	42	-	-	-	-	1	39	2	42
18.	Harupahar	8	108	74	190	3	33	33	69	-	-	-	-	3	33	33	69
19.	Old Abali	-	165	49	214	-	55	21	76	-	-	-	-	0	55	21	76
20.	Huru Pahar	-	-	110	110	-	-	51	51	-	-	03	03	0	0	54	54
21.	Simari 1&2	-	50	50	100	-	21	50	71	-	-	-	-	0	21	50	71
22.	Abali	-	59	193	252	-	148	252	400	-	-	-	-	0	148	252	400
23.	Hawa camp	-	170	10	180	-	25	01	26	-	-	-	-	0	25	1	26

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
24.	Sher	-	134	04	138	-	24	01	25	-	-	-	-	0	24	1	25
25.	Lower jummi	-	218	07	225	-	50	01	51	-	-	-	-	0	50	1	51
26.	Koma seki	-	86	38	124	-	13	04	17	-	-	-	-	0	13	4	17
27.	Lora	-	112	-	112	-	29	-	29	-	-	-	-	0	29	0	29
28.	Bello	-	109	-	109	-	27	-	27	-	-	-	-	0	27	0	27
29.	Tadar hapa	-	123	12	135	-	31	5	36	-	-	-	-	0	31	5	36
30.	Kakoi	5	148	7	160	2	38	4	44	-	-	-	-	2	38	4	44
31.	Thungre	-	382	12	394	-	65	3	68	-	-	-	-	0	65	3	68
32.	Silipam	-	265	120	385	-	50	43	93	-	-	-	-	0	50	43	93
33.	Jigaon	-	422	54	476	-	54	13	67	-	-	-	-	0	54	13	67
34.	Mukhuting	-	377	62	439	-	57	20	77	-	-	-	-	0	57	20	77
35.	Gorbaw	-	400	3	403	-	82	1	83	-	-	-	-	0	82	1	83
36.	Kovin	08	440	20	468	-	87	06	93	-	-	-	-	0	87	6	93
37.	Longman	02	215	12	229	-	27	06	33	-	-	-	-	0	27	6	33
38.	Helong	-	195	25	220	-	107	03	110	-	02	-	02	0	109	3	112
39.	Chamro	20	229	50	299	-	64	21	85	-	-	-	-	0	64	21	85
40.	Old khamdu	03	214	07	224	-	140	03	143	-	-	-	-	0	140	3	143
41.	New khamdu	01	270	15	286	-	49	04	53	-	-	-	-	0	49	4	53
42.	Lungpang	02	268	10	280	-	74	02	76	-	-	-	-	0	74	2	76
43.	Rima	-	122	02	124	-	77	-	77	-	-	-	-	0	77	0	77
44.	Nongkey	01	117	15	133	-	54	07	61	-	-	-	-	0	54	7	61
45.	Machum	-	173	40	213	-	79	36	115	-	-	-	-	0	79	36	115
46.	Nongthey	03	121	12	136	-	59	09	68	-	-	-	-	0	59	9	68
47.	Therimkan	-	81	07	88	-	53	06	59	-	-	-	-	0	53	6	59
48.	Mopaya	-	357	34	391	-	67	08	75	-	-	-	-	0	67	8	75
49.	Vivek nagar .	-	339	22	361	-	66	04	70	-	-	-	-	0	66	4	70
50.	Narottam nagar co	-	276	297	573	-	60	66	126	-	-	-	-	0	60	66	126
51.	Namsang	-	207	15	222	-	44	04	48	-	-	-	-	0	44	4	48
	Total	**701**	**8464**	**1578**	**10743**	**6**	**2476**	**849**	**3331**	**0**	**61**	**32**	**93**	**6**	**2537**	**881**	**3424**

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
VI.	**ATHCRP Port Blair**																
1.	Strait Island	-	23	05	28	-	23	05	28	-	-	-	-	-	23	05	28
2.	Harminder Bay	-	1548	-	1548	-	573	-	573	-	60	-	60	-	633	-	633
3.	Minakshi Ram Nagar	-	126	-	126	-	74	-	74	-	-	-	-	-	74	-	74
4.	Ewall	-	138	-	138	-	81	-	81	-	-	-	-	-	81	-	81
5.	Bengali	-	104	-	104	-	56	-	56	-	-	-	-	-	56	-	56
6.	Enam	-	111	-	111	-	67	-	67	-	-	-	-	-	67	-	67
7.	Chukmachi	-	134	-	134	-	83	-	83	-	-	-	-	-	83	-	83
8.	Perka	-	101	-	101	-	076	-	076	-	-	-	-	-	076	-	076
9.	Tamaloo	-	189	-	189	-	123	-	123	-	-	-	-	-	123	-	123
10.	Malacca	-	087	-	087	-	053	-	053	-	-	-	-	-	053	-	053
11.	Champian	-	087	-	087	-	059	-	059	-	-	-	-	-	059	-	059
12.	Balu Basti	-	073	-	073	-	044	-	044	-	-	-	-	-	044	-	044
13.	Chota Enaka	-	068	-	068	-	046	-	046	-	-	-	-	-	046	-	046
	Total	**-**	**2789**	**5**	**2794**	**-**	**1358**	**5**	**1363**	**-**	**60**	**-**	**60**	**-**	**1418**	**5**	**1423**
VII.	**NRIADD Bhubaneswar**																
1.	Chutipalanga	10	291	00	301	10	90	00	100	09	79	00	88	19	169	00	188
2.	Godipokhari	17	349	70	436	06	94	20	120	06	76	14	96	12	170	34	216
3.	Kuradhilo	55	283	13	351	07	58	03	68	06	48	03	57	13	106	06	125
4.	Pangarsingh	49	288	00	337	10	50	00	60	05	44	00	49	15	94	00	109
5.	Bhogada	00	356	27	383	00	27	03	30	00	00	00	00	00	27	03	30
6.	Gobindapur	00	369	40	409	00	32	08	40	00	00	00	00	00	32	08	40
7.	Katabada	00	419	43	462	00	42	06	48	00	00	00	00	00	42	06	48
8.	Nilakanthapur	00	496	00	496	00	52	00	52	00	00	00	00	00	52	00	52
9.	Basudevpur	00	417	72	489	00	30	06	36	00	00	00	00	00	30	06	36
	Total	**131**	**3268**	**265**	**3664**	**33**	**475**	**46**	**554**	**26**	**247**	**17**	**290**	**59**	**722**	**63**	**844**

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
VIII.	**NRIADD Kolkata**																
1.	Piprakhali	0	206	0	206	37	61	55	153	0	0	0	0	37	61	55	153
2.	Tuskhali -Atapur	166	448	147	761	83	248	74	405	6	21	2	29	89	269	76	434
3.	Gabberia	37	412	32	481	40	192	17	249	-	-	-	-	40	192	17	249
4.	Purba Situlia	34	370	0	404	25	197	15	237	-	-	-	-	25	197	15	237
5.	Jeliakhali (Darampara)	22	275	0	297	33	74	65	172	-	-	-	-	33	74	65	172
6.	Kultali	205	744	40	989	77	149	47	273	17	50	3	70	94	199	50	343
7.	Sukhodoani	53	386	22	461	65	102	11	178	-	-	-	-	65	102	11	178
8.	Jeliakhali (Purbakhanda)	18	369	77	464	10	61	62	133	-	-	-	-	10	61	62	133
9.	Karnakhali	88	276	30	394	31	101	15	147	-	-	-	-	31	101	15	147
10.	Manipur	98	246	162	506	38	78	77	193	-	-	-	-	38	78	77	193
11.	Enari Kushbona	70	223	6	299	38	81	10	129	-	-	-	-	38	81	10	129
12.	Katharia	59	319	20	398	21	119	6	146	-	-	-	-	21	119	6	146
13.	Hansapahari	29	145	8	182	24	62	3	89	-	-	-	-	24	62	3	89
14.	Hatgachha	102	319	39	460	50	78	9	137	-	-	-	-	50	78	9	137
15.	Ushardihi-Parashibona	0	353	5	358	8	107	0	115	-	-	-	-	8	107	0	115
16.	Rangametya	0	300	5	305	3	113	1	117	-	-	-	-	3	113	1	117
17.	Musibdihi	26	268	43	337	13	100	35	148	-	-	-	-	13	100	35	148
	Total	**1007**	**5659**	**636**	**7302**	**596**	**1923**	**502**	**3021**	**23**	**71**	**5**	**99**	**619**	**1994**	**507**	**3120**
IX.	**ACRI Jaipur**																
1.	Jhol	06	740	75	821	-	155	14	169	-	02	01	03	-	157	15	172
2.	Bori	15	1613	-	1628	--	225	-	225	--	17	-	17	-	242	-	242
3.	Dhanaka wara	-	1442	-	1442	-	243	-	243	-	14	-	14	-	257	-	257
4.	Amarpura	-	1252	-	1252	-	238	-	238	-	-	-	-	-	238	-	238
5.	Athamana kotra	-	683	-	683	-	133	-	133	-	-	-	-	-	133	-	133
	Total	**21**	**5730**	**75**	**5826**		**994**	**14**	**1008**		**33**	**01**	**34**	**-**	**1027**	**15**	**1042**

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
X.	**NARIVBD Vijayawada**																
1.	Chandrupatla	2	661	3	666	2	277	3	282	2	10	3	15	4	287	6	297
2.	Paidigudem	0	329	0	329	0	143	0	143	0	8	0	8	0	151	0	151
3.	K.Lakshmipuram	0	172	77	249	0	143	0	143	0	10	0	10	0	153	0	153
4.	Yerraboru	0	261	0	261	0	89	0	89	0	18	0	18	0	107	0	107
5.	Kothuru	0	150	0	150	0	51	0	51	0	2	0	2	0	53	0	53
6.	Arlagudem	0	175	0	175	0	64	0	64	0	3	0	3	0	67	0	67
7.	D.Kothagudem	0	240	0	240	0	109	0	109	0	16	0	16	0	125	0	125
8.	Dharmapuram	0	118	0	118	0	76	0	76	0	7	0	7	0	83	0	83
9.	Subbaraopeta	0	177	0	177	0	49	0	49	0	3	0	3	0	52	0	52
10.	Rangapur	0	269	0	269	0	90	0	90	0	4	0	4	0	94	0	94
11.	Fruit farm	4	75	0	79	2	29	0	31	0	3	0	3	2	32	0	34
12.	Somalagadda	0	184	12	196	0	84	2	86	0	8	0	8	0	92	2	94
13.	Mutthapur	0	320	0	320	0	132	0	132	0	2	0	2	0	134	0	134
14.	Project nagar	0	95	0	95	0	51	0	51	0	3	0	3	0	54	0	54
15.	Beerelli	9	175	128	312	4	118	45	167	0	17	0	17	4	135	45	184
16.	Balannagudem	0	254	39	293	0	149	13	162	0	11	0	11	0	160	13	173
17.	Neeladripeta	34	43	13	90	35	41	8	84	0	5	0	5	35	46	8	89
18.	Domeda	30	187	67	284	28	92	51	171	0	12	0	12	28	104	51	183
19.	Buttayagudem	123	78	135	336	24	18	19	61	0	0	0	0	24	18	19	61
20.	P.R.Gudem	15	287	120	422	3	90	46	139	0	0	0	0	3	90	46	139
	Total	**217**	**4250**	**594**	**5061**	**98**	**1895**	**187**	**2180**	**2**	**142**	**3**	**147**	**100**	**2037**	**190**	**2327**
XI.	**NADRI Bangalore**																
1.	Bhootanahalli hakki-pikki colony	0	259	0	259	0	50	10	60	0	46	10	56	0	96	20	116
2.	Kengari upanagar hakki-pikki colony	0	91	31	122	0	39	20	59	0	26	7	33	0	65	27	92
3.	Bhadrapura hakki-pikki colony	0	409	43	452	0	116	15	131	0	56	10	66	0	172	25	197
	Total	**0**	**759**	**74**	**833**	**0**	**205**	**45**	**250**	**0**	**128**	**27**	**155**	**0**	**333**	**72**	**405**

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
XII.	ARRI Gangtok																
1.	Kabi	20	428	15	463	02	166	22	190	01	76	06	83	03	242	28	273
2.	Lashithang	--	69	19	88	--	19	19	38	--	14	05	19	--	33	24	57
3.	Labi	--	252	01	253	--	101	01	102	--	83	--	83	--	184	01	185
4.	Barapathing	--	272	06	278	--	117	06	123	--	43	01	44	--	160	07	167
5.	Linkey	10	223	109	342	08	55	110	173	05	21	19	45	13	76	129	218
6.	Barbing	10	234	44	288	08	86	40	134	02	34	11	47	10	120	51	181
7.	Phamtam	--	271	06	277	--	77	06	83	--	63	--	63	--	140	06	146
8.	Thasa	10	189	35	234	10	98	35	143	06	38	09	053	16	136	044	196
9.	Hee Gaon	06	144	17	167	06	32	17	055	--	--	--	--	06	032	017	055
10.	Yuksam	02	169	20	191	02	61	20	083	--	--	--	--	02	061	020	083
11.	Phenzong	01	106	45	152	01	54	45	100	--	--	--	--	01	54	045	100
12.	Phensang	--	314	15	329	--	112	11	123	--	53	04	57	--	165	15	180
13.	Pangthang	02	84	05	91	02	36	05	43	--	--	--	--	02	36	05	43
14.	Patuk	--	109	11	120	--	57	06	63	--	28	05	33	--	85	11	96
15.	U-Kambal	07	87	07	101	07	49	07	63	--	--	--	--	07	49	07	63
16.	Badamtam	--	156	13	169	--	62	07	69	--	46	06	52	--	108	13	121
17.	Chungthang	05	107	11	123	05	38	11	54	--	--	--	--	05	38	11	54
18.	Paigaon	02	93	06	101	02	34	06	42	--	--	--	--	02	34	06	42
	Total	**75**	**3307**	**385**	**3767**	**53**	**1254**	**374**	**1681**	**14**	**499**	**66**	**579**	**67**	**1753**	**440**	**2260**
XIII.	**ALRCA Chennai**																
1.	Keezhkadambur	7	244	-	251	3	48	-	51	2	3	-	5	5	51	-	56
2.	Melkadambur	-	-	148	148	-	-	56	56	-	-	6	6	-	-	62	62
3.	Kuppathupalayam	-	57	-	57	-	20	-	20	-	1	-	1	-	21	-	21
4.	Gandhigramam	8	336	2	346	6	106	2	114	-	6	-	6	6	112	2	120
5.	Raghunathapuram	4	72	-	76	1	28	-	29	-	-	-	-	1	28	-	29
6.	Illupur	-	57	1	58	-	6	1	7	-	-	-	-	-	6	1	7
7.	Nedumpuram	7	72	-	79	3	32	-	35	-	-	-	-	3	32	-	35

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
8.	Pattranthangal	-	38	-	38	-	12	-	12	-	-	-	-	-	12	-	12
9.	Karthikeyapuram	-	387	-	387	-	136	-	136	-	-	-	-	-	136	-	136
10.	Nedungal	8	170	-	178	2	68	-	70	-	-	-	-	2	68	-	70
11.	Pappireddi palli	8	193	-	201	6	66	-	72	-	-	-	-	6	66	-	72
12.	Pallipattu	15	194	-	209	6	71	-	77	-	-	-	-	6	71	-	77
13.	Pandraveedu	-	109	-	109	-	42	-	42	-	-	-	-	-	42	-	42
14.	Gollalakuppam	-	136	-	136	-	42	-	42	-	-	-	-	-	42	-	42
	Total	57	2065	151	2273	27	677	59	763	2	10	6	18	29	687	65	781
XIV.	**NRISR Leh**																
1.	Rangdum	-	55	-	55	-	20	-	20	-	-	-	-	-	20	-	20
2.	Karcha	-	45	-	45	-	21	-	21	-	-	-	-	-	21	-	21
3.	Rinam	-	40	-	40	-	16	-	16	-	-	-	-	-	16	-	16
4.	Zangla	-	58	-	58	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
5.	Stongdey	-	11	-	11	-	13	-	13	-	-	-	-	-	13	-	13
6.	Zongskul	-	07	-	07	-	04	-	04	-	-	-	-	-	04	-	04
7.	Atting	-	33	-	33	-	14	-	14	-	-	-	-	-	14	-	14
8.	Sani	-	61	-	61	-	45	-	45	-	-	-	-	-	45	-	45
9.	Bardan	-	35	-	35	-	01	-	01	-	-	-	-	-	01	-	01
10.	Muney	-	29	-	29	-	13	-	13	-	-	-	-	-	13	-	13
11.	Raru	-	57	-	57	-	27	-	27	-	-	-	-	-	27	-	27
12.	Emmu	-	05	-	05	-	01	-	01	-	-	-	-	-	01	-	01
13.	Cha	-	19	-	19	-	09	-	09	-	-	-	-	-	09	-	09
14.	Phuthal	-	37	-	37	-	10	-	10	-	-	-	-	-	10	-	10
15.	Padum	-	49	-	49	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
16.	Taru	-	189	-	189	-	54	-	54	-	-	-	-	-	54	-	54
17.	Umla	-	49	-	49	-	14	-	14	-	-	-	-	-	14	-	14
18.	Shachukul	-	65	-	65	-	49	-	49	-	-	-	-	-	49	-	49
19.	Durbuk	-	92	-	92	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30

S. No.	Name of Villages Covered	Population covered				No. of patients treated											
						New				Follow up				Total			
		SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total	SC	ST	Others	Total
20.	Tangtse	-	72	-	72	-	34	-	34	-	-	-	-	-	34	-	34
21.	Tharuk	-	167	-	167	-	56	-	56	-	-	-	-	-	56	-	56
22.	Pholonglay	-	60	-	60	-	15	-	15	-	-	-	-	-	15	-	15
23.	Chilam	-	60	-	60	-	35	-	35	-	-	-	-	-	35	-	35
24.	Irath	-	88	-	88	-	33	-	33	-	-	-	-	-	33	-	33
25.	Satho	-	69	-	69	-	35	-	35	-	-	-	-	-	35	-	35
26.	Chibra	-	12	-	12	-	11	-	11	-	-	-	-	-	11	-	11
27.	Matho	-	370	-	370	-	128	-	128	-	-	-	-	-	128	-	128
28.	Egoo	-	119	-	119	-	54	-	54	-	-	-	-	-	54	-	54
29.	Ulay Tokpo	-	41	-	41	-	30	-	30	-	-	-	-	-	30	-	30
30.	Sumdha	-	30	-	30	-	06	-	06	-	-	-	-	-	06	-	06
31.	Chilling	-	33	-	33	-	17	-	17	-	-	-	-	-	17	-	17
32.	Saboo Dho	-	43	-	43	-	40	-	40	-	-	-	-	-	40	-	40
33.	Hemis	-	107	-	107	-	36	-	36	-	-	-	-	-	36	-	36
34.	Alchi	-	170	-	170	-	42	-	42	-	-	-	-	-	42	-	42
35.	Baima	-	278	-	278	-	58	-	58	-	-	-	-	-	58	-	58
36.	Dha	-	132	-	132	-	37	-	37	-	-	-	-	-	37	-	37
37.	Darkhon	-	377	-	377	-	70	-	70	-	-	-	-	-	70	-	70
38.	Hanu Yokma	-	188	-	188	-	53	-	53	-	-	-	-	-	53	-	53
39.	Rumtse	-	124	-	124	-	37	-	37	-	-	-	-	-	37	-	37
40.	Gya	-	317	-	317	-	75	-	75	-	-	-	-	-	75	-	75
41.	Meru	-	193	-	193	-	38	-	38	-	-	-	-	-	38	-	38
	Total	**-**	**3986**	**-**	**3986**	**-**	**1341**	**-**	**1341**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1341**	**-**	**1341**
	Grand Total	**5818**	**65670**	**7111**	**78599**	**1173**	**15740**	**2471**	**19384**	**118**	**2680**	**212**	**3010**	**1291**	**18420**	**2683**	**22394**

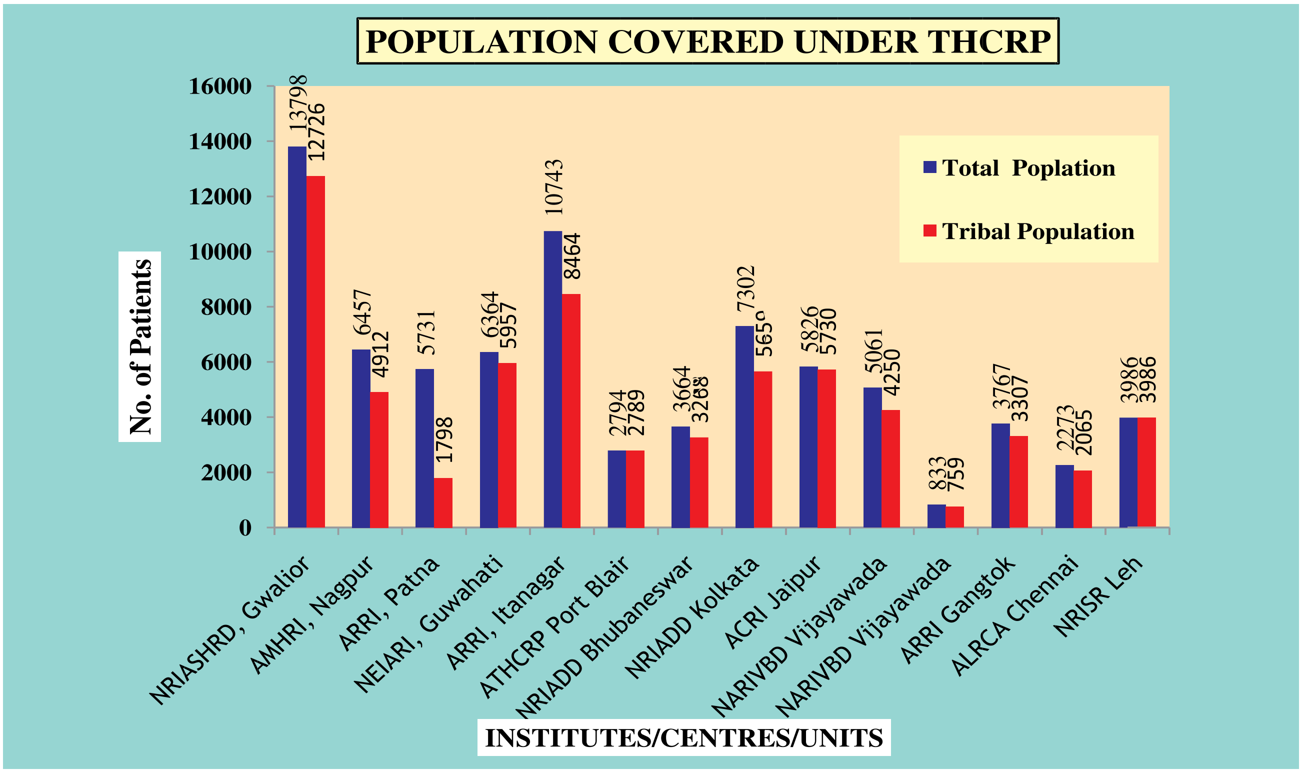
POPULATION COVERED UNDER THCRP
No. of Patients
16000
14000
12000
10000
8000
6000
4000
2000
0
Total Poplation
Tribal Population
13798
12726
6457
4912
5731
1798
6364
5957
10743
8464
2794
2789
3664
3288
7302
5650
5826
5730
5061
4250
833
759
3767
3307
2273
2065
3986
3986
NRIASHRD, Gwalior
AMHRI, Nagpur
ARRI, Patna
NEIARI, Guwahati
ARRI, Itanagar
ATHCRP Port Blair
NRIADD Bhubaneswar
NRIADD Kolkata
ACRI Jaipur
NARIVBD Vijayawada
NARIVBD Vijayawada
ARRI Gangtok
ALRCA Chennai
NRISR Leh
INSTITUTES/CENTRES/UNITS

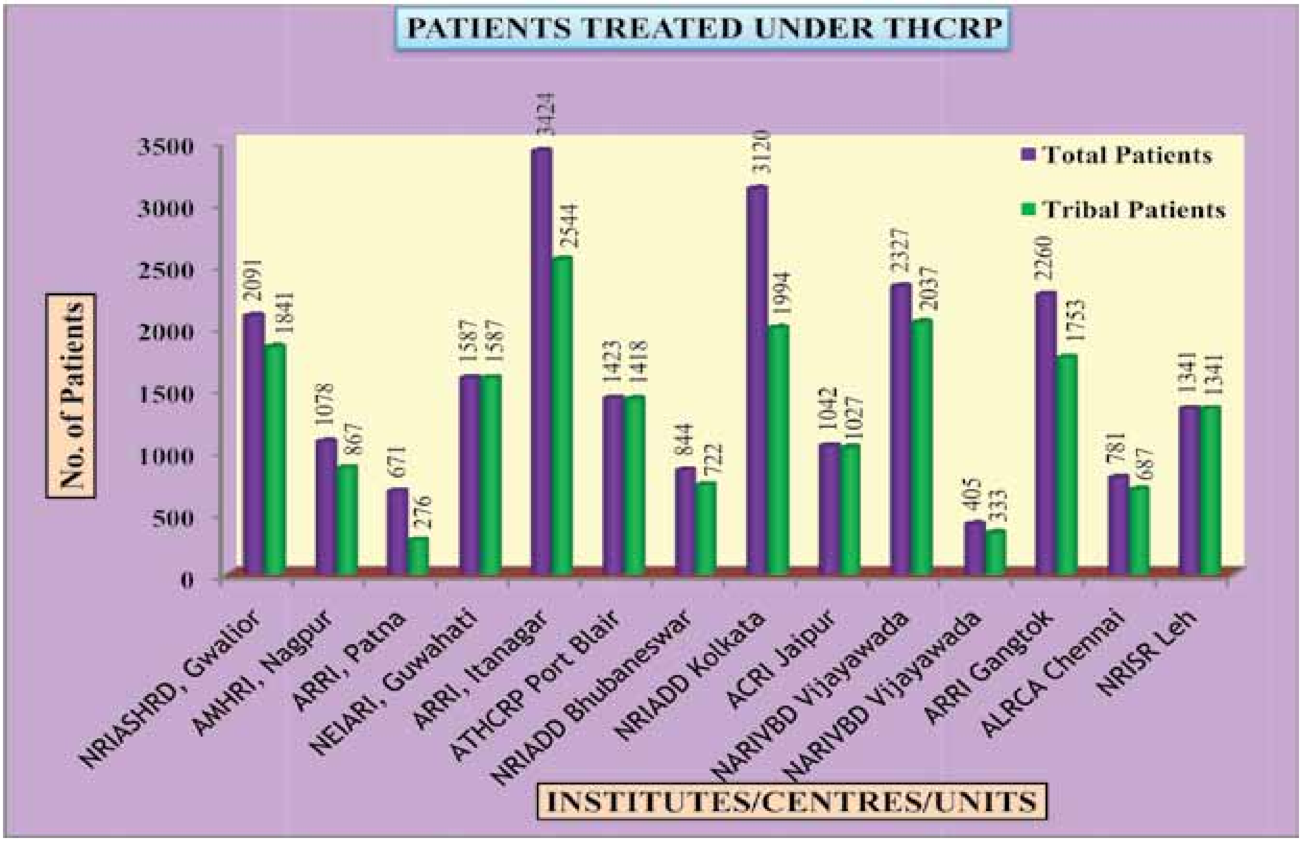
PATIENTS TREATED UNDER THCRP
No. of Patients
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
Total Patients
Tribal Patients
2091
1841
1078
867
671
276
1587
1587
3424
2544
1423
1418
844
722
3120
1994
1042
1027
2327
2037
405
333
2260
1753
781
687
1341
1341
NRIASHRD, Gwalior
AMHRI, Nagpur
ARRI, Patna
NEIARI, Guwahati
ARRI, Itanagar
ATHCRP Port Blair
NRIADD Bhubaneswar
NRIADD Kolkata
ACRI Jaipur
NARIVBD Vijayawada
NARIVBD Vijayawada
ARRI Gangtok
ALRCA Chennai
NRISR Leh
INSTITUTES/CENTRES/UNITS

Table – 50 : prevalent diseases under THCRP

S. No.	Name of Institute	Prevalent Diseases
1.	NRIASHRD, Gwalior	Kasa, Jwara, Twaka Roga, Vata Vyadhi, Udara Shula, Swasa, Prathishyaya, Katishula, Sirah Shula, Sandhi Shula
2.	AMHRI, Nagpur	Sandhivata, Katishula, Amavata, Kasa, Pandu, Daurbalya, Twaka Roga, Pratishyaya, Swasa, Sirah Shula
3.	ARRI, Patna	Udara Shula, Jwara, Katishula, Kasa, Sandhi Shula, Twaka Roga, Kandu, Vata Vyadhi, Amlapitta, Pratishyaya, Swasa
4.	NEIARI, Guwahati	Vatvyadhi, Amlapitta, Katishula, Twaka Roga, Kasa, Jwara, Sandhivata, Sirah Shula, Udara Shula, Rajadosha
5.	ARRI, Itanagar	Vata vyadi, Jwara, Daurbalya, Katishula, Kasa, Amlapitta, Twaka Roga, Sandhivata, Sandhi Shula, Udara Shula
6.	ATHCRP, Port blair	Sandhivata, Kasa, Katishula, Twaka Roga, Raktachapa, Amlapitta, Jwara, Swasa, Pratishyaya, Pandu
7.	NRIADD, Bhubaneswar	Sandhivata, Pandu, Amlapitta, Pratishyaya, Jwara, Sweta pradara, Udara Shula, Katishula, Kasa, Vata Vyadhi
8.	NRIADD, Kolkata	Vata Vyadhi, Sandhivata, Twaka Roga, Amlapitta, Swasa, Udara Shula, Krimi, Grahanidosa, Daurbalya, Kasa, Katishula, Sirah Shula, Prameha
9.	ACRI, Jaipur	Kasa, Sandhi Shula, Udara Shula, Daurbalya, Twaka Roga, Pratishyaya, Jwara, Vata vyadi, Pradara, Sirah Shula
10.	NARIVBD, Vijayawada	Katishula, Sandhi Shula, Sandhi vata, Vata Vyadhi, Jwara Udara Shula, Sirah Shula, Pratishyaya, Twaka Roga, Kasa, Daurbalya, Swasa, Sweta pradara, Madhumeha
11.	NADRI, Bangalore	Kasa, Sandhi vata, Sandhi Shula, Daurbalya, Twaka Roga, Vata Vyadhi, Vrana, Katishula, Pandu, Amla Pitta
12.	ARRI, Gangtok	Amlapitta, Kasa, Sandhi Vata, Vata Vyadhi, Twaka Roga, Amavata, Sirah Shula, Katishula, Netra Roga, Sandhi shula
13.	ALRCA, Chennai	Vata Vyadhi, Amlapitta, Daurbalya, Sandhi Vata, Pratisyaya, Jwara, Katishula, Twaka Roga, Kasa, Swasa
14.	NRISR, Leh	Arthritis, Stomach diseases, Kidney disorder, Neuritis & Periphrl Neuritis, Peptic Ulcer, Hypertension, Headache, Petta,Vata and Common cold and flu

7.2 Health care services through Out–Patient Department (OPD) and In-Patient Departments (IPDs)

Research oriented health care services have been provided through Out-Patient Departments (OPDs) and In-Patient Departments (IPDs) at 26 peripheral institutes and co-located units of the Council. 5,29,572 patients were benefited during the reporting period (Table- 51).

Table - 51: Details on beneficiaries in OPD & IPD at CCRAS Institutes

S. No.	Name of Institute/ Centres/Unit	OPD Patients							IPD Patients				Bed Occu-pancy %
		New		Follow-up		Total		Grand Total	Admitted		Discharged		
		M	F	M	F	M	F		M	F	M	F	
1.	ACRI, New Delhi	11487	9143	13386	12428	24873	21571	46444	235	251	240	256	59.46
2.	NRIP, Cheruthuruthy	6753	9892	16333	27037	23086	36929	60015	458	340	464	343	87.57
3.	NRIADD, Bhubaneswar	4317	3790	4722	4904	9039	8694	17733	142	168	142	172	38.7
4.	NRIADD, Kolkata	5070	4186	13062	13351	18132	17537	35669	42	108	32	111	69.81
5.	NIAPR, Patiala	3308	3110	6337	6262	9645	9372	19017	IPD not functioning				
6.	NVARI & H, Lucknow	3704	2604	6695	5499	10399	8103	18502	IPD not Functioning				
7.	ACRI, Mumbai	2591	2859	8216	9046	10807	11905	22712	235	248	231	243	58.00
8.	ACRI, Jaipur	9133	6055	8849	6480	17982	12535	30517	37	17	36	16	17.69
9.	NRIASHRD, Gwalior	9316	8001	6933	6934	16249	14935	31184	69	38	69	38	7.23
10.	NARIVBD, Vijayawada	4735	5605	8924	11628	13659	17233	30892	54	62	56	65	62.18
11.	AMHRI, Nagpur	2488	3944	6152	10497	8640	14441	23081	105	114	107	111	68.99
12.	NADRI, Bangalore	1645	1342	5049	4554	6694	5896	12590	IPD not available				
13.	ARIMCHC, Trivandrum	1725	3992	4472	12237	6197	16229	22426	IPD not available				
14.	ARRI, Patna	5124	5353	6471	6711	11595	12064	23659	IPD not Functioning				

S. No.	Name of Institute/ Centres/Unit	OPD Patients							IPD Patients				Bed Occu-pancy %
		New		Follow-up		Total		Grand Total	Admitted		Discharged		
		M	F	M	F	M	F		M	F	M	F	
15.	ARRI, Guwahati	3618	4095	3421	4998	7039	9093	16132	IPD not available				
16.	ARRI, Gangtok	2442	2528	4049	4547	6491	7075	13566	IPD not Functioning				
17.	ARRI, Itanagar	1920	2177	1720	2133	3640	4310	7950	IPD not Functioning				
18.	ARRI, Jammu	5193	4886	5808	5434	11001	10320	21321	83	163	83	162	47.83
19.	ARRI, Mandi	4950	7463	3357	6590	8307	14053	22360	IPD not Functioning				
20.	ACDRI, Ahmedabad	1480	1129	1790	1677	3270	2806	6076	IPD not available				
21.	ACAMH & NS, Bangalore	2647	2090	2260	1870	4907	3960	8867	161	96	158	90	28.4
22.	ALRCA, Chennai	326	497	729	1118	1055	1615	2670	IPD not available				
23.	ACK, Safdarjung ND	7480	4399	7926	4823	15406	9222	24628	IPD not available				
24.	ATC, Lady Harding ND	3101	2733	2376	2041	5477	4774	10251	IPD not available				
25.	ATHCRP, Port Blair	521	438	135	128	656	566	1222	IPD not available				
26.	HARC, Nagaland	37	26	18	7	55	33	88	IPD not available				
Total		**105111**	**102337**	**149190**	**172934**	**254301**	**275271**	**529572**	**1621**	**1605**	**1618**	**1607**	**49.65%***

*Average Bed Occupancy

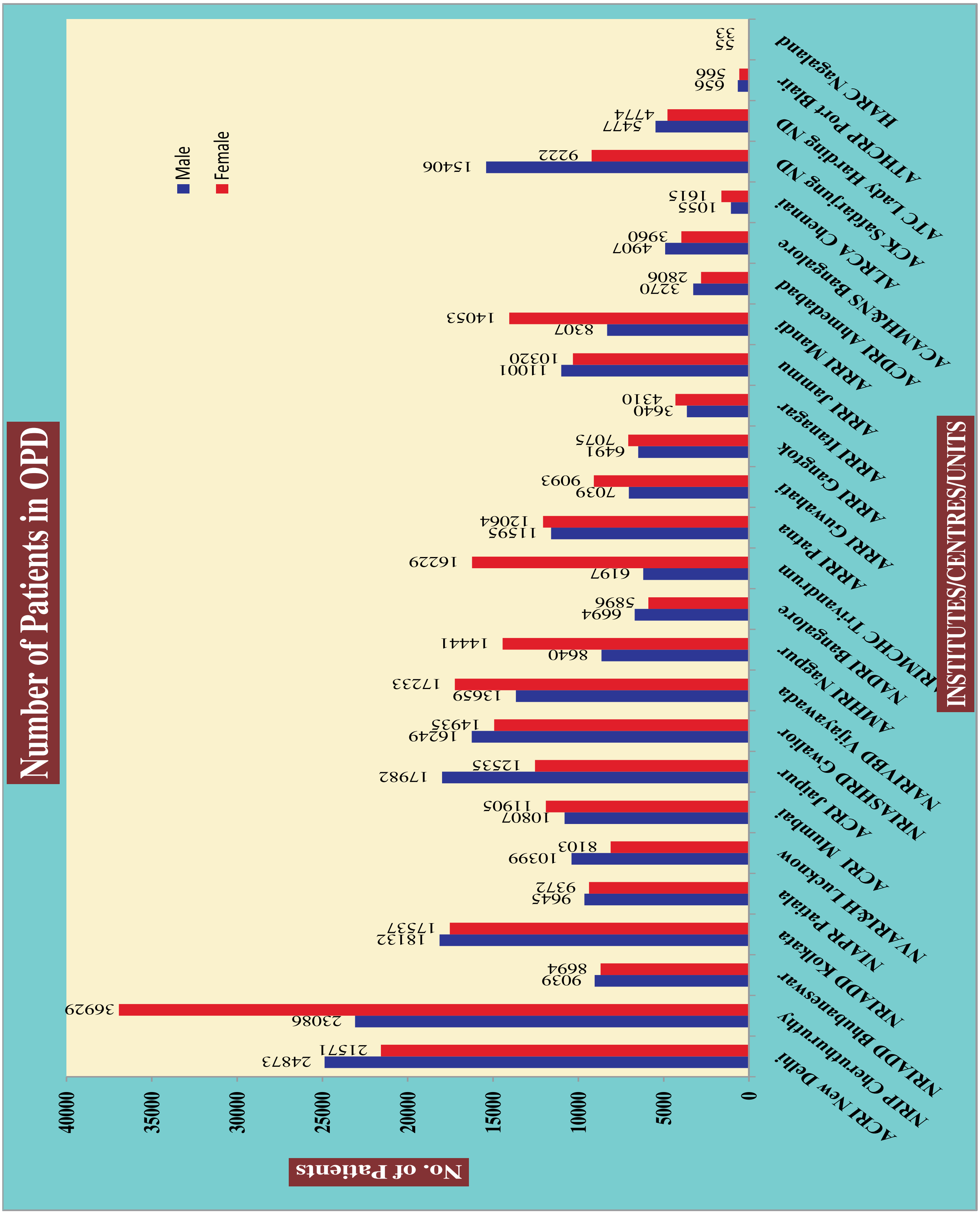
Number of Patients in OPD
No. of Patients
INSTITUTES/CENTRES/UNITS
Male
Female
0
5000
10000
15000
20000
25000
30000
35000
40000
ACRI New Delhi
24873
21571
NRIP Cheruthuruthy
23086
36929
NRIADD Bhubaneswar
9039
8694
NRIADD Kolkata
18132
17537
NIAPR Patiala
9645
9372
NVARIH&R Lucknow
10399
8103
ACRI Mumbai
10807
11905
ACRI Jaipur
17982
12535
NRIASHRD Gwalior
16249
14935
NARIVBD Vijaywada
13659
17233
AMHRI Nagpur
8640
14441
NADRI Bangalore
6694
5896
RIMCHC Trivandrum
6197
16229
ARRI Patna
11595
12064
ARRI Guwahati
7039
9093
ARRI Gangtok
6491
7075
ARRI Itanagar
3640
4310
ARRI Jammu
11001
10320
ARRI Mandi
8307
14053
ACDRI Ahmedabad
3270
2806
ACAMH&NS Bangalore
4907
3960
ALRCA Chennai
1055
1615
ACK Safdarjung ND
15406
9222
ATC Lady Harding ND
5477
4774
ATHCRP Port Blair
656
566
HARC Nagaland
55
33

7.3 Special clinics for Geriatric Health care

The Council has initiated promotion of special Ayurveda services for Geriatric health through special clinics for Geriatric health care at 23 CCRAS peripheral institutes. 96,775 patients have been benefited during the reporting period (Table-52).

Table - 52: Details on beneficiaries in special Geriatric clinics

S. No.	Name of Institutes/Centre	Geriatric OPD Patients				Total		Grand Total
		New		Follow-up				
		M	F	M	F	M	F	
1.	ACRI, New Delhi	319	206	656	332	975	538	1513
2.	NRIP, Cheruthuruthy	2451	2837	8098	8665	10549	11502	22051
3.	NRIADD, Bhubaneswar	1508	847	2373	1319	3881	2166	6047
4.	NRIADD, Kolkata	1423	775	4773	2962	6196	3737	9933
5.	NIAPR, Patiala	720	410	1808	793	2528	1203	3731
6.	NVARI, Lucknow	91	51	212	135	303	186	489
7.	ACRI, Mumbai	114	90	299	228	413	318	731
8.	ACRI, Jaipur	626	221	1048	291	1674	512	2186
9.	NRIASHRD, Gwalior	3563	2116	3515	2113	7078	4229	11307
10.	NARIVBD, Vijayawada	230	121	780	550	1010	671	1681
11.	AMHRI, Nagpur	1124	1208	4336	4269	5460	5477	10937
12.	NADRI, Bangalore	426	289	2044	1552	2470	1841	4311
13.	ARIMCHC, Trivandrum	252	538	1334	2152	1586	2690	4276
14.	ARRI, Patna	476	378	785	516	1261	894	2155
15.	NEARI, Guwahati	61	33	134	70	195	103	298
16.	ARRI, Gangtok	235	195	584	527	819	722	1541
17.	ARRI, Itanagar	25	19	41	34	66	53	119
18.	ARRI, Jammu	291	192	472	286	763	478	1241
19.	ARRI, Mandi	1323	1494	1428	1930	2751	3424	6175
20.	ACDRI, Ahmedabad	768	389	1537	652	2305	1041	3346
21.	ACAMH&NS, Bangalore	405	301	440	340	845	641	1486
22.	ALARCA, Chennai	16	61	217	809	233	870	1103
23.	ATHCRP, Port Blair	43	35	27	13	70	48	118
Total		**16490**	**12806**	**36941**	**30538**	**53431**	**43344**	**96775**

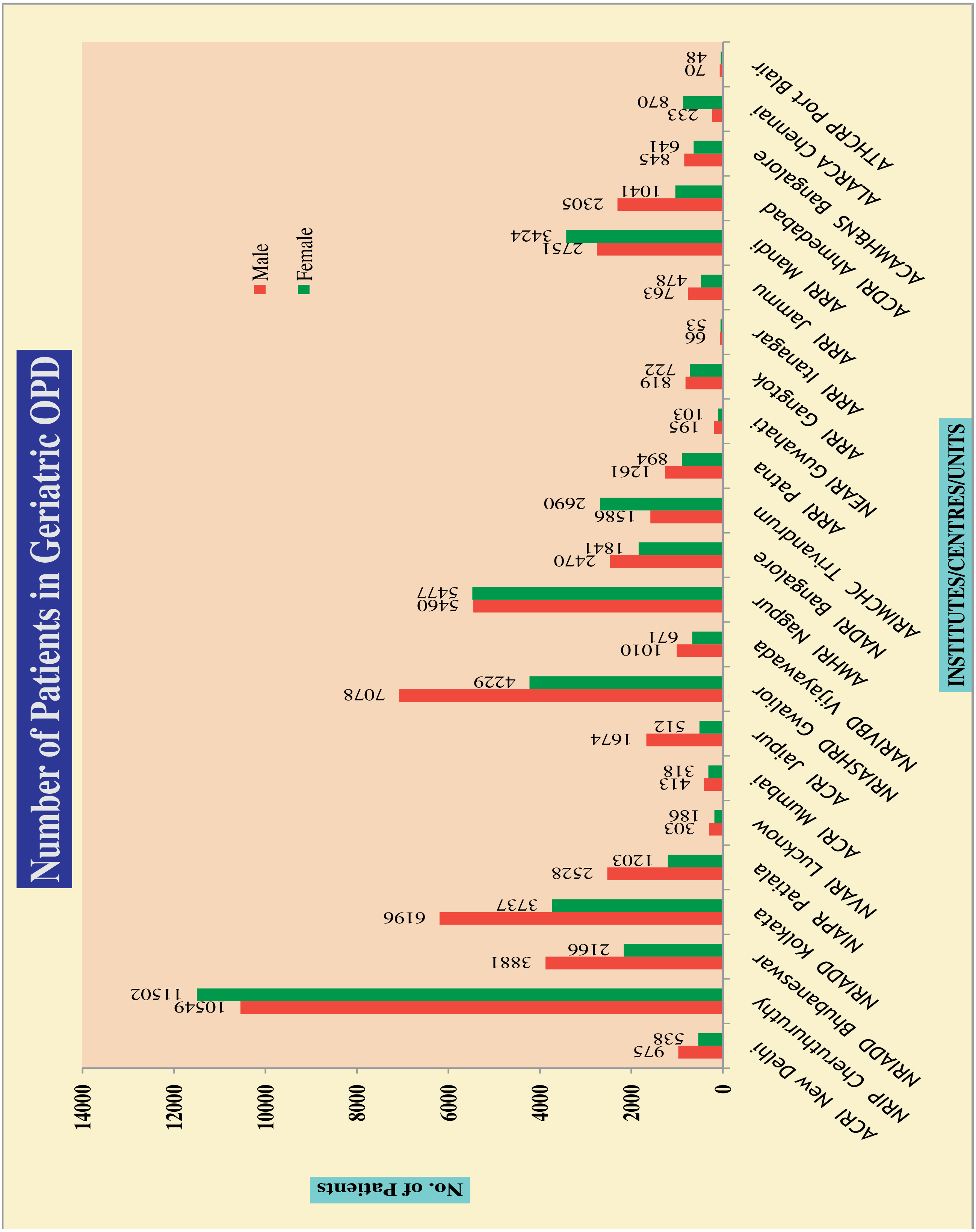
Number of Patients in Geriatric OPD
Male
Female
No. of Patients
INSTITUTES/CENTRES/UNITS
0
2000
4000
6000
8000
10000
12000
14000
ACRI New Delhi 975 538
NRIP Cheruthuruthy 10549 11502
NRIADD Bhubaneswar 3881 2166
NRIADD Kolkata 6196 3737
NIAPP Patiala 2528 1203
NVARI Lucknow 303 186
ACRI Mumbai 413 318
ACRI Jaipur 1674 512
NRIASHRD Gwalior 7078 4229
NARIVBD Vijayawada 1010 671
AMHRI Nagpur 5460 5477
NADRI Bangalore 2470 1841
ARIMCHC Trivandrum 1586 2690
ARRI Patna 1261 894
NEARI Guwahati 195 103
ARRI Gangtok 819 722
ARRI Itanagar 66 53
ARRI Jammu 763 478
ARRI Mandi 2751 3424
ACDRI Ahmedabad 2305 1041
ACAMH&NS Bangalore 845 641
ALARCA Chennai 233 870
ATHCRP Port Blair 70 48

7.4 Musk Deer Research Project:

The Council is maintaining a Musk Deer Research Centre at Mehroori, Distt.-Bageshwer under Regional Research Institute of Himalayan Flora Tarikhet. The main objective of the centre is to observe the pattern of breeding, feeding habit and behaviour of musk Deer.

Till the end of reporting year 2014-2015 total musk deer population was 15 (7 male and 8 female). Data related to life cycle of musk deer in captivity including their feeding habits behavioral pattern, diseases and their remedial measure were gathered.

Male Musk Deer at Mehroori Farm

IV. Sowa - Rigpa

Introduction

The National Research Institute for Sowa-Rigpa Leh was established in 1976 under the Central Council for Research in Ayurvedic Science, Ministry of AYUSH, Govt of India. It is the only centre for Sowa-Rigpa under Ministry of AYUSH, Govt of India. This centre has been working with dedication for research and development of Sowa-Rigpa system of medicine since its establishment. At present the Institute has two building, herbal garden project on 10 hectors of land and six permanent staff working in the Institute. Some major activity undertaken and achievement of the Institute during the reporting year 2014-15 is as under.

❖ Project for Survey, Cataloging, digitalized inventory of Sowa Rigpa manuscript:

During the reporting year, Descriptive Catalogue of Sowa-Rigpa Manuscripts, Volume 4th containing 150 manuscripts has been completed. Under the translation programme, comparative studies of Astanga Hridaya Nidana Sthana 16th Chapters and Chikitsa Sthana 6th Chapters has been completed. 3 Manuscripts have also been digitalized.

❖ Project report on 'Revitalization of Local Heath Tradition to secure sustainable development in Leh, Khaltsi and Saspol blocks of Leh District and report on 'Revitalization of Local Heath Tradition to secure sustainable development in Nubra, Durbuk and Nyoma blocks of Leh District:

This project for revitalization of Local Health Tradition Sowa-Rigpa is funded by AYUSH under the Revitalization of Local Health Tradition Scheme. The main aim of this project is to improve the public health security in the remote area of Ladakh by strengthening the local health practices "Sowa-Rigpa". The two projects for 'Revitalization of LHT' in six blocks has been clubbed together to effectively execute and monitor the projects. After receipt of 3rd installment, 32 Amchis are continuously supported to formalize their rural Sowa-Rigpa Clinics. Under this project a hand book on 'Sowa-Rigpa medicine plants' contains 150 plants is documented and ready for publish. Both the projects had proving good impact for sustainability of Amchi medicine and public health in Ladakh. The project team got good response from public, Amchis and Nambardar of the villages.

❖ Compilation and Documentation of Classical Sowa-Rigpa Formulation:

This Institute is also working on Compilation and Documentation of Classical Sowa-Rigpa Formulation under the Intra Mural Resaerch scheme of CCRAS, during the reporting year we documented 300 Formulation from Subsequent *Tantra* of the Four *Tantra*. We are under process to publish the formulation book.

❖ Pictorial guide to commonly use Medicinal Plants of Sowa Rigpa and Ayurveda:

Sowa-Rigpa and Ayurveda are having many similarities. Sowa-Rigpa is well dominated in Himalayan region. In this region is one of the rich biological hotspot. Many important Medicinal Plants grow in region. The main object of this project is to shoot medicinal plants and crude drugs photos commonly used in Sowa-Rigpa and Ayurveda in its natural habitat and to compile a data on Medicinal Plants of Himalayan region in form of a pictorial guide. During the reporting year surveyed selected areas of Ladakh region and Himachal Pradesh. These areas are the treasure house of large diversity of Medicinal Plants. The photographs of more than 200 Medicinal Plants have been collected.

❖ Trans-Himalayan Medicinal Plants garden project:

The project for establishment of Trans-Himalayan Medicinal Plants garden in Leh at an altitude of 11000 feet has been initiated by this Institute for conservation and cultivation of rare, endangered and commercially important plants of trans-Himalayas. During the reporting year, 20 Medicinal Plants have been cultivated and five new Medicinal Plants are introduced. 50 kgs raw drugs of *Inula* from garden have been collected. Due to the financial problem we could not develop the land for further progress.

❖ Three days National Workshop on Cultivation and Conservation of Cold desert Medicinal Plants:

Three days National Workshop on Cultivation and conservation of Cold Desert Medicinal Plants was organized from 15th to 17th may 2014 at NRISR, Leh which was funded by National Workshop Medicinal Plants Board, New Delhi. The National Workshop was graced by the presence of Shri. Rigzin Spalbar Hon'ble Chief Executive Councillor as Chief Guest, while Shri. Sonam Dorjay, Hon'ble Executive Councillor for Agriculture, Dr. Sonam Wangchuk, Hon'ble Executive Councillor for Health LAHDC Leh and Mr Jitinder Sharma, CEO, NMPB, New Delhi was the Guest of honor. Many experts, Amchis, Scientists from different research Institute participated activity in the deliberation of the National Workshop. The main aim of the Workshop of cold desert of Medicinal Plants was based on four major themes.

I) Status and overview of cold desert of Medicinal Plants.

II) *In-situ* conservation of high altitude Himalayan Medicinal Plants.

III) Cultivation of high altitude Himalayan Medicinal Plants.

IV) Sustainable use of Himalayan Medicinal Plants.

❖ Out Patient Department:

The National Research Institute for Sowa-Rigpa has been running a Sowa-Rigpa OPD clinic for the public free of cost. During the reporting year, total 4293patients had attended the OPD of this Institute and undergone Sowa-Rigpa treatment.

❖ Tribal Health Care Research Project (covering Jammu & Kashmir State) under Tribal Sub Plan (TSP)

This project has been allotted to this Institute in September 2014 and the project was started from October 2014. The health survey and Tribal Health Care programme was undertaken in two district of Jammu & Kashmir, Leh and Kargil district. During the reporting year, a total population of 3986 belongs to Boto, Balti, Changpa, Drokpa, Tribes of 41 villages were covered and free medicine was provided to 1341 patients. Important data regarding demography population health status Socio Economic and educational status etc. were collected during the survey.

V. INFORMATION, EDUCATION AND COMMUNICATION

1. Seminar/Workshop/Conference

- Council has organized a "Brainstorming session on assessment of Prakriti based on Ayurvedic Principles" on 7th August, 2014 at CCRAS Hqrs., New Delhi. Experts from Department of AYUSH, CSIR, ICMR and Scientists of CCRAS peripheral Institutes & Hqrs. participated in this event.

- Council has organized a "Brainstorming session on Generation of Scientific Evidence for Classical Ayurvedic Drugs/Therapies'" on 26th August, 2014 at CCRAS Hqrs., New Delhi. Experts from Ministry of AYUSH, Ayurveda Practitioners, Pharmaceutical Sector and Scientists of CCRAS peripheral Institutes & Hqrs. participated in this event.

- Council has organized a "National Seminar on Panchagavya Chikitsa" on 28th – 29th August, 2014 at CCRAS Hqrs., New Delhi. The main objective of the seminar was to provide a common platform to share the experiences of the experts on the therapeutic use of Panchagavya, so that the evidence based practices may be taken forward for further evaluation and propagation for the purpose of clinical use. The inaugural function was graced by Shri Bala Prasad, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, New Delhi as Guest of Honour and Dr.Vallabhbhai Kathiria, Former Union Minister of State, Health & Family Welfare & Chairman, Gujarat State Gauseva Ayog as Chief Guest. Scientists of various disciplines from CCRAS and Scientists from other organization Viz. CSIR, ICMR, ICAR, IIT Delhi, GAU Jamnagar, practitioners, agriculturists, representatives from Gaushala and entrepreneurs were participated in this event.

- Symposium on 'AYUSH for Cancer Care': In pursuance to the Directives of Ministry of AYUSH, Govt. of India, a half day symposium on AYUSH for Cancer Care was organized on 4th February, 2015 at India Islamic Cultural Centre, New Delhi on the eve of World Cancer Day, coordinated by Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, New Delhi. The symposium was inaugurated by Sh. Shripad Yesso Naik, Hon'ble Mos (IC), Ministry of AYUSH, Govt. of India. Sh. Nilanjal Sanyal Secretary, Ministry of AYUSH, Sh. Anil Kumar Ganeriwala, Joint Secretary, Ministry of AYUSH addressed in the inaugural session. The prime objective of this half day symposium comprises disseminating the merits of AYUSH systems and research outcomes in the prevention and management of Cancer among academicians, researchers and physicians, AYUSH pharmaceutical industry, policy markers, regulatory bodies such as CCIM, CCH and other business promoting stake holder such as FICCI, Assocham, CII etc. The Symposium was attended by about 200 participants including the resource persons from different parts of the country, officials from Ministry of AYUSH, research councils, ASU&H colleges, Hospitals from government and private sector, CCIM, CCH etc.

A view of inaugural function of the symposium

- Ayurveda Regional Research Institute, Itanagar has organized two days national Workshops on Traditional Healing Practices in North East India during 2nd–3rd December, 2014 at Ziro, the district Headquarter of Lower Subansiri in Arunachal Pradesh. Traditional healers, Ayurveda and Medicinal Plants experts were participated in this workshop. Various presentation made by researchers on different aspects of traditional practices in the management of ailments were discussed in the presence of traditional healers rendering services towards health management in their areas by the use of locally available or cultivated plants.
- Ayurveda Regional Research Institute, Itanagar has organized and successfully conducted an Interactive Seminar on Ayurveda and Medicinal Plants on 30th March, 2015. The Officers of CCRAS peripheral Institutes and Hqrs. were participated in this workshop. The discussion was held on Ayurveda and Medicinal Plats in various technical session. The Seminar was inaugurated by Smt. Indra Mallo, IAS, the Secretary, Health and Family Welfare, Government of Arunachal Pradesh.

The seminar was participated by Dr. B.V.S. Murty, Joint Director, AYUSH, Government of Arunachal Pradesh, Dr. Dusu Laji, Deputy Director, AYUSH, Dr. Inya Lingu, Nodal Officer, Ayurveda, Government of Arunachal Pradesh, Ayurvedic Medical officers from different Primary and Community Health Centers and State Hospital in the Government of Arunachal Pradesh, the technical staffs and Research Fellows in the disciplines of Ayurveda and Botany of Regional Research Institute Itanagar.

During Technical Session the deliberations by Dr. C.V. Chaubey Sr. Research Fellow (Ayurveda) on Tribal Health Care Research projects achievents, Dr. Dusu Shra Tabyo, SRF (Ayurveda) on highlights of Geriatric Management of treatments, Dr. Ree Gara, SRF (Ayurveda) on Management of Flu- Like Illness in Ayurvedic System of Medicine. Not only this the Technical staffs Shri S.K. Sudhanshu (Pharmacist) andShri Mrinal Das (Lab. Technician) has also highlighted the role of Pharmacy and Laboratory in the Institute with details of medicine preparations and Laboratory tests.

2. Particpation in Seminar, Workshops, Conferences, Symposia etc.

Table - 53: Details of participation in Seminars/Conferences/Symposia

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
1.	Giri S.K.	A Beam of light on traditional healing practices in North East India	National Workshop on Traditional Healing Practices in North East India	Ayurveda Regional Research Institute, New Itanagar at Ziro, Arunachal Pradesh	2nd -3rd Dec., 2014
2.	Shubhashree	A comparative Physicochemical and Pharmacognostical evaluation of Nishamalaki- An Ayurvedic antidiabetic formulation	Madhumeha Jignasa " A National Seminar on Madhumeha / Diabetes – an overall approach	Sri Sri College of Ayurvedic Science & Research Hospital, Bangalore	7th Dec., 2014
3.	Mangal A. K.	Adulteration Detection in Agricultural products of plant origin with Special reference to Spices	International Conference on Technological Intervention in Agricultural Science for Enhanced Productivity, Nutritional Quality and Value Addition (TIAS-2014)	HI-TECH Horticulture Society, Meerut (U.P), at Central Institute of Horticulture, Medziphema, Dhimapur, Nagaland	17th-19th Feb., 2015
4.	Mangal A.	An useful Ayurvedic Medicine for forthcoming practitioner – A practical approach	Ayurveda Vidhayrathi Vyaktitva Vikas Symposia	Vishwa Ayurveda Parishad at Vivekanand Needam, Gwalior	23rd to 27th June, 2014
5.	Srikanth N.	Assessment and Ayurveda Advocacy for Health Promotion	Ayurveda workshop during 31st International Festival 'Sarajevo Winter 2015-Infenity '	International Peace Centre, International Society for performing Arts and Embassy of India, Bosnia and Herzegovina at Sarajevo	13th - 15th March, 2015.
6.	Deep V.C.	Assessment of Prakriti	CME by AMAI	AMAI Thrissur at BINI Tourist Home, Thrissur	22.02.2015
7.	Sandd R.	Ayurveda and Biodiversity	Effect of water quality on medicinal plants and health	University of Centre of Excellence in Research (UCER) at BFUHS, Faridkot	30th May, 2014
8.	Srikanth N.	Ayurveda Based Therapeutic Principles and Approaches	Training Programme for Indonesian Delegates	CCRAS, Janakpuri, New Delhi	1st April, 2014

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
9.	Srikanth N.	Ayurveda –The Science and Art of Life - Ayurveda based Preventive, Therapeutic Principles and Approaches & Lifestyle Advocacy'	Ayurveda workshop at 31st International Festival 'Sarajevo Winter 2015-Infenity '	International Peace Centre, International Society for performing Arts and Embassy of India, Bosnia and Herzegovina at Sarajevo	13th-15th March, 2015
10.	Shiddamallayya	Biodiversity of Ayurvedic Cosmetic Plants of Bangalore Urban	National Seminar on Management of Urban Biodiversity: Issues, Challenges & Solutions	Christ College Bangalore	01-02.9.2014
11.	Jadhav A.D.	CCRAS – An overview	Ayurveda Vidhayrathi Vyaktitva Vikas Symposia	Vishwa Ayurveda Parishad at Vivekanand Needam, Gwalior	23rd to 27th June, 2014
12.	Singh H.	Clinical evaluation of the hepatoprotective of katuki (Picrorhiza kurroa Royle ex Benth.) processed in Guduchi (Tinospora cordifolia wild.) Miersin patients receiving lipid lowering drugs (Statins)	National conference advances in Ayurveda Health Care challenges in 21st Century	Rajiv Gandhi Govt. Post Graduate Ayurvedic College, Paprola, Kangra (H.P.)	12th to 13th September, 2014
13.	Radhakrisnan P.	Clinical experience based on Chikitsa Manjari	CME by AMAI	AMAI Manjeri Area at Nilamboor	14.03.2015
14.	Radhakrisnan P.	Clinical Experince based on Chikitsa Manjari	Workshop on How to become a successful Practitioner	AMAI Thrissur at Chiyyaram	9.11.2014
15.	Sahoo D.	Clinical utility of Pharmaceuticals in Sarangadhara Samhita	All India Yoga Ayurveda Seminar 2014 on Sarngadhara Samhita and its contribution to Ayurveda	Academy of Yoga and Oriental studies, Bhubaneswar, Odisha	25th & 26th December, 2014
16.	Sharma S.	Comparative study on the efficacy of laghumanjishthadi kwatha & karviradi taila in the management of Psoriasis an autoimmune disease	National Seminar on Autoimmune Disorders	Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth, Ministry of AYUSH	30th – 31st March, 2015

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
17.	Srikanth N.	Concept of Auto Immune Disorders and Management	Ayurvedic Scientific Seminar on Autoimmune Diseases-Ayurvedic Management	Rastreeya Ayurveda Vidyapeeth(RAV), Ministry of AYUSH, Government of India held on	30th -31st March 2015.
18.	Shankar R.	Conservation and cultivation of medicinal plants of North East India	National Workshop on Desert Medicinal Plants	NRI Sowa Rigpa, Leh	17-19 May, 2014
19.	Mangal A. K.	Conservation of Medicinal Plants with special focus on in-vitro Techniques	National Workshop on Cultivation and Conservation of Cold Desert Medicinal Plants	National Institute for Sowa Rigpa, Leh, organized by National Institute for Sowa Rigpa, Leh & funded by National Medicinal Plants Board, New Delhi	15th to 17th May, 2014
20.	Tiwari R.K.	Conservation, cultivation and improvement & management of Medicinal plants	International Conference on "Medicinal Plants: Resource for Affordable New Generation Healthcare "	CSIR-CIMAP, Lucknow at: Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow.	20th – 23rd March, 2015
21.	Meher S.K.	Contribution of Sarngadhar in the field of Dravyaguna	All India Yoga Ayurveda Seminar 2014 on Sarngadhara Samhita and its contribution to Ayurveda	Academy of Yoga and Oriental studies, Bhubaneswar, Odisha	26th December, 2014
22.	Panda P.	Contribution of Sarngadhar in the field of Rasa Sastra	All India Yoga Ayurveda Seminar 2014 on Sarngadhara Samhita and its contribution to Ayurveda	Academy of Yoga and Oriental studies, Bhubaneswar, Odisha	25th & 26th December, 2014
23.	Bora D.,	Corroboration of Folk-claims on Antifertility and Contraceptive Medicinal plants of North east India	International Conference on Harnessing the sub-Himalayan Plant Diversity for Human Welfare	Dibrugarh University, Dibrugarh, Assam	11-13 March 2015
24.	Sannd R.	Differential diagnosis of Ano-rectal Diseases	CME on Shalya Tantra	Dr.G.D.Pol Foundation's Y.M.T. Ayurvedic Medical College and Institute of PG studies Khargahar, Navi Mumbai	29th September, 2014

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
25.	Singh H.	Elicitation: A biotechnological technique to enhance bioproduction of phyto-pharmaceuticals	Potentials and Bottlenecks in Clinical Trials of Herbal Drugs	UCER, BFUHS Faridkot	March 24-25 2015
26.	Aruna Devi R.	Evaluation of Caesalpinia bonducella flower extract for anti-inflammatory activity and radiographic outcome in adjuvant induced arthritis and its HPTLC chemical fingerprinting	Conference on Medicinal Plants And Herbal Drugs For Human welfare(ICMP-2015)	Advanced Studies in Botany and Centre for Herbal Sciences, University of Madras Chennai	28th to 30th January 2015
27.	Sai Prasad A.J.V.	Evolution and Standardization of Ayurveda Formulation Vatajakasa (w.s.r. to Tropical Pulmonary Eosinophilia)	National Seminar on Ayurveda-Clinical Observations in Ayurvedic Practices'	S.J.S.Ayurveda College, Chennai	23.8.2014
28.	Doddamani S. H	Glycemic effect of honey on Non diabetic and diabetics-A comparative study	Madhumeha Jignasa " A National Seminar on Madhumeha / Diabetes – an overall approach	Sri Sri College of Ayurvedic Science & Research Hospital, Bangalore	07.12.2014
29.	Ilavarasan R.	Guest lecture Toxicity evaluation of ASU Drugs	Workshop on Modern Scientific Technology for Indian System of Medicine &Natural Products Development	AU-KBC Research Centre –MIT Campus, Chennai	17th to 21st June 2014
30.	Ilavarasan R.	Guest lecture Quality standards of Indian Medicinal plants in Indian System of Medicine	Conference On Recent Strategies In Herbal Research	Department of Pharmaceutical Technology, Anna University, BIT Campus, Tiruchirappalli	20th September 2014
31.	Ilavarasan R.	Guest lecture Quality standards of Indian Medicinal plants for ISM/Herbal Drug Industry	Seminar on Biotechnology-Challenges of the changing world (BCCCW 2015)	Jointly organized by the Post Graduate and Research Departments of Plant Biology & Plant Biotechnology, Zoology, Biochemistry and Applied Microbiology at Justice Basheer Ahmed Sayed College for Women, Chennai	4th & 5th February 2015

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
32.	Suryawanshi M.N.	Validation of Medicinal Plants and Traditional Medicine-Global Perspectives	Pre-Conference Workshop in 2nd International Congress of Society for Ethnopharmacology	Department of Pharmaceutical Sciences R.T.M. Nagpur University	20th Feb., 2015
33.	SekharNamburi U.R.	Ayurvedic aspect of Sarpavisha chikitsa	National Workshop on Sarpavisha Chikitsa on	Mahatma Gandhi Ayurveda College Hospital & Research Centre, Salod, Wardha	26th Sept., 2014
34.	Ahmad A.	Ibn Sina as a poet in Medicine	International Conference on Life & Contribution of Ibn Sînâ (Avicenna)	International Association for Unani Medicine & Ibn Sina Academy of Medieval Medicine & Sciences, Aligarh, U.P.	25th to 27th October 2014
35.	Mangal A. K.	Identification of Important Medicinal raw drugs with special reference to Mineral Crystals in Plants	National Seminar entitled "Relevance of Medicinal Plants in 21st Century	Department of Botany, Ramjas College, University of Delhi	11th Feb., 2015
36.	Bora M.	Important Medicinal plants used in veterinary Ayurveda	National Symposium on Animals in Research and Testing: A Cross-Talk between Relevance & Ethics & Annual Convention of Laboratory Animal Science Association of India (LASAI)",	CSIR-CDRI, Lucknow in collaboration with CPCSEA, MoEF, Govt. of India & Laboratory Animal Science Association of India (LASAI) at CDRI, Lucknow	13th – 14th March, 2015
37.	Shankar R.	Indigenous medicinal plants of North East region and its role in human health and prosperity	National Conference on Indigenous Wild edibles of North East India	Arunachal University of Studies, Namsai	28-29 January, 2015
38.	Shubhashree M.N.	Managament of Osteopororis-An Ayurvedic perspective	CME- "An update on Osteoporosis and its managements"	Rajarajeshwari Medical College & Hospital, Mysore road, Bangalore	25.04.2014
39.	Sannd R.	Mandate of Human Anatomy Dissection as per Ancient Ayurveda	CME cum update on History of Human Anatomy Dissection	Dept. of Anatomy, Guru Govind Singh Medical College, BFUHS, Faridkot	10th January, 2015

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
40.	Otta S.P.	Menstrual Hygiene-challenges and pre-cautions	Seminar on Woman Health Conference	Hindustan Life care Limited (HLL), Trivandrum, Kerala	23-05-14
41.	Das B.	Nadi Pariksha- A unique way of diagnosis by sharngadhara	All India Yoga Ayurveda Seminar 2014 on Sarngadhara Samhita and its contribution to Ayurveda	Academy of Yoga and Oriental studies, Bhubaneswar, Odisha	25th & 26th December, 2014
42.	Srinivasan M.	Novel mechanisms of chemoprevention by Aspirin	BIOSHAN-14 Recent trends in drugs and diseases	Shanmugha Industries Arts and Science Collge, Tiruvannamalai, Tamilnadu	20-10-14
43.	Srikanth N.	Nutraceuticals from Traditional Medicine Leads: A Reverse Innovation Approach	5th International Conference on Advances in Food Technology and Health Sciences	International Institute of Food and Nutritional Sciences (IIFANS), Jawaharlal Nehru University, New Delhi	15-16th October 2014
44.	Kishore Kumar R	Overview of Research Methodology	"Madhumeha Jignasa" A National Seminar on Madhumeha / Diabetes – an overall approach	Sri Sri College of Ayurvedic Science & Research Hospital, Bangalore	6 -7.12.2014
45.	Deshbhratar K.S.	Participated and presented paper (poster)	Traditional methods & processing techniques of herbal durgs in suitable pharmaceutical forms in the 2nd International congress of society for Ethno-pharmacology validation of Medicinal Plants and traditional medicine Global perspectives	Department of Pharmaceutical Sciences R.T.M. Nagpur University in Association with society for Ethno-pharmacology (SFE-INDIA)	20th to 22nd Feb. 2015
46.	Shantha T.R.	Pharmacopeias and formularies, popular publications and IT sources on medicinal plants	CME Programme on Dravyaguna.	JSS Ayurveda Medical college, Mysore.	06.06.2014
47.	Deep V.C.	Practice of Agnikarma	Workshop on Agnikarma	AMAI Chavakkad Area	22.03.2015

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
48.	Gupta H.K.	Technology Addiction among subject seeks Ayurvedic Treatment'	ANCIPS 2015	ANCIPS 2015	9-1-2015
49.	Srikanth N.	Rational and Challenges in Developing Good Clinical Practice Guidelines for Clinical Trials in Ayurveda, Siddha andUnani Medicine	8th International Traditional and Complementary Medicine (INTRACOM) Conference	Traditional and Complementary Medicine Division, Ministry of Health Malaysia, Blok-E, Jalan-Cenderasari,50590 Kaula Lumpur, Malaysia	30th October, 2014 to 2nd November, 2014
50.	Tiwari S.K.	Solution of Controversial topics of Ayurveda with special focus on mental disorder and it's management	Ayurvedic Holistic Health	All India Ayurveda Congress, Punjab University, Chandigarh.	12.03.2015 – 15.03.2015
51.	Narayana A.	Some Medical Manuscripts of Ibn Sina Extant in National Institute of Indian Medical Heritage	1. Conference on Life & contribution of Ibn Sina (Avicenna)	International Association for Unani Medicine & Ibn Sina Academy of Medieval Medicine & Sciences, Aligarh,UP	25 to 27th October, 2014
52.	Tiwari R.K.	Some of the commonly used ethno-medicinal wet land plants of Azamgarh district, Uttar Pradesh, India	National workshop on "Traditional Healing Practices in North-East India" at ziro, Arunanchal Pradesh organized by ARRI, Itanagar, Arunanchal Pradesh	ARRI, Itanagar, Arunanchal Pradesh at Ziro, Arunanchal Pradesh	2nd – 3rd Dec., 2014
53.	Mandal T.K.	Status of high Altitude Medicinal Plants of Sikkim- Scope of exploitation	Training Workshop for Youth Employment	Nehru Yuva Kalyan Kendra Sikkim State Branch	07.8.2014
54.	Saketh Ram T.	The Pattern and Construct of Ayurvedic History with Special Reference to South India	South Indian History Congress, 35th Meeting	Kakatiya University, Warangal, Telangana.	20th to 22nd February 2015

S. No.	Name of Participant	Title of Paper Presented	Name of conference/ seminar/ workshop/ symposia	Name of Organizer and Venue	Period (exact Date and year)
55.	Venkatesh-warlu B.	Therapeutic potentials of some lesser known Plant Exudates	Standardization and Quality Control of Herbal Raw Drugs	Department of Dravyaguna, Dr. B.R.K.R. Government Ayurvedic Medical College, Hyderabad.	26th March 2015
56.	Shiddamallayya	Traditional Healing Practices of Davangere District, Karnataka	National Workshop on Traditional Healing Practices in North East India	Ayurveda Regional Research Institute, New Itanagar at Ziro, Arunachal Pradesh	02-03.12.2014
57.	Doddamani S. H.	Understanding and management of Rheumatoid Arthritis as Vatarakta	Understanding and management of Rheumatoid Arthritis as Amavata and Vatarakta	Department of Panchakarma, GAMC, Bangalore.	17.03.2015
58.	Shantha T.R.	Useful parts of the plants and use of alternative parts and substitute plant drugs in the formulations & their standardization	CME Programme on Dravyaguna.	JSS Ayurveda Medical college, Mysore.	06.06.2014
59.	Shankar R.	Validation of traditional healing practices in North East	National Workshop on Traditional Healing Practices in North East India	Ziro, Organized by ARRI Itanagar	02-03 December, 2014
60.	Mandal T.K.	Vrikshayur veda :Concept of Organic Farming and Natural Pesticide	Training Programme -Season long Training Programme for field Officer on Vegetable Crops	Central Integrated Pest Management Centre, Gangtok, Directorate of Plant Protection, M/o Agriculture Govt. of India	13.9.2014
61.	Shiddamallayya	Wild Edible plants in Indian system of Medicine: Visakhapatnam, Andhra Pradesh	National conference on ETVAPP 2014	St. Joseph's Women's College (Autonomous), Vishakapatnam, Andhra Pradesh	24th & 25th July, 2014

3. PARTICIPATION IN AROGYA FAIRS/EXHIBITIONS:

Major Events

- Council participated in India International Wellness Expo held on 15th -17th May, 2014 at Mumbai Exhibition Centre, Mumbai. Raja Ramdeo Anandilal Podar Ayurveda Cancer Research Institute, Mumbai participated in the event on the behalf of Council. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The event was inaugurated by Shri Raj Kundra.

Dr. Sneha Marlewar, R.O. (Ay) explaining to visitors about Ayurveda and ACRI, Mumbai

- Council participated in IPHEX-2014 at Mumbai held on 21st to 23rd May, 2014 at Mumbai. Raja Ramdeo Anandilal Podar Ayurveda Cancer Research Institute, Mumbai participated in the event on the behalf of Council. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were the executed by the Council during the event. The event was inaugurated by Shri Prithvi Raj Chavan, Hon'ble Chief Minister of Maharashtra.

Dr. Sneha Marlewar, R.O. (Ay) explaining querries of visitors at the stall

- On behalf of Ministry of AYUSH, the Council participated in "Medical & Wellness tourism summit 2014" held on 25.07.2014 at India Habitat Centre, New Delhi organized by PHD chamber of Commerce and Industry. Sh. Nilanjan Sanyal, Hon'ble Secretary, Department of AYUSH and Sh. A.K. Ganeriwala, Joint Secretary, Ministry of AYUSH graced the inaugural session of the summit. Display of Council's activities and distribution of literature among the visitors were executed by the Council during the summit.

- Council participated in 18th National Health Exhibition on the theme "Service to the National for progress of India" from 3-7 Sept. 2014 at Amarabati Maidan, Kolkata. National Research Institute of Ayurveda for Drug Development, Kolkata participated in the event on the behalf of Council. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were the executed by the Council during the event.

- Council participated in 21st Perfect Health Mela 2014 organized by Heart Care Foundation of India, at Talkatora Indoor Stadium, New Delhi from 15th -19th October 2014. Ayurveda Central Research Institute, ACRI, Punjabi Bagh, New Delhi has participated on behalf of Council. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were the executed by the Council during the event.

- In compliance of directive of Ministry of AYUSH, Council has participated in the India International Trade Fair, (IITF) – 2014 from 14th & 27th November, 2014 at Pragati Maidan, New Delhi and ACRI, Punjabi Bagh has been participated in the event on behalf of CCRAS. A free medical check-up to the patients was also arranged by CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were the executed by the Council during the event. The event was inaugurated by Hon'ble President of India.

- In compliance of directive of Ministry of AYUSH, Council has participated in the Indo-US Summit & Knowledge Expo from 18th & 21st November, 2014 at India Expo Centre, Greater Noida, Delhi NCR. Display of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event.

- On behalf of Council Dr. Vinod Kumar Lavaniya, R.O. (Ay.) participated in 45th Nature Health Fair at Exhibition & Convention Centre, Ljubljana, Slovenia held during 13th to 16th November, 2014. Display of Council's activities and distribution of brochures for mass awareness were executed by the Council during the event. The event as inaugurated by H.E. Mr. Dejan Zidan, Minister of Agriculture, Forestry & Food of the republic of Slovenia.

- In compliance of directive of Ministry of AYUSH, Council has participated in the National Level Arogya Expo during 6th to 9th November, 2014 at Hall No. 18, Pragati Maidan, New Delhi on the occasion of 6th World Ayurveda Congress. Display & sale of Council's publications and

distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Dr. Harsh Vardhan, Hon'ble Minister of Health and Family Welfare, Govt. of India, lighting of lamp and graced the occasion with his inaugural speech.

- Council has participated in State AROGYA Mela at Anaj Mandi, Fardikot, Punjab from 12th to 14th December, 2014 organized by Ministry of AYUSH in collaboration with Govt. of Punjab. NIAPR, Patiala has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Shri Surjit Kumar Jyani, Hon'ble Minister of Health and Family Welfare, Govt. of Punjab.

- Council has participated in State AROGYA Mela at Sr. Sec. School, Zira, Dist. Ferozpur, Punjab from 02nd to 04th January, 2015 organized by Ministry of AYUSH in collaboration with Govt. of Punjab. NIAPR, Patiala has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Shri Surjit Kumar Jyani, Hon'ble Minister of Health and Family Welfare, Govt. of Punjab.

Lamp lighting ceremony by Health Minister, Punjab during the Arogya held at Zira

- Council has participated in Pravasi Bhartiya Divas at Gandhinagar, Gujarat from 7th to 9th January, 2015 organized by Ministry of AYUSH in collaboration with Ministry of Overseas and Govt. of Gujarat. ACDRI, Ahmadabad has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event.

A view of stall in celebration of Pravasi Bhartiya Divas

❖ Council has participated in State Arogya Fair at Gandhinagar during Vibrant Gujarat Summit-2015 from 7th -13th January, 2015 organized by Ministry of AYUSH in collaboration with Govt. of Gujarat. ACDRI, Ahmadabad has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event.

Sh. Nilanjan Sanyal, Secretary, Ministry of AYUSH visiting the stall during Arogya at Gandhinagar

- Council has participated in "102nd Indian Science Congress: Pride of India Expo" organized by the Indian Science Congress Association to be held at University of Mumbai, Kalina Campus, Mumbai from 3rd – 7th January, 2015. ACRI, Mumbai has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The event was inaugurated by Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India and Dr. Harsh Vardhan, Hon'ble Minister of Science and Technology, Govt. of India.

- Council has participated Lok Sabha Day Function being organized by Lok Sabha Secretariat Employees' Association on 10.01.2015 in the Parliament House Complex. ACRI, Punjabi Bagh has participated in the event on the behalf of CCRAS. A free medical check-up and distribution of medicine to the patients, display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event.

- Council has participated in National Level Arogya Fair during 21st to 24th January, 2015 at RBANMS Educational Charities Ground, Near Ulsoor, Bengaluru organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State Govt. of Karnataka and FICCI. NADRI, Bengaluru has participated in the event on the behalf of CCRAS. A free medical check-up and distribution of medicine to the patients, display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Hon'ble Minister Sri Sripad Yesso Naik , Ministry of AYUSH, Govt. of India. Sri Sri Ravi Shankar of the Art of Living Foundation was the chief guest. The guest of honour was Shri U.T. Khader, Hon'ble minister of Health and Family Welfare, Govt. of Karnataka.

Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble MoS (IC), Ministry of AYUSH, Govt. of India along with
Shri Anil K. Ganeriwala, JS, AYUSH Ministry, Govt. of India, inaugurating AYUSH & CCRAS Stalls at Bengaluru.

- Council has participated in Global Organic Agriculture Festival & Exhibition for Agriculture Traditions" during 23rd – 26th January, 2015 at Dongare Vastigruha Ground, Gangapur Road, Nasik organized by Shree Swami Samarth Krishi Vikas and Sanshodhan Charitable Trust. ACRI, Mumbai has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The event was inaugurated by Hon'ble Minister Sri Sripad Yesso Naik, Ministry of AYUSH, Govt. of India.

Mr. Shripad Naik, Hon'ble Minister of State (Independent Charge) Ministry of AYUSH, Govt. of India inaugurating of AYUSH Dome with Mr. Eknath Khadase, Cabinet Minister of Agriculture and revenue, Maharashtra Government

- Council participated in National level Arogya Fair held on 06th to 09th February, 2015 at VTI Ground, Shankar Nagar, Raipur, Chhattisgarh organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State of Government of Chhattisgarh and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry, New Delhi. Ayurveda Mental Health Research Institute, (AMHRI), Nagpur participated in the event on the behalf of Council. A free medical check-up and distribution of medicine to the patients was also arranged by CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The chief guest Hon'ble Chief minister of Chhattisgarh, Dr. Raman Singh inaugurated the programme along with the other dignitaries by lightening.

- Council participated in National level Arogya Fair held on 30th January to 02nd February, 2015 at Sonaram High School, Bharalumukh, Guwahati organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State of Government of Assam and Indian Chamber of Commerce, Kolkata. North Eastern India Ayurveda Research Institute (NEIARI), Guwahati participated in the event

on the behalf of Council. A free medical check-up and distribution of medicine to the patients was also arranged by CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Shri Nilanjan Sanyal, Secretary, Ministry of AYUSH, Govt. of India.

Secretary (AYUSH) visiting the stall during Arogya Fair at Guwahati

❖ Council participated in National level Arogya Fair held on 13th to 16th February, 2015 at SMS Investment Ground, Rambagh Circle, Jaipur, Rajasthan organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State of Government of Rajasthan and Confederation of Indian Industry, Noida. Ayurveda Central Research Institute (ACRI), Jaipur participated in the event on the behalf of Council. A free medical check-up and distribution of medicine to the patients was also arranged by CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Hon'ble Minister Sri Shripad Yesso Naik, Ministry of AYUSH, Govt. of India, Hon'ble Chief Minister of Rajasthan Vasundra Raje and Member of Parliament Shri Ram Charan Bohra, Jaipur.

Smt. Vasundhara Raje, C. M, Rajasthan and Hon. Shripad Yesso Naik,
Minister of AYUSH, Govt. of India lighting the lamp on the occasion of National Arogya Mela at Jaipur

❖ Council has participated in State Arogya Fair during 20th to 23rd Februrary, 2015 at Parade Ground, Sector-5, Panchkula, Haryana organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State Govt. of Punjab and Confederation of Indian Industry, Chandigarh. National Institute of Ayurveda Pharmaceutical Research (NIAPR), Patiala has participated in the event on the behalf of CCRAS.

Hon'ble Health Minister, Haryana inaugurating the Arogya at Panchkula

Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Shri Anuj Vij, Minister of Health, Haryana. He was accompanied by Zubin Irani, Chairman, CII, Northern Region, Shri Biswaroop Chowdhury, CII Chief of Haryana State, Shri Gulshan Ahuja, D.G. Ministry of AYUSH, Haryana, and other distinguished dignitaries on the dais. Shri Anuj Vij lit the lamp and flagged the commencement of the programme.

❖ Council participated in National level Arogya Fair held on 22nd to 25th February, 2015 at Janata Maidan, Nandan Kanan Road, Gajapati Nagar, Bhubaneswar organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State of Government of Odisha and Indian Chamber of Commerce, Kolkata. National Research Institute of Ayurvedic Drug Development (NRIADD), Bhubaneswar participated in the event on the behalf of Council. A free medical check-up and distribution of medicine to the patients was also arranged by CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Shri Naveen Patnaik, Hon'ble Chief Minister of Odisha.

- Council has participated in National Yoga Week from 12th to 18th Februray, 2015 at Morarji Desai National Institute of Yoga, New Delhi organized by Morarji Desai National Institute of Yoga, New Delhi. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event.

- Council has participated in State Arogya Fair during 12th to 15th March, 2015 at Law Auditorium, Punjab University, Chandigarh organized by Ministry of AYUSH in collaboration with Directorate of AYUSH, Punjab and All India Ayurvedic Congress, Chandigarh. National Institute of Ayurveda Pharmaceutical Research (NIAPR), Patiala has participated in the event on the behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Shri Surjit Kumar Jyani, Hon'ble Minister of Health and Family Welfare, Govt. of Punjab.

Prof. (Vd.) K.S. Dhiman, Director General , CCRAS, New Delhi Presenting Bouquets to Sh. Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of AYUSH, Govt. of India by during the Arogya at Chandigarh

- Council has participated in State Arogya Fair during 27th to 30th March, 2015 at Kala Academy, Campal – Panji, Goa organized by Ministry of AYUSH in collaboration with State Government of Goa and Arogya Bharti & Gomantak Ayurveda Mahavidyalaya & Research Centre, Shiroda, Goa. Ayurveda Cancer Research Institute (ACRI), Mumbai has participated in the event on the

behalf of CCRAS. Display & sale of Council's publications and distribution of brochures for health awareness were executed by the Council during the event. The Arogya Mela was inaugurated by Hon'ble Minister Sri Shripad Yesso Naik, Ministry of AYUSH, Govt. of India.

Dr. K.S. Dhiman D.G.,CCRAS welcoming to Mr. Shripad Y. Naik,
Honourable Minister of State (Independent Charge), Ministry of AYUSH, Govt. India

VI. ACKNOWLEGEMENT

The Director General of the Council places on record its deep appreciation for the services rendered by the members of the Governing Body (GB), Standing Finance Committee (SFC), Scientific Advisory Board (SAB) and Scientific Advisory Group (SAG). The valuable assistance, guidance and continued support extended by them to the Council in carrying forward various activities are acknowledged with gratitude.

The Director General of the Council also places on record his gratitude and deep sense of appreciation to scientists of various disciplines of medical system and other ancillary sciences, Universities and Government agencies who are directly or indirectly associated with this Councils and officials of the councils head quarters and peripheral institutes for extending their cooperation in implementing the various programmes undertaken during the period under report.

The Council avails this opportunity to place on record its profound thanks to Ministry of AYUSH, Government of India for their continuous support and co-operation which enabled the Council in carrying out its activities in the field of research.

The untiring efforts of Dr. Sobaran Singh, Research Officer (Scientist – 4) & Nodal Officer (Annual Report); Dr. Renu Singh, Research Officer (Ayurveda) in documenting the report are highly appreciated and deeply acknowledged. Further the contribution made by Dr.B.S.Sharma RO (Ay.) and Dr.V.K.Lavaniya RO (Ay.) is also appreciated.

The Council places on record the efforts put in by Dr. M.M. Padhi Deputy Director (Technical), Dr. N. Srikanth, Dr.Bharti, Dr. P.Pant, Dr.S.N.Gaidhani & Dr. G.V.R. Joseph Programme Officers, Deputy Director (Admn.), Sh. A.K. Tripathy; Account Officer, Hindi Section and all other Scientists, Officers and Staff members in bringing out the Annual Report in the present form.

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN AYURVEDIC SCIENCES

Ministry of AYUSH, Government of India
Jawahar lal Nehru Bhartiya Chikitsa Evam Homoeopathy Anusandhan Bhawan,
No. 61-65, Institutional Area, Opp. "D" Block, Janakpuri, New Delhi - 110 058
Tel.: 91-11-28524457, Fax : 91-11-28520748
Email : dg-ccras@nic.in., Website : www.ccras.nic.in